Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

●●●●●●●●●●●●●●●●

ఆదాబుల్-'ముస్లిమి;MUSLIM ;MANNERS;ETIQUETTE; इस्लामी चलन;; चरित्रा;;ఆదాబుల్ ముస్లిమి;آدَب زندگی; خلق عظیم;মহান চরিত্র;ముస్లిం;జీవనసరళి

ALLAAHU. SWT. CERTIFYING NABIYYINAA MUHAMMAD S.A.S. AS THE PERFORMER OF BEST HUMAN ETIQUETTE...

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

میرا کیا أوقات؟؟؟

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-QALAM (68:2)

مَآ أَنتَ بِنِعْمَةِ رَبِّكَ بِمَجْنُونٍ

تو اپنے رب کے فضل سے دیوانہ نہیں ہے

আপনার পালনকর্তার অনুগ্রহে আপনি উম্মাদ নন।

THOU ART NOT, BY THE GRACE OF THY LORD, ALLAAHU MAD OR POSSESSED.

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

तुम अपने रब की अनुकम्पा से कोई दीवाने नहीं हो

/68/2

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-QALAM (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلاق پر ہے

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।

AND THOU (STANDEST) ON AN EXALTED STANDARD OF CHARACTER.

निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

हो....../68/4

●●●●●●●●●●●●●●●●

ISLAAMIC MANNERS AND ;;BUILDING OF CHARACTER;;बेमिसाल चरित्रा;; خلق عظيم;; మంచి నడవడిక;;মহান চরি

Navigator to Muslim etiquette......folio...4

Error Quotient-;;---;;- -1/+1

.4..folio لَقَدْ كَانَ لَكُمْ فِى رَسُولِ ٱللَّهِ أُسْوَةٌ حَسَنَةٌ

;;;أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُمْ

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং **;;;Do you enjoin right conduct on the people, and forget yourselves;;;** بھلائیوں کا حکم کرتے ہو;;;మంచిపనులుచేయమని ఉరమాయిస్తావు గానీ... ;;;लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो;;;**...45**

47.......وَٱلۡفِتۡنَةُ أَشَدُّ مِنَ ٱلۡقَتۡلِ

أَمۡسِكُوهُنَّ

بِمَعۡرُوفٍ أَوۡ سَرِّحُوهُنَّ بِمَعۡرُوفٍ

;;; তারা নির্ধারিত ইদ্দত সমাপ্ত করে নেয়, তখন তোমরা নিয়ম অনুযায়ী তাদেরকে রেখে দাও অথবা সহানুভুতির সাথে তাদেরকে মুক্ত করে দাও **;;;DIVORCE women JUSTLY . either take them back on equitable terms or set them free on equitable terms(2:231);;;** دو اور وہ اپنی عدت ختم کرنے پر آئیں تو اب انہیں اچھی طرح بساؤ، یا بھلئی کے ساتھ الگ کردو اور ;;; ;;; स्त्री अपनी निश्चित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, जो अच्छे अन्दाज़ मे उन्हें रोक लो या उन्हें विदा कर दो ;;;**...48**

لَا تُبۡطِلُواْ صَدَقَٰتِكُم بِٱلۡمَنِّ وَٱلۡأَذَىٰ

;;; নিজেদের দান খয়রাত বরবাদ করো না ;;; **cancel not your charity by reminders of your generosity or by injury:(2:264);;;** اپنی خیرات کو احسان جتا کر اور ایذا پہنچا کر برباد نہ کرو;;;గొప్పలకోసం-పబ్లిసిటీకోసం చేసేదానాలు-నష్టం-వ్యర్థం ;;;अपने सदक़ो को एहसान जताकर और दुख देकर नष्ट न करो;;;

....51

وَمَا تُنفِقُوا۟ مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ ٱللَّهَ بِهِۦ عَلِيمٌ

;;; তোমরা যে অর্থ ব্যয় করবে, তা আল্লাহ তা'আলা অবশ্যই পরিজ্ঞাত।

;;Allaah KNOWS YOUR CHARITY (2:273);;; تم جو کچھ مال خرچ کرو تو أللہ تعالیٰ اس کا جاننے والا ہے ;;; జనాలు సన్మార్గంలో చేసే ఖర్చు రబ్బుల్ ఆలమీన్ నోట్ చేస్తున్నారు- ;; जो माल भी तुम ख़र्च करोगे, वह अल्लाह को ज्ञात होगा**....54**

وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلْمُحْسِنِينَ

;;;আল্লাহ সৎকর্মশীলদিগকেই ভালবাসেন।

;;;Allaah LOVES THOSE WHO DO GOOD;;; أللہ تعالیٰ ان نیک کاروں سے

محبت کرتا ہے ;; మంచిపనులజేసేవాళ్ళను అల్లాహు.తఆలా లైక్'జేస్తారు-

;;; और अल्लाह को भी ऐसे लोग प्रिय है, जो अच्छे से अच्छा कर्म करते है...**57**

فَٱعْفُ عَنْهُمْ وَٱسْتَغْفِرْ لَهُمْ وَشَاوِرْهُمْ فِى ٱلْأَمْرِ;;; কাজেই আপনি তাদের ক্ষমা করে দিন এবং তাদের জন্য মাগফেরাত কামনা করুন এবং **;;;BE FORGIVING AND CONSULTATIVE ;;** سو آپ ان سے درگزر کریں اور ان کے لئے استغفار کریں اور کام کا مشورہ ان سے کیا کریں ;; జనాలను క్షమించి-వాళ్ళకై ఇస్తగ్ఫా'రు జేయవలె- +సంప్రదింపులూ-;; क्षमा कर दो और उनके लिए क्षमा की प्रार्थना करो। और मामलों में ;; **(3:159)....59**

وَمَن يَغْلُلْ يَأْتِ بِمَا غَلَّ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ

;; আর যে লোক গোপন করবে সে কিয়ামতের দিন সেই গোপন বস্তু নিয়ে আসবে **;;NO MISAPPROPRIATION (3:161);;** خیانت کرنے والا خیانت کو لئے ہوئے قیامت کے دن حاضر ہوگا;; ఇక్కడే మోసంజేసినా జెల్లుగానీ-అక్కడ లెక్కతో చెల్లించాల్సివస్తుంది- ;; जो कोई कीना-कपट रखेगा तो वह क़ियामत के दिन अपने द्वेष समेत हाज़िर होगा। ;;.....**61**

;;يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا يَحِلُّ لَكُمْ أَن تَرِثُوا۟ ٱلنِّسَآءَ كَرْهًا

নারীদেরকে উত্তরাধিকারে গ্রহন করা তোমাদের জন্যে হালাল নয় এবং **;; Muslims ARE EXPRESSLY FORBIDDEN TO INHERIT WOMEN AGAINST THEIR WILL. ....(4:19);;**ఆడోళ్ళను-సంపదలను బలంతో గైకొనరాదు- ;; ایمان والو**!** تمہیں حلال نہیں کہ زبردستی عورتوں کو ورثے میں لے بیٹھو ;;तुम्हारे लिए वैध नहीं कि स्त्रियों के माल के ज़बरदस्ती वारिस बन बैठो.....**63**

;; لَا تَأْكُلُوٓا۟ أَمْوَٰلَكُم بَيْنَكُم بِٱلْبَٰطِلِ;;وَلَا تَقْتُلُوٓا۟ أَنفُسَكُمْ অপরের সম্পদ অন্যায়ভাবে গ্রাস করো না; ;তোমরা নিজেদের কাউকে হত্যা করো না। **;DON'T CONSUME THE WEALTH OF THE VULNERABLE WRONGLY OR KILL ANY SOUL.(4:29);;**ناجائز طریقہ سے آپس کے مال ;;مت کھاؤ;; قتل نہ کرو ఇతరులసొమ్ముతో సోకులుకూడవు;+మీలోమీరు మర్డర్లుజేసుకోకండి-; आपस में एक-दूसरे के माल ग़लत तरीक़े से न खाओ*** और न अपनों की हत्या करो;;...**66**

;;فَسَلِّمُوا۟ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ تَحِيَّةً مِّنْ عِندِ ٱللَّهِ مُبَٰرَكَةً طَيِّبَةً যখন তোমরা গৃহে প্রবেশ কর, তখন তোমাদের স্বজনদের প্রতি সালাম বলবে। **;;Social ETIQUETTE // GREETING WITH SALAAM FROM THE ALMIGHTY ALLAAHU.SWT .;;** اپنے گھر والوں کو سلام کرلیا کرو دعائے خیر ہے جو بابرکت اور پاکیزہ ہے **;;** ఇండ్లలోకి దూరేముందు సలాము

చేయాలి! ;;जब घरों में जाया करो तो अपने लोगों को सलाम किया करो, अभिवादन अल्लाह की ओर से....**69**

إِذَا ضَرَبْتُمْ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ فَتَبَيَّنُوا;; যখন আল্লাহর পথে সফর কর, তখন যাচাই করে নিও এবং;;**BRANDING OTHERS AS DISBELIEVERS WITHOUT SURE KNOWLEDGE (4:94);;** جب تم ألله کی راہ میں جا رہے ہو تو تحقیق کر لیا کرو ;; రుజుమార్గపోకడలో నిజం తెలుసుకోవాలి ;;जब तुम अल्लाह के मार्ग से निकलो तो अच्छी तरह पता लगा लो और.....**74**

وَٱلصُّلْحُ خَيْرٌ;; যদি তোমরা উত্তম কাজ কর এবং খোদাভীরু হও, তবে ;;**AMICABLE SETTLEMENT BETWEEN COUPLES-MARITAL TRANQUILITY (4:128);;**آپس میں جو صلح کر لیں ;; صلح بہت بہتر چیز ہے ;;ఆలుమగలుకలిసివుంటేనే కలదు సుఖం- ;; दोनों आपस में मेल-मिलाप की कोई राह निकाल ले ;;....**77**

كُونُوا۟ قَوَّٰمِينَ بِٱلْقِسْطِ شُهَدَآءَ لِلَّهِ وَلَوْ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ أَوِ ٱلْوَٰلِدَيْنِ وَٱلْأَقْرَبِينَ;; তোমরা ন্যায়ের উপর প্রতিষ্ঠিত থাক; আল্লাহর ওয়াস্তে ন্যায়সঙ্গত সাক্ষ্যদান কর, তাতে তোমাদের নিজের বা ;; **BE JUST, EVEN AGAINST ONE´S SELF & RELATIVES (4:135);;** سچی گواہی دینے والے بن جاؤ، گو وہ خود تمہارے اپنے خلاف ;;సొంతలాభాలకై అధర్మం-

అన్యాయంచేయక ;;इनसाफ़ पर मज़बूती के साथ जमे रहो, चाहे वह स्वयं तुम्हारे अपने या माँ-बाप और नातेदारों के विरुद्ध ही क्यों न हो। **;;...79**

যখন **;;** فَلَا تَقْعُدُواْ مَعَهُمْ حَتَّىٰ يَخُوضُواْ فِى حَدِيثٍ غَيْرِهِ আল্লাহ তা’ আলার আয়াতসমূহের প্রতি অস্বীকৃতি জ্ঞাপন ও বিদ্রুপ হতে শুনবে **;;BEING WITH MOCKERS OF ISLAAM (4:140);;** ఇస్లాంను హేళనజేసేవాళ్ళతో కూకోక**;;;** ألله تعالیٰ کی آیتوں کے ساتھ کفر کرتے اور مذاق اڑاتے ہوئے سنو تو اس مجمع میں ان کے ساتھ نہ بیٹھو**!;;** अल्लाह की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उसका उपहास किया जा रहा है, तो**;;...82**

কিন্তু পাকড়াও করেন **;;;**وَلَٰكِن يُؤَاخِذُكُم بِمَا عَقَّدتُّمُ ٱلْأَيْمَٰنَ ঐ শপথের জন্যে যা তোমরা মজবুত করে বাধ।**;;; will call you to account for your deliberate oaths(5:89);;**వఅద-పూరా కర్నా లాజిమ్- مؤاخذہ اس پر فرماتا ہے کہ تم جن قسموں کو مضبوط کردو **;;;**जो तुमने पक्की क़समें खाई हों, उनपर वह तुम्हें पकड़ेगा**...85**

এমন কথাবার্তা**;;**لَا تَسْـَٔلُواْ عَنْ أَشْيَآءَ إِن تُبْدَ لَكُمْ تَسُؤْكُمْ**;** জিজ্ঞেস করো না**;;;Ask not questions about things which(5:101);;** మాటకు మధ్యలో అడగరాదు-; ایسی باتیں مت پوچھو کہ **;;;**ऐसी चीज़ों के विषय में न पूछो **...88**

أَن يَأْتُوا۟ بِٱلشَّهَٰدَةِ عَلَىٰ وَجْهِهَآ ;; তারা ঘটনাকে সঠিকভাবে প্রকাশ করবে অথবা;;**TRUTHFUL EVIDENCE ...**జరిగినదానికి సత్యసాక్ష్యంఇయ్యాలే- .;; واقعہ کو ٹھیک طور پر ظاہر کریں یا ;;ठीक-ठीक गवाही देंगे **...90**

وَلَا تَسُبُّوا۟ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ ;; তোমরা তাদেরকে মন্দ বলো না, যাদের তারা আরাধনা করে আল্লাহকে ছেড়ে। ;; **INSULTING OTHERS' GODS IS STRICTLY PROHIBITED IN ISLAAM...;;** اور گالی مت دو ان کو جن کی یہ لوگ أللہ تعالیٰ کو چھوڑ کر عبادت کرتے ;;अल्लाह के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो।**.......92**

وَلَا تَقْرَبُوا۟ مَالَ ٱلْيَتِيمِ إِلَّا بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ ;; এতীমদের ধনসম্পদের কাছেও যেয়ো না **;; swindlng of Orphan's Property ,;;** అనాథ-యతీముల ఆస్తులనుకాజేయకూడదే..;; اور یتیم کے مال کے پاس نہ جاؤ ;;अनाथ के धन को हाथ न लगाओ, **...95**

وَإِن جَنَحُوا۟ لِلسَّلْمِ فَٱجْنَحْ لَهَا ;;যদি তারা সন্ধি করতে আগ্রহ প্রকাশ করে, তাহলে তুমিও সে দিকেই আগ্রহী হও **;;pace for PEACE, (8:61);;** సంధికోరే శత్రువుతో సంధి చేసుకోవాలి;; اگر وہ صلح کی طرف جھکیں تو تو بھی صلح کی طرف جھک جا ;;यदि वे संधि और

सलामती की ओर झुकें तो तुम भी इसके लिए झुक जाओ **...97**

ٱلْمُطَّوِّعِينَ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ فِى ٱلصَّدَقَٰتِ **;;** সে সমস্ত লোক যারা ভৎর্সনা-বিদ্রূপ করে;;;**belittling muminoona** /మోమినుల దానాలను కించపరచి యెద్దేవా చేయుట-**Trivializing.**;;. جولوگ ان مسلمانوں پر طعنہ زنی کرتے ہیں;;;.मोमिनो:का उपहास करना **...101**

ٱدْعُ إِلَىٰ سَبِيلِ رَبِّكَ**;;**আপন পালনকর্তার পথের প্রতি আহবান করুন **;;CALLING OTHERS TO ISLAAM-IS FULFILMENT OF DIVINE DUTY . (**16:125**),;;** ఇస్లాంవైపు జనాలకు **"**దావతు**"**ప్రతిఒక్కనికీ**....**డ్యూటీ**;;** اپنے رب کی راہ کی طرف لوگوں کو حکمت اور بہترین نصیحت کے ساتھ بلائیے **;;**अपने रब के मार्ग की ओर तत्वदर्शिता और सदुपदेश के साथ बुलाओ **...103**

فَعَاقِبُوا۟ بِمِثْلِ مَا عُوقِبْتُم بِهِۦ وَلَئِن صَبَرْتُمْ**;;;**আর যদি তোমরা প্রতিশোধ গ্রহণ কর, তবে ঐ পরিমাণ প্রতিশোধ গ্রহণ করবে **;;PATIENCE IS THE BEST THING ,THAN EQUIVAL RETALIATION-;;** సమానరీతిలో ప్రతీకారం-కంటే ఓపిక-సబరే గొప్ప**-;;** اگر بدلہ لو بھی تو بالکل اتنا ہی جتنا صدمہ تمہیں پہنچایا گیا ہو اور اگر صبر **(16:126)** ,; और यदि तुम बदला लो तो उतना ही जितना तुम्हें कष्ट पहुँचा हो, किन्तु यदि तुम सब्र करो**...106**

وَبِٱلْوَٰلِدَيْنِ إِحْسَٰنًا;;পিতা-মাতার সাথে সদ্ব-ব্যবহার ;;

KINDNESS TO PARENTS (17:23);; తలిదండ్రుల యెడల దయ ;; ماں باپ کے ساتھ احسان;;माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार **...108**

ءَاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ;;;আত্নীয়-স্বজনকে তার হক দান কর;:**GIVE TO THE KINDRED HIS DUE AND TO THE MISKIN (POOR) AND TO THE WAYFARER ;;** పేదలకు,చుట్టాలకు---వాళ్ళ హక్కులు ఇవ్వాలి-;; اور رشتے داروں کا اور مسکینوں اور مسافروں کا حق ادا کرتے رہو **(17:26)**;;और नातेदार को उसका हक़ दो मुहताज और मुसाफ़िर को भी**....110**

فَقُل لَّهُمْ قَوْلًا مَّيْسُورًا;;তাদের সাথে নম্রভাবে কথা বল।;;

IF NOT AIDING, SPEAK NICE WORDS;;చల్లగా ముచ్చటించుట ;; اور نرمی سے انہیں سمجھا دے **(17:28)**;;तो इस दशा में तुम उनसें नर्म बात करो**....112**

তোমরা তাকে নম্র কথা বল **;;Speak mildly, even to others;;** అణకువ,వినయం;; نرمی سے سمجھاؤ کہ شاید وہ سمجھ لے **(20:44)**;;नर्म बात करना,**....114**

فَٱجْتَنِبُوا۟ ٱلرِّجْسَ مِنَ ٱلْأَوْثَٰنِ;;; তোমরা মূর্তিদের

অপবিত্রতা থেকে বেঁচে থাক ;;;**Shun the abomination of idols, and shun the word that is false(22:30),;** విగ్రహాలరొచ్చునుండి ఇజ్తునాబు;;; پس تمہیں بتوں کی گندگی سے بچتے رہنا چاہئے....**116**

وَأَطْعِمُوا۟ ٱلْقَانِعَ وَٱلْمُعْتَرَ;;আহার করাও যে কিছু যাচ্ঞা করে না তাকে এবং যে যাচ্ঞা করে তাকে।;;**FEED THE BEGGAR WHO DOES NOT ASK (MEN), AND THE BEGGAR WHO ASKS** ;;అడిగే బిచ్చగాళ్ళకూ/ యాచించని పేదలకూ సహాయం- ;; مسکین سوال سے رکنے والوں اور سوال کرنے والوں کو بھی کھلاو **(22:36)...118**

. صفات المؤمن ;; মোমিনের সিফাত ;; **Qualities of a Mumin.**;;;మోమినులక్షణాలు ఇవే;;;मोमिन की सिफ़ात;;;...**121**

ٱلَّذِينَ يَرْمُونَ ٱلْمُحْصَنَٰتِ ٱلْغَٰفِلَٰتِ ٱلْمُؤْمِنَٰتِ لُعِنُوا;;; যারা সতী-সাধ্বী, নিরীহ ঈমানদার নারীদের প্রতি অপবাদ আরোপ করে ;;;**ACCUSING OTHERS OF IMMORALITY;;** بھولی بھالی باایمان عورتوں پر تہمت ;;అభాండాలు;;;शरीफ़, पाकदामन, भोली-भाली बेख़बर ईमानवाली स्त्रियों पर तोहमत लगाते ;;;...**124**

وَقُولُوا۟ قَوْلًا سَدِيدًا ;;;;সঠিক কথা বল।

;;; سیدھی سیدھی (سچی) باتیں کیا کرو;;;**SPEAK GENTLY,**;;;

మంచిమాటలు;;;और बात कहो ठीक सधी हुई;;;...126

◢▁●◢▁ ◤ظَنَّ ٱلْمُؤْمِنُونَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتُ◤ ;;; নির্জলা অপবাদ ;;; **THINK GOOD OF OTHERS (24:12);;;** صریح بہتان ہے

ఇతరులకూ మంచే కోరాలి-;;;;खुली तोहमत ;;;...**128**

◢▁●◢▁ ◤وَتَقُولُونَ بِأَفْوَاهِكُم مَّا لَيْسَ لَكُم بِهِۦ عِلْم◤ ;;; এটা আল্লাহরﷻ কাছে গুরুতর ব্যাপার ছিল। ;;;**DON'T SPREAD GOSSIP (24:15);;;** لیکن أللہ تعالیٰ کے نزدیک وہ بہت بڑی بات تھی ;;;పుకార్లు ;;; हालाँकि अल्लाहﷻ के निकट वह एक भारी बात ;;;...**130**

_◢▁◢▁● ◤بُهْتَٰنٌ عَظِيم ;;; গুরুতর অপবাদ;;;**SLANDER (24:16);;;** بہت بڑا بہتان ;;;నిందారోపణలు;;; बड़ी तोहमत;;;....**132**

◢▁◢▁● ◤وَلَا يَأْتَلِ أُو۟لُوا۟ ٱلْفَضْلِ◤ ;;;তোমাদের মধ্যে যারা উচ্চমর্যাদা ও আর্থিক প্রাচুর্যের অধিকারী, তারা যেন কসম না খায় যে, ;;;**Swearing not to give (24:22);;;** صدقة دینےسے إنکار ;;; యేలాటి సాయంచేయనని భీష్మించుట ;;; देने से बाज़ रहने की क़सम न खा......**134**

◢▁●◢▁ ◤لَا تَدْخُلُوا۟ بُيُوتًا غَيْرَ بُيُوتِكُمْ حَتَّىٰ تَسْتَأْنِسُوا◤ ;;; তোমরা

নিজেদের গৃহ ব্যতীত অন্য গৃহে প্রবেশ করো না, যে পর্যন্ত আলাপ-পরিচয় না কর;;;**DON'T ENTER HOMES WITHOUT PERMISSION (24:27-28);;;**اور گھروں میں نہ جاؤ جب تک کہ اجازت نہ لے لو اور;;; ఆ ఇంటివాళ్ళ పర్మిషన్ తీసుకొన్న తరువాతనే ,ఇతరుల కొంపలలోకి దూరాలి! ;;; अपने घरों के सिवा दूसरे घरों में प्रवेश करो, जब तक कि रज़ामन्दी हासिल न कर लो;;;...**137**

فَلْيَسْتَـْٔذِنُوا;;; তারাও যেন তাদের পূর্ববর্তীদের ন্যায় অনুমতি চায়;;;**SEEK PERMISSION BEFORE ENTERING SOMEONE'S ROOM (24:59);;;** انہیں بھی اجازت مانگ کر آنا ;; బిగ్గెర్ ఇజాజత్ యెవరి గదిలోకీ పోరాదే-;;; उन्हें चाहिए कि अनुमति ले लिया करें ;;;,,**140**

لَمْ يَذْهَبُوا۟ حَتَّىٰ يَسْتَـْٔذِنُوهُ ;;; সমষ্টিগত কাজে শরীক হলে তাঁর কাছ থেকে অনুমতি গ্রহণ ব্যতীত চলে যায় না ;;;**SEEK PERMISSION BEFORE LEAVING A GATHERING (24:62);;;** ;;; మంది/మందలోనుండి లేచిపోవటం-యెలా?;;;

اجازت لیکے محفل سے کسکنا ;;;जब किसी सामूहिक मामले के लिए साथ हो तो चले न जाएँ जब तक कि उससे अनुमति न प्राप्त कर लें।...**143**

DON'T CALL THE PROPHET IN THE

SAME MANNER YOU ADDRESS OTHERS' ......FOLIO...146

●◢▁● ◤ ٱلَّذِينَ يَمْشُونَ عَلَى ٱلْأَرْضِ هَوْنًا ;;; যারা পৃথিবীতে নম্রভাবে চলাফেরা করে;;; **WALK IN A HUMBLE MANNER (25:63);;;** جو زمین پر فروتنی کے ساتھ چلتے ہیں ;;;धरती पर नम्रतापूर्वक चलते है ;;;**149**

●.◢▁● ◤ إِذَا خَاطَبَهُمُ ٱلْجَٰهِلُونَ قَالُوا۟ سَلَٰمًا ;;; তাদের সাথে যখন মুর্খরা কথা বলতে থাকে, তখন তারা বলে, সালাম ;;;**SPEAK NICELY, EVEN TO THE IGNORANT (25:63);;;** لوگ ان سے باتیں کرنے لگتے ہیں تو وہ کہہ دیتے ہیں کہ سلام ہے ;;;और जब जाहिल उनके मुँह आएँ तो कह देते है, "तुमको सलाम!". ;;;....

● ◤◢▁●

وَٱلَّذِينَ إِذَآ أَنفَقُوا۟ لَمْ يُسْرِفُوا۟ وَلَمْ يَقْتُرُوا۟ وَكَانَ بَيْنَ ذَٰلِكَ قَوَامًا;;;যখন ব্যয় করে, তখন অযথা ব্যয় করে না কৃপণতাও করে না এবং তাদের পন্থা হয় ;;; **DON'T BE MISERLY NOR EXTRAVAGANT (25:67);;;** نہ تو اسراف کرتے ہیں نہ بخیلی، بلکہ ان دونوں کے درمیان معتدل طریقے پر خرچ کرتے ہیں ;;దుబారాఖర్చు- పిసినారితత్వం-;;ख़र्च करते है तो न अपव्यय करते है और न ही तंगी से काम लेते है, बल्कि..**151**

● ◢▁● ◤ أَتُمِدُّونَنِ بِمَالٍ فَمَآ ءَاتَىٰنِۦَ ٱللَّهُ خَيْرٌ ;;;সুলায়মান বললেন,

তোমরা কি ধনসম্পদ দ্বারা আমাকে সাহায্য করতে চাও? আল্লাহ আমাকে যা দিয়েছেন, তা তোমাদেরকে প্রদত্ত বস্তু থেকে উত্তম **;;DON'T TAKE BRIBES OR INDUCE (27:36);;;** نے فرمایا کیا تم مال سے مجھے مدد دینا چاہتے ہو؟ مجھے تو میرے رب نے اس سے بہت بہتر دے رکھا ہے;;; లంచం-గైకొనుట-ఇచ్చుట-హరాముకాదా? ;;; क्या तुम माल से मेरी सहायता करोगे, तो जो कुछ अल्लाह ने मुझे दिया है वह उससे कहीं उत्तम है **;;.153**

◤ ● ◢ ● আল্লাহ ;;; لَا تَفْرَحْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ ٱلْفَرِحِينَ ◤ ● ◢ ● দাম্ভিকদেরকে ভালবাসেন না।;;; **DON'T EXULT (28:76);;;** أللہ تعالیٰ اترانے والوں سے محبت نہیں رکھتا ;;; గర్వపడకు!విర్రవీగకు! ;;; इतरा मत, अल्लाह इतरानेवालों के पसन्द नही करता**...157**

◤◢● ◤DON'T TURN YOUR CHEEK AWAY FROM PEOPLE IN ARROGANCE (31:18).....159

◤ ● ◢ ● পদচারণায়;;;وَٱقْصِدْ فِى مَشْيِكَ وَٱغْضُضْ مِن صَوْتِكَ ◤ ● ◢ ● মধ্যবর্তিতা অবলম্বন কর এবং কন্ঠস্বর নীচু কর। ;;; **be moderate in your walking, and lower your voice(31:19);;;** اپنی رفتار میں میانہ روی اختیار کر، اور اپنی آواز پست کر ;;; మెల్లగా నడు! సన్నగొంతుతో పలుకు ;;; चाल में सहजता और संतुलन बनाए रख और अपनी आवाज़ धीमी रख।

;;;161

●◢● ◤ ٱلنَّبِىُّ أَوْلَىٰ بِٱلْمُؤْمِنِينَ مِنْ أَنفُسِهِمْ وَأَزْوَٰجُهُۥٓ أُمَّهَٰتُهُمْ ;;; নবী মুমিনদের নিকট তাদের নিজেদের অপেক্ষা অধিক ঘনিষ্ঠ এবং তাঁর স্ত্রীগণ তাদের মাতা **;;;WIVES OF THE PROPHET ARE EQUIVAKENT TO OUR MOTHERS (33:6);;;** رسول ﷺ کی،بیویاں مومنوں کی مائیں ہیں ;;; రసూలు.సఅస-గారు మోమినులలో అత్యుత్తములు-వారి భార్యలు మనకు తల్లులు- ;;; नबी का हक़ ईमानवालों पर स्वयं उनके अपने प्राणों से बढ़कर है। और उसकी पत्नियों उनकी माएँ है **;;;..,163**

◉◤◈◇◆◉........DON'T HARM BELIEVERS.......● 166

●◢● ◤ ٱدْفَعْ بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ ;;;জওয়াবে তাই বলুন যা উৎকৃষ্ট **;;;RESPOND TO EVIL WITH GOOD (41:34);;;** برائی کو بھلائی سے دفع کرو ;;; చెడ్డను గుడక మంచితో యెదురుకో- ;;;बुराई को) अच्छे से अच्छे आचरण के द्वारा दूर करो**...170**

◢● ● ◤ لَا تَرْفَعُوٓا۟ أَصْوَٰتَكُمْ فَوْقَ صَوْتِ ٱلنَّبِىِّ ;;;মুমিনগণ! তোমরা নবীর কন্ঠস্বরের উপর তোমাদের কন্ঠস্বর উঁচু করো না **;;; DON'T RAISE YOUR VOICE ABOVE THAT OF THE PROPHET'S (49:2);;;** آوازیں

నబి కి آواز سے اوپر نہ کرو ;;; హదీసులపై వితండవాదం-కూడదు- ;;;

अपनी आवाज़ों को नबी की आवाज़ से ऊँची न करो। ...172

●◢▁● ◤ إِن جَآءَكُمْ فَاسِقٌۢ بِنَبَإٍ فَتَبَيَّنُوٓا۟;;;যদি কোন পাপাচারী ব্যক্তি তোমাদের কাছে কোন সংবাদ আনয়ন করে, তবে তোমরা পরীক্ষা করে দেখবে, ;;; **VERIFY INFORMATION FROM A DUBIOUS SOURCE/BUZROGUE...;;;** کوئی فاسق خبر دے تو تم اس کی اچھی طرح تحقیق کر لیا کرو ;;;ఎవడైనా ఏదైనా ముచ్చటజెబితే అది-సరైనదా కాదా అనే-నిర్ధారణ అవసరం-ముఖ్యముగ బుజ్రోగుల మిథ్యాకతలు-కమామీషులు-- ;;; यदि कोई अवज्ञाकारी तुम्हारे पास कोई ख़बर लेकर आए तो उसकी छानबीन कर लिया करो। ;;;...175

●◢▁● ◤فَأَصْلِحُوا۟ بَيْنَهُمَا بِٱلْعَدْلِ وَأَقْسِطُوٓا۟;;;; তোমরা তাদের মধ্যে ন্যায়ানুগ পন্থায় মীমাংসা করে দিবে এবং ইনছাফ করবে ;;;**MAKE PEACE BETWEEN FIGHTING GROUPS (49:9);;;** پھر انصاف کے ساتھ صلح کرا دو اور عدل کرو;;;उनके बीच न्याय के साथ सुलह करा दो, और इनसाफ़ करो। ;;;....177

●◢▁● ◤لَا يَسْخَرْ ;;; উপহাস না করে ;;; **DON'T INSULT (49:11);;;** مذاق نہ اڑائیں ;;; ఎవరినీ కించపరచరాదు ;;; ऐक दूसरे का हँसी न उड़ाए ;;; وَلَا تَلْمِزُوٓا۟ ;;; দোষারোপ করো না ;;;**DON'T CALL OTHERS WITH**

BAD NAMES (49:11);;; ఎవరికీ చెడ్డపేర్లు పెట్టక;;; آپس میں ایک دوسرے کو عیب نہ لگاؤ ;;; न अपनों पर ताने कसो और ;; وَلَا تَنَابَزُوا۟;;মন্দ নামে ডেকো না। **;;DON'T MAKE FUN OF OTHERS (49:11);;;** ఎవరినీ మజాకు చేయరాదు ;;; نہ کسی کو برے لقب دو۔ ;;; न आपस में एक-दूसरे को बुरी उपाधियों से पुकारो। **;;;...181**

;;; ٱجْتَنِبُوا۟ كَثِيرًا مِّنَ ٱلظَّنِّ ◤ ▁●◢ ●

وَلَا تَجَسَّسُوا۟ وَلَا يَغْتَب بَّعْضُكُم بَعْضًا ;; মুমিনগণ, তোমরা অনেক ধারণা থেকে বেঁচে থাক। নিশ্চয় কতক ধারণা গোনাহ। এবং গোপনীয় বিষয় সন্ধান করো না। তোমাদের কেউ যেন কারও পশ্চাতে নিন্দা না করে;;; **Avoid much suspicions, indeed some suspicions are sins. And spy not, neither backbite one another... ;; (49:12);;** اور بھید نہ ٹٹولا کرو اور نہ بہت بدگمانیوں سے بچو ;تم میں سے کوئی کسی کی غیبت کرے ;;; పెక్కుఆలోచనలు పాపయుక్త అనుమాన పెనుభూత 'గుమాన'ములు-మాత్రమే-;గూఢచర్య+పరోక్ష నింద గొప్పపాపాలు;;बहुत से गुमानों से बचो, क्योंकि कतिपय गुमान गुनाह होते है। और न टोह में पड़ो और न तुममें से कोई किसी की पीठ पीछे निन्दा करे **- ;;;...185**

● ◢●▁◤ إِنَّا خَلَقْنَٰكُم مِّن ذَكَرٍ وَأُنثَىٰ ;;;আমি তোমাদেরকে এক পুরুষ ও এক নারী থেকে সৃষ্টি করেছি এবং **;;; We have created you from a**

male and a female, (49:13);;; تم سب کو ایک (ہی) مرد وعورت سے پیدا کیا ہے ;;; మనుషులని దేవుడు ఒకే జంటనుండి కలిగించారు-;;;हमनें तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से सृष्टि किया और ;;;....**188**

ضَيْفِ إِبْرَٰهِيمَ ٱلْمُكْرَمِينَ ◤ ●▁◢ ●

;;;; একটি ঘৃতেপক্ক মোটা গোবৎস নিয়ে হাযির হল। ;;;;; **PROPHET IBRAHEEM OFFERED CALF MEAT TO HIS GUESTS**

(51:24-27);;; لائے (کا گوشت) ایک فربہ بچھڑے ;;; ఇబరాహీం అ స,గారు కాల్చిన దూడమాంసాన్ని అతిథులకు ఆఫర్ చేసిరి-;;;अपने घरवालों के पास गया और एक मोटा-ताज़ा बछड़ा का भूना हुआ मांस ले आया...**190**

● ◢●▁ ◤ فَلَا تُزَكُّوٓا۟ أَنفُسَكُمْ;;;তোমরা আত্নপ্রশংসা করো না। ;;; **So ascribe not purity to yourselves. (53:32);;;** -**100 %** ప్యూర్ -పతివ్రతను- నేనే అనుకోవడం- (సుపీరియారిటీ కాంప్లెక్స్);;; پس تم اپنی پاکیزگی آپ بیان نہ کرو ;;;अपने मन की पवित्रता और निखार का दावा न करो। ;;;....**195**

● ◢▁ ◤●

فَلَا تَتَنَٰجَوْا۟ بِٱلْإِثْمِ وَٱلْعُدْوَٰنِ وَمَعْصِيَتِ ٱلرَّسُولِ◆ ;;;কানাকানি কর, তখন পাপাচার, সীমালংঘন ও রসূলের অবাধ্যতার বিষয়ে কানাকানি করো না

;;; **Hold not secret counsel, for sin and wrong-doing, and disobedience (58:9);;;** محاسبہ کی معصیت**WEBINAR/ SEMINAR /MATING ETC..**مت کر ;;; वार्ता करो तो गुनाह और ज़्यादती और रसूल की अवज्ञा की गुप्त वार्ता न करो,;;; ";;;...**198**

● ◢▁ ◤● إِذَا قِيلَ لَكُمْ تَفَسَّحُوا۟ فِى ٱلْمَجَٰلِسِ فَٱفْسَحُوا۟ ;;;;তোমাদেরকে বলা হয়ঃ মজলিসে স্থান প্রশস্ত করে দাও, তখন তোমরা স্থান প্রশস্ত করে দিও। ;;;;**MAKE ROOM FOR OTHERS AT GATHERINGS (58:11);;;** جب تم سے کہا جائے کہ مجلسوں میں ذرا کشادگی پیدا کرو تو تم جگہ کشادہ کر دو ;;;; మజాలిసు-సభలలో ఇతరులకై స్థానం కల్పించు-;;; जब तुमसे कहा जाए कि मजलिसों में जगह कुशादा कर दे, तो कुशादगी पैदा कर दो;;;...**202**

◢▁● ◤●

أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُم;;;তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং নিজেরা নিজেদেরকে ভূলে যাও, ;;; **Preaching only,but not practicing;;;** کیا لوگوں کو بھلائیوں کا حکم کرتے ہو؟ اور خود اپنے آپ کو بھول جاتے ہو ;;;సగినాలుబలికే బల్లి కుడితోబడేనట- ;;;क्या तुम लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो और अपने आपको भूल जाते हो, ;;;...**205**

◢●▁ ◤◊✪◊ ◤DON'T ASK FOR REPAYMENT FOR FAVOURS (76:9).....205

◊✪◊◉◇◈

عَبَسَ وَتَوَلَّىٰ**Donot Frown**విసిగుపడక...**209**

◢●▁ ◤●

هل تُحِبُّونَ ٱللَّهَ؟;;; বলুন, যদি তোমরা আল্লাহকে ভালবাস, তাহলে;;;**Hal TuHibbu Allaahu**ہو أللہ تعالیٰ سے محبت رکھتے**?.;;**అల్లాహు యెడల ముహబ్బతు-వుంటే రసూలు,స.అ.స.గారి వెంటపోవలే! బుజ్-రోగులవెంటకాదు; సుమీ!;अल्लाह ﷻ से मुहब्बत ~~प्रेम~~ करते हो तो नबी का अनुसरण करो,;;;.,**211**

◢●▁ ◤●

وَمَآ ءَاتَىٰكُمُ ٱلرَّسُولُ فَخُذُوهُ وَمَا نَهَىٰكُمْ عَنْهُ فَٱنتَهُوا;;; রসূল তোমাদেরকে যা দেন, তা গ্রহণ কর এবং;;; **whatsoever the Messenger (Muhammad SAW) gives you, take it;;;**اور تمہیں جو کچھ رسول دے لے لو، ;;; రసూలు,సఅస-గారు చేయమన్నవి చేయాలె... ;;; रसूल जो कुछ तुम्हें दे

उसे ले लो और ;;;

,,,216

● ◢▁● ◤

وَيَنْهَىٰ عَنِ ٱلْفَحْشَآءِ وَٱلْمُنكَرِ وَٱلْبَغْىِ ;;; তিনি অশ্লীলতা, অসঙ্গত কাজ এবং অবাধ্যতা করতে বারণ করেন। **;;;Allaahu.ﷻswt enjoins Al-Adl ...and forbids alfawahisha ,almunkar wal baghyi ;;;** ناشائستہ حرکتوں اور ظلم وزیادتی سے روکتا ہے ;;; సిగ్గు మాలిన పనులు,చెడ్డ,తిరగబడటం ;;; अश्लीलता, बुराई और सरकशी से रोकता है।.,..**218**

● ◢▁ ●◤

تجْتَنِبُواْ كَبَآئِرَ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ;; যদি তোমরা সেসব বড় গোনাহ গুলো থেকে বেঁচে থাকতে পার ;; ;; بڑے گناہوں سے بچتے رہوگے ;; **If you avoid the forbidden great sins ,you will ....** ;; కబాఇరు దోషాలు ;; तुम उन बड़े गुनाहों से बचते रहो, **...222**

●◈◉◇○

إِنَّمَا ٱلْخَمْرُ وَٱلْمَيْسِرُ وَٱلْأَنصَابُ وَٱلْأَزْلَٰمُ رِجْسٌ مِّنْ عَمَلِ ٱلشَّيْطَٰنِ ;;; মদ, জুয়া, প্রতিমা এবং ভাগ্য-নির্ধারক শরসমূহ এসব শয়তানের ...;;;**Intoxicants**

(all kinds of alcoholic drinks), gambling, Al-Ansab, and Al-Azlam (arrows for seeking luck or decision) are... ;;; شراب اور جوا اور تھان ;;; ;;; اور فال نکالنے کے پانسے کے تیر، یہ سب گندی باتیں، شیطانی शराब और जुआ और शिर्क(देवबँदता-बुतखाने) और पाँसे तो गन्दे शैतानी काम है। **;;;---225**

●◢▁● ◤●

ٱجْتَنَبُوا۟ ٱلطَّٰغُوتَ أَن يَعْبُدُوهَا وَأَنَابُوٓا۟ ;;; যারা শয়তানী শক্তির পূজা-অর্চনা থেকে দূরে থাকে এবং আল্লাহ অভিমুখী হয়, **;; Those who avoid At-Taghut (false deities) by not worshipping them and turn to Allah in repentance, ;;;;** طاغوت کی عبادت سے پرہیز کیا اور (ہمہ تن) اللہ تعالیٰ کی طرف متوجہ ;; మిధ్యాదరగాతురగాలను వదలి తౌబచేసుకోవటం ;; तागूत को छोडके अल्लाहﷻ की ओर रुजू हो **;;;; .,,227**

◢●▁ ◤●

وَلَا تَقْرَبُوا۟ ٱلزِّنَىٰٓ ۖ إِنَّهُۥ كَانَ فَٰحِشَةً وَسَآءَ سَبِيلًا

;;; ব্যভিচারের কাছেও যেয়ো না। নিশ্চয় এটা অশ্লীল কাজ **;;; come not near to the unlawful sexual intercourse. Verily, it is a Fahishah ;;;** زنا کے قریب بھی نہ پھٹکنا کیوں کہ وہ بڑی بےحیائی ہے **;;;** లంజరికం-

గొప్పకబాఇరు నేరం-మసినుసిఐపోతార్- ;;; व्यभिचार के निकट न जाओ। वह एक अश्लील कर्म ;;; ,,,**231**

●◈◉◆◇

;;ٱلۡمَحِيضِ;هُوَ أَذٗى;;; হায়েয (ঋতু) সম্পর্কে। ;এটা অশুচি;;;;**MENSTRUATION IS AN ADHA (A HARMFUL THING);;;;**

حیض گندگی ہے،;;;బహిష్టు ఓ మైల-;దానికి దూరం మంచిది-;;;;मासिक-धर्म एक तकलीफ़ और गन्दगी की चीज़ ,,,**236**

●◈◉◆◇

لَا تَقۡرَبُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَأَنتُمۡ سُكَٰرَىٰ;;; তোমরা যখন নেশাগ্রস্ত থাক, তখন সালাতের ~~নামাযের~~ ধারে-কাছেও যেওনা ;;; **APPROACH NOT AS-SALAT (THE PRAYER) WHEN YOU ARE IN A DRUNKEN STATE UNTIL;;;**

;; تم نشے میں مست ہو نماز کے قریب بھی نہ جاؤ ;;;తాగిననిషాలో సలాతులు చేయరాదు- ;; नशे की दशा में ~~नमाज़~~ सलात में व्यस्त न हो, ;;; **239**

● ◢●▁ ◤

وَٱعۡتَصِمُواْ بِحَبۡلِ ٱللَّهِ جَمِيعٗا وَلَا تَفَرَّقُواْ ;;; তোমরা সকলে আল্লাহর

রজ্জুকে সুদৃঢ় হস্তে ধারণ কর; পরস্পর বিচ্ছিন্ন হয়ো না।;;;**And hold fast, all of you together, to the Rope of Allah (i.e. this Quran), and be not divided among yourselves;;;** ألله تعالیٰ کی رسی کو سب مل کر ڈالو نہ پھوٹ اور لو تھام مضبوط;;;;దేగబందు-బుజ్రోగ్-రోబొందలలా విడిపోరాదు-- ఇస్లాం-హబల్-తాటిని గట్టిగపట్టుకొంటేనే జన్నతు సాధ్యం.- ;;;; सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मज़बूती से पकड़ लो और विभेद में न पड़ो। ;;; **..,243/250**

● ◢●▁ ◤

فَلَا تَضْرِبُوا۟ لِلَّهِ ٱلْأَمْثَالَ;;; আল্লাহর কোন সদৃশ সাব্যস্ত করো না, ;;;;**So put not forward similitudes for Allaahu.swt;;;**

پس ألله تعالیٰ کے لیے مثالیں مت بناؤ;;;;సాటిలేని మేటి-రబ్బుల్ ఆలమీన్-వారికి పోలికలుకల్పించకు ;;;;अल्लाह के लिए मिसालें न घड़ो।;;;;.,**256**

●◢●▁ ◤● لَيْسَ كَمِثْلِهِۦ شَىْءٌ ;;; কোন কিছুই আল্লাহর অনুরূপ নয়। ;;;**There is nothing like unto Allaahu.swt.;;;** اس جیسی کوئی چیز نہیں ;;; అల్లాకు సాటి-దీటి- సదృస్యం;వుండవు-;; उस अल्लाह.के सदृश कोई चीज़ नहीं। ;;; **Ash-Shura (42:11)...257**

●◢●▁ ◤● وَقُل لِّلْمُؤْمِنَٰتِ يَغْضُضْنَ مِنْ أَبْصَٰرِهِنَّ وَيَحْفَظْنَ فُرُوجَهُنَّ وَلَا ●◤ ▁●◢●

يُبْدِينَ زِينَتَهُنَّ ;;; ঈমানদার নারীদেরকে বলুন, তারা যেন তাদের দৃষ্টিকে নত রাখে এবং তাদের যৌন অঙ্গের হেফাযত করে। তারা যেন যা সাধারণতঃ প্রকাশমান, তা ছাড়া তাদের সৌন্দর্য প্রদর্শন না করে এবং;;; **tell the believing women to lower their gaze (from looking at forbidden things), and protect their private parts (from illegal sexual acts, etc.) and not to show off their adornment ;;;An-Noor (24:31),;** مسلمان عورتوں سے کہو کہ وہ بھی اپنی نگاہیں نیچی رکھیں اور اپنی عصمت میں فرق نہ آنے دیں اور اپنی زینت کو ظاہر نہ کریں ;;; ముస్లిమః స్త్రీ తనచూపులను వాల్చుకోవలె-మర్మాయవాలను కప్పుకోవలె-సింగారాలను దాచుకోవలె- -(నీ సిగ్గే సింగారమే ఓ లలనా;);;; مؤمنةस्त्रियों से कह दो कि वे भी अपनी निगाहें बचाकर रखें और अपने गुप्तांगों की रक्षा करें। और अपने शृंगार प्रकट न करें, ;;;.,**262**

قِيَمًا و لَكُمْ ٱللَّهُ جَعَلَ ٱلَّتِى أَمْوَٰلَكُمُ ٱلسُّفَهَآءَ تُؤْتُوا۟ ;;; অর্বাচীনদের তা থেকে তাদেরকে খাওয়াও, পরাও এবং তাদেরকে সান্তনার বানী শোনাও। ;;; **feed and clothe the imbeciles(under your Care)with their wealth, and speak to them words of kindness and justice.@ ;;**

بے عقل لوگوں کو

کھلاؤ، پلاؤ، پہناؤ، اوڑھاؤ ;; నీ కేర్ లోవున్న **imbecile**మొద్దులకు తినిపించు, తాగించు-చల్లగ బలుకు-;;; बेसमझ लोगों को खिलाते और पहनाते रहो और

;;;...267

◢●◢◤◢●◤

وَأَمَّا ٱلسَّآئِلَ فَلَا تَنۡهَرۡ

;;;সওয়ালকারীকে ধমক দেবেন না।;;;**And repulse not the beggar;;;** اور نہ سوال کرنے والے کو ڈانٹ ڈپٹ;;;యాచక-సాఇలులను(అడుక్కతినే బిచ్చ-బెగారీ-పిచ్చుకుంటలను) తరిమేయకు,;;;और जो माँगता हो उसे न

झिड़कना,,**-277**

◢◢●◤◢●◤

فَأَمَّا ٱلۡيَتِيمَ فَلَا تَقۡهَرۡ;;;সুতরাং আপনি এতীমের প্রতি কঠোর হবেন না;;;;**Therefore, treat not the orphan with oppression,;;;**

پس یتیم پر تو بھی سختی نہ کیا کر;;;अत: जो अनाथ हो उसे मत

दबाना,**...278**

◢◢●◤◢●◤

وَأَطِيعُواْ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُول;;;তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহﷻ ও রসূলের,;;**OBEY ALLAH AND THE MESSENGER ;;;** أللہ اور اس کے رسول

کی فرمانبرداری کرو ;;అల్లాహు-తఆలా వారికీ,మరియు రసూలు-సఅస-గారికీ మాత్రమే లోబడివుండు;;और अल्लाह और रसूल के आज्ञाकारी बनो,;;;---280

ٱلَّذِينَ تَابُوا۟ وَأَصْلَحُوا۟ وَٱعْتَصَمُوا۟ بِٱللَّهِ وَأَخْلَصُوا۟ دِينَهُمْ لِلَّهِ;;; যারা তওবা করে নিয়েছে, নিজেদের অবস্থার সংস্কার করেছে এবং আল্লাহর পথকে সুদৃঢ়ভাবে আঁকড়ে ধরে ;;;**WHO REPENT (FROM HYPOCRISY), DO RIGHTEOUS GOOD DEEDS, HOLD FAST TO ALLAAHU. SWT., AND PURIFY THEIR RELIGION FOR ALLAAHU. SWT** ;; ;;;; جو توبہ کر لیں اور اصلح کر لیں اور ألله

;;; تعالیٰ پر کامل یقین رکھیں اور خالص ألله ہی کے لئے دینداری کریں యెవరైతే తౌబః చేసుకొని -సరిదిద్దుకొని-ఖాలిసు అల్లాహు.తఆలా వారి ఇబాదతు చేస్తాడో- ;;;जिन्होंने तौबा कर ली और अपने को सुधार लिया और अल्लाह को मज़बूती से पकड़ लिया और अपने दीन (धर्म) में अल्लाह ही के हो रहे...**288**

;;;وَٱلَّذِينَ إِذَا فَعَلُوا۟ فَٰحِشَةً أَوْ ظَلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ ذَكَرُوا۟ ٱللَّهَ فَٱسْتَغْفَرُوا۟ لِذُنُوبِهِمْ

তারা কখনও কোন অশ্লীল কাজ করে ফেললে কিংবা কোন মন্দ কাজে জড়িত হয়ে নিজের উপর জুলুম করে ফেললে আল্লাহকে স্মরণ করে এবং ;;; **WHEN THEY HAVE COMMITTED FAHISHAH (ILLEGAL SEXUAL INTERCOURSE ETC.) OR WRONGED THEMSELVES WITH EVIL, REMEMBER ALLAAHU ﷻ.SWT. AND ASK FORGIVENESS FOR THEIR SINS; ;;;;** جب ان سے کوئی ناشائستہ کام ہو جائے یا کوئی گناہ کر بیٹھیں ;;;; تو فوراً اللہ کا ذکر اور اپنے گناہوں کے لئے استغفار کرتے ہیں ;;;; యెవరైతే తానుజేసిన అశ్లీల-జులుం-ఇత్యాది దుర్మార్గ,దౌర్జన్యాలకు తౌబః చేసుకొంటాడో- ;;;;जब वे कोई खुला गुनाह कर बैठते है या अपने आप पर ज़ुल्म करते है तौ तत्काल अल्लाह ﷻ उन्हें याद आ जाता है और वे अपने गुनाहों की क्षमा चाहने लगते हैं **....292**

فَـَٔاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ ;;; আত্নীয়-স্বজনকে তাদের প্রাপ্য দিন এবং মিসকীন ও মুসাফিরদেরও। ;;; **GIVE TO THE KINDRED HIS DUE, AND TO AL-MISKIN (THE POOR) AND TO THE WAYFARER.** ;;; پس قرابت دار کو مسکین کو مسافر کو ہر ایک کو اس کا حق دیجئے ;;;;దగ్గరి చుట్టాలకూ ,మిస్కీనులకూ-బాటసారులకూ ఇవ్వాల్సింది అప్పజెప్పవలేనే!..... ;;; नातेदार को उसका हक़ दो और मुहताज

और मुसाफ़िर को भी।;;...304

● ◢●▁ ◤●▁ ◤

ٱلَّذِينَ لَا يُؤْتُونَ ٱلزَّكَوٰةَ;;; যারা যাকাত দেয় না এবং পরকালকে অস্বীকার করে। ;;; THOSE WHO GIVE NOT THE ZAKAT ;;;;;جو زکوٰۃ نہیں دیتے ;; జ'కాతు -చెల్లించని వాడు ఆఖిరతును నమ్మలేదు–;;जो ज़कात नहीं देते और वही है जो आख़िरत का इनकार करते;;;—306

◢▁ ◤● ◢●▁ ◤●

فَٱحْكُم بَيْنَهُم بِمَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَآءَهُمْ;;;আল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন, তদনুযায়ী ফয়সালা করুন;;;JUDGE BETWEEN PEOPLE BY ALQURAAN ONLY;;;ألله کی اتاری ہوئی کتاب کے ساتھ حکم کیجیئے;;;; అన్ని నిర్ణయాలూ:-జడ్జిమెంట్లూ కుర్ఆను ప్రకారమే! ;;;तुम मामलों में वही फ़ैसला करना जो अल्लाह ने उतारा ;..308

● ◢●▁ ◤●◢▁ ◤

ٱسْتَجِيبُوا۟ لِرَبِّكُم;;; তোমাদের পালনকর্তার আদেশ মান্য কর।;;; ANSWER THE CALL OF YOUR LORD ;;اپنے رب کا حکم مان لو;;;

అల్లాహుతఆలా ఇచ్చిన పిలుపును అందుకో;; अपने रब की बात मान लो;;;—319

●❀●

إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدۡعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ عِبَادٌ أَمۡثَالُكُم;;; আল্লাহﷻকে বাদ দিয়ে তোমরা যাদেরকে ডাক, তারা সবাই তোমাদের মতই বান্দা।;;;;THOSE WHOM YOU CALL UPON BESIDES ALLAHﷻ ARE SLAVES LIKE YOU;;; నిటారుగ నిలబెట్టబడినవీ/అడ్డంగా పడుకోబెట్టబడినవీ-----కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకలేవు-ఈగెనుగుడకతోలలేవే!దోమనూ కలిగించలేవు- ;;;तुम अल्लाहﷻ को छोड़कर जिन्हें पुकारते हो वे तो तुम्हारे ही जैसे बन्दे है, ,..326/328

● ◢●▁ ◤●◢▁ ◤

فَٱسۡتَمۡسِكۡ;بالقرءان;;যে ওহী নাযিল করা হয়, তা দৃঢ়ভাবে অবলম্বন করুন ;;;FASTAMSIK.;HOLD YOU FAST TO ALQURAANU. مضبوط تھامے رہیں ;;;అల్'కుర్ఆను ను గట్టిగా హస్థగ్రహణం చేయవలే; ;;; आल्' कुर्आन को मज़बूती से थामे रहो ;;;;—332

● ◢●▁ ◤● ◢▁ ◤

ٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ;;; আল্লাহ তা'আলাকে ভয় কর ;;; **STAY AFRAID OF ALLAH;;;;** اللہ تعالیٰ سے ڈرو ;;; అల్లాహు దొరతనానికి దాసోహంఐ లొంగివంగిబతుకు ;;;अल्लाह का डर रखो;;;..**336**

بَلِّغْ مَآ أُنزِلَ إِلَيْكَ مِن رَّبِّكَ;;; পৌছে দিন আপনার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে আপনার প্রতি যা অবতীর্ণ হয়েছে;;;**PROCLAIM (THE MESSAGE) WHICH HAS BEEN SENT ;;;** رب کی جانب سے نازل کیا گیا ہے پہنچا دیجیئے۔;;; అల్'కుర్ఆను సందేశాన్ని జనాలకు అందించటమే మిస్లిముల భాద్యత; వుత్తిగ నెత్తినకుచ్చుకుల్లాయిలతో తిరిగితే యేం వెలగబెట్టినట్లో!;; तुम्हारे रब की ओर से तुम पर जो कुछ उतारा गया है, उसे पहुँचा दो।;;;**345**

فَذَكِّرْ بِٱلْقُرْءَانِ;;; আপনি তাদের উপর জোরজবরকারী নন। অতএব, যে আমার শাস্তিকে ভয় করে, ;;;**BUT WARN BY THE QURAN,;;;** تو آپ قرآن کے ذریعے انہیں سمجھاتے رہیں ;;; నువ్వుమటుకు అల్'కుర్ఆను తోనే తబ్లీగు చేయ్! బుజ్-రొగులకతలు గుడక సెప్పక;;; तुम क़ुरआन के द्वारा उसे नसीहत करो ;;;;...**349**

⪢●⪢●⪢

سَابِقُوٓاْ إِلَىٰ مَغۡفِرَةٍ مِّن رَّبِّكُمۡ وَجَنَّةٍ;;; তোমরা অগ্রে ধাবিত হও তোমাদের পালনকর্তার ক্ষমা ও সেই জান্নাতের দিকে ;;; **RACE TOWARDS FORGIVENESS FROM YOUR LORD (ALLAAHU,SWT), AND PARADISE,;;;** دوڑو اپنے رب کی مغفرت کی طرف اور اس جنت کی طرف ;;;స్పీడుతో వేగిరపడు-అల్లాహుసుబహాన వైపు+జన్నతువేపు ;; अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर अग्रसर होने में एक-दूसरे से बाज़ी...**352 /407/413/415/,425/**

⪢●⪢●⪢

361...... هَلۡ أَدُلُّكُمۡ عَلَىٰ تِجَٰرَةٍ تُنجِيكُم مِّنۡ عَذَابٍ أَلِيمٍ

⪢●⪢●⪢

367/372.... وَجَٰهِدُواْ فِي ٱللَّهِ حَقَّ جِهَادِهِۦ هُوَ ٱجۡتَبَىٰكُمۡ

⪢●⪢●⪢

375...يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ قُوٓاْ أَنفُسَكُمۡ وَأَهۡلِيكُمۡ نَارًا

⪢●⪢●⪢

382.... وَلۡتَنظُرۡ نَفۡسٌ مَّا قَدَّمَتۡ لِغَدٍ وَٱتَّقُواْ ٱللَّه

⫸●⫸●⫸⫸●⫸●⫸

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱرۡكَعُواْ وَٱسۡجُدُواْ وَٱعۡبُدُواْ رَبَّكُمۡ وَٱفۡعَلُواْ ٱلۡخَيۡرَ لَعَلَّكُمۡ تُفۡلِحُونَ 390

391.....وَأَقِيمُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَءَاتُواْ ٱلزَّكَوٰةَ وَٱرۡكَعُواْ مَعَ ٱلرَّٰكِعِينَ

⫸●⫸●⫸

396—إِنَّ قُرۡءَانَ ٱلۡفَجۡرِ كَانَ مَشۡهُودًا

⫸●⫸●⫸

404...ٱلنَّبِيِّۚ يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ صَلُّواْ عَلَيۡهِ وَسَلِّمُواْ تَسۡلِيمًا

⫸●⫸●⫸ ⫸●⫸●⫸

إِنَّ ٱلَّذِينَ فَتَنُواْ ٱلۡمُؤۡمِنِينَ وَٱلۡمُؤۡمِنَٰتِ ثُمَّ لَمۡ يَتُوبُواْ فَلَهُمۡ عَذَابُ جَهَنَّمَ
407....وَلَهُمۡ عَذَابُ ٱلۡحَرِيقِ

⫸●⫸●⫸

413.....قُلْ إِنَّ صَلَاتِي وَنُسُكِي وَمَحْيَايَ وَمَمَاتِي لِلَّهِ رَبِّ ٱلْعَٰلَمِينَ

⫸●⫸●⫸

415...... قَدْ أَفْلَحَ ٱلْمُؤْمِنُونَ

⫸●⫸●⫸

وَعِبَادُ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلَّذِينَ يَمْشُونَ عَلَى ٱلْأَرْضِ هَوْنًا وَإِذَا خَاطَبَهُمُ ٱلْجَٰهِلُونَ

425.....قَالُواْ سَلَٰمًا ⫸●⫸●⫸

⫸●⫸●⫸

⫸●⫸●⫸

⫸●⫸●⫸

⫸●⫸●⫸

◢ ◤IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING

◢ ◤AL-AHZAAB (33:21)

﷽

لَّقَدْ كَانَ لَكُمْ فِي رَسُولِ ٱللَّهِ أُسْوَةٌ حَسَنَةٌ لِّمَن

كَانَ يَرْجُواْ ٱللَّهَ وَٱلْيَوْمَ ٱلْءَاخِرَ وَذَكَرَ ٱللَّهَ كَثِيرًا

یقیناً تمہارے لئے رسول أللہ میں عمدہ نمونہ (موجود) ہے، ہر اس شخص کے لئے جو أللہ تعالیٰ کی اور قیامت کے دن کی توقع رکھتا ہے اور بکثرت أللہ تعالیٰ کی یاد کرتا ہے

যারা আল্লাহﷻ ও শেষ দিবসের আশা রাখে এবং আল্লাহﷻকে অধিক স্মরণ করে, তাদের জন্যে রসূলুল্লাহর মধ্যে উত্তম নমুনা রয়েছে।

YE HAVE INDEED IN THE MESSENGER OF ALLAAHUﷻ.SWT. A BEAUTIFUL PATTERN (OF CONDUCT) FOR ANY ONE WHOSE HOPE IS IN ALLAAHUﷻ.SWT.AND THE FINAL DAY, AND WHO ENGAGES MUCH IN THE PRAISE OF ALLAAHUﷻ.SWT

निस्संदेह तुम्हारे लिए अल्लाहﷻ के रसूल में एक उत्तम आदर्श है अर्थात उस व्यक्ति के लिए जो अल्लाहﷻ और

अन्तिम दिन की आशा रखता हो और अल्लाहﷻ को अधिक याद करे

/33/21

◢◤

◢◤◢◤

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING

◢ **COMMON ENTRY TEST FOR JANNAH.**◤

◢ **AND ALLAAHU.ﷻSWT. TESTS ALL BY EVIL AND BY GOOD BY WAY OF TRIAL TO......** ◤

AL-ANBIYAA (21:35)

بسم الله الرحمن الرحيم

كُلُّ نَفْسٍ ذَائِقَةُ ٱلْمَوْتِ وَنَبْلُوكُم بِٱلشَّرِّ وَٱلْخَيْرِ فِتْنَةً وَإِلَيْنَا تُرْجَعُونَ

हर जीव को मौत का मज़ा चखना है और हम अच्छी और बुरी परिस्थितियों में डालकर तुम सबकी परीक्षा करते है। अन्ततः तुम्हें हमारी ही ओर पलटकर

आना है

প্রত্যেককে মৃত্যুর স্বাদ আস্বাদন করতে হবে। আমি তোমাদেরকে মন্দ ও ভাল দ্বারা পরীক্ষা করে থাকি এবং আমারই কাছে তোমরা প্রত্যাবর্তিত হবে।

EVERY SOUL SHALL HAVE A TASTE OF DEATH: AND WE TEST YOU BY EVIL AND BY GOOD BY WAY OF TRIAL. TO US MUST YE RETURN.

ہر جان دار موت کا مزہ چکھنے والا ہے۔ ہم بطریق امتحان
تم میں سے ہر ایک کو برائی بھلائی

میں مبتلا

کرتے ہیں اور تم سب ہماری ہی طرف لوٹائے جاؤ گے

/21/35

__ ✽ ▂▅▃ ✽▁ ✽▁

رسولﷺ مسلمانون کیلئے قرءان کاچلتا پھرتا نمونا ھے نه ؟؟؟؟؟

__ ✽ ▁ ✽▁ ✽ __

◇ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Reviling others gods is not permitted.

■ Al-An'aam (6:108)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَسُبُّوا۟ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ فَيَسُبُّوا۟ ٱللَّهَ

عَدْوًۢا بِغَيْرِ عِلْمٍ كَذَٰلِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةٍ عَمَلَهُمْ ثُمَّ إِلَىٰ

رَبِّهِم مَّرْجِعُهُمْ فَيُنَبِّئُهُم بِمَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

اور گالی مت دو ان کو جن کی یہ لوگ أللہ تعالیٰ کو چھوڑ کر عبادت کرتے ہیں کیونکہ پھر وہ براہ جہل حد سے گزر کر أللہ تعالیٰ کی شان میں گستاخی کریں گے ہم نے اسی طرح ہر طریقہ والوں کو ان کا عمل مرغوب بنا رکھا ہے۔ پھر اپنے رب ہی کے پاس ان کو جانا ہے سو وہ ان کو بتلا دے گا جو کچھ بھی وہ کیا کرتے تھے

তোমরা তাদেরকে মন্দ বলো না, যাদের তারা আরাধনা করে আল্লাহﷻ কে ছেড়ে। তাহলে তারা ধৃষ্টতা করে অজ্ঞতাবশতঃ আল্লাহﷻকে মন্দ বলবে। এমনিভাবে আমি প্রত্যেক সম্প্রদায়ের দৃষ্টিতে তাদের কাজ কর্ম সুশোভিত করে দিয়েছি। অতঃপর স্বীয় পালনকর্তার কাছে তাদেরকে প্রত্যাবর্তন করতে হবে। তখন তিনি তাদেরকে বলে দেবেন যা কিছু তারা করত।

Revile not ye those whom they call upon besides <u>Allaahu. ﷻswt.,</u> lest they out of spite revile <u>Allaahu. ﷻswt.,</u> in their ignorance. Thus have We made alluring to each people its own doings. In the end will they return to their Lord, and We shall then tell them

the truth of all that they did.

अल्लाह ﷻ के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो। ऐसा न हो कि वे हद से आगे बढ़कर अज्ञान वश अल्लाह ﷻ के प्रति अपशब्द का प्रयोग करने लगें। इसी प्रकार हमने हर गिरोह के लिए उसके कर्म को सुहावना बना दिया है। फिर उन्हें अपने रब की ही ओर लौटना है। उस समय वह उन्हें बता देगा. जो कुछ वे करते रहे होंगे

/6/108

-AL-MAAROOF WAL-MUNKAR

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُمْ;;;

তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং ;;;Do you enjoin right conduct on the people, and forget yourselves;;; بھلائیوں کا حکم کرتے ہو;;; మంచిపనులుచేయమని ఉరమాయిస్తావు గానీ... ;;;लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो;;;

Al-Baqara (2:44)

أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُمْ وَأَنتُمْ تَتْلُونَ ٱلْكِتَٰبَ أَفَلَا تَعْقِلُونَ

کیا لوگوں کو بھلائیوں کا حکم کرتے ہو؟ اور خود اپنے آپ کو بھول جاتے ہو باوجودیکہ تم کتاب پڑھتے ہو، کیا اتنی بھی تم میں سمجھ نہیں؟

তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং নিজেরা নিজেদেরকে ভুলে যাও, অথচ তোমরা কিতাব পাঠ কর? তবুও কি তোমরা চিন্তা কর না?

Do ye enjoin right conduct on the people, and forget (To practise it) yourselves, and yet ye study the Scripture? Will ye not understand?

क्या तुम लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो और अपने आपको भूल जाते हो, हालाँकि तुम किताब भी पढ़ते हो? फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?

2/44

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-BAQARA (2:191)

وَٱلْفِتْنَةُ أَشَدُّ مِنَ ٱلْقَتْلِ

TUMULT AND OPPRESSION ARE WORSE THAN SLAUGHTER;

وَٱلْفِتْنَةُ أَشَدُّ مِنَ ٱلْقَتْلِ

....হত্যার চেয়েও কঠিন অপরাধ।

... फ़ितना (उत्पीड़न) क़त्ल से भी बढ़कर गम्भीर है।

فتنہ قتل سے زیادہ سخت ہے ...

....2/191

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

أَمْسِكُوهُنَّ

بِمَعْرُوفٍ أَوْ سَرِّحُوهُنَّ بِمَعْرُوف

;;; তারা নির্ধারিত ইদ্দত সমাপ্ত করে নেয়, তখন তোমরা নিয়ম অনুযায়ী তাদেরকে রেখে দাও অথবা সহানুভূতির সাথে তাদেরকে মুক্ত করে দাও ;;;DIVORCE women JUSTLY . either take them back on equitable terms or set them free on equitable terms(2:231);;; اور دو وہ اپنی عدت ختم کرنے پر آئیں تو اب انہیں اچھی طرح بساؤ، یا بھلائی کے ساتھ الگ کردو اور ;;; ;;; स्त्री अपनी निश्चित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, जो अच्छे अन्दाज़ मे उन्हें रोक लो या उन्हें विदा कर दो ;;;

Al-Baqara (2:231)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا طَلَّقْتُمُ ٱلنِّسَآءَ فَبَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَأَمْسِكُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ أَوْ سَرِّحُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ وَلَا تُمْسِكُوهُنَّ ضِرَارًا لِّتَعْتَدُوا۟ وَمَن

يَفْعَلْ ذَٰلِكَ فَقَدْ ظَلَمَ نَفْسَهُۥ وَلَا تَتَّخِذُوٓا۟ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ هُزُوًا وَٱذْكُرُوا۟ نِعْمَتَ ٱللَّهِ عَلَيْكُمْ وَمَآ أَنزَلَ عَلَيْكُم مِّنَ ٱلْكِتَٰبِ وَٱلْحِكْمَةِ يَعِظُكُم بِهِۦ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَٱعْلَمُوٓا۟ أَنَّ ٱللَّهَ بِكُلِّ شَىْءٍ عَلِيمٌ

আর যখন তোমরা স্ত্রীদেরকে তালাক দিয়ে দাও, অতঃপর তারা নির্ধারিত ইদ্দত সমাপ্ত করে নেয়, তখন তোমরা নিয়ম অনুযায়ী তাদেরকে রেখে দাও অথবা সহানুভূতির সাথে তাদেরকে মুক্ত করে দাও। আর তোমরা তাদেরকে জ্বালাতন ও বাড়াবাড়ি করার উদ্দেশ্যে আটকে রেখো না। আর যারা এমন করবে, নিশ্চয়ই তারা নিজেদেরই ক্ষতি করবে। আর আল্লাহর ﷻ নির্দেশকে হাস্যকর বিষয়ে পরিণত করো না। আল্লাহর ﷻ সে অনুগ্রহের কথা স্মরণ কর, যা তোমাদের উপর রয়েছে এবং তাও স্মরণ কর, যে কিতাব ও জ্ঞানের কথা তোমাদের উপর নাযিল করা হয়েছে যার দ্বারা তোমাদেরকে উপদেশ দান করা হয়। আল্লাহ ﷻ কে ভয় কর এবং জেনে রাখ যে, আল্লাহ ﷻ সর্ববিষয়েই জ্ঞানময়।

When you divorce women, and they fulfil the term of their (Iddat), either take them back on equitable terms or set them free on equitable terms; but do not take them back to injure them, (or) to take undue advantage; if any one does that; He wrongs his own soul. Do not treat ALLAAHU ﷻ's Signs as a jest, but solemnly rehearse ALLAAHU ﷻ's favours on you, and the fact that He sent

down to you the Book and Wisdom, for your instruction. And fear ALLAAHU ﷻ, and know that ALLAAHU ﷻ is well acquainted with all things.

और यदि जब तुम स्त्रियों को तलाक़ दे दो और वे अपनी निश्चित अवधि (इद्दत) को पहुँच जाएँ, जो सामान्य नियम के अनुसार उन्हें रोक लो या सामान्य नियम के अनुसार उन्हें विदा कर दो। और तुम उन्हें नुक़सान पहुँचाने के ध्येय से न रोको कि ज़्यादती करो। और जो ऐसा करेगा, तो उसने स्वयं अपने ही ऊपर ज़ुल्म किया। और अल्लाह ﷻ की आयतों को परिहास का विषय न बनाओ, और अल्लाह ﷻ की कृपा जो तुम पर हुई है उसे याद रखो और उस किताब और तत्वदर्शिता (हिकमत) को याद रखो जो उसने तुम पर उतारी है, जिसके द्वारा वह तुम्हें नसीहत करता है। और अल्लाह ﷻ का डर रखो और भली-भाँति जान लो कि अल्लाह ﷻ हर चीज को जाननेवाला है

جب تم عورتوں کو طلاق

دو اور وہ اپنی عدت ختم کرنے پر آئیں تو اب انہیں اچھی طرح بساؤ، یا بھلئی کے ساتھ الگ کردو اور انہیں تکلیف پہنچانے کی غرض سے ظلم وزیادتی کے لئے نہ روکو، جو شخص ایسا کرے اس نے اپنی جان پر ظلم کیا۔ تم أللہ کے احکام کو ہنسی کھیل نہ بناؤ اور أللہ کا احسان جو تم پر ہے یاد کرو اور جو کچھ کتاب وحکمت اس نے نازل فرمائی ہے جس سے تمہیں

نصیحت کر رہا ہے، اسے بھی۔ اور أللہ تعالیٰ سے ڈرتے رہا کرو

اور جان رکھو کہ أللہ تعالیٰ ہر چیز کو جانتا ہے

2/231

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

لَا تُبْطِلُوا۟ صَدَقَـٰتِكُم بِٱلْمَنِّ وَٱلْأَذَىٰ ◤

;;; নিজেদের দান খয়রাত বরবাদ করো না ;;; cancel not your charity by reminders of your generosity or by injury:(2:264);;; اپنی خیرات کو احسان جتا کر اور ایذا پہنچا کر برباد نہ کرو;;; గొప్పలకోసం-పబ్లిసిటీకోసం చేసేదానాలు-నష్టం-వ్యర్థం ;;;अपने सदक़ो को एहसान जताकर और दुख देकर नष्ट न करो;;;

Al-Baqara (2:264)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تُبْطِلُوا۟ صَدَقَٰتِكُم بِٱلْمَنِّ وَٱلْأَذَىٰ
كَٱلَّذِى يُنفِقُ مَالَهُۥ رِئَآءَ ٱلنَّاسِ وَلَا يُؤْمِنُ بِٱللَّهِ
وَٱلْيَوْمِ ٱلْءَاخِرِ فَمَثَلُهُۥ كَمَثَلِ صَفْوَانٍ عَلَيْهِ تُرَابٌ
فَأَصَابَهُۥ وَابِلٌ فَتَرَكَهُۥ صَلْدًا لَّا يَقْدِرُونَ عَلَىٰ شَىْءٍ
مِّمَّا كَسَبُوا۟ وَٱللَّهُ لَا يَهْدِى ٱلْقَوْمَ ٱلْكَٰفِرِينَ

হে ঈমানদারগণ!তোমরা অনুগ্রহের কথা প্রকাশ করে এবং কষ্ট দিয়ে নিজেদের দান খয়রাত বরবাদ করো না সে ব্যক্তির মত যে নিজের ধন-সম্পদ লোক দেখানোর উদ্দেশ্যে ব্যয় করে এবং আল্লাহ ও পরকালের প্রতি বিশ্বাস রাখে না। অতএব, এ ব্যাক্তির দৃষ্টান্ত একটি মসৃণ পাথরের মত যার উপর কিছু মাটি পড়েছিল। অতঃপর এর উপর প্রবল বৃষ্টি বর্ষিত হলো, অনন্তর তাকে সম্পূর্ণ পরিষ্কার করে দিল। তারা ঐ বস্তুর কোন সওয়াব পায় না, যা তারা উপার্জন করেছে। আল্লাহ কাফের সম্প্রদায়কে পথ প্রদর্শন করেন না।

O ye who believe! cancel not your charity by reminders of your generosity or by injury,- like those who spend their substance to be seen of men, but believe neither in ALLAAHU nor in the Last Day. They are in parable like a hard, barren

rock, on which is a little soil: on it falls heavy rain, which leaves it (Just) a bare stone. They will be able to do nothing with aught they have earned. And ALLAAHU ﷻ guideth not those who reject faith.

ऐ ईमानवालो! अपने सदक़ो को एहसान जताकर और दुख देकर उस व्यक्ति की तरह नष्ट न करो जो लोगों को दिखाने के लिए अपना माल ख़र्च करता है और अल्लाहﷻ और अंतिम दिन पर ईमान नहीं रखता। तो उसकी हालत उस चट्टान जैसी है जिसपर कुछ मिट्टी पड़ी हुई थी, फिर उस पर ज़ोर की वर्षा हुई और उसे साफ़ चट्टान की दशा में छोड़ गई। ऐसे लोग अपनी कमाई कुछ भी प्राप्त नहीं करते। और अल्लाहﷻ इनकार की नीति अपनानेवालों को मार्ग नहीं दिखाता

اے ایمان والو! اپنی خیرات کو احسان جتا کر اور ایذا پہنچا کر برباد نہ کرو! جس طرح وہ شخص جو اپنا مال لوگوں کے دکھاوے کے لئے خرچ کرے اور نہ أللہ تعالیٰ پر ایمان رکھے نہ قیامت پر، اس کی مثال اس صاف پتھر کی طرح ہے جس پر تھوڑی سی مٹی ہو پھر اس پر زوردار مینہ برسے اور وہ اسے بالکل صاف اور سخت چھوڑ دے،

ان ریاکاروں کو اپنی کمائی میں سے کوئی چیز ہاتھ نہیں لگتی اور أللہ تعالیٰ کافروں کی قوم کو (سیدھی) راہ نہیں دکھاتا

2/264

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

وَمَا تُنفِقُواْ مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ ٱللَّهَ بِهِۦ عَلِيمٌ◤

;;; তোমরা যে অর্থ ব্যয় করবে, তা আল্লাহ তা'আলা অবশ্যই পরিজ্ঞাত।;;Allaah KNOWS YOUR CHARITY (2:273);;; تم جو کچھ مال خرچ کرو تو أللہ تعالیٰ اس کا جاننے والا ہے ;;; జనాలు సన్మార్గంలో చేసే ఖర్చు రబ్బుల్ ఆలమీన్ నోట్ చేస్తున్నారు- ;; जो माल भी तुम ख़र्च करोगे, वह अल्लाह को ज्ञात होगा

AL-BAQARA (2:273)

ﷲ

لِلْفُقَرَآءِ ٱلَّذِينَ أُحْصِرُوا۟ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ لَا يَسْتَطِيعُونَ ضَرْبًا فِى ٱلْأَرْضِ يَحْسَبُهُمُ ٱلْجَاهِلُ أَغْنِيَآءَ مِنَ ٱلتَّعَفُّفِ تَعْرِفُهُم بِسِيمَٰهُمْ لَا يَسْـَٔلُونَ ٱلنَّاسَ إِلْحَافًا وَمَا تُنفِقُوا۟ مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ ٱللَّهَ بِهِۦ عَلِيمٌ

খয়রাত ঐ সকল গরীব লোকের জন্যে যারা আল্লাহরﷻ পথে আবদ্ধ হয়ে গেছে-জীবিকার সন্ধানে অন্যত্র ঘোরাফেরা করতে সক্ষম নয়। অজ্ঞ লোকেরা যাঞ্চা না করার কারণে তাদেরকে অভাবমুক্ত মনে করে। তোমরা তাদেরকে তাদের লক্ষণ দ্বারা চিনবে। তারা মানুষের কাছে কাকুতি-মিনতি করে ভিক্ষা চায় না। তোমরা যে অর্থ ব্যয় করবে, তা আল্লাহﷻ তা'আলা অবশ্যই পরিজ্ঞাত।

(CHARITY IS) *FOR THOSE IN NEED, WHO, IN* ***ALLAAHU***ﷻ*'S CAUSE ARE RESTRICTED (FROM TRAVEL), AND CANNOT MOVE ABOUT IN THE LAND, SEEKING (FOR TRADE OR WORK): THE IGNORANT MAN THINKS, BECAUSE OF THEIR MODESTY, THAT THEY ARE FREE FROM WANT. THOU SHALT KNOW THEM BY THEIR (UNFAILING) MARK: THEY BEG NOT IMPORTUNATELY FROM ALL THE SUNDRY. AND WHATEVER OF GOOD YE*

GIVE, BE ASSURED ALLAAHU KNOWETH IT WELL.

यह उन मुहताजों के लिए है जो अल्लाह के मार्ग में घिर गए कि धरती में (जीविकोपार्जन के लिए) कोई दौड़-धूप नहीं कर सकते। उनके स्वाभिमान के कारण अपरिचित व्यक्ति उन्हें धनवान समझता है। तुम उन्हें उनके लक्षणो से पहचान सकते हो। वे लिपटकर लोगों से नहीं माँगते। जो माल भी तुम ख़र्च करोगे, वह अल्लाह को ज्ञात होगा

صدقات کے مستحق صرف وہ غربا ہیں جو اللہ کی راہ میں روک دیئے گئے، جو ملک میں چل پھر نہیں سکتے نادان لوگ ان کی بے سوالی کی وجہ سے انہیں مالدار خیال کرتے ہیں، آپ ان کے چہرے دیکھ کر قیافہ سے انہیں پہچان لیں گے وہ لوگوں سے چمٹ کر سوال نہیں کرتے، تم جو کچھ مال خرچ کرو تو اللہ تعالیٰ اس کا جاننے والا ہے

2/273

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلْمُحْسِنِينَ

Al-Qalam (68:4)﷽

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

;;;আল্লাহﷻ সৎকর্মশীলদিগকেই ভালবাসেন।

;;;Allaahﷻ LOVES THOSE WHO DO GOOD;;; أللہ تعالیٰ ان نیک کاروں سے محبت کرتا ہے ;; మంచిపనులజేసేవాళ్ళను అల్లాహు.తఆలా లైక్'జేస్తారు- ;;; और अल्लाहﷻ को भी ऐसे लोग प्रिय है, जो अच्छे से अच्छा कर्म करते है

...
......;;;

(3:134)

AAL-I-IMRAAN (3:134)

﷽

ٱلَّذِينَ يُنفِقُونَ فِي ٱلسَّرَّآءِ وَٱلضَّرَّآءِ وَٱلْكَٰظِمِينَ ٱلْغَيْظَ وَٱلْعَافِينَ عَنِ ٱلنَّاسِ وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلْمُحْسِنِينَ

যারা স্বচ্ছলতায় ও অভাবের সময় ব্যয় করে, যারা নিজেদের রাগকে সংবরণ করে আর মানুষের প্রতি ক্ষমা প্রদর্শন করে, বস্তুতঃ আল্লাহﷻ সৎকর্মশীলদিগকেই ভালবাসেন।

Al-Qalam (68:3)﷽

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

{(MUMINS ARE)}*THOSE WHO SPEND (FREELY), WHETHER IN PROSPERITY, OR IN ADVERSITY; WHO RESTRAIN ANGER, AND PARDON (ALL) MEN;- FOR* ***ALLAAHU*** *LOVES THOSE WHO DO GOOD;-*

वे लोग जो ख़ुशहाली और तंगी की प्रत्येक अवस्था में ख़र्च करते रहते है और क्रोध को रोकते है और लोगों को क्षमा करते है - और अल्लाह को भी ऐसे लोग प्रिय है, जो अच्छे से अच्छा कर्म करते है

جو لوگ آسانی میں اور

اور سختی کے موقع پر بھی أللہ کے راستے میں خرچ کرتے ہیں، غصہ پینے والے اور لوگوں سے درگزر کرنے والے ہیں،

أللہ تعالیٰ ان نیک کاروں سے محبت کرتا ہے

3/134

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

;;;فَٱعْفُ عَنْهُمْ وَٱسْتَغْفِرْ لَهُمْ وَشَاوِرْهُمْ فِى ٱلْأَمْرِ◤

কাজেই আপনি তাদের ক্ষমা করে দিন এবং তাদের জন্য মাগফেরাত কামনা করুন এবং

;;;BE FORGIVING AND CONSULTATIVE ;; سو آپ ان سے درگزر کریں اور ان کے لئے استغفار کریں اور کام کا مشورہ ان سے کیا کریں ;; జనాలను క్షమించి-వాళ్ళకై ఇస్తిగ్ఫా'రు జేయవలె-+సంప్రదింపులూ-;;

क्षमा कर दो और उनके लिए क्षमा की प्रार्थना करो। और मामलों में ;; (3:159**)**

AAL-I-IMRAAN (3:159)'

بسم الله الرحمن الرحيم

فَبِمَا رَحْمَةٍ مِّنَ ٱللَّهِ لِنتَ لَهُمْ وَلَوْ كُنتَ فَظًّا غَلِيظَ ٱلْقَلْبِ لَٱنفَضُّوا۟ مِنْ حَوْلِكَ فَٱعْفُ عَنْهُمْ وَٱسْتَغْفِرْ لَهُمْ وَشَاوِرْهُمْ فِى ٱلْأَمْرِ فَإِذَا عَزَمْتَ فَتَوَكَّلْ عَلَى ٱللَّهِ إِنَّ ٱللَّهَ يُحِبُّ ٱلْمُتَوَكِّلِينَ

আল্লাহর ﷻ রহমতেই আপনি তাদের জন্য কোমল হৃদয় হয়েছেন পক্ষান্তরে আপনি যদি রাগ ও কঠিন হৃদয় হতেন তাহলে তারা আপনার কাছ থেকে বিচ্ছিন্ন হয়ে যেতো। কাজেই আপনি তাদের ক্ষমা করে দিন এবং তাদের জন্য মাগফেরাত কামনা করুন এবং কাজে কর্মে তাদের পরামর্শ করুন। অতঃপর যখন কোন কাজের সিদ্ধান্ত গ্রহণ করে ফেলেন, তখন আল্লাহ ﷻ তা'আলার উপর ভরসা করুন আল্লাহ ﷻ তাওয়াক্কুল কারীদের ভালবাসেন।

IT IS PART OF THE MERCY OF ALLAAHU ﷻ, THAT THOU DOST DEAL GENTLY WITH THEM WERT THOU SEVERE OR HARSH-HEARTED, THEY WOULD HAVE BROKEN AWAY FROM ABOUT THEE: SO PASS OVER (THEIR FAULTS), AND ASK FOR (ALLAAHU ﷻ'S) FORGIVENESS FOR THEM; AND CONSULT THEM IN AFFAIRS (OF MOMENT). THEN, WHEN THOU HAST TAKEN A DECISION PUT THY TRUST IN ALLAAHU ﷻ. FOR ALLAAHU ﷻ. LOVES THOSE WHO PUT THEIR TRUST (IN HIM).

(तुमने तो अपनी दयालुता से उन्हें क्षमा कर दिया) तो अल्लाह ﷻ की ओर से ही बड़ी दयालुता है जिसके कारण तुम उनके लिए नर्म रहे हो, यदि कहीं तुम स्वभाव के क्रूर और कठोर हृदय होते तो ये सब तुम्हारे पास से छँट जाते। अतः उन्हें क्षमा कर दो और उनके लिए क्षमा की प्रार्थना करो। और मामलों में उनसे परामर्श कर लिया करो। फिर जब तुम्हारे संकल्प किसी सम्मति पर सुदृढ़ हो जाएँ तो अल्लाह ﷻ पर भरोसा करो। निस्संदेह अल्लाह ﷻ को वे

लोग प्रिय है जो उसपर भरोसा करते है

ألله تعالیٰ کی رحمت کے باعث آپ ان پر نرم دل ہیں اور اگر آپ بد زبان

اور سخت دل ہوتے تو یہ سب آپ کے پاس سے چھٹ جاتے، سو آپ ان

سے درگزر کریں اور ان کے لئے استغفار کریں اور کام کا مشورہ ان سے کیا

کریں، پھر جب آپ کا پختہ ارادہ ہو جائے تو ألله تعالیٰ پر بھروسہ کریں،

بے شک ألله تعالیٰ توکل کرنے والوں سے محبت کرتا ہے

3/159

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

وَمَن يَغْلُلْ يَأْتِ بِمَا غَلَّ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ

;; আর যে লোক গোপন করবে সে কিয়ামতের দিন সেই গোপন বস্তু নিয়ে আসবে ;;NO MISAPPROPRIATION (3:161);; خیانت کرنے والا خیانت کو لئے ہوئے قیامت کے دن حاضر ہوگا;; ఇక్కడే మోసంజేసినా జెల్లుగానీ-అక్కడ లెక్కతో చెల్లించాల్సివస్తుంది- ;; जो कोई कीना-कपट

रखेगा तो वह क़ियामत के दिन अपने द्वेष समेत हाज़िर होगा। ;;

AAL-I-IMRAAN (3:161)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا كَانَ لِنَبِيٍّ أَن يَغُلَّ وَمَن يَغْلُلْ يَأْتِ بِمَا غَلَّ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ ثُمَّ تُوَفَّىٰ كُلُّ نَفْسٍ مَّا كَسَبَتْ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ

আর কোন বিষয় গোপন করে রাখা নবীর কাজ নয়। আর যে লোক গোপন করবে সে কিয়ামতের দিন সেই গোপন বস্তু নিয়ে আসবে। অতঃপর পরিপূর্ণভাবে পাবে প্রত্যেকে, যা সে অর্জন করেছে। আর তাদের প্রতি কোন অন্যায় করা হবে না।

NO PROPHET COULD (EVER) BE FALSE TO HIS TRUST. IF ANY PERSON IS SO FALSE, HE SHALL, ON THE DAY OF JUDGMENT, RESTORE WHAT HE MISAPPROPRIATED; THEN SHALL EVERY SOUL RECEIVE ITS DUE,- WHATEVER IT EARNED,- AND NONE SHALL BE DEALT WITH UNJUSTLY.

यह किसी नबी के लिए सम्भव नहीं कि वह दिल में कीना-कपट रखे, और जो

कोई कीना-कपट रखेगा तो वह क़ियामत के दिन अपने द्वेष समेत हाज़िर होगा। और प्रत्येक व्यक्ति को उसकी कमाई का पूरा-पूरा बदला दे दिया जाएँगा और उनपर कुछ भी ज़ुल्म न होगा

ناممکن ہے کہ نبی سے خیانت ہو جائے ہر خیانت کرنے والا خیانت کو لئے ہوئے قیامت کے دن حاضر ہوگا، پھر ہر شخص کو اپنے اعمال کا پورا پورا بدلہ دیا جائے گا، اور وہ ظلم نہ کئے جائیں گے

3/161

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا يَحِلُّ لَكُمْ أَن تَرِثُوا۟ ٱلنِّسَآءَ كَرْهًا

;;নারীদেরকে উত্তরাধিকারে গ্রহন করা তোমাদের জন্যে হালাল নয় এবং ;; Muslims ARE EXPRESSLY FORBIDDEN TO INHERIT WOMEN AGAINST THEIR WILL. ....(4:19);;ఆడోళ్ళను-సంపదలను బలంతో గైకొనరాదు-NO TO KEECHAKA... ;;

ایمان والو! تمہیں حلال نہیں کہ زبردستی عورتوں کو ورثے میں لے بیٹھو;;तुम्हारे लिए वैध नहीं कि स्त्रियों के माल के ज़बरदस्ती वारिस बन बैठो

AN-NISAA (4:19)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا يَحِلُّ لَكُمْ أَن تَرِثُوا۟ ٱلنِّسَآءَ كَرْهًا وَلَا تَعْضُلُوهُنَّ لِتَذْهَبُوا۟ بِبَعْضِ مَآ ءَاتَيْتُمُوهُنَّ إِلَّآ أَن يَأْتِينَ بِفَٰحِشَةٍ مُّبَيِّنَةٍ وَعَاشِرُوهُنَّ بِٱلْمَعْرُوفِ فَإِن كَرِهْتُمُوهُنَّ فَعَسَىٰٓ أَن تَكْرَهُوا۟ شَيْـًٔا وَيَجْعَلَ ٱللَّهُ فِيهِ خَيْرًا كَثِيرًا

হে ঈমাণদারগণ! বলপূর্বক নারীদেরকে উত্তরাধিকারে গ্রহন করা তোমাদের জন্যে হালাল নয় এবং তাদেরকে আটক রেখো না যাতে তোমরা তাদেরকে যা প্রদান করেছ তার কিয়দংশ নিয়ে নাও; কিন্তু তারা যদি কোন প্রকাশ্য অশ্লীলতা করে! নারীদের সাথে সদ্ভাবে জীবন-যাপন কর। অতঃপর যদি তাদেরকে অপছন্দ কর, তবে হয়ত তোমরা এমন এক জিনিসকে অপছন্দ করছ, যাতে আল্লাহ, ﷻ অনেক কল্যাণ রেখেছেন।

O YE WHO BELIEVE! YOU ARE FORBIDDEN TO INHERIT WOMEN

AGAINST THEIR WILL. NOR SHOULD YE TREAT THEM WITH HARSHNESS, THAT YE MAY TAKE AWAY PART OF THE DOWER YE HAVE GIVEN THEM,-EXCEPT WHERE THEY HAVE BEEN GUILTY OF OPEN LEWDNESS; ON THE CONTRARY LIVE WITH THEM ON A FOOTING OF KINDNESS AND EQUITY. IF YE TAKE A DISLIKE TO THEM IT MAY BE THAT YE DISLIKE A THING, AND ALLAAHU ﷻ _BRINGS ABOUT THROUGH IT A GREAT DEAL OF GOOD.

ऐ ईमान लानेवालो! तुम्हारे लिए वैध नहीं कि स्त्रियों के माल के ज़बरदस्ती वारिस बन बैठो, और न यह वैध है कि उन्हें इसलिए रोको और तंग करो कि जो कुछ तुमने उन्हें दिया है, उसमें से कुछ ले उड़ो। परन्तु यदि वे खुले रूप में अशिष्ट कर्म कर बैठे तो दूसरी बात है। और उनके साथ भले तरीक़े से रहो-सहो। फिर यदि वे तुम्हें पसन्द न हों, तो सम्भव है कि एक चीज़ तुम्हें पसन्द न हो और अल्लाह ﷻ उसमें बहुत कुछ भलाई रख दे

ایمان والو! تمہیں حلال نہیں کہ زبردستی عورتوں کو ورثے میں لے بیٹھو انہیں اس لئے روک نہ رکھو کہ جو تم نے انہیں دے رکھا ہے، اس میں سے کچھ لے لو ہاں یہ اور بات ہے کہ وہ کوئی کھلی برائی اور بے حیائی کریں ان کے ساتھ اچھے طریقے سے بودوباش رکھو، گو تم انہیں ناپسند

کرو لیکن بہت ممکن ہے کہ تم کسی چیز کو برا جانو، اور أللہ

تعالیٰ اس میں بہت ہی بھلائی کر دے

4/19

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

◤ لَا تَأْكُلُوٓا۟ أَمْوَٰلَكُم بَيْنَكُم بِٱلْبَٰطِلِ;;وَلَا تَقْتُلُوٓا۟ أَنفُسَكُم;;অপরের সম্পদ অন্যায়ভাবে গ্রাস করো না; ;তোমরা নিজেদের কাউকে হত্যা করো না। ;DON'T CONSUME THE WEALTH OF THE VULNERABLE WRONGLY OR KILL ANY SOUL.(4:29);; آپس کے مال ناجائز طریقہ سے مت کھاؤ;; قتل نہ کرو ;; ఇతరులసొమ్ముతో సొకులుకూడవు;+మీలోమీరు మర్దర్లుజేసుకోకండి-; आपस में एक-दूसरे के माल ग़लत तरीक़े से न खाओ*और न अपनों की हत्या करो;;**

AN-NISAA (4:29)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَأۡكُلُوٓاْ أَمۡوَٰلَكُم بَيۡنَكُم بِٱلۡبَٰطِلِ إِلَّآ أَن تَكُونَ تِجَٰرَةً عَن تَرَاضٖ مِّنكُمۡۚ وَلَا تَقۡتُلُوٓاْ أَنفُسَكُمۡۚ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ بِكُمۡ رَحِيمٗا

اے ایمان والو! اپنے آپس کے مال ناجائز طریقہ سے مت کھاؤ، مگر یہ کہ تمہاری آپس کی رضا مندی سے ہو خرید وفروخت، اور اپنے آپ کو قتل نہ کرو یقیناً اللہ تعالیٰ تم پر نہایت مہربان ہے

হে ঈমানদারগণ! তোমরা একে অপরের সম্পদ অন্যায়ভাবে গ্রাস করো না। কেবলমাত্র তোমাদের পরস্পরের সম্মতিক্রমে যে ব্যবসা করা হয় তা বৈধ। আর তোমরা নিজেদের কাউকে হত্যা করো না। নিঃসন্দেহে আল্লাহ তা'আলা তোমাদের প্রতি দয়ালু।

O YE WHO BELIEVE! EAT NOT UP YOUR PROPERTY AMONG

YOURSELVES IN VANITIES: BUT LET THERE BE AMONGST YOU TRAFFIC AND TRADE BY MUTUAL GOOD-WILL: NOR KILL (OR DESTROY) YOURSELVES: FOR VERILY ALLAH HATH BEEN TO YOU MOST MERCIFUL!

ऐ ईमान लानेवालो! आपस में एक-दूसरे के माल ग़लत तरीक़े से न खाओ - यह और बात है कि तुम्हारी आपस में रज़ामन्दी से कोई सौदा हो - और न अपनों की हत्या करो। निस्संदेह अल्लाह तुमपर बहुत दयावान है

/4/29

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

◤ فَسَلِّمُواْ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمۡ تَحِيَّةً مِّنۡ عِندِ ٱللَّهِ مُبَٰرَكَةً طَيِّبَةً;; যখন তোমরা গৃহে প্রবেশ কর, তখন তোমাদের স্বজনদের প্রতি সালাম বলবে। ;;Social ETIQUETTE // GREETING WITH SALAAM FROM THE ALMIGHTY

ALLAAHU.SWT ;;. اپنے گھر والوں کو سلاؔم کرلیا کرو دعائے خیر ہے جو بابرکت اور پاکیزہ ہے ;; ఇంట్లలోకి దూరేముందు సలాము చేయాలే!-సొంతకొట్టంలోకైనాసరే -ఇదే రూల్- ;;जब घरों में जाया करो तो अपने लोगों को सलाम किया करो, अभिवादन अल्लाह की ओर से

AN-NOOR (24:61)

ﷻ

لَّيْسَ عَلَى ٱلْأَعْمَىٰ حَرَجٌ وَلَا عَلَى ٱلْأَعْرَجِ حَرَجٌ وَلَا عَلَى ٱلْمَرِيضِ حَرَجٌ وَلَا عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ أَن تَأْكُلُوا۟ مِنۢ بُيُوتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ ءَابَآئِكُمْ أَوْ بُيُوتِ أُمَّهَٰتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ إِخْوَٰنِكُمْ أَوْ بُيُوتِ أَخَوَٰتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ أَعْمَٰمِكُمْ أَوْ بُيُوتِ عَمَّٰتِكُمْ أَوْ بُيُوتِ أَخْوَٰلِكُمْ أَوْ بُيُوتِ خَٰلَٰتِكُمْ أَوْ مَا مَلَكْتُم مَّفَاتِحَهُۥٓ أَوْ صَدِيقِكُمْ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَن تَأْكُلُوا۟ جَمِيعًا أَوْ أَشْتَاتًا فَإِذَا دَخَلْتُم بُيُوتًا فَسَلِّمُوا۟ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ تَحِيَّةً مِّنْ عِندِ ٱللَّهِ مُبَٰرَكَةً طَيِّبَةً كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمُ ٱلْءَايَٰتِ لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ

اندھے پر، لنگڑے پر، بیمار پر اور خود تم پر (مطلقاً) کوئی حرج نہیں کہ تم اپنے گھروں سے کھالو یا اپنے باپوں کے گھروں سے یا اپنی ماؤں کے گھروں سے یا اپنے بھائیوں کے گھروں سے یا اپنی بہنوں کے گھروں سے یا اپنے چچاؤں کے گھروں سے یا اپنی پھوپھیوں کے گھروں سے یا اپنے ماموؤں کے گھروں سے یا اپنی خالاؤں کے گھروں سے یا ان گھروں سے جن کی کنجیوں کے تم مالک ہو یا اپنے دوستوں کے گھروں سے۔ تم پر اس میں بھی کوئی گناہ نہیں کہ تم سب ساتھ بیٹھ کر کھانا کھاؤ یا الگ الگ پس جب تم گھروں میں جانے لگو تو اپنے گھر والوں کو سلام کرلیا کرو دعائے خیر ہے جو بابرکت اور پاکیزہ ہے أللہ تعالیٰ کی طرف سے نازل شدہ، یوں ہی أللہ تعالیٰ کھول کھول کر تم سے اپنے احکام بیان فرما رہا ہے تاکہ تم سمجھ لو

অন্ধের জন্যে দোষ নেই, খঞ্জের জন্যে দোষ নেই, রোগীর জন্যে দোষ নেই, এবং তোমাদের নিজেদের জন্যেও দোষ নেই যে, তোমরা আহার করবে তোমাদের গৃহে অথবা তোমাদের পিতাদের গৃহে অথবা তোমাদের মাতাদের গৃহে অথবা তোমাদের ভ্রাতাদের গৃহে অথবা তোমাদের ভগিণীদের গৃহে অথবা তোমাদের পিতৃব্যদের গৃহে অথবা তোমাদের ফুফুদের গৃহে অথবা তোমাদের মামাদের গৃহে অথবা তোমাদের

খালাদের গৃহে অথবা সেই গৃহে, যার চাবি আছে তোমাদের হাতে অথবা তোমাদের বন্ধুদের গৃহে। তোমরা একত্রে আহার কর অথবা পৃথকভবে আহার কর, তাতে তোমাদের কোন দোষ নেই। অতঃপর যখন তোমরা গৃহে প্রবেশ কর, তখন তোমাদের স্বজনদের প্রতি সালাম বলবে। এটা আল্লাহﷻর কাছ থেকে কল্যাণময় ও পবিত্র দোয়া। এমনিভাবে আল্লাহﷻ তোমাদের জন্যে আয়াতসমূহ বিশদভাবে বর্ননা করেন, যাতে তোমরা বুঝে নাও।

IT IS NO FAULT IN THE BLIND NOR IN ONE BORN LAME, NOR IN ONE AFFLICTED WITH ILLNESS, NOR IN YOURSELVES, THAT YE SHOULD EAT IN YOUR OWN HOUSES, OR THOSE OF YOUR FATHERS, OR YOUR MOTHERS, OR YOUR BROTHERS, OR YOUR SISTERS, OR YOUR FATHER'S BROTHERS OR YOUR FATHER'S SISTERS, OR YOUR MOTHER'S BROTHERS, OR YOUR MOTHER'S SISTERS, OR IN HOUSES OF WHICH THE KEYS ARE IN YOUR POSSESSION, OR IN THE HOUSE OF A SINCERE FRIEND OF YOURS: THERE IS NO BLAME ON YOU, WHETHER YE EAT IN COMPANY OR SEPARATELY. BUT IF YE ENTER HOUSES, SALUTE EACH OTHER - A GREETING OF BLESSING AND PURITY AS FROM ALLAAHUﷻ. THUS DOES ALLAAHUﷻ

MAKE CLEAR THE SIGNS TO YOU: THAT YE MAY UNDERSTAND.

न अंधे के लिए कोई हरज है, न लँगड़े के लिए कोई हरज है और न रोगी के लिए कोई हरज है और न तुम्हारे अपने लिए इस बात में कि तुम अपने घरों में खाओ या अपने बापों के घरों से या अपनी माँओ के घरों से या अपने भाइयों के घरों से या अपनी बहनों के घरों से या अपने चाचाओं के घरों से या अपनी फूफियों (बुआओं) के घरों से या अपनी ख़ालाओं के घरों से या जिसकी कुंजियों के मालिक हुए हो या अपने मित्र के यहाँ। इसमें तुम्हारे लिए कोई हरज नहीं कि तुम मिलकर खाओ या अलग-अलग। हाँ, अलबत्ता जब घरों में जाया करो तो अपने लोगों को सलाम किया करो, अभिवादन अल्लाहﷻ की ओर से नियत किया हुए, बरकतवाला और अत्याधिक पाक। इस प्रकार अल्लाहﷻ तुम्हारे लिए अपनी आयतों को स्पष्ट करता है, ताकि तुम बुद्धि से काम लो

/24/61

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

GREETINGS:- تحياتTAHIYYAAT-

AN-NISAA (4:86)

﷽

وَإِذَا حُيِّيتُم بِتَحِيَّةٍ فَحَيُّوا۟ بِأَحْسَنَ مِنْهَآ أَوْ رُدُّوهَآ
إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ حَسِيبًا

اور جب تمہیں سلام کیا جائے تو تم اس سے اچھا جواب
دو یا انہی الفاظ کو لوٹا دو، بے شبہ أللہ تعالیٰ ہر چیز کا
حساب لینے والا ہے

আর তোমাদেরকে যদি কেউ দোয়া করে, তাহলে তোমরাও তার জন্য
দোয়া কর; তারচেয়ে উত্তম দোয়া অথবা তারই মত ফিরিয়ে বল।
নিশ্চয়ই আল্লাহﷻ সর্ব বিষয়ে হিসাব-নিকাশ গ্রহণকারী।

WHEN A (COURTEOUS) GREETING IS OFFERED YOU, MEET IT WITH A GREETING STILL MORE COURTEOUS, OR (AT LEAST) OF EQUAL COURTESY. ALLAAHUﷻ TAKES CAREFUL ACCOUNT OF ALL THINGS.

और तुम्हें जब सलामती की कोई दुआ दी जाए, तो तुम सलामती की उससे अच्छी दुआ दो या उसी को लौटा दो। निश्चय ही, अल्लाहﷻ हर चीज़ का हिसाब रखता है

/4/86

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣

✣ IT's ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING✣

◤إِذَا ضَرَبْتُمْ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ فَتَبَيَّنُوا;;যখন আল্লাহর পথে সফর কর, তখন যাচাই করে নিও এবং;;BRANDING OTHERS AS DISBELIEVERS WITHOUT SURE KNOWLEDGE (4:94);; جب تم أللہ کی راہ میں جا رہے ہو تو تحقیق کر لیا کرو ;; రుజుమార్గపోకడలో నిజం తెలుసుకోవాలి ;; जब तुम अल्लाह के मार्ग से निकलो तो अच्छी तरह पता लगा लो और

AN-NISAA (4:94)

﷽

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ إِذَا ضَرَبْتُمْ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ فَتَبَيَّنُواْ وَلَا تَقُولُواْ لِمَنْ أَلْقَىٰٓ إِلَيْكُمُ ٱلسَّلَٰمَ لَسْتَ مُؤْمِنًا تَبْتَغُونَ عَرَضَ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا فَعِندَ ٱللَّهِ مَغَانِمُ كَثِيرَةٌ كَذَٰلِكَ كُنتُم مِّن قَبْلُ فَمَنَّ ٱللَّهُ عَلَيْكُمْ فَتَبَيَّنُوٓاْ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا

اے ایمان والو! جب تم أللہ کی راہ میں جا رہے ہو تو تحقیق کر لیا کرو اور جو تم سے سلام علیک کرے تو اسے یہ نہ کہہ دو کہ تو ایمان والا نہیں۔ تم دنیاوی زندگی کے اسباب کی تلاش میں ہو تو أللہ تعالیٰ کے پاس بہت سی غنیمتیں ہیں۔ پہلے تم بھی ایسے ہی تھے، پھر أللہ تعالیٰ نے تم پر احسان کیا لہٰذا تم ضرور تحقیق وتفتیش کر لیا کرو، بے شک أللہ تعالیٰ تمہارے اعمال سے باخبر ہے

হে ঈমানদারগণ! তোমরা যখন আল্লাহﷻর পথে সফর কর, তখন যাচাই করে নিও এবং যে, তোমাদেরকে সালাম করে তাকে বলো না যে, তুমি মুসলমান নও। তোমরা পার্থিব জীবনের সম্পদ অন্বেষণ কর, বস্তুতঃ

আল্লাহর কাছে অনেক সম্পদ রয়েছে। তোমরা ও তো এমনি ছিলে ইতিপূর্বে; অতঃপর আল্লাহ তোমাদের প্রতি অনুগ্রহ করেছেন। অতএব, এখন অনুসন্ধান করে নিও। নিশ্চয় আল্লাহ তোমাদের কাজ কর্মের খবর রাখেন।

O YE WHO BELIEVE! WHEN YE GO ABROAD IN THE CAUSE OF ALLAH, INVESTIGATE CAREFULLY, AND SAY NOT TO ANY ONE WHO OFFERS YOU A SALUTATION: "THOU ART NONE OF A BELIEVER!" COVETING THE PERISHABLE GOODS OF THIS LIFE: WITH ALLAAHU ARE PROFITS AND SPOILS ABUNDANT. EVEN THUS WERE YE YOURSELVES BEFORE, TILL ALLAAHU CONFERRED ON YOU HIS FAVOURS: THEREFORE CAREFULLY INVESTIGATE. FOR ALLAAHU IS WELL AWARE OF ALL THAT YE DO.

ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम अल्लाह के मार्ग से निकलो तो अच्छी तरह पता लगा लो और जो तुम्हें सलाम करे, उससे यह न कहो कि तुम ईमान नहीं रखते, और इससे तुम्हारा ध्येय यह हो कि सांसारिक जीवन का माल प्राप्त करो। अल्लाह ने तुमपर उपकार किया, जो अच्छी तरह पता लगा लिया करो। जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤وَٱلصُّلْحُ خَيْرٌ;; যদি তোমরা উত্তম কাজ কর এবং খোদাভীরু হও, তবে ;;AMICABLE SETTLEMENT BETWEEN COUPLES-MARITAL TRANQUILITY (4:128);; آپس میں جو صلح کر لیں ;;صلح بہت بہتر چیز ہے ;;ఆలుమగలుకలిసివుంటేనే కలదు సుఖం- ;; दोनों आपस में मेल-मिलाप की कोई राह निकाल ले ;;

AN-NISAA (4:128)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِنِ ٱمْرَأَةٌ خَافَتْ مِنۢ بَعْلِهَا نُشُوزًا أَوْ إِعْرَاضًا فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَآ أَن يُصْلِحَا بَيْنَهُمَا صُلْحًا وَٱلصُّلْحُ خَيْرٌ وَأُحْضِرَتِ ٱلْأَنفُسُ ٱلشُّحَّ وَإِن تُحْسِنُوا۟ وَتَتَّقُوا۟ فَإِنَّ

ٱللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا

اگر کسی عورت کو اپنے شوہر کی بد دماغی اور بے پرواہی کا خوف ہو تو دونوں آپس میں جو صلح کر لیں اس میں کسی پر کوئی گناہ نہیں۔ صلح بہت بہتر چیز ہے، طمع ہر ہر نفس میں شامل کر دی گئی ہے۔ اگر تم اچھا سلوک کرو اور پرہیزگاری کرو تو تم جو کر رہے ہو اس پر أللہ تعالیٰ پوری طرح خبردار ہے

যদি কোন নারী স্বীয় স্বামীর পক্ষ থেকে অসদাচরণ কিংবা উপেক্ষার আশংকা করে, তবে পরস্পর কোন মীমাংসা করে নিলে তাদের উভয়ের কোন গোনাহ নাই। মীমাংসা উত্তম। মনের সামনে লোভ বিদ্যমান আছে। যদি তোমরা উত্তম কাজ কর এবং খোদাভীরু হও, তবে, আল্লাহﷻ তোমাদের সব কাজের খবর রাখেন।

IF A WIFE FEARS CRUELTY OR DESERTION ON HER HUSBAND'S PART, THERE IS NO BLAME ON THEM IF THEY ARRANGE AN AMICABLE SETTLEMENT BETWEEN THEMSELVES; AND SUCH SETTLEMENT IS BEST; EVEN THOUGH MEN'S SOULS ARE SWAYED BY GREED. BUT IF YE DO GOOD AND PRACTISE SELF-RESTRAINT, ALLAAHUﷻ IS WELL-ACQUAINTED

WITH ALL THAT YE DO.

यदि किसी स्त्री को अपने पति की और से दुर्व्यवहार या बेरुख़ी का भय हो, तो इसमें उनके लिए कोई दोष नहीं कि वे दोनों आपस में मेल-मिलाप की कोई राह निकाल ले। और मेल-मिलाव अच्छी चीज़ है। और मन तो लोभ एवं कृपणता के लिए उद्यत रहता है। परन्तु यदि तुम अच्छा व्यवहार करो और (अल्लाह ﷻ का) भय रखो, तो अल्लाह ﷻ को निश्चय ही जो कुछ तुम करोगे उसकी खबर रहेगी

..../4/128

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT,S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤ كُونُواْ قَوَّٰمِينَ بِٱلْقِسْطِ شُهَدَآءَ لِلَّهِ وَلَوْ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ أَوِ ٱلْوَٰلِدَيْنِ وَٱلْأَقْرَبِينَ;; **তোমরা ন্যায়ের উপর প্রতিষ্ঠিত থাক; আল্লাহর ওয়াস্তে ন্যায়সঙ্গত সাক্ষ্যদান কর, তাতে তোমাদের নিজের বা ;; BE JUST, EVEN AGAINST ONE,S SELF & RELATIVES (4:135);; سچی**

گواہی دینے والے بن جاؤ، گو وہ خود تمہارے اپنے خلاف ;;సొంతలాభాలకై అధర్మం-అన్యాయం చేయక ;;इनसाफ़ पर मज़बूती के साथ जमे रहो, चाहे वह स्वयं तुम्हारे अपने या माँ-बाप और नातेदारों के विरुद्ध ही क्यों न हो। ;;

An-Nisaa (4:135)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ كُونُوا۟ قَوَّٰمِينَ بِٱلْقِسْطِ شُهَدَآءَ لِلَّهِ وَلَوْ عَلَىٰٓ أَنفُسِكُمْ أَوِ ٱلْوَٰلِدَيْنِ وَٱلْأَقْرَبِينَ إِن يَكُنْ غَنِيًّا أَوْ فَقِيرًا فَٱللَّهُ أَوْلَىٰ بِهِمَا فَلَا تَتَّبِعُوا۟ ٱلْهَوَىٰٓ أَن تَعْدِلُوا۟ وَإِن تَلْوُۥٓا۟ أَوْ تُعْرِضُوا۟ فَإِنَّ ٱللَّهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرًا

اے ایمان والو! عدل وانصاف پر مضبوطی سے جم جانے والے اور خوشنودی مولا کے لئے سچی گواہی دینے والے بن جاؤ، گو وہ خود تمہارے اپنے خلاف

ہو یا اپنے ماں باپ کے یا رشتہ دار عزیزوں کے، وہ شخص اگر

امیر ہو تو اور فقیر ہو تو دونوں کے ساتھ أللہ کو زیادہ تعلق ہے، اس لئے تم خواہش نفس کے پیچھے پڑ کر انصاف نہ چھوڑ دینا اور اگر تم نے کج بیانی یا پہلو تہی کی تو جان لو کہ جو کچھ تم کرو گے أللہ تعالیٰ اس سے پوری طرح باخبر ہے

হে ঈমানদারগণ, তোমরা ন্যায়ের উপর প্রতিষ্ঠিত থাক; আল্লাহﷻর ওয়াস্তে ন্যায়সঙ্গত সাক্ষ্যদান কর, তাতে তোমাদের নিজের বা পিতা-মাতার অথবা নিকটবর্তী আত্নীয়-স্বজনের যদি ক্ষতি হয় তবুও। কেউ যদি ধনী কিংবা দরিদ্র হয়, তবে আল্লাহﷻ তাদের শুভাকাঙ্খী তোমাদের চাইতে বেশী। অতএব, তোমরা বিচার করতে গিয়ে রিপুর কামনা-বাসনার অনুসরণ করো না। আর যদি তোমরা ঘুরিয়ে-পেঁচিয়ে কথা বল কিংবা পাশ কাটিয়ে যাও, তবে আল্লাহﷻ তোমাদের যাবতীয় কাজ কর্ম সম্পর্কেই অবগত।

O ye who believe! stand out firmly for justice, as witnesses to Allaahuﷻ.swt., even as against yourselves, or your parents, or your kin, and whether it be (against) rich or poor: for Allaahuﷻ.swt. can best protect both. Follow not the lusts (of your hearts), lest ye swerve, and if ye distort (justice) or decline to do justice,

verily Allaahu.swt. is well-acquainted with all that ye do.

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह के लिए गवाही देते हुए इनसाफ़ पर मज़बूती के साथ जमे रहो, चाहे वह स्वयं तुम्हारे अपने या माँ-बाप और नातेदारों के विरुद्ध ही क्यों न हो। कोई धनवान हो या निर्धन (जिसके विरुद्ध तुम्हें गवाही देनी पड़े) अल्लाह को उनसे (तुमसे कहीं बढ़कर) निकटता का सम्बन्ध है, तो तुम अपनी इच्छा के अनुपालन में न्याय से न हटो, क्योंकि यदि तुम हेर-फेर करोगे या कतराओगे, तो जो कुछ तुम करते हो अल्लाह को उसकी ख़बर रहेगी

/4/135

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ فَلَا تَقْعُدُوا۟ مَعَهُمْ حَتَّىٰ يَخُوضُوا۟ فِى حَدِيثٍ غَيْرِهِۦ ;; যখন আল্লাহ তা' আলার আয়াতসমূহের প্রতি অস্বীকৃতি জ্ঞাপন ও বিদ্রুপ হতে শুনবে ;;BEING WITH MOCKERS OF ISLAAM (4:140);; ఇస్లాంను

హేళనజేసేవాళ్ళతో కూర్చోక;; أللہ تعالیٰ کی آیتوں کے ساتھ کفر کرتے اور مذاق اڑاتے ہوئے سنو تو اس مجمع میں ان کے ساتھ نہ بیٹھو!;; अल्लाह की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उसका उपहास किया जा रहा है, तो;;

An-Nisaa (4:140)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَدْ نَزَّلَ عَلَيْكُمْ فِى ٱلْكِتَٰبِ أَنْ إِذَا سَمِعْتُمْ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ يُكْفَرُ بِهَا وَيُسْتَهْزَأُ بِهَا فَلَا تَقْعُدُوا۟ مَعَهُمْ حَتَّىٰ يَخُوضُوا۟ فِى حَدِيثٍ غَيْرِهِۦٓ إِنَّكُمْ إِذًا مِّثْلُهُمْ إِنَّ ٱللَّهَ جَامِعُ ٱلْمُنَٰفِقِينَ وَٱلْكَٰفِرِينَ فِى جَهَنَّمَ جَمِيعًا

اور أللہ تعالیٰ تمہارے پاس اپنی کتاب میں یہ حکم اتار چکا ہے کہ تم جب کسی مجلس والوں کو

أللہ تعالیٰ کی آیتوں کے ساتھ کفر کرتے اور مذاق اڑاتے ہوئے سنو تو اس مجمع میں ان کے ساتھ نہ بیٹھو! جب تک کہ وہ اور باتیں نہ کرنے لگیں، (ورنہ) تم بھی اس وقت اس کے علاوہ

انہی جیسے ہو، یقیناً أللہ تعالیٰ تمام کافروں اور سب منافقوں کو جہنم میں جمع کرنے والا ہے

আর কোরআনের মাধ্যমে তোমাদের প্রতি এই হুকুম জারি করে দিয়েছেন যে, যখন আল্লাহ ﷻ তা' আলার আয়াতসমূহের প্রতি অস্বীকৃতি জ্ঞাপন ও বিদ্রুপ হতে শুনবে, তখন তোমরা তাদের সাথে বসবে না, যতক্ষণ না তারা প্রসঙ্গান্তরে চলে যায়। তা না হলে তোমরাও তাদেরই মত হয়ে যাবে। আল্লাহ ﷻ দোযখের মাঝে মুনাফেক ও কাফেরদেরকে একই জায়গায় সমবেত করবেন।

Already has He sent you Word in the Book, that when ye hear the signs of Allaahu ﷻ.swt held in defiance and ridicule, ye are not to sit with them unless they turn to a different theme: if ye did, ye would be like them. For Allaahu ﷻ.swt will collect the hypocrites and those who defy faith - all in Hell:-

वह 'किताब' में तुमपर यह हुक्म उतार चुका है कि जब तुम सुनो कि अल्लाह ﷻ की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उसका उपहास किया जा रहा है, तो जब तब वे किसी दूसरी बात में न लगा जाएँ, उनके साथ न बैठो, अन्यथा तुम भी उन्हीं के जैसे होगे; निश्चय ही अल्लाह ﷻ

कपटाचारियों और इनकार करनेवालों - सबको जहन्नम में एकत्र करनेवाला

है/4/140

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

◤ وَلَٰكِن يُؤَاخِذُكُم بِمَا عَقَّدتُّمُ ٱلْأَيْمَٰنَ;;;কিন্তু পাকড়াও করেন ঐ শপথের জন্যে যা তোমরা মজবুত করে বাধ।;;; will call you to account for your deliberate oaths(5:89);;వఅద-పూరా కర్నా లాజిమ్-మాట నిలకడ- مؤاخذه اس پر فرماتا ہے کہ تم جن قسموں کو مضبوط کردو ;;;जो तुमने पक्की क़समें खाई हों, उनपर वह तुम्हें पकड़ेगा

Al-Maaida (5:89)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا يُؤَاخِذُكُمُ ٱللَّهُ بِٱللَّغْوِ فِىٓ أَيْمَٰنِكُمْ وَلَٰكِن يُؤَاخِذُكُم
بِمَا عَقَّدتُّمُ ٱلْأَيْمَٰنَ فَكَفَّٰرَتُهُۥٓ إِطْعَامُ عَشَرَةِ مَسَٰكِينَ
مِنْ أَوْسَطِ مَا تُطْعِمُونَ أَهْلِيكُمْ أَوْ كِسْوَتُهُمْ أَوْ

تَحْرِيرُ رَقَبَةٍ فَمَن لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَٰثَةِ أَيَّامٍ ذَٰلِكَ
كَفَّرَةُ أَيْمَٰنِكُمْ إِذَا حَلَفْتُمْ وَٱحْفَظُوٓا۟ أَيْمَٰنَكُمْ كَذَٰلِكَ
يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمْ ءَايَٰتِهِۦ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

أللہ تعالیٰ تمہاری قسموں میں لغو قسم پر تم سے مؤاخذہ نہیں فرماتا لیکن مؤاخذہ اس پر فرماتا ہے کہ تم جن قسموں کو مضبوط کردو۔ اس کا کفارہ دس محتاجوں کو کھانا دینا ہے اوسط درجے کا جو اپنے گھر والوں کو کھلتے ہو یا ان کو کپڑا دینا یا ایک غلم یا لونڈی آزاد کرنا ہے اور جس کو مقدور نہ ہو تو تین دن کے روزے ہیں یہ تمہاری قسموں کا کفارہ ہے جب کہ تم قسم کھا لو اور اپنی قسموں کا خیال رکھو! اسی طرح أللہ تعالیٰ تمہارے واسطے اپنے احکام بیان فرماتا ہے تاکہ تم شکر کرو

আল্লাহﷻ তোমাদেরকে পাকড়াও করেন না তোমাদের অনর্থক শপথের জন্যে; কিন্তু পাকড়াও করেন ঐ শপথের জন্যে যা তোমরা মজবুত করে বাধ। অতএব, এর কাফফরা এই যে, দশজন দরিদ্রকে খাদ্য প্রদান করবে; মধ্যম শ্রেনীর খাদ্য যা তোমরা স্বীয় পরিবারকে দিয়ে থাক। অথবা, তাদেরকে বস্ত্র প্রদান করবে অথবা, একজন ক্রীতদাস কিংবা দাসী মুক্ত করে দিবে। যে ব্যক্তি সামর্থ্য রাখে না, সে তিন দিন রোযা

রাখবে। এটা কাফফরা তোমাদের শপথের, যখন শপথ করবে। তোমরা স্বীয় শপথসমূহ রক্ষা কর এমনিভাবে আল্লাহ তোমাদের জন্য স্বীয় নির্দেশ বর্ণনা করেন, যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা স্বীকার কর।

ALLAAHU.swt will not call you to account for what is futile in your oaths, but He will call you to account for your deliberate oaths: for expiation, feed ten indigent persons, on a scale of the average for the food of your families; or clothe them; or give a slave his freedom. If that is beyond your means, fast for three days. That is the expiation for the oaths ye have sworn. But keep to your oaths. Thus doth ALLAAHU.swt make clear to you His signs, that ye may be grateful.

तुम्हारी उन क़समों पर अल्लाह तुम्हें नहीं पकड़ता जो यूँ ही असावधानी से ज़बान से निकल जाती है। परन्तु जो तुमने पक्की क़समें खाई हों, उनपर वह तुम्हें पकड़ेगा। तो इसका प्रायश्चित दस मुहताजों को औसत दर्जे का खाना खिला देना है, जो तुम अपने बाल-बच्चों को खिलाते हो या फिर उन्हें कपड़े पहनाना या एक ग़ुलाम आज़ाद करना होगा। और जिसे इसकी सामर्थ्य न हो, तो उसे तीन दिन के रोज़े रखने होंगे। यह तुम्हारी क़समों का प्रायश्चित है,

जबकि तुम क़सम खा बैठो। तुम अपनी क़समों की हिफ़ाजत किया करो। इस प्रकार अल्लाहﷻ अपनी आयतें तुम्हारे सामने खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ

/5/89

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣

✣ IT`S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING✣

◤;لَا تَسۡـَٔلُواْ عَنۡ أَشۡيَآءَ إِن تُبۡدَ لَكُمۡ تَسُؤۡكُمۡ;;এমন কথাবার্তা জিজ্ঞেস করো না;;;Ask not questions about things which(5:101);; మాటకు మధ్యలో అడగరాదు-; मत ایسی باتیں پوچھو کہ ;;;ऐसी चीज़ों के विषय में न पूछो

Al-Maaida (5:101)

ﷲ

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَسۡـَٔلُواْ عَنۡ أَشۡيَآءَ إِن تُبۡدَ لَكُمۡ تَسُؤۡكُمۡ وَإِن تَسۡـَٔلُواْ عَنۡهَا حِينَ يُنَزَّلُ ٱلۡقُرۡءَانُ تُبۡدَ لَكُمۡ عَفَا ٱللَّهُ عَنۡهَا وَٱللَّهُ غَفُورٌ حَلِيمٌ

اے ایمان والو! ایسی باتیں مت پوچھو کہ اگر تم پر ظاہر کر دی جائیں تو تمہیں ناگوار ہوں اور اگر تم زمانۂ نزول قرآن میں ان باتوں کو پوچھو گے تو تم پر ظاہر کردی جائیں گی سوالات گزشتہ ألله نے معاف کردیئے اور ألله بڑی مغفرت والا بڑے حلم والا ہے

হে মুমিণগন, এমন কথাবার্তা জিজ্ঞেস করো না, যা তোমাদের কাছে পরিব্যক্ত হলে তোমাদের খারাপ লাগবে। যদি কোরআন অবতরণকালে তোমরা এসব বিষয় জিজ্ঞেস কর, তবে তা তোমাদের জন্যে প্রকাশ করা হবে। অতীত বিষয় আল্লাহﷻ ক্ষমা করেছেন আল্লাহﷻ ক্ষমাশীল, সহনশীল।

O ye who believe! Ask not questions about things which, if made plain to you, may cause you trouble. But if ye ask about things when the Qur'an is being revealed, they will be made plain to you, ALLAAHUﷻ.swt will forgive those: for ALLAAHUﷻ.swt is Oft-forgiving, Most Forbearing.

ऐ ईमान लानेवालो! ऐसी चीज़ों के विषय में न पूछो कि वे यदि तुम पर स्पष्ट

कर दी जाएँ, तो तुम्हें बूरी लगें। यदि तुम उन्हें ऐसे समय में पूछोगे, जबकि क़ुरआन अवतरित हो रहा है, तो वे तुमपर स्पष्ट कर दी जाएँगी। अल्लाहﷻ ने उसे क्षमा कर दिया। अल्लाहﷻ बहुत क्षमा करनेवाला, सहनशील है

/5/101

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

◤ أَن يَأْتُوا۟ بِٱلشَّهَـٰدَةِ عَلَىٰ وَجْهِهَآ ;; তারা ঘটনাকে সঠিকভাবে প্রকাশ করবে অথবা;;TRUTHFUL EVIDENCE ... జరిగినదానికి సత్యసాక్ష్యంఇవ్వాలి- .;; واقعہ کو ٹھیک طور پر ظاہر کریں یا ;;ठीक-ठीक गवाही देंगे

AL-MAAIDA (5:108)

بسم الله الرحمن الرحيم

ذَٰلِكَ أَدْنَىٰٓ أَن يَأْتُوا۟ بِٱلشَّهَـٰدَةِ عَلَىٰ وَجْهِهَآ أَوْ يَخَافُوٓا۟ أَن تُرَدَّ أَيْمَـٰنٌۢ بَعْدَ أَيْمَـٰنِهِمْ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَٱسْمَعُوا۟ وَٱللَّهُ

لَا يَهْدِي ٱلْقَوْمَ ٱلْفَٰسِقِينَ

یہ قریب ذریعہ ہے اس امر کا کہ وہ لوگ واقعہ کو ٹھیک طور پر ظاہر کریں یا اس بات سے ڈر جائیں کہ ان سے قسمیں لینے کے بعد قسمیں الٹی پڑ جائیں گی اور أللہ تعالیٰ سے ڈرو اور سنو! اور أللہ تعالیٰ فاسق لوگوں کو ہدایت نہیں کرتا

এটি এ বিষয়ের নিকটতম উপায় যে, তারা ঘটনাকে সঠিকভাবে প্রকাশ করবে অথবা আশঙ্কা করবে যে, তাদের কাছ থেকে কসম নেয়ার পর আবার কসম চাওয়া হবে। আল্লাহﷻকে ভয় কর এবং শুন, আল্লাহﷻ দুরাচারীদেরকে পথ-প্রদর্শন করবেন না।

THAT IS MOST SUITABLE: THAT THEY MAY GIVE THE EVIDENCE IN ITS TRUE NATURE AND SHAPE, OR ELSE THEY WOULD FEAR THAT OTHER OATHS WOULD BE TAKEN AFTER THEIR OATHS. BUT FEAR Allaahuﷻ.swt

, AND LISTEN (TO HIS COUNSEL): FOR Allaahuﷻ.swt

GUIDETH NOT A REBELLIOUS PEOPLE:

इसमें इसकी सम्भावना है कि वे ठीक-ठीक गवाही देंगे या डरेंगे कि उनकी क़समों के पश्चात क़समें ली जाएँगी। अल्लाह का डर रखो और सुनो। अल्लाह अवज्ञाकारी लोगों को मार्ग नहीं दिखाता

/5/108

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

;; وَلَا تَسُبُّوا۟ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ◤

তোমরা তাদেরকে মন্দ বলো না, যাদের তারা আরাধনা করে আল্লাহকে ছেড়ে। ;; INSULTING OTHERS' GODS IS STRICTLY PROHIBITED IN ISLAAM...;ఇతరుల దేవతలను తిట్టకూడదు; اور گالی مت دو ان کو جن کی یہ لوگ أللہ تعالیٰ کو چھوڑ کر عبادت کرتے ;;अल्लाह के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो।

Al-An'aam (6:108)

وَلَا تَسُبُّواْ ٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ فَيَسُبُّواْ ٱللَّهَ عَدْوًۢا بِغَيْرِ عِلْمٍ كَذَٰلِكَ زَيَّنَّا لِكُلِّ أُمَّةٍ عَمَلَهُمْ ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّهِم مَّرْجِعُهُمْ فَيُنَبِّئُهُم بِمَا كَانُواْ يَعْمَلُونَ

اور گالی مت دو ان کو جن کی یہ لوگ أللہ تعالیٰ کو چھوڑ کر عبادت کرتے ہیں کیونکہ پھر وہ براہ جہل حد سے گزر کر أللہ تعالیٰ کی شان میں گستاخی کریں گے ہم نے اسی طرح ہر طریقہ والوں کو ان کا عمل مرغوب بنا رکھا ہے۔ پھر اپنے رب ہی کے پاس ان کو جانا ہے سو وہ ان کو بتلا

دے گا جو کچھ بھی وہ کیا کرتے تھے

তোমরা তাদেরকে মন্দ বলো না, যাদের তারা আরাধনা করে আল্লাহﷻকে ছেড়ে। তাহলে তারা ধৃষ্টতা করে অজ্ঞতাবশতঃ আল্লাহﷻকে মন্দ বলবে। এমনিভাবে আমি প্রত্যেক সম্প্রদায়ের দৃষ্টিতে তাদের কাজ কর্ম সুশোভিত করে দিয়েছি। অতঃপর স্বীয় পালনকর্তার কাছে তাদেরকে প্রত্যাবর্তন করতে হবে। তখন তিনি তাদেরকে বলে দেবেন যা কিছু তারা করত।

Revile not ye those whom they call upon besides ALLAAHU.swt , lest they out of spite revile ALLAAHU.swt in their ignorance. Thus have We made alluring to each people its own doings. In the end will they return to their Lord, and We shall then tell them the truth of all that they did.

अल्लाह के सिवा जिन्हें ये पुकारते है, तुम उनके प्रति अपशब्द का प्रयोग न करो। ऐसा न हो कि वे हद से आगे बढ़कर अज्ञान वश अल्लाह के प्रति अपशब्द का प्रयोग करने लगें। इसी प्रकार हमने हर गिरोह के लिए उसके कर्म को सुहावना बना दिया है। फिर उन्हें अपने रब की ही ओर लौटना है। उस समय वह उन्हें बता देगा. जो कुछ वे करते रहे होंगे

/6/108

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

;; وَلَا تَقْرَبُوا۟ مَالَ ٱلْيَتِيمِ إِلَّا بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ ◤

এতীমদের ধনসম্পদের কাছেও যেয়ো না ;; swindlng of Orphan's Property ,;; అనాథ-యతీముల ఆస్తులనుకాజేయకూడదు..;; اور یتیم کے مال کے پاس نہ جاؤ ;;अनाथ के धन को हाथ न लगाओ,

Al-An'aam (6:152)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَقْرَبُوا۟ مَالَ ٱلْيَتِيمِ إِلَّا بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ حَتَّىٰ يَبْلُغَ أَشُدَّهُۥ ۖ وَأَوْفُوا۟ ٱلْكَيْلَ وَٱلْمِيزَانَ بِٱلْقِسْطِ ۖ لَا نُكَلِّفُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا ۖ وَإِذَا قُلْتُمْ فَٱعْدِلُوا۟ وَلَوْ كَانَ ذَا قُرْبَىٰ ۖ وَبِعَهْدِ ٱللَّهِ أَوْفُوا۟ ۚ ذَٰلِكُمْ وَصَّىٰكُم بِهِۦ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ

اور یتیم کے مال کے پاس نہ جاؤ مگر ایسے طریقے سے جو کہ مستحسن ہے یہاں تک کہ وہ اپنے سن رشد کو پہنچ جائے اور ناپ تول پوری پوری کرو، انصاف کے ساتھ، ہم کسی شخص کو اس کی طاقت سے زیاده تکلیف نہیں

دیتے۔ اور جب تم بات کرو تو انصاف کرو، گو وہ شخص قرابت دار ہی ہو اور أللہ تعالیٰ سے جو عہد کیا اس کو پورا کرو، ان کا أللہ تعالیٰ نے تم کو تاکیدی حکم دیا ہے تاکہ تم یاد رکھو

এতীমদের ধনসম্পদের কাছেও যেয়ো না; কিন্তু উত্তম পন্থায় যে পর্যন্ত সে বয়ঃপ্রাপ্ত না হয়। ওজন ও মাপ পূর্ণ কর ন্যায় সহকারে। আমি কাউকে তার সাধ্যের অতীত কষ্ট দেই না। যখন তোমরা কথা বল, তখন সুবিচার কর, যদিও সে আত্নীয়ও হয়। আল্লাহﷻর অঙ্গীকার পূর্ণ কর।

And come not nigh to the orphan's property, except to improve it, until he attain the age of full strength; give measure and weight with (full) justice;- no burden do We place on any soul, but that which it can bear;- whenever ye speak, speak justly, even if a near relative is concerned; and fulfil the covenant of ALLAAHUﷻ.swt: thus doth Heﷻ command you, that ye may remember.

"और अनाथ के धन को हाथ न लगाओ, किन्तु ऐसे तरीक़े से जो उत्तम हो,

यहाँ तक कि वह अपनी युवावस्था को पहुँच जाए। और इनसाफ़ के साथ पूरा-पूरा नापो और तौलो। हम किसी व्यक्ति पर उसी काम की ज़िम्मेदारी का बोझ डालते हैं जो उसकी सामर्थ्य में हो। और जब बात कहो, तो न्याय की कहो, चाहे मामला अपने नातेदार ही का क्यों न हो, और अल्लाह की प्रतिज्ञा को पूरा करो। ये बातें हैं, जिनकी उसने तुम्हें ताकीद की है। आशा है तुम ध्यान रखोगे

/6/152

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤وَإِن جَنَحُوا۟ لِلسَّلْمِ فَٱجْنَحْ لَهَا;; যদি তারা সন্ধি করতে আগ্রহ প্রকাশ করে, তাহলে তুমিও সে দিকেই আগ্রহী হও ;;pace for PEACE, (8:61);; సంధికోరే శత్రువుతో సంధి చేసుకోవాలి;; اگر وہ صلح کی طرف جھکیں تو تو بھی صلح کی طرف جھک جا ;;यदि वे संधि और सलामती की ओर झुकें तो तुम भी इसके लिए झुक जाओ

AL-ANFAAL (8:61)

وَإِن جَنَحُواْ لِلسَّلْمِ فَٱجْنَحْ لَهَا وَتَوَكَّلْ عَلَى ٱللَّهِ إِنَّهُۥ هُوَ ٱلسَّمِيعُ ٱلْعَلِيمُ

اگر وہ صلح کی طرف جھکیں تو تو بھی صلح کی طرف جھک جا اور اللہ پر بھروسہ رکھ، یقیناً وہ بہت سننے جاننے والا ہے

আর যদি তারা সন্ধি করতে আগ্রহ প্রকাশ করে, তাহলে তুমিও সে দিকেই আগ্রহী হও এবং আল্লাহর উপর ভরসা কর। নিঃসন্দেহে তিনি শ্রবণকারী; পরিজ্ঞাত।

BUT IF THE ENEMY INCLINE TOWARDS PEACE, DO THOU (ALSO) INCLINE TOWARDS PEACE, AND TRUST IN ALLAAHU.swt

: FOR HE IS ONE THAT HEARETH AND KNOWETH (ALL THINGS).

और यदि वे संधि और सलामती की ओर झुकें तो तुम भी इसके लिए झुक

जाओ और अल्लाह पर भरोसा रखो। निस्संदेह, वह सब कुछ सुनता, जानता है

/8/61

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

KEEPING WORD

AT-TAWBA (9:4)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَّا ٱلَّذِينَ عَٰهَدتُّم مِّنَ ٱلْمُشْرِكِينَ ثُمَّ لَمْ يَنقُصُوكُمْ شَيْـًٔا وَلَمْ يُظَٰهِرُوا۟ عَلَيْكُمْ أَحَدًا فَأَتِمُّوٓا۟ إِلَيْهِمْ عَهْدَهُمْ إِلَىٰ مُدَّتِهِمْ إِنَّ ٱللَّهَ يُحِبُّ ٱلْمُتَّقِينَ

بجز ان مشرکوں کے جن سے تمہارا معاہدہ ہو چکا ہے اور انہوں نے تمہیں ذرا سا بھی نقصان نہیں پہنچایا نہ کسی کی تمہارے خلف مدد کی ہے تو تم بھی ان کے معاہدے کی مدت ان کے ساتھ پوری کرو،

أللہ تعالیٰ پرہیزگاروں کو دوست رکھتا ہے

তবে যে মুশরিকদের সাথে তোমরা চুক্তি বদ্ধ, অতপরঃ যারা তোমাদের ব্যাপারে কোন ত্রুটি করেনি এবং তোমাদের বিরুদ্ধে কাউকে সাহায্যও করেনি, তাদের সাথে কৃত চুক্তিকে তাদের দেয়া মেয়াদ পর্যন্ত পূরণ কর। অবশ্যই আল্লাহﷻ সাবধানীদের পছন্দ করেন।

O MUHAMMAD..ﷺ....!!!!!

(BUT THE TREATIES ARE) NOT DISSOLVED WITH THOSE PAGANS WITH WHOM YE HAVE ENTERED INTO ALLIANCE AND WHO HAVE NOT SUBSEQUENTLY FAILED YOU IN AUGHT, NOR AIDED ANY ONE AGAINST YOU. SO FULFIL YOUR ENGAGEMENTS WITH THEM TO THE END OF THEIR TERM: FOR ALLAAHUﷻ.swt LOVETH THE RIGHTEOUS.

सिवाय उन मुशरिकों के जिनसे तुमने संधि-समझौते किए, फिर उन्होंने तुम्हारे साथ अपने वचन को पूर्ण करने में कोई कमी नही की और न तुम्हारे विरुद्ध किसी की सहायता ही की, तो उनके साथ उनकी संधि को उन लोगों के निर्धारित समय तक पूरा करो। निश्चय ही अल्लाहﷻ को डर रखनेवाले प्रिय है

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلاق پر ہے

/9/4

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

لَا تلزوا

◤ ٱلْمُطَّوِّعِينَ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ فِى ٱلصَّدَقَٰتِ ;; সে সমস্ত লোক যারা ভৎর্সনা-বিদ্রূপ করে;;;belittling muminoona /మోమినుల దానాలను కించపరచి యెద్దేవా చేయుట-Trivializing.;;. جولوگ ان مسلمانوں پر طعنہ زنی کرتے ہیں;;;.मोमिनो:का उपहास करना

At-Tawba (9:79)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ يَلْمِزُونَ ٱلْمُطَّوِّعِينَ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ فِى ٱلصَّدَقَٰتِ
وَٱلَّذِينَ لَا يَجِدُونَ إِلَّا جُهْدَهُمْ فَيَسْخَرُونَ مِنْهُمْ
سَخِرَ ٱللَّهُ مِنْهُمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ

جولوگ ان مسلمانوں پر طعنہ زنی کرتے ہیں جو دل کھول کر خیرات کرتے ہیں اور ان لوگوں پر جنہیں سوائے اپنی محنت مزدوری کے اور کچھ میسر ہی نہیں، پس یہ ان کا مذاق اڑاتے ہیں،

ألله بھی ان سے تمسخر کرتا ہے انہی کے لئے دردناک عذاب ہے

সে সমস্ত লোক যারা ভৎর্সনা-বিদ্রূপ করে সেসব মুসলমানদের প্রতি যারা মন খুলে দান-খয়রাত করে এবং তাদের প্রতি যাদের কিছুই নেই শুধুমাত্র নিজের পরিশ্রমলব্দ বস্তু ছাড়া। অতঃপর তাদের প্রতি ঠাট্টা করে। আল্লাহﷻ তাদের প্রতি ঠাট্টা করেছেন এবং তাদের জন্য রয়েছে বেদনাদায়ক আযাব।

Those who slander such of the believers as give themselves freely to (deeds of) charity, as well as such as can find nothing to give except the fruits of their labour,- and ridicule them,- ALLAAHUﷻ.swt will throw back their ridicule on them: and they shall have a grievous penalty.

जो लोग स्वेच्छापूर्वक देनेवाले मोमिनों पर उनके सदक़ो (दान) के विषय में चोटें करते है और उन लोगों का उपहास करते है, जिनके पास इसके सिवा कुछ नहीं जो वे मशक़्क़त उठाकर देते है, उन (उपहास करनेवालों) का उपहास अल्लाहﷻ ने किया और उनके लिए दुखद यातना है

/9/79

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣

✣ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING✣

◤ٱدْعُ إِلَىٰ سَبِيلِ رَبِّكَ;;আপন পালনকর্তার পথের প্রতি আহবান করুন ;;CALLING OTHERS TO ISLAAM-IS FULFILMENT OF DIVINE DUTY . (16:125),;; ఇస్లాంవైపు జనాలకు "దావతు"ప్రతిదాసునికీ తప్పని.... డ్యూటీ;; اپنے رب کی راہ کی طرف لوگوں کو حکمت اور بہترین نصیحت کے ساتھ بلائیے ;; अपने रब के मार्ग की ओर तत्वदर्शिता और सदुपदेश के साथ बुलाओ

AN-NAHL (16:125)

﷽

ٱدْعُ إِلَىٰ سَبِيلِ رَبِّكَ بِٱلْحِكْمَةِ وَٱلْمَوْعِظَةِ ٱلْحَسَنَةِ وَجَٰدِلْهُم بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ أَعْلَمُ بِمَن ضَلَّ عَن سَبِيلِهِۦ وَهُوَ أَعْلَمُ بِٱلْمُهْتَدِينَ

اپنے رب کی راہ کی طرف لوگوں کو حکمت اور بہترین نصیحت کے ساتھ بلائیے اور ان سے بہترین طریقے سے گفتگو کیجئے، یقیناً آپ کا رب اپنی راہ سے بھکنے والوں کو بھی بخوبی جانتا ہے اور وہ راہ یافتہ لوگوں سے بھی پورا واقف ہے

আপন পালনকর্তার পথের প্রতি আহবান করুন জ্ঞানের কথা বুঝিয়ে ও উপদেশ শুনিয়ে উত্তমরূপে এবং তাদের সাথে বিতর্ক করুন পছন্দ যুক্ত পন্থায়। নিশ্চয় আপনার পালনকর্তাই ঐ ব্যক্তি সম্পর্কে বিশেষ ভাবে জ্ঞাত রয়েছেন, যে তাঁর পথ থেকে বিচ্যুত হয়ে পড়েছে এবং তিনিই ভাল জানেন তাদেরকে, যারা সঠিক পথে আছে।

INVITE (MANKIND, O MUHAMMAD SAW) TO THE WAY OF YOUR LORD (I.E. ISLAM) WITH WISDOM (I.E. WITH THE DIVINE INSPIRATION AND THE QURAN) AND FAIR PREACHING, AND ARGUE WITH THEM IN A WAY THAT IS BETTER. TRULY, YOUR LORD KNOWS BEST WHO HAS GONE ASTRAY FROM HIS PATH, AND HE IS THE BEST AWARE OF THOSE WHO ARE GUIDED.

अपने रब के मार्ग की ओर तत्वदर्शिता और सदुपदेश के साथ बुलाओ और उनसे ऐसे ढंग से वाद विवाद करो जो उत्तम हो। तुम्हारा रब उसे भली-भाँति जानता है जो उसके मार्ग से भटक गया और वह उन्हें भी भली-भाँति जानता है जो मार्ग पर है

/16/125

Allaahuﷻ.swt

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

فَعَاقِبُواْ بِمِثْلِ مَا عُوقِبْتُم بِهِۦ وَلَئِن صَبَرْتُم;;;

আর যদি তোমরা প্রতিশোধ গ্রহণ কর, তবে ঐ পরিমাণ প্রতিশোধ গ্রহণ করবে ;;PATIENCE IS THE BEST THING ,THAN EQUIVAL RETALIATION-;; సమానరీతిలో ప్రతీకారం-కంటే ఓపిక-సబరే గొప్ప-;; اگر بدلہ لو بھی تو بالکل اتنا ہی جتنا صدمہ تمہیں پہنچایا گیا ہو اور (16:126) , ; اگر صبر और यदि तुम बदला लो तो उतना ही जितना तुम्हें कष्ट पहुँचा हो, किन्तु यदि तुम सब्र करो

AN-NAHL (16:126)

وَإِنْ عَاقَبْتُمْ فَعَاقِبُواْ بِمِثْلِ مَا عُوقِبْتُم بِهِۦ وَلَئِن صَبَرْتُمْ لَهُوَ خَيْرٌ لِّلصَّٰبِرِينَ

اور اگر بدلہ لو بھی تو بالکل اتنا ہی جتنا صدمہ تمہیں پہنچایا گیا ہو اور اگر صبر کرلو تو بےشک صابروں کے لئے یہی بہتر ہے

আর যদি তোমরা প্রতিশোধ গ্রহণ কর, তবে ঐ পরিমাণ প্রতিশোধ গ্রহণ করবে, যে পরিমাণ তোমাদেরকে কষ্ট দেয়া হয়। যদি সবর কর, তবে তা সবরকারীদের জন্যে উত্তম।

AND IF YOU PUNISH (YOUR ENEMY, O YOU BELIEVERS IN THE ONENESS OF ALLAAHU), THEN PUNISH THEM WITH THE LIKE OF THAT WITH WHICH YOU WERE AFFLICTED. BUT IF YOU ENDURE PATIENTLY, VERILY, IT IS BETTER FOR AS-SABIRIN (THE PATIENT ONES, ETC.).

और यदि तुम बदला लो तो उतना ही जितना तुम्हें कष्ट पहुँचा हो, किन्तु यदि

तुम सब्र करो तो निश्चय ही यह सब्र करनेवालों के लिए ज़्यादा अच्छा है

16/126

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ وَبِٱلْوَٰلِدَيْنِ إِحْسَٰنًا;;পিতা-মাতার সাথে সদ্ব-ব্যবহার;;KINDNESS TO PARENTS ();;తల్లిదండ్రుల యెడల దయ;; ماں باپ کے ساتھ احسان;;माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार

AL-ISRAA (17:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَضَىٰ رَبُّكَ أَلَّا تَعْبُدُوٓا۟ إِلَّآ إِيَّاهُ وَبِٱلْوَٰلِدَيْنِ إِحْسَٰنًا إِمَّا يَبْلُغَنَّ عِندَكَ ٱلْكِبَرَ أَحَدُهُمَآ أَوْ كِلَاهُمَا فَلَا تَقُل لَّهُمَآ أُفٍّ وَلَا تَنْهَرْهُمَا وَقُل لَّهُمَا قَوْلًا كَرِيمًا

اور تیرا پروردگار صاف صاف حکم دے چکا ہے کہ تم اس کے سوا کسی اور کی عبادت نہ کرنا اور ماں باپ کے ساتھ

احسان کرنا۔ اگر تیری موجودگی میں ان میں سے ایک یا یہ دونوں بڑھاپے کو پہنچ جائیں تو ان کے آگے اف تک نہ کہنا، نہ انہیں ڈانٹ ڈپٹ کرنا بلکہ ان کے ساتھ ادب و احترام سے بات چیت کرنا

তোমার পালনকর্তা আদেশ করেছেন যে, তাঁকে ছাড়া অন্য কারও এবাদত করো না এবং পিতা-মাতার সাথে সদ্ব-ব্যবহার কর। তাদের মধ্যে কেউ অথবা উভয়েই যদি তোমার জীবদ্দশায় বার্ধক্যে উপনীত হয়; তবে তাদেরকে 'উহ' শব্দটিও বলো না এবং তাদেরকে ধমক দিও না এবং বল তাদেরকে শিষ্ঠাচারপূর্ণ কথা।

AND YOUR LORD HAS DECREED THAT YOU WORSHIP NONE BUT HIM. AND THAT YOU BE DUTIFUL TO YOUR PARENTS. IF ONE OF THEM OR BOTH OF THEM ATTAIN OLD AGE IN YOUR LIFE, SAY NOT TO THEM A WORD OF DISRESPECT, NOR SHOUT AT THEM BUT ADDRESS THEM IN TERMS OF HONOUR.

तुम्हारे रब ने फ़ैसला कर दिया है कि उसके सिवा किसी की बन्दगी न करो और माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करो। यदि उनमें से कोई एक या दोनों ही तुम्हारे सामने बुढ़ापे को पहुँच जाएँ तो उन्हें 'उँह' तक न कहो और न उन्हें झिझको, बल्कि उनसे शिष्टतापूर्वक बात करो

/17/23

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤;;; وَءَاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ ;;;

আত্মীয়-স্বজনকে তার হক দান কর;:GIVE TO THE KINDRED HIS DUE AND TO THE MISKIN (POOR) AND TO THE WAYFARER ;; పేదలకు,చుట్టాలకు---వాళ్ళ హక్కులు ఇవ్వాలి-;; اور رشتے داروں کا اور مسکینوں اور مسافروں کا حق ادا کرتے رہو (17:26);;और नातेदार को उसका हक़ दो मुहताज और मुसाफ़िर को भी

AL-ISRAA (17:26)

وَءَاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ وَلَا تُبَذِّرْ تَبْذِيرًا

اور رشتے داروں کا اور مسکینوں اور مسافروں کا حق ادا کرتے رہو اور اسراف اور بیجا خرچ سے بچو

আত্মীয়-স্বজনকে তার হক দান কর এবং অভাবগ্রস্ত ও মুসাফিরকেও। এবং কিছুতেই অপব্যয় করো না।

AND GIVE TO THE KINDRED HIS DUE AND TO THE MISKIN (POOR) AND TO THE WAYFARER. BUT SPEND NOT WASTEFULLY (YOUR WEALTH) IN THE MANNER OF A SPENDTHRIFT.

[TAFSIR. AT-TABARI, VOL. 10, PAGE 158 (VERSE 9:60)].

और नातेदार को उसका हक़ दो मुहताज और मुसाफ़िर को भी - और

फ़ुज़ूलख़र्ची न करो

/17/26

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣

✣ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING✣

◤فَقُل لَّهُمْ قَوْلًا مَّيْسُورًا;;তাদের সাথে নম্রভাবে কথা বল।;;IF NOT AIDING, SPEAK NICE WORDS;;చల్లగా ముచ్చటించుట ;;(17:28) اور نرمی سے انہیں سمجھا دے;;तो इस दशा में तुम उनसें नर्म बात करो

AL-ISRAA (17:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِمَّا تُعْرِضَنَّ عَنْهُمُ ٱبْتِغَآءَ رَحْمَةٍ مِّن رَّبِّكَ تَرْجُوهَا

فَقُل لَّهُمْ قَوْلًا مَّيْسُورًا

اور اگر تجھے ان سے منھ پھیر لینا پڑے اپنے رب کی اس رحمت کی جستجو میں، جس کی تو امید رکھتا ہے تو بھی تجھے چاہیئے کہ عمدگی اور نرمی سے انہیں سمجھا دے

এবং তোমার পালনকর্তার করুণার প্রত্যাশায় অপেক্ষামান থাকাকালে যদি কোন সময় তাদেরকে বিমুখ করতে হয়, তখন তাদের সাথে নম্রভাবে কথা বল।

AND IF YOU (O MUHAMMAD SAW) TURN AWAY FROM THEM (KINDRED, POOR, WAYFARER, ETC. WHOM WE HAVE ORDERED YOU TO GIVE THEIR RIGHTS, BUT IF YOU HAVE NO MONEY AT THE TIME THEY ASK YOU FOR IT) AND YOU ARE AWAITING A MERCY FROM YOUR

LORD FOR WHICH YOU HOPE, THEN, SPEAK UNTO THEM A SOFT KIND WORD (I.E. ALLAAHU WILL GIVE ME AND I SHALL GIVE YOU).

किन्तु यदि तुम्हें अपने रब की दयालुता की खोज में, जिसकी तुम आशा रखते हो, उनसे कतराना भी पड़े, तो इस दशा में तुम उनसें नर्म बात करो

/17/28

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤;;قَوْلًا لَيِّنًا;;তোমরা তাকে নম্র কথা বল ;;Speak mildly, even to others;; అణకువ,వినయం;అత్యవసరం; نرمی سے سمجھاؤ کہ شاید وہ سمجھ لے (20:44);;नर्म बात करना,

Taa-Haa (20:44)

فَقُولَا لَهُۥ قَوْلًا لَّيِّنًا لَّعَلَّهُۥ يَتَذَكَّرُ أَوْ يَخْشَىٰ

اسے نرمی سے سمجھاؤ کہ شاید وہ سمجھ لے یا ڈر جائے

অতঃপর তোমরা তাকে নম্র কথা বল, হয়তো সে চিন্তা-ভাবনা করবে অথবা ভীত হবে।

"AND SPEAK TO HIM MILDLY, PERHAPS HE MAY ACCEPT ADMONITION OR FEAR ALLAAHU."

उससे नर्म बात करना, कदाचित वह ध्यान दे या डरे।"

/20/44

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤;;;فَٱجْتَنِبُوا۟ ٱلرِّجْسَ مِنَ ٱلْأَوْثَٰنِ;;; তোমরা মূর্তিদের অপবিত্রতা থেকে বেঁচে থাক ;;;Shun the abomination of idols, and shun the word that is false(22:30),; / దరగాతురగా విగ్రహాలరొచ్చునుండి ఇజ్జనాబు;;; پس تمہیں بتوں کی گندگی سے بچتے رہنا چاہئے

Al-Hajj (22:30)

ذَٰلِكَ وَمَن يُعَظِّمْ حُرُمَٰتِ ٱللَّهِ فَهُوَ خَيْرٌ لَّهُۥ عِندَ رَبِّهِۦ وَأُحِلَّتْ لَكُمُ ٱلْأَنْعَٰمُ إِلَّا مَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ فَٱجْتَنِبُوا۟ ٱلرِّجْسَ مِنَ ٱلْأَوْثَٰنِ وَٱجْتَنِبُوا۟ قَوْلَ ٱلزُّورِ

Al-Hajj (22:30)

یہ ہے اور جو کوئی أللہ کی حرمتوں کی تعظیم کرے اس کے اپنے لئے اس کے رب کے پاس بہتری ہے۔ اور تمہارے لئے چوپائے جانور حلال کر دیئے گئے بجز ان

کے جو تمہارے سامنے بیان کیے گئے ہیں پس تمہیں بتوں کی گندگی سے بچتے رہنا چاہئے اور جھوٹی بات سے بھی پرہیز کرنا چاہئے

এটা শ্রবণযোগ্য। আর কেউ আল্লাহর সম্মানযোগ্য বিধানাবলীর প্রতি সম্মান প্রদর্শন করলে পালনকর্তার নিকট তা তার জন্যে উত্তম। উল্লেখিত ব্যতিক্রমগুলো ছাড়া তোমাদের জন্যে চতুস্পদ জন্তু হালাল করা হয়েছে। সুতরাং তোমরা মূর্তিদের অপবিত্রতা থেকে বেঁচে থাক এবং মিথ্যা কথন থেকে দূরে সরে থাক;

That (Manasik prescribed duties of Hajj is the obligation that mankind owes to ALLAAHU .swt.,), and whoever honours the sacred things of ALLAAHU swt., then that is better for him with his Lord. The cattle are lawful to you, except those (that will be) mentioned to you (as exceptions). So shun the abomination (worshipping) of idol, and shun lying speech

(false statements)

इन बातों का ध्यान रखों और जो कोई अल्लाहﷻ द्वारा निर्धारित मर्यादाओं का आदर करे, तो यह उसके रब के यहाँ उसी के लिए अच्छा है। और तुम्हारे लिए चौपाए हलाल है, सिवाय उनके जो तुम्हें बताए गए हैं। तो मूर्तियों की गन्दगी से बचो और बचो झूठी बातों से

/22/30

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

◤وَأَطْعِمُواْ ٱلْقَانِعَ وَٱلْمُعْتَرَ;;আহার করাও যে কিছু যাচ্ঞা করে না তাকে এবং যে যাচ্ঞা করে তাকে।;;FEED THE BEGGAR WHO DOES NOT ASK (MEN), AND THE BEGGAR WHO ASKS ;;అడిగే బిచ్చగాళ్ళకూ/ యాచించని పేదలకూ సహాయం- ;; مسکین سوال سے رکنے والوں اور سوال کرنے والوں کو بھی کھلاو (22:36)

AL-HAJJ (22:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلْبُدْنَ جَعَلْنَٰهَا لَكُم مِّن شَعَٰٓئِرِ ٱللَّهِ لَكُمْ فِيهَا خَيْرٌ فَٱذْكُرُوا۟ ٱسْمَ ٱللَّهِ عَلَيْهَا صَوَآفَّ فَإِذَا وَجَبَتْ جُنُوبُهَا فَكُلُوا۟ مِنْهَا وَأَطْعِمُوا۟ ٱلْقَانِعَ وَٱلْمُعْتَرَّ كَذَٰلِكَ سَخَّرْنَٰهَا لَكُمْ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

قربانی کے اونٹ ہم نے تمہارے لئے أللہ تعالیٰ کی نشانیاں مقرر کر دی ہیں ان میں تمہیں نفع ہے۔ پس انہیں کھڑا کر کے ان پر أللہ کا نام لو، پھر جب ان کے پہلو زمین سے لگ جائیں اسے (خود بھی) کھاؤ اور مسکین سوال سے رکنے والوں اور سوال کرنے والوں کو بھی کھلاو،

اسی طرح ہم نے چوپایوں کو تمہارے ماتحت کردیا ہے کہ تم شکر گزاری کرو

এবং কা'বার জন্যে উৎসর্গীকৃত উটকে আমি তোমাদের জন্যে আল্লাহর অন্যতম নিদর্শন করেছি। এতে তোমাদের জন্যে মঙ্গল রয়েছে। সুতরাং সারিবদ্ধভাবে বাঁধা অবস্থায় তাদের যবেহ করার সময় তোমরা আল্লাহর নাম উচ্চারণ কর। অতঃপর যখন তারা কাত হয়ে পড়ে যায় তখন তা থেকে তোমরা আহার কর এবং আহার করাও যে কিছু যাচ্ঞা করে না তাকে এবং যে যাচ্ঞা করে তাকে। এমনিভাবে আমি এগুলোকে তোমাদের বশীভূত করে দিয়েছি, যাতে তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর।

AND THE BUDN (COWS, OXEN, OR CAMELS DRIVEN TO BE OFFERED AS SACRIFICES BY THE PILGRIMS AT THE SANCTUARY OF MAKKAH.) WE HAVE MADE FOR YOU AS AMONG THE SYMBOLS OF ALLAAHU.SWT THEREIN YOU HAVE MUCH GOOD. SO MENTION THE NAME OF ALLAH OVER THEM WHEN THEY ARE DRAWN UP IN LINES (FOR SACRIFICE). THEN, WHEN THEY ARE DOWN ON THEIR SIDES (AFTER SLAUGHTER), EAT THEREOF, AND FEED THE BEGGAR WHO DOES NOT ASK (MEN), AND THE BEGGAR WHO ASKS

(MEN). THUS HAVE WE MADE THEM SUBJECT TO YOU THAT

YOU MAY BE GRATEFUL.

(क़ुरबानी के) ऊँटों को हमने तुम्हारे लिए अल्लाहﷻ की निशानियों में से बनाया है। तुम्हारे लिए उनमें भलाई है। अतः खड़ा करके उनपर अल्लाहﷻ का नाम लो। फिर जब उनके पहलू भूमि से आ लगें तो उनमें से स्वयं भी खाओ और संतोष से बैठनेवालों को भी खिलाओ और माँगनेवालों को भी। ऐसी ही करो। हमने उनको तुम्हारे लिए वशीभूत कर दिया है, ताकि तुम कृतज्ञता दिखाओ

/22/36

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT͗S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

. صفات المؤمن ;; মোমিনের সিফাত ;; Qualities of a Mumin;;; మోమినులక్షణాలు ఇవే;;;मोमिन की सिफ़ात;;;

AVOID SPEAKING ILL (23:3)

AL-MUMINOON (23:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ هُمْ عَنِ ٱللَّغْوِ مُعْرِضُونَ

جو لغویات سے منھ موڑ لیتے ہیں

যারা অনর্থক কথা-বার্তায় নির্লিপ্ত,

AND THOSE WHO TURN AWAY FROM AL-LAGHW (DIRTY, FALSE, EVIL VAIN TALK, FALSEHOOD, AND ALL THAT ALLAH HAS FORBIDDEN).

और जो व्यर्थ बातों से पहलू बचाते है;

/R/23/3

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

◤KEEPING TRUSTS & PROMISES (23:8)

AL-MUMINOON (23:8)

ﷻ

وَٱلَّذِينَ هُمْ لِأَمَٰنَٰتِهِمْ وَعَهْدِهِمْ رَٰعُونَ

جو اپنی امانتوں اور وعدے کی حفاظت کرنے والے ہیں

এবং যারা আমানত ও অঙ্গীকার সম্পর্কে হুশিয়ার থাকে।

THOSE WHO ARE FAITHFULLY TRUE TO THEIR AMANAT (ALL

THE DUTIES WHICH ALLAAHU. SWT HAS ORDAINED, HONESTY, MORAL RESPONSIBILITY AND TRUSTS ETC.) AND TO THEIR COVENANTS;

और जो अपनी अमानतों और अपनी प्रतिज्ञा का ध्यान रखते है;

/23/8

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

ٱلَّذِينَ يَرْمُونَ ٱلْمُحْصَنَٰتِ ٱلْغَٰفِلَٰتِ ٱلْمُؤْمِنَٰتِ لُعِنُوا;;; যারা সতী-সাধ্বী, নিরীহ ঈমানদার নারীদের প্রতি অপবাদ আরোপ করে ;;;ACCUSING OTHERS OF IMMORALITY;; بھولی بھالی باایمان عورتوں پر تہمت ;;; ఋరదచల్లటంఅభాండాలు;;;शरीफ़, पाकदामन, भोली-भाली बेख़बर ईमानवाली स्त्रियों पर

तोहमत लगाते ;;;

AN-NOOR (24:23);بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ يَرۡمُونَ ٱلۡمُحۡصَنَٰتِ ٱلۡغَٰفِلَٰتِ ٱلۡمُؤۡمِنَٰتِ لُعِنُواْ فِي ٱلدُّنۡيَا وَٱلۡأٓخِرَةِ وَلَهُمۡ عَذَابٌ عَظِيمٌ

جو لوگ پاک دامن بھولی بھالی باایمان عورتوں پر تہمت لگاتے ہیں وہ دنیا وآخرت میں ملعون ہیں اور ان کے لئے بڑا بھاری عذاب ہے

যারা সতী-সাধ্বী, নিরীহ ঈমানদার নারীদের প্রতি অপবাদ আরোপ করে, তারা ইহকালে ও পরকালে ধিকৃত এবং তাদের জন্যে রয়েছে গুরুতর শাস্তি।

VERILY, THOSE WHO ACCUSE CHASTE WOMEN, WHO NEVER EVEN THINK OF ANYTHING TOUCHING THEIR CHASTITY AND

ARE GOOD BELIEVERS, ARE CURSED IN THIS LIFE AND IN THE HEREAFTER, AND FOR THEM WILL BE A GREAT TORMENT,

निस्संदेह जो लोग शरीफ़, पाकदामन, भोली-भाली बेख़बर ईमानवाली स्त्रियों पर तोहमत लगाते है उनपर दुनिया और आख़िरत में फिटकार है। और उनके लिए एक बड़ी यातना है

24/23

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ وَقُولُوا۟ قَوْلًا سَدِيدًا ;;;;সঠিক কথা বল।

;;;SPEAK GENTLY;;;; (سچی) سیدھی سیدھی باتیں کیا کرو;;;;నోరుమంచిదైతే వూరూమంచిదే;;;; और बात कहो ठीक सधी हुई;;;

AL-AHZAAB (33:70)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَقُولُوا۟ قَوْلًا سَدِيدًا

اے ایمان والو

أللہ تعالیٰ سے ڈرو اور سیدھی سیدھی (سچی) باتیں کیا کرو

হে মুমিনগণ! আল্লাহকে ﷻ ভয় কর এবং সঠিক কথা বল।

O YOU WHO BELIEVE! KEEP YOUR DUTY TO ALLAAHU.ﷻSWT AND FEAR HIM, AND SPEAK (ALWAYS) THE TRUTH.

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाहﷻ का डर रखो और बात कहो ठीक सधी हुई

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ظَنَّ ٱلْمُؤْمِنُونَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتُ ;;; নির্জলা অপবাদ ;;; THINK GOOD OF OTHERS (24:12);;; ఇతరులకూ మంచే కోరాలి-;;صریح بہتان ہے;;;खुली तोहमत ;;;

An-Noor (24:12)

لَّوْلَآ إِذْ سَمِعْتُمُوهُ ظَنَّ ٱلْمُؤْمِنُونَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتُ بِأَنفُسِهِمْ خَيْرًا وَقَالُوا۟ هَٰذَآ إِفْكٌ مُّبِينٌ

اسے سنتے ہی مومن مردوں عورتوں نے اپنے حق میں نیک گمانی کیوں نہ کی اور کیوں نہ کہہ دیا کہ یہ تو کھلم کھلا

صریح بہتان ہے '

তোমরা যখন একথা শুনলে, তখন ঈমানদার পুরুষ ও নারীগণ কেন নিজেদের লোক সম্পর্কে উত্তম ধারণা করনি এবং বলনি যে, এটা তো নির্জলা অপবাদ?

Why then, did not the believers, men and women, when you heard it (the slander) think good of their own people and say: "This (charge) is an obvious lie?"

ऐसा क्यों न हुआ कि जब तुम लोगों ने उसे सुना था, तब मोमिन पुरुष और मोमिन स्त्रियाँ अपने आपसे अच्छा गुमान करते और कहते कि "यह तो खुली तोहमत है?"

/24/12

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

وَتَقُولُونَ بِأَفْوَاهِكُم مَّا لَيْسَ لَكُم بِهِۦ عِلْمٌ ◤ ;;;
এটা আল্লাহরﷻ কাছে গুরুতর ব্যাপার ছিল। ;;;DON'T SPREAD GOSSIP (24:15);;;
لیکن اللہ تعالیٰ کے نزدیک وہ بہت بڑی بات تھی;;;వూసుకబుర్లు ;;; हालाँकि अल्लाहﷻ के निकट वह एक भारी बात ;;;

An-Noor (24:15)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِذْ تَلَقَّوْنَهُۥ بِأَلْسِنَتِكُمْ وَتَقُولُونَ بِأَفْوَاهِكُم مَّا لَيْسَ لَكُم بِهِۦ عِلْمٌ وَتَحْسَبُونَهُۥ هَيِّنًا وَهُوَ عِندَ ٱللَّهِ عَظِيمٌ

جب کہ تم اسے اپنی زبانوں سے نقل در نقل کرنے لگے اور اپنے منھ سے وہ بات نکالنے لگے جس کی

تمہیں مطلق خبر نہ تھی، گو تم اسے ہلکی بات سمجھتے رہے لیکن أللہ تعالیٰ کے نزدیک وہ بہت بڑی بات تھی

যখন তোমরা একে মুখে মুখে ছড়াচ্ছিলে এবং মুখে এমন বিষয় উচ্চারণ করছিলে, যার কোন জ্ঞান তোমাদের ছিল না। তোমরা একে তুচ্ছ মনে করছিলে, অথচ এটা আল্লাহর কাছে গুরুতর ব্যাপার ছিল।

When you were propagating it with your tongues, and uttering with your mouths that whereof you had no knowledge, you counted it a little thing, while with ALLAAHU. SWT it is very severe....

सोचो, जब तुम एक-दूसरे से उस (झूठ) को अपनी ज़बानों पर लेते जा रहे थे और तुम अपने मुँह से वह कुछ कहे जो रहे थे, जिसके विषय में तुम्हें कोई ज्ञान न था और तुम उसे एक साधारण बात समझ रहे थे; हालाँकि अल्लाह

के निकट वह एक भारी बात थी

/24/15

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣✣ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING✣

◤ عَظِيمٌ بُهْتَٰنٌ ;;; গুরুতর অপবাদ;;;SLANDER (24:16);;; بہتان بڑا بہت ;;;నిందారోపణలు;;; बड़ी तोहमत;;;

AN-NOOR (24:16)

ﷻ

وَلَوْلَآ إِذْ سَمِعْتُمُوهُ قُلْتُم مَّا يَكُونُ لَنَآ أَن نَّتَكَلَّمَ بِهَٰذَا سُبْحَٰنَكَ هَٰذَا بُهْتَٰنٌ عَظِيمٌ

تم نے ایسی بات کو سنتے ہی کیوں نہ کہہ دیا کہ ہمیں ایسی بات منھ سے نکالنی بھی لائق نہیں۔ یا

الله! تو

~~پاک~~ قدّوس

ہے، یہ تو بہت بڑا بہتان ہے اور تہمت ہے

তোমরা যখন এ কথা শুনলে তখন কেন বললে না যে, এ বিষয়ে কথা বলা আমাদের উচিত নয়। আল্লাহ তো পবিত্র, মহান। এটা তো এক গুরুতর অপবাদ।

AND WHY DID YOU NOT, WHEN YOU HEARD IT, SAY? "IT IS NOT RIGHT FOR US TO SPEAK OF THIS. GLORY BE TO YOU (O ALLAAH) THIS IS A GREAT LIE."

और ऐसा क्यों न हुआ कि जब तुमने उसे सुना था तो कह देते, "हमारे लिए उचित नहीं कि हम ऐसी बात ज़बान पर लाएँ। महान कुद्दुस-और उच्च है आप- (अल्लाह)! यह तो एक बड़ी तोहमत है?"

/24/16

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤وَلَا يَأْتَلِ أُولُوا۟ ٱلْفَضْلِ;;; তোমাদের মধ্যে যারা উচ্চমর্যাদা ও আর্থিক প্রাচুর্যের অধিকারী, তারা যেন কসম না খায় যে, ';;;Swearing not to give (24:22);;; صدقة دینےسے إنكار ;;; యేలాటి సాయం చేయనని భీష్మించుట ;;; देने से बाज़ रहने की क़सम न खा...

An-Noor (24:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا يَأْتَلِ أُولُوا۟ ٱلْفَضْلِ مِنكُمْ وَٱلسَّعَةِ أَن يُؤْتُوٓا۟ أُو۟لِى ٱلْقُرْبَىٰ وَٱلْمَسَـٰكِينَ وَٱلْمُهَـٰجِرِينَ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ وَلْيَعْفُوا۟ وَلْيَصْفَحُوٓا۟ أَلَا تُحِبُّونَ أَن يَغْفِرَ ٱللَّهُ لَكُمْ

وَٱللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

تم میں سے جو بزرگی اور کشادگی والے ہیں انہیں اپنے قرابت داروں اور مسکینوں اور مہاجروں کو فی سبیل ألله دینے سے قسم نہ کھا لینی چاہیئے، بلکہ معاف کردینا اور درگزر کرلینا چاہیئے۔ کیا تم نہیں چاہتے کہ ألله تعالیٰ تمہارے قصور معاف فرما دے؟ ألله قصوروں کو معاف فرمانے والا مہربان ہے

তোমাদের মধ্যে যারা উচ্চমর্যাদা ও আর্থিক প্রাচুর্যের অধিকারী, তারা যেন কসম না খায় যে, তারা আত্নীয়-স্বজনকে, অভাবগ্রস্তকে এবং আল্লাহর ﷻ পথে হিজরতকারীদেরকে কিছুই দেবে না। তাদের ক্ষমা করা উচিত এবং দোষত্রুটি উপেক্ষা করা উচিত। তোমরা কি কামনা কর না যে, আল্লাহ ﷻ তোমাদেরকে ক্ষমা করেন? আল্লাহ ﷻ ক্ষমাশীল, পরম করুণাময়।

And let not those among you who are blessed with graces and wealth swear not to give (any sort of help) to their kinsmen, Al-Masakin (the poor), and those who left their homes for Allaah's swt Cause. Let them pardon and forgive. Do you not love that Allaah swt should forgive you? And Allaah swt is Oft-Forgiving, Most Merciful.

तुममें जो बड़ाईवाले और सामर्थ्यवान है, वे नातेदारों, मुहताजों और अल्लाह की राह में घरबार छोड़नेवालों को देने से बाज़ रहने की क़सम न खा बैठें। उन्हें चाहिए कि क्षमा कर दें और उनसे दरगुज़र करें। क्या तुम यह नहीं चाहते कि अल्लाह तुम्हें क्षमा करें? अल्लाह बहुत क्षमाशील,अत्यन्त दयावान है

/24/22

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

;;;لَا تَدْخُلُوا۟ بُيُوتًا غَيْرَ بُيُوتِكُمْ حَتَّىٰ تَسْتَأْنِسُوا۟

তোমরা নিজেদের গৃহ ব্যতীত অন্য গৃহে প্রবেশ করো না, যে পর্যন্ত আলাপ-পরিচয় না কর;;;DON'T ENTER OTHERS HOMES WITHOUT THEIR PERMISSION (24:27-28);;; اور گھروں میں نہ جاؤ جب تک کہ اجازت نہ لے لو اور ;;; ఆ ఇంటివాళ్ళ పర్మిషన్ తీసుకొన్న తరువాతనే ,ఇతరుల కొంపలలోకి దూరాలి! ;;; अपने घरों के सिवा दूसरे घरों में प्रवेश करो, जब तक कि रज़ामन्दी हासिल न कर लो;;;

An-Noor (24:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تَدْخُلُوا۟ بُيُوتًا غَيْرَ بُيُوتِكُمْ حَتَّىٰ تَسْتَأْنِسُوا۟ وَتُسَلِّمُوا۟ عَلَىٰٓ أَهْلِهَا ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ

اے ایمان والو! اپنے گھروں کے سوا اور گھروں میں نہ جاؤ جب تک کہ اجازت نہ لے لو اور وہاں کے رہنے والوں کو سلم نہ کرلو، یہی تمہارے لئے سراسر بہتر ہے تاکہ تم نصیحت حاصل کرو

হে মুমিনগণ, তোমরা নিজেদের গৃহ ব্যতীত অন্য গৃহে প্রবেশ করো না, যে পর্যন্ত আলাপ-পরিচয় না কর এবং গৃহবাসীদেরকে সালাম না কর। এটাই তোমাদের জন্যে উত্তম, যাতে তোমরা স্মরণ রাখ।

O you who believe! Enter not houses other than your own, until you have asked permission and greeted those in them, that is better for you, in order that you may remember.

ऐ ईमान लानेवालो! अपने घरों के सिवा दूसरे घरों में प्रवेश करो, जब तक कि रज़ामन्दी हासिल न कर लो और उन घरवालों को सलाम न कर लो। यही तुम्हारे लिए उत्तम है, कदाचित तुम ध्यान रखो

24/27

An-Noor (24:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِن لَّمْ تَجِدُوا۟ فِيهَآ أَحَدًا فَلَا تَدْخُلُوهَا حَتَّىٰ يُؤْذَنَ لَكُمْ وَإِن قِيلَ لَكُمُ ٱرْجِعُوا۟ فَٱرْجِعُوا۟ هُوَ أَزْكَىٰ لَكُمْ وَٱللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ عَلِيمٌ

اگر وہاں تمہیں کوئی بھی نہ مل سکے تو پھر اجازت ملے بغیر اندر نہ جاؤ۔ اگر تم سے لوٹ جانے کو کہا جائے تو تم لوٹ ہی جاؤ، یہی بات تمہارے لئے پاکیزہ ہے، جو کچھ تم کر رہے ہو اللہ تعالیٰ خوب جانتا ہے

যদি তোমরা গৃহে কাউকে না পাও, তবে অনুমতি গ্রহণ না করা পর্যন্ত সেখানে প্রবেশ করো না। যদি তোমাদেরকে বলা হয় ফিরে যাও, তবে ফিরে যাবে। এতে তোমাদের জন্যে অনেক পবিত্রতা আছে এবং তোমরা যা কর, আল্লাহ তা ভালোভাবে জানেন।

And if you find no one therein, still, enter not until permission has been given. And if you are asked to go back, go back, for it is purer for you, and Allah is All-Knower of what you do.

फिर यदि उनमें किसी को न पाओ, तो उनमें प्रवेश न करो जब तक कि तुम्हें अनुमति प्राप्त न हो। और यदि तुमसे कहा जाए कि वापस हो जाओ तो वापस हो जाओ, यही तुम्हारे लिए अधिक अच्छी बात है। अल्लाह भली-भाँति जानता है जो कुछ तुम करते हो

24/28

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

◤فَلْيَسْتَأْذِنُوا;;; তারাও যেন তাদের পূর্ববর্তীদের ন্যায় অনুমতি চায়;;;SEEK PERMISSION BEFORE ENTERING ANYONE'S ROOM (24:59);;; انہیں بھی اجازت مانگ کر آنا ;;

బిగైర్ ఇజాజత్ యెవరి గదిలోకీ పోరాదే-;;; उन्हें चाहिए कि अनुमति ले लिया करें ';;;

AN-NOOR (24:59)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا بَلَغَ ٱلْأَطْفَٰلُ مِنكُمُ ٱلْحُلُمَ فَلْيَسْتَـْٔذِنُوا۟ كَمَا ٱسْتَـْٔذَنَ ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمْ ءَايَٰتِهِۦ وَٱللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ

اور تمہارے بچے (بھی) جب بلوغت کو پہنچ جائیں تو جس طرح ان کے اگلے لوگ اجازت مانگتے ہیں انہیں بھی تم سے اسی طرح ،اجازت مانگ کر آنا چاہیئے ألله تعالیٰ اپنی آیتیں بیان فرماتا ہے۔

ألله تعالیٰ ہی علم وحکمت والا ہے

তোমাদের সন্তান-সন্ততিরা যখন বায়োপ্রাপ্ত হয়, তারাও যেন তাদের পূর্ববর্তীদের ন্যায় অনুমতি চায়। এমনিভাবে আল্লাহﷻ তাঁর আয়াতসমূহ

তোমাদের কাছে বর্ণনা করেন। আল্লাহﷻ সর্বজ্ঞ, প্রজ্ঞাময়।

AND WHEN THE CHILDREN AMONG YOU COME TO PUBERTY, THEN LET THEM (ALSO) ASK FOR PERMISSION, AS THOSE SENIOR TO THEM (IN AGE). THUS ALLAAHU.SWT. MAKES CLEAR HIS AYAT (COMMANDMENTS AND LEGAL OBLIGATIONS) FOR YOU. AND ALLAAHU.SWT IS ALL-KNOWING, ALL-WISE.

और जब तुममें से बच्चे युवावस्था को पहुँच जाएँ तो उन्हें चाहिए कि अनुमति ले लिया करें जैसे उनसे पहले लोग अनुमति लेते रहे है। इस प्रकार अल्लाहﷻ तुम्हारे लिए अपनी आयतों को स्पष्ट करता है। अल्लाहﷻ भली-भाँति जाननेवाला, तत्वदर्शी है

/24/59

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

لَمْ يَذْهَبُوا۟ حَتَّىٰ يَسْتَـْٔذِنُوهُ ;;; সমষ্টিগত কাজে শরীক হলে তাঁর কাছ থেকে অনুমতি গ্রহণ ব্যতীত চলে যায় না ;;;SEEK PERMISSION BEFORE LEAVING A GATHERING (24:62);; మంది/ మందలోనుండి లేచిపోవటం-యెలా?;;; لیکے کسکنا محفل سے اجازت ;;;जब किसी सामूहिक मामले के लिए साथ हो तो चले न जाएँ जब तक कि उससे अनुमति न प्राप्त कर लें।

AN-NOOR (24:62)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّمَا ٱلْمُؤْمِنُونَ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ بِٱللَّهِ وَرَسُولِهِۦ وَإِذَا كَانُوا۟ مَعَهُۥ عَلَىٰٓ أَمْرٍ جَامِعٍ لَّمْ يَذْهَبُوا۟ حَتَّىٰ يَسْتَـْٔذِنُوهُ إِنَّ ٱلَّذِينَ يَسْتَـْٔذِنُونَكَ أُو۟لَـٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِٱللَّهِ وَرَسُولِهِۦ فَإِذَا ٱسْتَـْٔذَنُوكَ لِبَعْضِ شَأْنِهِمْ فَأْذَن لِّمَن شِئْتَ مِنْهُمْ وَٱسْتَغْفِرْ لَهُمُ ٱللَّهَ إِنَّ ٱللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

باایمان لوگ تو وہی ہیں جو أللہ تعالیٰ پر اور اس کے رسول پر یقین رکھتے ہیں اور جب ایسے معاملہ میں جس میں لوگوں کے جمع ہونے کی ضرورت ہوتی ہے نبی کے ساتھ ہوتے ہیں تو جب تک آپ سے اجازت نہ لیں کہیں نہیں جاتے۔ جو لوگ ایسے موقع پر آپ سے اجازت لے لیتے ہیں حقیقت میں یہی ہیں وہ جو أللہ تعالیٰ پر اور اس کے رسول پر ایمان لاچکے ہیں۔ پس جب ایسے لوگ آپ سے اپنے کسی کام کے لئے اجازت طلب کریں تو آپ ان میں سے جسے چاہیں اجازت دے دیں اور ان کے لئے أللہ تعالیٰ سے بخشش کی دعا مانگیں، بےشک أللہ بخشنے والا مہربان ہے

মুমিন তো তারাই; যারা আল্লাহর ﷻ ও রসূলের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে এবং রসূলের সাথে কোন সমষ্টিগত কাজে শরীক হলে তাঁর কাছ থেকে অনুমতি গ্রহণ ব্যতীত চলে যায় না। যারা আপনার কাছে অনুমতি প্রার্থনা করে, তারাই আল্লাহ ﷻ ও তাঁর রসূলের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে। অতএব তারা আপনার কাছে তাদের কোন কাজের জন্যে অনুমতি চাইলে আপনি তাদের মধ্যে যাকে ইচ্ছা অনুমতি দিন এবং

তাদের জন্যে আল্লাহর কাছে ক্ষমা প্রার্থনা করুন। আল্লাহ ক্ষমাশীল, মেহেরবান।

THE TRUE BELIEVERS ARE ONLY THOSE, WHO BELIEVE IN (THE ONENESS OF) ALLAAHU. SWT. AND HIS MESSENGER (MUHAMMAD SAW), AND WHEN THEY ARE WITH HIM ON SOME COMMON MATTER, THEY GO NOT AWAY UNTIL THEY HAVE ASKED HIS PERMISSION. VERILY! THOSE WHO ASK YOUR PERMISSION, THOSE ARE THEY WHO (REALLY) BELIEVE IN ALLAAHU. SWT. AND HIS MESSENGER. SO IF THEY ASK YOUR PERMISSION FOR SOME AFFAIRS OF THEIRS, GIVE PERMISSION TO WHOM YOU WILL OF THEM, AND ASK ALLAAHU. SWT. FOR THEIR FORGIVENESS. TRULY, ALLAAHU. SWT. IS OFT-FORGIVING, MOST MERCIFUL.

मोमिन तो बस वही है जो अल्लाह और उसके रसूल पर पक्का ईमान रखते है। और जब किसी सामूहिक मामले के लिए उसके साथ हो तो चले न

जाएँ जब तक कि उससे अनुमति न प्राप्त कर लें। (ऐ नबी!) जो लोग (आवश्यकता पड़ने पर) तुमसे अनुमति ले लेते है, वही लोग अल्लाह ﷻ और रसूल ﷺ पर ईमान रखते है, तो जब वे किसी काम के लिए अनुमति चाहें तो उनमें से जिसको चाहो अनुमति दे दिया करो, और उन लोगों के लिए अल्लाह ﷻ से क्षमा की प्रार्थना किया करो। निस्संदेह अल्लाह ﷻ बहुत क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है

/24/62

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤DON'T CALL THE PROPHET IN THE SAME MANNER AS YOU ADDRESS OTHERS' (24:63)

An-Noor (24:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَّا تَجْعَلُوا۟ دُعَآءَ ٱلرَّسُولِ بَيْنَكُمْ كَدُعَآءِ بَعْضِكُم بَعْضًا قَدْ يَعْلَمُ ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ يَتَسَلَّلُونَ مِنكُمْ لِوَاذًا فَلْيَحْذَرِ ٱلَّذِينَ يُخَالِفُونَ عَنْ أَمْرِهِۦٓ أَن تُصِيبَهُمْ فِتْنَةٌ أَوْ

يُصِيبَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ

تم أللہ تعالیٰ کے نبی کے بلنے کو ایسا بلوا نہ کرلو جیسا کہ آپس میں ایک دوسرے کو ہوتا ہے۔ تم میں سے انہیں أللہ خوب جانتا ہے جو نظر بچا کر چپکے سے سرک جاتے ہیں۔ سنو جو لوگ حکم رسول کی مخالفت کرتے ہیں انہیں ڈرتے رہنا چاہیئے کہ کہیں ان پر کوئی زبردست آفت نہ آ پڑے یا انہیں درد ناک عذاب نہ پہنچے

রসূলের আহবানকে তোমরা তোমাদের একে অপরকে আহ্বানের মত গণ্য করো না। আল্লাহﷻ তাদেরকে জানেন, যারা তোমাদের মধ্যে চুপিসারে সরে পড়ে। অতএব যারা তাঁর আদেশের বিরুদ্ধাচরণ করে, তারা এ বিষয়ে সতর্ক হোক যে, বিপর্যয় তাদেরকে স্পর্শ করবে অথবা যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি তাদেরকে গ্রাস করবে।

Make not the calling of the Messenger (Muhammad SAW) among you as your calling of one another. ALLAAHU. SWT. knows those of you who slip away under shelter (of some excuse without taking the permission to leave, from the Messenger SAW). And let those who oppose the Messenger's (Muhammad SAW) commandment (i.e. his Sunnah legal ways, orders, acts of worship, statements, etc.) (among the sects) beware, lest some Fitnah (disbelief, trials, afflictions, earthquakes, killing, overpowered by a tyrant, etc.) befall them or a painful torment be inflicted on them.

अपने बीच रसूल के बुलाने को तुम आपस में एक-दूसरे जैसा बुलाना न समझना। अल्लाह उन लोगों को भली-भाँति जानता है जो तुममें से ऐसे है कि (एक-दूसरे की) आड़ लेकर चुपके से खिसक जाते है। अतः उनको, जो उसके आदेश की अवहेलना करते है, डरना चाहिए कि कही ऐसा न हो कि उनपर कोई आज़माइश आ पड़े या उनपर कोई दुखद यातना आ जाए

/24/63

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤ ٱلَّذِينَ يَمْشُونَ عَلَى ٱلْأَرْضِ هَوْنًا ;;; যারা পৃথিবীতে নম্রভাবে চলাফেরা করে;;; WALK IN A HUMBLE MANNER (25:63);;; جو زمین پر فروتنی کے ساتھ چلتے ہیں ;;;धरती पर नम्रतापूर्वक चलते है ;;;

◤ إِذَا خَاطَبَهُمُ ٱلْجَٰهِلُونَ قَالُوا۟ سَلَٰمًا ;;; তাদের সাথে যখন মুর্খরা কথা বলতে থাকে, তখন তারা বলে, সালাম ;;;SPEAK NICELY, EVEN TO THE IGNORANT (25:63);;; لوگ ان سے باتیں کرنے لگتے ہیں تو وہ کہہ دیتے ہیں کہ سلام ہے ;;;और जब जाहिल उनके मुँह आएँ तो कह देते है, "तुमको सलाम!". ;;;

AL-FURQAAN (25:63)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَعِبَادُ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلَّذِينَ يَمْشُونَ عَلَى ٱلْأَرْضِ هَوْنًا وَإِذَا

خَاطَبَهُمُ ٱلْجَٰهِلُونَ قَالُوا۟ سَلَٰمًا

رحمٰن کے (سچے) بندے وہ ہیں جو زمین پر فروتنی کے ساتھ چلتے ہیں اور جب بے علم لوگ ان سے باتیں کرنے لگتے ہیں تو وہ کہہ دیتے ہیں کہ سلام ہے

রহমান-ﷻএর বান্দা তারাই, যারা পৃথিবীতে নম্রভাবে চলাফেরা করে এবং তাদের সাথে যখন মুর্খরা কথা বলতে থাকে, তখন তারা বলে, সালাম।

AND THE SLAVES OF THE MOST BENEFICENT (ALLAAHﷻ) ARE THOSE WHO WALK ON THE EARTH IN HUMILITY AND SEDATENESS, AND WHEN THE FOOLISH ADDRESS THEM (WITH BAD WORDS) THEY REPLY BACK WITH MILD WORDS OF GENTLENESS.

रहमानﷻ के (प्रिय) बन्दें वहीं है जो धरती पर नम्रतापूर्वक चलते है और जब जाहिल उनके मुँह आएँ तो कह देते है," तुमको सलाम!"...R/25/63

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

وَٱلَّذِينَ إِذَآ أَنفَقُوا۟ لَمْ يُسْرِفُوا۟ وَلَمْ يَقْتُرُوا۟ وَكَانَ بَيْنَ ذَٰلِكَ قَوَامًا;;; যখন ব্যয় করে, তখন অযথা ব্যয় করে না কৃপণতাও করে না এবং তাদের পন্থা হয় ;;; DON'T BE MISERLY NOR EXTRAVAGANT (25:67);;; نہ تو اسراف کرتے ہیں نہ بخیلی، بلکہ ان دونوں کے درمیان معتدل طریقے پر خرچ کرتے ہیں ;;దుబారాఖర్చు-పిసినారితత్వం-;;खर्च करते है तो न अपव्यय करते है और न ही तंगी से काम लेते है, बल्कि ;;;

Al-Furqaan (25:67)

وَٱلَّذِينَ إِذَآ أَنفَقُوا۟ لَمْ يُسْرِفُوا۟ وَلَمْ يَقْتُرُوا۟ وَكَانَ بَيْنَ ذَٰلِكَ قَوَامًا

اور جو خرچ کرتے وقت بھی نہ تو اسراف کرتے ہیں نہ بخیلی، بلکہ ان دونوں کے درمیان معتدل طریقے پر خرچ کرتے ہیں

এবং তারা যখন ব্যয় করে, তখন অযথা ব্যয় করে না কৃপণতাও করে না এবং তাদের পন্থা হয় এতদুভয়ের মধ্যবর্তী।

And those, who, when they spend, are neither extravagant nor niggardly, but hold a medium (way) between those (extremes).

जो ख़र्च करते है तो न अपव्यय करते है और न ही तंगी से काम लेते है, बल्कि वे इनके बीच मध्यमार्ग पर रहते है

/25/67

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

أَتُمِدُّونَنِ بِمَالٍ فَمَآ ءَاتَىٰنِۦَ ٱللَّهُ خَيْرٌ ;;;

সুলায়মান বললেন, তোমরা কি ধনসম্পদ দ্বারা আমাকে সাহায্য করতে চাও? আল্লাহ আমাকে যা দিয়েছেন, তা তোমাদেরকে প্রদত্ত বস্তু থেকে উত্তম ;;DON'T TAKE BRIBES OR INDUCE (27:36);;; ' سلیمان ﷺنے فرمایا کیا تم مال سے مجھے مدد دینا چاہتے ہو؟ مجھے تو میرے رب نے اس سے بہت بہتر دے رکھا ;;;లంచం-తీసుకొనుట-ఇచ్చుట-హరాముకాదా? ;;; 'क्या तुम माल से मेरी सहायता करोगे, तो जो कुछ अल्लाह ने मुझे

दिया है वह उससे कहीं उत्तम है ;;

AN-NAML (27:36)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَمَّا جَآءَ سُلَيْمَٰنَ قَالَ أَتُمِدُّونَنِ بِمَالٍ فَمَآ ءَاتَىٰنِۦَ ٱللَّهُ خَيْرٌ مِّمَّآ ءَاتَىٰكُم بَلْ أَنتُم بِهَدِيَّتِكُمْ تَفْرَحُونَ

پس جب قاصد حضرت سلیمان کے پاس پہنچا تو آپ نے فرمایا کیا تم مال سے مجھے مدد دینا چاہتے ہو؟ مجھے تو میرے رب نے اس سے بہت بہتر دے رکھا ہے جو اس نے تمہیں دیا ہے پس تم ہی اپنے تحفے سے خوش رہو

অতঃপর যখন দূত সুলায়মানের কাছে আগমন করল, তখন সুলায়মান বললেন, তোমরা কি ধনসম্পদ দ্বারা আমাকে সাহায্য করতে চাও? আল্লাহﷻ আমাকে যা দিয়েছেন, তা তোমাদেরকে প্রদত্ত বস্তু থেকে উত্তম। বরং তোমরাই তোমাদের উপঢৌকন নিয়ে সুখে থাক।

SO WHEN (THE MESSENGERS WITH THE PRESENT) CAME TO SULAIMAN (SOLOMON), HE SAID: "WILL YOU HELP ME IN WEALTH? WHAT ALLAAHU. SWT. HAS GIVEN ME IS BETTER THAN THAT WHICH HE HAS GIVEN YOU! NAY, YOU REJOICE IN YOUR GIFT!"

फिर जब वह सुलैमान के पास पहुँचा तो उसने (सुलैमान ने) कहा, "क्या तुम माल से मेरी सहायता करोगे, तो जो कुछ अल्लाह ने मुझे दिया है वह उससे कहीं उत्तम है, जो उसने तुम्हें दिया है? बल्कि तुम्ही लोग हो जो अपने उपहार से प्रसन्न होते हो!/27/36

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

Al-Baqara (2:188)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَأْكُلُوٓا۟ أَمْوَٰلَكُم بَيْنَكُم بِٱلْبَٰطِلِ وَتُدْلُوا۟ بِهَآ إِلَى ٱلْحُكَّامِ لِتَأْكُلُوا۟ فَرِيقًا مِّنْ أَمْوَٰلِ ٱلنَّاسِ بِٱلْإِثْمِ وَأَنتُمْ

تَعْلَمُونَ

اور ایک دوسرے کا مال ناحق نہ کھایا کرو، نہ حاکموں کو رشوت پہنچا کر کسی کا کچھ مال ظلم وستم سے اپنا کر لیا کرو، حالانکہ تم جانتے ہو

তোমরা অন্যায়ভাবে একে অপরের সম্পদ ভোগ করো না। এবং জনগণের সম্পদের কিয়দংশ জেনে-শুনে পাপ পন্থায় আত্নসাৎ করার উদ্দেশে শাসন কতৃপক্ষের হাতেও তুলে দিও না।

And eat up not one another's property unjustly (in any illegal way e.g. stealing, robbing, deceiving, etc.), nor give bribery to the rulers (judges before presenting your cases) that you may knowingly eat up a part of the property of others sinfully.

और आपस में तुम एक-दूसरे के माल को अवैध रूप से न खाओ, और न उन्हें हाकिमों के आगे ले जाओ कि (हक़ मारकर) लोगों के कुछ माल जानते-बूझते हड़प सको

2/188

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤لَا تَفْرَحْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ ٱلْفَرِحِينَ;;; আল্লাহ দাম্ভিকদেরকে ভালবাসেন না।;;;DON'T EXULT ();;; أللہ تعالیٰ اترانے والوں سے محبت نہیں رکھتا ;;; గర్వపడకు!!/!విర్రవీగకు! ;;; इतरा मत, अल्लाह इतरानेवालों के पसन्द नही करता

Al-Qasas (28:76)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ قَٰرُونَ كَانَ مِن قَوْمِ مُوسَىٰ فَبَغَىٰ عَلَيْهِمْ وَءَاتَيْنَٰهُ مِنَ ٱلْكُنُوزِ مَآ إِنَّ مَفَاتِحَهُۥ لَتَنُوٓأُ بِٱلْعُصْبَةِ

أُوْلِي ٱلْقُوَّةِ إِذْ قَالَ لَهُۥ قَوْمُهُۥ لَا تَفْرَحْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ ٱلْفَرِحِينَ

قارون تھا تو قوم موسیٰ سے، لیکن ان پر ظلم کرنے لگا تھا
ہم نے اسے (اس قدر) خزانے دے رکھے تھے کہ کئی کئی
طاقت ور لوگ بہ مشکل اس کی کنجیاں اٹھا سکتے تھے،
ایک بار اس کی قوم نے اس سے کہا کہ اترا مت!

ألله تعالیٰ اترانے والوں سے محبت نہیں رکھتا

কারুন ছিল মূসার সম্প্রদায়ভুক্ত। অতঃপর সে তাদের প্রতি দুষ্টামি করতে আরম্ভ করল। আমি তাকে এত ধন-ভান্ডার দান করেছিলাম যার চাবি বহন করা কয়েকজন শক্তিশালী লোকের পক্ষে কষ্টসাধ্য ছিল। যখন তার সম্প্রদায় তাকে বলল, দম্ভ করো না, আল্লাহﷻ দাম্ভিকদেরকে ভালবাসেন না।

Verily, Qarun (Korah) was of Musa's (Moses) people, but he

behaved arrogantly towards them. And We gave him of the treasures, that of which the keys would have been a burden to a body of strong men. When his people said to him: "Do not be glad (with ungratefulness to ALLAAHU's Favours). Verily! ALLAAHU likes not those who are glad (with ungratefulness to ALLAAHU's Favours).

निश्चय ही क़ारून मूसा की क़ौम में से था, फिर उसने उनके विरुद्ध सिर उठाया और हमने उसे इतने ख़जाने दे रखें थे कि उनकी कुंजियाँ एक बलशाली दल को भारी पड़ती थी। जब उससे उसकी क़ौम के लोगों ने कहा, "इतरा मत, अल्लाह इतरानेवालों के पसन्द नही करता

/28/76

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤DON'T TURN YOUR CHEEK AWAY FROM PEOPLE IN ARROGANCE (31:18)

Luqman (31:18)

﷽

وَلَا تُصَعِّرْ خَدَّكَ لِلنَّاسِ وَلَا تَمْشِ فِي ٱلْأَرْضِ مَرَحًا
إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُحِبُّ كُلَّ مُخْتَالٍ فَخُورٍ

اور زمین پر اترا کر نہ چل لوگوں کے سامنے اپنے گال نہ پھلا
کسی تکبر کرنے والے شیخی خورے کو ألله تعالیٰ پسند نہیں
فرماتا

অহংকারবশে তুমি মানুষকে অবজ্ঞা করো না এবং পৃথিবীতে গর্বভরে পদচারণ করো না। নিশ্চয় আল্লাহﷻ কোন দাম্ভিক অহংকারীকে পছন্দ করেন না।

"And turn not your face away from men with pride, nor walk in insolence through the earth. Verily, ALLAAHUﷻ

likes not each arrogant boaster.

"और लोगों से अपना रूख़ न फेर और न धरती में इतराकर चल। निश्चय ही अल्लाह ﷻ किसी अहंकारी, डींग मारनेवाले को पसन्द नहीं करता

/31/18

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤ وَٱقْصِدْ فِى مَشْيِكَ وَٱغْضُضْ مِن صَوْتِكَ;;;**পদচারণায় মধ্যবর্তিতা অবলম্বন কর এবং কণ্ঠস্বর নীচু কর।;;;Be moderate in your walking, and lower your voice decibels (31:19);;; اپنی رفتار میں میانہ روی اختیار کر، اور اپنی آواز پست کر ;;; మెల్లగా నడు! సన్నగొంతుతో సల్లగాపలుకు ;;; चाल में**

सहजता और संतुलन बनाए रख और अपनी आवाज़ धीमी रख। ;;;

Luqman (31:19)

وَٱقْصِدْ فِى مَشْيِكَ وَٱغْضُضْ مِن صَوْتِكَ إِنَّ أَنكَرَ ٱلْأَصْوَٰتِ لَصَوْتُ ٱلْحَمِيرِ

اپنی رفتار میں میانہ روی اختیار کر، اور اپنی آواز پست کر یقیناً آوازوں میں سب سے بدتر آواز گدھوں کی آواز ہے

পদচারণায় মধ্যবর্তিতা অবলম্বন কর এবং কন্ঠস্বর নীচু কর। নিঃসন্দেহে গাধার স্বরই সর্বাপেক্ষা অপ্রীতিকর।

"And be moderate (or show no insolence) in your walking, and

lower your voice. Verily, the harshest of all voices is the voice (braying) of the ass."

"और अपनी चाल में सहजता और संतुलन बनाए रख और अपनी आवाज़ धीमी रख। निस्संदेह आवाज़ों में सबसे बुरी आवाज़ गधों की आवाज़ होती है।"

/31/19

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT،S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ ٱلنَّبِىُّ أَوْلَىٰ بِٱلْمُؤْمِنِينَ مِنْ أَنفُسِهِمْ وَأَزْوَٰجُهُۥٓ أُمَّهَٰتُهُمْ

;;; নবী মুমিনদের নিকট তাদের নিজেদের অপেক্ষা অধিক ঘনিষ্ঠ এবং তাঁর স্ত্রীগণ তাদের মাতা ;;;WIVES OF THE PROPHET ARE EQUIVALENT TO OUR MOTHERS();; رسول ﷺ

کی،بیویاں مومنوں کی مائیں ہیں;;;రసూలు.

సఅస-గారు మేలుకోరే అత్యుత్తములు-వారి భార్యలు మనకు తల్లులు- ;;; नबी का हक़ ईमानवालों पर स्वयं उनके अपने प्राणों से बढ़कर है। और उसकी पत्नियों उनकी माएँ है ;;;

Al-Ahzaab (33:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلنَّبِيُّ أَوْلَىٰ بِٱلْمُؤْمِنِينَ مِنْ أَنفُسِهِمْ وَأَزْوَٰجُهُۥٓ أُمَّهَٰتُهُمْ وَأُو۟لُوا۟ ٱلْأَرْحَامِ بَعْضُهُمْ أَوْلَىٰ بِبَعْضٍ فِى كِتَٰبِ ٱللَّهِ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُهَٰجِرِينَ إِلَّآ أَن تَفْعَلُوٓا۟ إِلَىٰٓ أَوْلِيَآئِكُم مَّعْرُوفًا كَانَ ذَٰلِكَ فِى ٱلْكِتَٰبِ مَسْطُورًا

پیغمبر

رسول ﷺ مومنوں پر خود ان سے بھی زیادہ حق رکھنے والے ہیں اور رسول ﷺ

کی بیویاں مومنوں کی مائیں ہیں،

اور رشتے دار کتاب أللہ کی رو سے بہ نسبت دوسرے مومنوں اور مہاجروں کے آپس میں زیادہ حق دار ہیں (ہاں) مگر یہ کہ تم اپنے دوستوں کے ساتھ حسن سلوک کرنا چاہو۔ یہ حکم کتاب (الٰہی) میں لکھا ہوا ہے

নবী মুমিনদের নিকট তাদের নিজেদের অপেক্ষা অধিক ঘনিষ্ঠ এবং তাঁর স্ত্রীগণ তাদের মাতা। আল্লাহﷻর বিধান অনুযায়ী মুমিন ও মুহাজিরগণের মধ্যে যারা আত্নীয়, তারা পরস্পরে অধিক ঘনিষ্ঠ। তবে তোমরা যদি তোমাদের বন্ধুদের প্রতি দয়া-দাক্ষিণ্য করতে চাও, করতে পার। এটা লওহে-মাহফুযে লিখিত আছে।

The Prophet is closer to the believers than their ownselves, and his wives are their (believers') mothers (as regards respect and marriage). And blood relations among each other have closer personal ties in the Decree of ALLAAHU ﷻ (regarding inheritance) than (the brotherhood of) the believers and the Muhajirun (emigrants from Makkah, etc.), except

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

that you do kindness to those brothers (when the Prophet SAW joined them in brotherhood ties). This has been written in the (ALLAAHU's Book of Divine) Decrees (AlLauh AlMahfuz)."

नबी का हक़ ईमानवालों पर स्वयं उनके अपने प्राणों से बढ़कर है। और उसकी पत्नियों उनकी माएँ है। और अल्लाह के विधान के अनुसार सामान्य मोमिनों और मुहाजिरों की अपेक्षा नातेदार आपस में एक-दूसरे से अधिक निकट है। यह और बात है कि तुम अपने साथियों के साथ कोई भलाई करो। यह बात किताब में लिखी हुई है

/33/6

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤DON'T HARM BELIEVERS /85:10+ 33:58

AL-BUROOJ (85:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

إِنَّ ٱلَّذِينَ فَتَنُوا۟ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا۟ فَلَهُمْ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَلَهُمْ عَذَابُ ٱلْحَرِيقِ

بیشک جن لوگوں نے مسلمان مردوں اور عورتوں کو ستایا پھر توبہ (بھی) نہ کی تو ان کے لئے جہنم کا عذاب ہے اور جلنے کا عذاب ہے

যারা মুমিন পুরুষ ও নারীকে নিপীড়ন করেছে, অতঃপর তওবা করেনি, তাদের জন্যে আছে জাহান্নামের শাস্তি, আর আছে দহন যন্ত্রণা,

VERILY, THOSE WHO PUT INTO TRIAL THE BELIEVING MEN AND BELIEVING WOMEN (BY TORTURING THEM AND BURNING THEM), AND THEN DO NOT TURN IN REPENTANCE, (TO ALLAAHU), WILL HAVE THE TORMENT OF HELL, AND THEY WILL HAVE THE PUNISHMENT OF THE BURNING FIRE.

जिन लोगों ने ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को सताया और आज़माईश में डाला, फिर तौबा न की, निश्चय ही उनके लिए जहन्नम की यातना है और उनके लिए जलने की यातना है

/85/10

Aetebarooo Yaa Oooolil Absaar-

ఆలోచించండి! ఆకళింపుగల దేవబంటులారా!

Seriously contemplate -oh men of insight+foresight

The masajid of Muwahhudeena were razed at many places eg: Dichpally.NZB, Telangana,Palamaneru-AP. ,Madanapalle -AP

by protoginists of Factionalism from deol-panthiest BuzRoguey Ullemma group...

యెన్నోచోట్ల +++ "ముచవహ్హిదు"ల మసీదులను కూల్చివేతలో మిస్లిమ్ ఆకతాయి తపేలీతోపీమూకల సామూహిక కార్సేవ....

Al-Ahzaab (33:58)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ يُؤْذُونَ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ بِغَيْرِ مَا ٱكْتَسَبُوا۟ فَقَدِ ٱحْتَمَلُوا۟ بُهْتَٰنًا وَإِثْمًا مُّبِينًا

اور جو لوگ مومن مردوں اور مومن عورتوں کو ایذا دیں بغیر کسی جرم کے جو ان سے سرزد ہوا ہو، وہ (بڑے ہی) بہتان اور صریح گناہ کا بوجھ اٹھاتے ہیں

যারা বিনা অপরাধে মুমিন পুরুষ ও মুমিন নারীদেরকে কষ্ট দেয়, তারা মিথ্যা অপবাদ ও প্রকাশ্য পাপের বোঝা বহন করে।

And those who annoy believing men and women undeservedly, bear on themselves the crime of slander and plain sin.

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

और जो लोग ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को, बिना इसके कि उन्होंने कुछ किया हो (आरोप लगाकर), दुख पहुँचाते है, उन्होंने तो बड़े मिथ्यारोपण और प्रत्यक्ष गुनाह का बोझ अपने ऊपर उठा लिया

/33/58

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ٱدْفَعْ بِٱلَّتِى هِىَ أَحْسَنُ ;;;জওয়াবে তাই বলুন যা উৎকৃষ্ট ;;;RESPOND TO EVIL WITH GOOD (41:34);;; برائی کو بھلائی سے دفع کرو ;;; చెడ్డను గుడక మంచితో యెదురుకో-ముకాబిలా కరో ;;;बुराई को) अच्छे से अच्छे आचरण के द्वारा दूर करो

◤Fussilat (41:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

وَلَا تَسْتَوِي ٱلْحَسَنَةُ وَلَا ٱلسَّيِّئَةُ ٱدْفَعْ بِٱلَّتِي هِيَ أَحْسَنُ فَإِذَا ٱلَّذِي بَيْنَكَ وَبَيْنَهُۥ عَدَٰوَةٌ كَأَنَّهُۥ وَلِيٌّ حَمِيمٌ

نیکی اور بدی برابر نہیں ہوتی۔ برائی کو بھلائی سے دفع کرو پھر وہی جس کے اور تمہارے درمیان دشمنی ہے ایسا ہو جائے گا جیسے دلی دوست

সমান নয় ভাল ও মন্দ। জওয়াবে তাই বলুন যা উৎকৃষ্ট। তখন দেখবেন আপনার সাথে যে ব্যক্তির শুত্রুতা রয়েছে, সে যেন অন্তরঙ্গ বন্ধু।

The good deed and the evil deed cannot be equal. Repel (the evil) with one which is better (i.e. ALLAAHU ﷻ ordered the faithful believers to be patient at the time of anger, and to excuse those who treat them badly), then verily! he, between whom and you there was

enmity, (will become) as though he was a close friend.

भलाई और बुराई समान नहीं है। तुम (बुरे आचरण की बुराई को) अच्छे से अच्छे आचरण के द्वारा दूर करो। फिर क्या देखोगे कि वही व्यक्ति तुम्हारे और जिसके बीच वैर पड़ा हुआ था, जैसे वह कोई घनिष्ठ मित्र है

/41/34

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ لَا تَرْفَعُوٓا۟ أَصْوَٰتَكُمْ فَوْقَ صَوْتِ ٱلنَّبِىِّ;;;

মুমিনগণ! তোমরা নবীর কণ্ঠস্বরের উপর তোমাদের কণ্ঠস্বর উঁচু করো না ;;; DON'T RAISE YOUR VOICE ABOVE THAT OF THE PROPHET'S (49:2);;; آوازیں نبی کی آواز سے اوپر نہ کرو ;;; హదీసులపై వితండవాదం-కూడదు- ;;; अपनी आवाज़ों को नबी की आवाज़ से ऊँची न करो। ;;;

Al-Hujuraat (49:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَرْفَعُوٓاْ أَصْوَٰتَكُمْ فَوْقَ صَوْتِ ٱلنَّبِيِّ وَلَا تَجْهَرُواْ لَهُۥ بِٱلْقَوْلِ كَجَهْرِ بَعْضِكُمْ لِبَعْضٍ أَن تَحْبَطَ أَعْمَٰلُكُمْ وَأَنتُمْ لَا تَشْعُرُونَ

اے ایمان والو! اپنی آوازیں نبی کی آواز سے اوپر نہ کرو اور نہ ان سے اونچی آواز سے بات کرو جیسے آپس میں ایک دوسرے سے کرتے ہو، کہیں (ایسا نہ ہو کہ) تمہارے اعمال اکارت جائیں اور تمہیں خبر بھی نہ ہو

মুমিনগণ! তোমরা নবীর কন্ঠস্বরের উপর তোমাদের কন্ঠস্বর উঁচু করো না এবং তোমরা একে অপরের সাথে যেরূপ উঁচুস্বরে কথা বল, তাঁর সাথে সেরূপ উঁচুস্বরে কথা বলো না। এতে তোমাদের কর্ম নিস্ফল হয়ে যাবে এবং তোমরা টেরও পাবে না।

O you who believe! Raise not your voices above the voice of the Prophet (SAW), nor speak aloud to him in talk as you speak aloud to one another, lest your deeds may be rendered fruitless while you perceive not.

ऐ लोगो, जो ईमान लाए हो! तुम अपनी आवाज़ों को नबी की आवाज़ से ऊँची न करो। और जिस तरह तुम आपस में एक-दूसरे से ज़ोर से बोलते हो, उससे ऊँची आवाज़ में बात न करो। कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारे कर्म अकारथ हो जाएँ और तुम्हें ख़बर भी न हो

/49/2

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ إِن جَآءَكُمْ فَاسِقٌۢ بِنَبَإٍ فَتَبَيَّنُوٓا۟ ;;;যদি কোন পাপাচারী ব্যক্তি তোমাদের কাছে কোন সংবাদ আনয়ন করে, তবে তোমরা পরীক্ষা করে দেখবে,;;;VERIFY INFORMATION FROM A

DUBIOUS SOURCE BEFORE ...;;; کوئی فاسق خبر دے تو تم اس کی اچھی طرح تحقیق کر لیا کرو ;;;ఎవడైనా ఏదైనా ముచ్చటజెబితే అది-సరైనదా కాదా అనే-నిర్ధారణ అవసరం-ముఖ్యముగ బుజ్రోగుల మిథ్యాకతలు-కమామీషులు--విని బోర్లపడకూడదే- ;;; यदि कोई अवज्ञाकारी तुम्हारे पास कोई ख़बर लेकर आए तो उसकी छानबीन कर लिया करो। ;;;

Al-Hujuraat (49:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِن جَآءَكُمْ فَاسِقٌۢ بِنَبَإٍ فَتَبَيَّنُوٓا۟ أَن تُصِيبُوا۟ قَوْمًۢا بِجَهَٰلَةٍ فَتُصْبِحُوا۟ عَلَىٰ مَا فَعَلْتُمْ نَٰدِمِينَ

اے مسلمانو! اگر تمہیں کوئی فاسق خبر دے تو تم اس کی اچھی طرح تحقیق کر لیا کرو ایسا نہ ہو کہ نادانی میں کسی قوم کو ایذا پہنچا دو پھر اپنے کیے پر پشیمانی اٹھاؤ

মুমিনগণ! যদি কোন পাপাচারী ব্যক্তি তোমাদের কাছে কোন সংবাদ আনয়ন করে, তবে তোমরা পরীক্ষা করে দেখবে, যাতে অজ্ঞতাবশতঃ তোমরা কোন সম্প্রদায়ের ক্ষতিসাধনে প্রবৃত্ত না হও এবং পরে নিজেদের কৃতকর্মের জন্যে অনুতপ্ত না হও।

O you who believe! If a rebellious evil person comes to you with a news, verify it, lest you harm people in ignorance, and afterwards you become regretful to what you have done.

ऐ लोगों, जो ईमान लाए हो! यदि कोई अवज्ञाकारी तुम्हारे पास कोई ख़बर लेकर आए तो उसकी छानबीन कर लिया करो। कहीं ऐसा न हो कि तुम किसी गिरोह को अनजाने में तकलीफ़ और नुक़सान पहुँचा बैठो, फिर अपने किए पर पछताओ

/49/6

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

فَأَصْلِحُوا۟ بَيْنَهُمَا بِٱلْعَدْلِ وَأَقْسِطُوٓا۟;;;;
তোমরা তাদের(লড়াকু) মধ্যে ন্যায়ানুগ পন্থায় মীমাংসা করে দিবে এবং ইনছাফ করবে ;;;MAKE PEACE BETWEEN FIGHTING GROUPS (49:9);;; پھر انصاف کے ساتھ صلح کرا دو اور عدل کرو;;మీలో మీరు ఒప్పందంచేసుకోవలే-జగడాలు మానేయాల;उन लडाकू ग्रूहों के बीच न्याय के साथ सुलह करा दो, और इनसाफ़ करो। ;;;

Al-Hujuraat (49:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِن طَآئِفَتَانِ مِنَ ٱلْمُؤْمِنِينَ ٱقْتَتَلُوا۟ فَأَصْلِحُوا۟ بَيْنَهُمَا
فَإِنۢ بَغَتْ إِحْدَىٰهُمَا عَلَى ٱلْأُخْرَىٰ فَقَٰتِلُوا۟ ٱلَّتِى تَبْغِى
حَتَّىٰ تَفِىٓءَ إِلَىٰٓ أَمْرِ ٱللَّهِ فَإِن فَآءَتْ فَأَصْلِحُوا۟
بَيْنَهُمَا بِٱلْعَدْلِ وَأَقْسِطُوٓا۟ إِنَّ ٱللَّهَ يُحِبُّ ٱلْمُقْسِطِينَ

اور اگر مسلمانوں کی دو جماعتیں آپس میں لڑ پڑیں تو ان میں میل ملپ کرا دیا کرو۔ پھر اگر ان دونوں میں سے ایک جماعت دوسری جماعت پر زیادتی کرے تو تم (سب) اس گروہ سے جو زیادتی کرتا ہے لڑو۔ یہاں تک کہ وہ أللہ کے حکم کی طرف لوٹ آئے، اگر لوٹ آئے تو پھر انصاف کے ساتھ صلح کرا دو اور عدل کرو بیشک أللہ تعالیٰ انصاف کرنے والوں سے محبت کرتا ہے

যদি মুমিনদের দুই দল যুদ্ধে লিপ্ত হয়ে পড়ে, তবে তোমরা তাদের মধ্যে মীমাংসা করে দিবে। অতঃপর যদি তাদের একদল অপর দলের উপর চড়াও হয়, তবে তোমরা আক্রমণকারী দলের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করবে; যে পর্যন্ত না তারা আল্লাহর ﷻ নির্দেশের দিকে ফিরে আসে। যদি ফিরে আসে, তবে তোমরা তাদের মধ্যে ন্যায়ানুগ পন্থায় মীমাংসা করে দিবে এবং ইনছাফ করবে। নিশ্চয় আল্লাহ ﷻ ইনছাফকারীদেরকে পছন্দ করেন।

And if two parties or groups among the believers fall to fighting, then make peace between them both, but if one of them rebels against the other, then fight you (all) against the one that which rebels till it complies with the Command of ALLAAHU ﷻ swt.; then if it complies, then make reconciliation between them justly, and be equitable. Verily! ALLAAHU ﷻ loves those who are equitable.

यदि मोमिनों में से दो गिरोह आपस में लड़ पड़े तो उनके बीच सुलह करा दो। फिर यदि उनमें से एक गिरोह दूसरे पर ज़्यादती करे, तो जो गिरोह ज़्यादती कर रहा हो उससे लड़ो, यहाँ तक कि वह अल्लाहﷻ के आदेश की ओर पलट आए। फिर यदि वह पलट आए तो उनके बीच न्याय के साथ सुलह करा दो, और इनसाफ़ करो। निश्चय ही अल्लाहﷻ इनसाफ़ करनेवालों को पसन्द करता है

/49/9

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

Al-Hujuraat (49:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّمَا ٱلْمُؤْمِنُونَ إِخْوَةٌ فَأَصْلِحُوا۟ بَيْنَ أَخَوَيْكُمْ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

سارے مسلمان بھائی بھائی ہیں پس اپنے دو (یاد رکھو) بھائیوں میں ملپ کرا دیا کرو، اور

أللہ سے ڈرتے رہو تاکہ تم پر رحم کیا جائے

মুমিনরা তো পরস্পর ভাই-ভাই। অতএব, তোমরা তোমাদের দুই ভাইয়ের মধ্যে মীমাংসা করবে এবং আল্লাহﷻকে ভয় করবে-যাতে তোমরা অনুগ্রহপ্রাপ্ত হও।

The believers are nothing else than brothers (in Islamic religion). So make reconciliation between your brothers, and fear

मोमिन तो भाई-भाई ही है। अतः अपने दो भाईयो के बीच सुलह करा दो

और अल्लाह का डर रखो, ताकि तुमपर दया की जाए

/49/10

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ لَا يَسْخَرْ ;;; উপহাস না করে ;;; DON'T INSULT (49:11);;;مذاق نہ اڑائیں;;; ఎవరినీ కించపరచరాదు ;;; ऐक दूसरे का हँसी न उड़ाए ;;; ◤;;; وَلَا تَلْمِزُوٓا ;;; দোষারোপ করো না ;;;DON'T CALL OTHERS WITH BAD NAMES (49:11);;;ఎవరికీ చెడ్డపేర్లు పెట్టక;;; آپس میں ;;; ایک دوسرے کو عیب نہ لگاؤ ;;; न अपनों पर ताने कसो और;;;◤;; وَلَا تَنَابَزُوا;;मन्द नामे

ডেকো না। ;;DON'T MAKE FUN OF OTHERS (49:11);;;;ఎవరినీ హేళన-మజాకు చేయరాదు ;;; نہ کسی کو برے لقب دو۔ ;;; न आपस में एक-दूसरे को बुरी उपाधियों से पुकारो। ;;;

Al-Hujuraat (49:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا يَسْخَرْ قَوْمٌ مِّن قَوْمٍ عَسَىٰٓ أَن يَكُونُوا۟ خَيْرًا مِّنْهُمْ وَلَا نِسَآءٌ مِّن نِّسَآءٍ عَسَىٰٓ أَن يَكُنَّ خَيْرًا مِّنْهُنَّ وَلَا تَلْمِزُوٓا۟ أَنفُسَكُمْ وَلَا تَنَابَزُوا۟ بِٱلْأَلْقَٰبِ بِئْسَ ٱلِٱسْمُ ٱلْفُسُوقُ بَعْدَ ٱلْإِيمَٰنِ وَمَن لَّمْ يَتُبْ فَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلظَّٰلِمُونَ

اے मोमिनों!

مرد دوسرے مردوں کا مذاق نہ اڑائیں ممکن ہے کہ یہ ان سے بہتر ہو اور نہ عورتیں عورتوں کا مذاق اڑائیں ممکن ہے

یہ ان سے بہتر ہوں، اور آپس میں ایک دوسرے کو عیب نہ لگاؤ اور نہ کسی کو برے لقب دو۔ ایمان کے بعد فسق برا نام ہے، اور جو توبہ نہ کریں وہی ظالم لوگ ہیں

মুমিনগণ, কেউ যেন অপর কাউকে উপহাস না করে। কেননা, সে উপহাসকারী অপেক্ষা উত্তম হতে পারে এবং কোন নারী অপর নারীকেও যেন উপহাস না করে। কেননা, সে উপহাসকারিণী অপেক্ষা শ্রেষ্ঠ হতে পারে। তোমরা একে অপরের প্রতি দোষারোপ করো না এবং একে অপরকে মন্দ নামে ডেকো না। কেউ বিশ্বাস স্থাপন করলে তাদের মন্দ নামে ডাকা গোনাহ। যারা এহেন কাজ থেকে তওবা না করে তারাই যালেম।

O you who believe! Let not a group scoff at another group, it may be that the latter are better than the former; nor let (some) women scoff at other women, it may be that the latter are better than the former, nor defame one another, nor insult one another by nicknames. How bad is it, to insult one's brother after having Faith [i.e. to call your

Muslim brother (a faithful believer) as: "O sinner", or "O wicked", etc.]. And whosoever does not repent, then such are indeed Zalimun (wrong-doers, etc.).

ऐ लोगो, जो ईमान लाए हो! न पुरुषों का कोई गिरोह दूसरे पुरुषों की हँसी उड़ाए, सम्भव है वे उनसे अच्छे हों और न स्त्रियाँ स्त्रियों की हँसी उड़ाए, सम्भव है वे उनसे अच्छी हों, और न अपनों पर ताने कसो और न आपस में एक-दूसरे को बुरी उपाधियों से पुकारो। ईमान के पश्चात अवज्ञाकारी का नाम जुडना बहुत ही बुरा है। और जो व्यक्ति बाज़ न आए, तो ऐसे ही व्यक्ति ज़ालिम है

/49/11

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

;;; ٱجْتَنِبُوا۟ كَثِيرًا مِّنَ ٱلظَّنِّ

;;وَلَا تَجَسَّسُوا۟ وَلَا يَغْتَب بَّعْضُكُم بَعْضًا

মুমিনগণ, তোমরা অনেক ধারণা থেকে

বেঁচে থাক। নিশ্চয় কতক ধারণা গোনাহ। এবং গোপনীয় বিষয় সন্ধান করো না। তোমাদের কেউ যেন কারও পশ্চাতে নিন্দা না করে;;; Avoid much suspicions, . And spy not, neither backbite one another... ;; (49:12);; اور بھید نہ ٹٹولا کرو اور نہ تم میں سے کوئی کسی کی غیبت کرے; بہت بدگمانیوں سے بچو ;;; పెక్కు ఆలోచనలు పాపయుక్త అనుమాన పెనుభూత 'గుమాన' ములు- మాత్రమే-;గూఢచర్య+పరోక్ష నింద గొప్పపాపాలు;;बहुत से गुमानों से बचो, क्योंकि कतिपय गुमान गुनाह होते है। और न टोह में पड़ो और न तुममें से कोई किसी की पीठ पीछे निन्दा करे - ;;;

Al-Hujuraat (49:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱجْتَنِبُوا۟ كَثِيرًا مِّنَ ٱلظَّنِّ إِنَّ بَعْضَ ٱلظَّنِّ إِثْمٌ وَلَا تَجَسَّسُوا۟ وَلَا يَغْتَب

بَّعْضُكُم بَعْضًا أَيُحِبُّ أَحَدُكُمْ أَن يَأْكُلَ لَحْمَ أَخِيهِ مَيْتًا فَكَرِهْتُمُوهُ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ إِنَّ ٱللَّهَ تَوَّابٌ رَّحِيمٌ

اے ایمان والو! بہت بدگمانیوں سے بچو یقین مانو کہ بعض بدگمانیاں گناہ ہیں۔ اور بھید نہ ٹٹولا کرو اور نہ تم میں سے کوئی کسی کی غیبت کرے۔ کیا تم میں سے کوئی بھی اپنے مردہ بھائی کا گوشت کھانا پسند کرتا ہے؟ تم کو اس سے گھن آئے گی، اور أللہ سے ڈرتے رہو، بیشک أللہ توبہ قبول کرنے والا مہربان ہے

মুমিনগণ, তোমরা অনেক ধারণা থেকে বেঁচে থাক। নিশ্চয় কতক ধারণা গোনাহ। এবং গোপনীয় বিষয় সন্ধান করো না। তোমাদের কেউ যেন কারও পশ্চাতে নিন্দা না করে। তোমাদের কেউ কি তারা মৃত ভ্রাতার মাংস ভক্ষণ করা পছন্দ করবে? বস্তুতঃ তোমরা তো একে ঘৃণাই কর। আল্লাহকে ভয় কর। নিশ্চয় আল্লাহ তওবা কবুলকারী, পরম দয়ালু।

O you who believe! Avoid much suspicions, indeed some suspicions are sins. And spy not, neither backbite one another. Would one of you like to eat the flesh of his dead brother? You would hate it (so hate backbiting). And fear Allah. Verily, Allah is the One Who accepts repentance, Most Merciful.

ऐ ईमान लानेवालो! बहुत से गुमानों से बचो, क्योंकि कतिपय गुमान गुनाह होते है। और न टोह में पड़ो और न तुममें से कोई किसी की पीठ पीछे निन्दा करे - क्या तुममें से कोई इसको पसन्द करेगा कि वह मरे हुए भाई का मांस खाए? वह तो तुम्हें अप्रिय होगी ही। - और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है

/49/12

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤إِنَّا خَلَقْنَٰكُم مِّن ذَكَرٍ وَأُنثَىٰ ;;; **আমি তোমাদেরকে এক পুরুষ ও এক নারী থেকে**

সৃষ্টি করেছি এবং ;;; We have created you from a male and a female, (49:13);;; تم سب کو ایک (ہی) مرد وعورت سے پیدا کیا ہے ;;; మనుషులని దేవుడు ఒకే జంటనుండి (పుట్టించరు) కలిగించారు- ;;;हमनें तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से सृस्टि किया और ;;;

Al-Hujuraat (49:13)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ إِنَّا خَلَقْنَٰكُم مِّن ذَكَرٍ وَأُنثَىٰ وَجَعَلْنَٰكُمْ شُعُوبًا وَقَبَآئِلَ لِتَعَارَفُوٓا۟ إِنَّ أَكْرَمَكُمْ عِندَ ٱللَّهِ أَتْقَىٰكُمْ إِنَّ ٱللَّهَ عَلِيمٌ خَبِيرٌ

اے لوگو! ہم نے تم سب کو ایک (ہی) مرد وعورت سے پیدا کیا ہے اور اس لئے کہ تم آپس میں ایک دوسرے کو پہچانو کنبے اور قبیلے بنا دیئے ہیں،

إللہ کے نزدیک تم سب میں باعزت وہ ہے جو سب سے
زیادہ ڈرنے والا ہے۔ یقین مانو کہ أللہ دانا اور باخبر ہے

হে মানব, আমি তোমাদেরকে এক পুরুষ ও এক নারী থেকে সৃষ্টি করেছি এবং তোমাদেরকে বিভিন্ন জাতি ও গোত্রে বিভক্ত করেছি, যাতে তোমরা পরস্পরে পরিচিতি হও। নিশ্চয় আল্লাহরﷻ কাছে সে-ই সর্বাধিক সম্ভ্রান্ত যে সর্বাধিক পরহেযগার। নিশ্চয় আল্লাহﷻ সর্বজ্ঞ, সবকিছুর খবর রাখেন।

O mankind! WeALLAAHUﷻ have created you from a male and a female, and made you into nations and tribes, that you may know one another. Verily, the most honourable of you with ALLAAHUﷻ.swt is that (believer) who has At-Taqwa [i.e. one of the Muttaqun (pious - see V. 2:2). Verily, ALLAAHUﷻ.swt is All-Knowing, All-Aware.

ऐ लोगो! हमनें तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से सृस्टि किया और तुम्हें बिरादरियों और क़बिलों का रूप दिया, ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। वास्तव में अल्लाहﷻ के यहाँ तुममें सबसे अधिक प्रतिष्ठित वह है, जो तुममे सबसे अधिक डर रखता है। निश्चय ही अल्लाहﷻ सबकुछ जाननेवाला, ख़बर रखनेवाला है

/49/13

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

ضَيْفِ إِبْرَٰهِيمَ ٱلْمُكْرَمِينَ◤

;;;; একটি ঘৃতেপক্ক মোটা গোবৎস নিয়ে হাযির হল। ';;;;; PROPHET IBRAHEEM OFFERED CALF MEAT TO HIS GUESTS(51:24-27);;; لائے (کا گوشت) ایک فربہ بچھڑے ;;; బరహమ-ఇబరాహీం అ స,గారు కాల్చిన దూడమాంసాన్ని అతిథులకు ఆఫర్ చేసిరి(-బీఫ్) ';;;अपने घरवालों के पास गया और एक मोटा-ताज़ा बछड़ा का भूना हुआ मांस ले आया

Adh-Dhaariyat (51:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَلْ أَتَىٰكَ حَدِيثُ ضَيْفِ إِبْرَٰهِيمَ ٱلْمُكْرَمِينَ

کیا تجھے ابراہیم (علیہ السلام) کے معزز مہمانوں کی خبر بھی پہنچی ہے؟

আপনার কাছে ইব্রাহীমের সম্মানিত মেহমানদের বৃত্তান্ত এসেছে কি?

Has the story reached you, of the honoured guests [three angels; Jibrael (Gabriel) along with another two] of Ibrahim (Abraham)?

क्या इबराईम के प्रतिष्ठित अतिथियों का वृतान्त तुम तक पहुँचा?

/51/24

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

✣ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING✣

Adh-Dhaariyat (51:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِذْ دَخَلُوا۟ عَلَيْهِ فَقَالُوا۟ سَلَٰمًا ۖ قَالَ سَلَٰمٌ قَوْمٌ مُّنكَرُونَ

وہ جب ان کے ہاں آئے تو سلام کیا، ابراہیم نے جواب سلم دیا (اور کہا یہ تو) اجنبی لوگ ہیں

যখন তারা তাঁর কাছে উপস্থিত হয়ে বললঃ সালাম, তখন সে বললঃ সালাম। এরা তো অপরিচিত লোক।

When they came in to him, and said, "Salam, (peace be upon you)!" He answered; "Salam, (peace be upon you)," and said: "You are a people unknown to me,"

जब वे उसके पास आए तो कहा, "सलाम है तुमपर!" उसने भी कहा, "सलाम है आप लोगों पर भी!" (और जी में कहा) "ये तो अपरिचित लोग हैं।"

/51/25

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

✣ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING ✣

Adh-Dhaariyat (51:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَرَاغَ إِلَىٰٓ أَهْلِهِۦ فَجَآءَ بِعِجْلٍ سَمِينٍ

پھر (چپ چاپ جلدی جلدی) اپنے گھر والوں کی طرف گئے اور ایک فربہ بچھڑے (کا گوشت) لائے

অতঃপর সে গ্রহে গেল এবং একটি ঘৃতেপক্ক মোটা গোবৎস নিয়ে হাযির হল।

Then he turned to his household, so brought out a roasted calf [as the property of Ibrahim (Abraham) was mainly cows].

फिर वह चुपके से अपने घरवालों के पास गया और एक मोटा-ताज़ा बछड़ा (का भूना हुआ मांस) ले आया

/51/26

✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ ✣ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING✣

◤ فَلَا تُزَكُّوٓا۟ أَنفُسَكُمْ;;;তোমরা আত্মপ্রশংসা করো না। ;;; So ascribe not purity to yourselves. (53:32);;; -100 % ప్యూర్ - పతివ్రతను-నేనే అనుకోవడం- నేన్జెప్పిందే శాస్త్రం- (సుపీరియారిటీ కాంప్లెక్స్ లేక KB/MB/GBలు,,, యెక్వాయెనా);;; پس تم اپنی پاکیزگی آپ بیان نہ کرو;;; ;;;अपने मन की पवित्रता और निखार का दावा न करो। ;;;

An-Najm (53:32)

ﷲ الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ يَجْتَنِبُونَ كَبَٰٓئِرَ ٱلْإِثْمِ وَٱلْفَوَٰحِشَ إِلَّا ٱللَّمَمَ إِنَّ رَبَّكَ وَٰسِعُ ٱلْمَغْفِرَةِ هُوَ أَعْلَمُ بِكُمْ إِذْ أَنشَأَكُم مِّنَ ٱلْأَرْضِ وَإِذْ أَنتُمْ أَجِنَّةٌ فِى بُطُونِ أُمَّهَٰتِكُمْ فَلَا تُزَكُّوٓا۟ أَنفُسَكُمْ هُوَ أَعْلَمُ بِمَنِ ٱتَّقَىٰٓ

ان لوگوں کو جو بڑے گناہوں سے بچتے ہیں اور بے حیائی

سے بھی۔ سوائے کسی چھوٹے سے گناہ کے۔ بیشک تیرا رب بہت کشادہ مغفرت والا ہے، وہ تمہیں بخوبی جانتا ہے جبکہ اس نے تمہیں زمین سے پیدا کیا اور جبکہ تم اپنی ماؤں کے پیٹ میں بچے تھے۔ پس تم اپنی پاکیزگی آپ بیان نہ کرو، وہی پرہیزگاروں کو خوب جانتا ہے

যারা বড় বড় গোনাহ ও অশ্লীলকার্য থেকে বেঁচে থাকে ছোটখাট অপরাধ করলেও নিশ্চয় আপনার পালনকর্তার ক্ষমা সুদূর বিস্তৃত। তিনিﷻ তোমাদের সম্পর্কে ভাল জানেন, যখন তিনি তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছেন মৃত্তিকা থেকে এবং যখন তোমরা মাতৃগর্ভে কচি শিশু ছিলে। অতএব তোমরা আত্নপ্রশংসা করো না। তিনিﷻ ভাল জানেন কে সংযমী।

Those who avoid great sins (see the Quran, Verses: 6:152, 153) and Al-Fawahish (illegal sexual intercourse, etc.) except the small faults, verily, your Lord is of vast forgiveness. He knows you well when He created you from the earth (Adam),

and when you were fetuses in your mothers' wombs. So ascribe not purity to yourselves. He knows best him who fears Allaahu.swt. and keep his duty to Him [i.e. those who are Al-Muttaqun (pious - see V. 2:2)].

वे लोग जो बड़े गुनाहों और अश्लील कर्मों से बचते है, यह और बात है कि संयोगबश कोई छोटी बुराई उनसे हो जाए। निश्चय ही तुम्हारा रब क्षमाशीलता मे बड़ा व्यापक है। वह तुम्हें उस समय से भली-भाँति जानता है, जबकि उसने तुम्हें धरती से पैदा किया और जबकि तुम अपनी माँओ के पेटों में भ्रुण अवस्था में थे। अतः अपने मन की पवित्रता और निखार का दावा न करो। वह उस व्यक्ति को भली-भाँति जानता है, जिसने डर रखा

/53/32

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤;;; فَلَا تَتَنَٰجَوْا۟ بِٱلْإِثْمِ وَٱلْعُدْوَٰنِ وَمَعْصِيَتِ ٱلرَّسُولِ ;;;কানাকানি কর, তখন পাপাচার, সীমালংঘন ও রসুলের অবাধ্যতার বিষয়ে

কানাকানি করো না ;;; Hold not secret counsel, for sin and wrong-doing, and disobedience (58:9);;; معصیت کی محاسبهWEBINAR/ SEMINAR /MAETING ETC..مت کر ;;; 'वार्ता करो तो गुनाह और ज़्यादती और रसूल की अवज्ञा की गुप्त वार्ता न करो;;;; ";;;

Al-Mujaadila (58:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ إِذَا تَنَٰجَيْتُمْ فَلَا تَتَنَٰجَوْاْ بِٱلْإِثْمِ وَٱلْعُدْوَٰنِ وَمَعْصِيَتِ ٱلرَّسُولِ وَتَنَٰجَوْاْ بِٱلْبِرِّ وَٱلتَّقْوَىٰ ۖ وَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ ٱلَّذِىٓ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ

মুমিনগণ! مؤمنون

Does any person own eemaan?? rather too tall a claim...?=

~~!ایمان والو~~

تم جب سرگوشی کرو تو یہ سرگوشیاں گناہ اور ظلم

اور نافرمانی (زیادتی)

رسول

~~پیغمبر~~

کی نہ ہوں، بلکہ نیکی

~~پرہیزگاری~~this is a vague alien term having other meanings ..where as **ALLAAHU** has commanded muslims in verse.7:180 to invoke only his exclusive asmaa ul husna.

اللہ ربالعزۃ اور کی باتوں پر سرگوشی کرو اور اس

سے ڈرتے رہو جس کے پاس تم سب جمع کیے جاؤ گے

মুমিনগণ, তোমরা যখন কানাকানি কর, তখন পাপাচার, সীমালংঘন ও রসূলের অবাধ্যতার বিষয়ে কানাকানি করো না বরং অনুগ্রহ ও খোদাভীতির ব্যাপারে কানাকানি করো। আল্লাহকে ভয় কর, যাঁর কাছে তোমরা একত্রিত হবে।

O you who believe! When you hold secret counsel, do it not for

sin and wrong-doing, and disobedience towards the Messenger (Muhammad SAW) but do it for Al-Birr (righteousness) and Taqwa (virtues and piety); and fear ALLAAHU ﷻ unto Whom you shall be gathered.

ऐ ईमान लानेवालो! जब तुम आपस में गुप्त॥ वार्ता करो तो गुनाह और ज़्यादती और रसूल की अवज्ञा की गुप्त वार्ता न करो, बल्कि नेकी और परहेज़गारी के विषय में आपस में एकान्त वार्ता करो। और अल्लाहﷻ का डर रखो, जिसके पास तुम इकट्ठे होगे

/58/9

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING ❖

Al-Mujaadila (58:10)

﷽

إِنَّمَا ٱلنَّجْوَىٰ مِنَ ٱلشَّيْطَٰنِ لِيَحْزُنَ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَلَيْسَ بِضَآرِّهِمْ شَيْـًٔا إِلَّا بِإِذْنِ ٱللَّهِ وَعَلَى ٱللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ ٱلْمُؤْمِنُونَ

سرگوشیاں، پس شیطانی کام ہے جس سے ایمان داروں کو رنج (بری) پہنچے۔ گو أللہ تعالیٰ کی اجازت کے بغیر وہ انہیں کوئی نقصان نہیں پہنچا سکتا۔ اور ایمان والوں کو چاہئے کہ أللہ ہی پر بھروسہ رکھیں

এই কানাঘুষা তো শয়তানের কাজ; মুমিনদেরকে দুঃখ দেয়ার দেয়ার জন্যে। তবে আল্লাহর ﷻ অনুমতি ব্যতীত সে তাদের কোন ক্ষতি করতে পারবে না। মুমিনদের উচিত আল্লাহর ﷻ উপর ভরসা করা।

Secret counsels (conspiracies) are only from Shaitan (Satan), in order that he may cause grief to the believers. But he cannot harm them in the least, except as Allah permits, and in ALLAAHU ﷻ swt let the believers put their trust.

वह कानाफूसी तो केवल शैतान की ओर से है, ताकि वह उन्हें ग़म में डाले जो ईमान लाए है। हालाँकि अल्लाह ﷻ की अवज्ञा के बिना उसे कुछ भी

हानि पहुँचाने की सामर्थ्य प्राप्त नहीं। और ईमानवालों को तो अल्लाह ही

पर भरोसा रखना चाहिए

/58/10

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ ❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤ إِذَا قِيلَ لَكُمْ تَفَسَّحُوا۟ فِى ٱلْمَجَٰلِسِ

فَٱفْسَحُوا۟;;;;**তোমাদেরকে বলা হয়ঃ মজলিসে স্থান প্রশস্ত করে দাও, তখন তোমরা স্থান প্রশস্ত করে দিও। ;;;;MAKE ROOM FOR OTHERS AT GATHERINGS (58:11);;; جب تم سے کہا جائے کہ مجلسوں میں ذرا کشادگی پیدا کرو تو تم جگہ کشادہ کر دو ;;;; మజాలిసు-సభలలో ఇతరులకై స్థానం కల్పించు-;;; जब तुमसे कहा जाए कि मजलिसों में जगह कुशादा कर दे, तो कुशादगी पैदा कर दो;;;**

Al-Mujaadila (58:11)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ إِذَا قِيلَ لَكُمْ تَفَسَّحُواْ فِي ٱلْمَجَٰلِسِ فَٱفْسَحُواْ يَفْسَحِ ٱللَّهُ لَكُمْ وَإِذَا قِيلَ ٱنشُزُواْ فَٱنشُزُواْ يَرْفَعِ ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ مِنكُمْ وَٱلَّذِينَ أُوتُواْ ٱلْعِلْمَ دَرَجَٰتٍ وَٱللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ

اے مسلمانو! جب تم سے کہا جائے کہ مجلسوں میں ذرا کشادگی پیدا کرو تو تم جگہ کشادہ کر دو للہ تمہیں کشادگی دے گا، اور جب کہا جائے کہ اٹھ کھڑے ہو جاؤ تو تم اٹھ کھڑے ہو جاؤ أللہ تعالیٰ تم میں سے ان لوگوں کے جو ایمان لائے ہیں اور جو علم دیئے گئے ہیں درجے بلند کر دے گا، اور أللہ تعالیٰ (ہر اس کام سے) جو تم کر رہے ہو (خوب) خبردار ہے

মুমিনগণ, যখন তোমাদেরকে বলা হয়ঃ মজলিসে স্থান প্রশস্ত করে দাও, তখন তোমরা স্থান প্রশস্ত করে দিও। আল্লাহরﷻ জন্যে তোমাদের জন্য প্রশস্ত করে দিবেন। যখন বলা হয়ঃ উঠে যাও, তখন উঠে যেয়ো। তোমাদের মধ্যে যারা ঈমানদার এবং যারা জ্ঞানপ্রাপ্ত, আল্লাহﷻ তাদের

মর্যাদা উচ্চ করে দিবেন। আল্লাহ খবর রাখেন যা কিছু তোমরা কর।

*O you who believe! When you are told to make room in the assemblies, (spread out and) make room. **Allaahu. swt** will give you (ample) room (from His Mercy). And when you are told to rise up [for prayers, Jihad (holy fighting in **Allaahu. swt** 's Cause), or for any other good deed], rise up. **Allaahu. swt** will exalt in degree those of you who believe, and those who have been granted knowledge. And **Allaahu. swt** is Well-Acquainted with what you do.*

ऐ ईमान लानेवालो! जब तुमसे कहा जाए कि मजलिसों में जगह कुशादा कर दे, तो कुशादगी पैदा कर दो। अल्लाह तुम्हारे लिए कुशादगी पैदा करेगा। और जब कहा जाए कि उठ जाओ, तो उठ जाया करो। तुममें से जो लोग ईमान लाए है और उन्हें ज्ञान प्रदान किया गया है, अल्लाह उनके दरजों को उच्चता प्रदान करेगा। जो कुछ तुम करते हो अल्लाह उसकी पूरी ख़बर

Al-Qalam (68:4)ﷺ

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمده) اخلق پر ہے

रखता है

/58/11

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُم◤;;;

তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং নিজেরা নিজেদেরকে ভুলে যাও, ;;;

Preaching only,but not practicing;;; کیا لوگوں کو بھلائیوں کا حکم کرتے ہو؟ اور خود اپنے آپ کو بھول جاتے ہو ;;;సగినాలుబలికే బల్లి కుడితోబడేనట- ;;;क्या तुम लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो और अपने आपको भूल जाते हो, ;;;

Al-Baqara (2:44)

ﷺ

أَتَأْمُرُونَ ٱلنَّاسَ بِٱلْبِرِّ وَتَنسَوْنَ أَنفُسَكُمْ وَأَنتُمْ تَتْلُونَ

Al-Qalam (68:3)ﷺ

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

ٱلْكِتَٰبَ أَفَلَا تَعْقِلُونَ

کیا لوگوں کو بھلائیوں کا حکم کرتے ہو؟ اور خود اپنے آپ کو بھول جاتے ہو باوجودیکہ تم کتاب پڑھتے ہو، کیا اتنی بھی تم میں سمجھ نہیں؟

তোমরা কি মানুষকে সৎকর্মের নির্দেশ দাও এবং নিজেরা নিজেদেরকে ভুলে যাও, অথচ তোমরা কিতাব পাঠ কর? তবুও কি তোমরা চিন্তা কর না?

Enjoin you Al-Birr (piety and righteousness and each and every act of obedience to ALLAAHU ﷻ) on the people and you forget (to practise it) yourselves, while you recite the Scripture [the Taurat (Torah)]! Have you then no sense?

क्या तुम लोगों को तो नेकी और एहसान का उपदेश देते हो और अपने आपको भूल जाते हो, हालाँकि तुम किताब भी पढ़ते हो? फिर क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?

/2/44/

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤DON'T ASK FOR REPAYMENT FOR FAVOURS (76:9)

AL-INSAAN (76:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّمَا نُطْعِمُكُمْ لِوَجْهِ ٱللَّهِ لَا نُرِيدُ مِنكُمْ جَزَآءً وَلَا شُكُورًا

ہم تو تمہیں صرف أللہ تعالیٰ کی رضامندی کے لیے کھلتے ہیں نہ تم سے بدلہ چاہتے ہیں نہ شکر گزاری

তারা বলেঃ কেবল আল্লাহর ﷻ সন্তুষ্টির জন্যে আমরা তোমাদেরকে আহার্য দান করি এবং তোমাদের কাছে কোন প্রতিদান ও কৃতজ্ঞতা কামনা করি না।

(MUSLIMS SAY ---): "**WE FEED YOU(PEOPLE) SEEKING ALLAAHU ﷻ S COUNTENANCE ONLY. WE WISH FOR NO REWARD, NOR THANKS FROM YOU.**

"हम तो केवल अल्लाह ﷻ की प्रसन्नता के लिए तुम्हें खिलाते है, तुमसे न कोई बदला चाहते है और न कृतज्ञता ज्ञापन

/76/9

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

◤DON'T FROWN, TURN AWAY OR NEGLECT

THOSE WHO COME TO YOU (80:10)

Abasa (80:1)

ﷺ

عَبَسَ وَتَوَلَّىٰٓ

وہ ترش رو ہوا اور منھ موڑ لیا

তিনি ভ্রূকুঞ্চিত করলেন এবং মুখ ফিরিয়ে নিলেন।

(The Prophet (Peace be upon him)) frowned and turned away,(from a blind visitor)

उसने त्योरी चढ़ाई और मुँह फेर लिया,

/80/1

Abasa (80:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَأَنتَ عَنْهُ تَلَهَّىٰ

تو اس سے بےرخی برتتا ہے

আপনি তাকে অবজ্ঞা করলেন।

Of him you are neglectful and divert your attention to another,

तो तू उससे बेपरवाई करता है

✣ IT’S ALLAAHU SWT. COMMANDING✣

هل تُحِبُّونَ ٱللَّه؟;;; বলুন, যদি তোমরা আল্লাহকে ভালবাস, তাহলে;;;Hal TuHibbu Allaahu ألله?. ہو رکھتے محبت سے تعالیٰ;;అల్లాహు యెడల ముహబ్బతు-వుంటే రసూలు,స.అ.స.గారి వెంటపోవలే! బుజ్-రోగులవెంటకాదు; సుమీ!; अल्लाह से मुहब्बत प्रेम करते हो तो नबी का अनुसरण करो;;;

Aal-i-Imraan (3:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِن كُنتُمْ تُحِبُّونَ ٱللَّهَ فَٱتَّبِعُونِى يُحْبِبْكُمُ ٱللَّهُ وَيَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ وَٱللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

کہہ دیجئے! اگر تم أللہ تعالیٰ سے محبت رکھتے ہو تو میری تابعداری کرو، خود اد أللہ تعالیٰ تم سے محبت کرے گا اور تمہارے گناہ معاف فرما دے گا اور إللہ تعالیٰ بڑا بخشنے والا مہربان ہے

বলুন, যদি তোমরা আল্লাহকেﷻ ভালবাস, তাহলে আমাকে অনুসরণ কর, যাতে আল্লাহﷻ ও তোমাদিগকে ভালবাসেন এবং তোমাদিগকে তোমাদের পাপ মার্জনা করে দেন। আর আল্লাহﷻ হলেন ক্ষমাকারী দয়ালু।

Say (O Muhammad SAW to mankind): "If you (really) love ALLAAHUﷻswt. then follow me (i.e. accept Islamic Monotheism, follow the Quran and the Sunnah), ALLAAHUﷻswt will love you and forgive you of your sins. And ALLAAHUﷻswt is Oft-Forgiving, Most Merciful."

कह दो, "यदि तुम अल्लाह से

मुहब्बत ~~प्रेम~~ करते हो तो मेरा अनुसरण करो, अल्लाह भी तुमसे प्रेम करेगा और तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर देगा। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है।"

/3/31

◤❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

An-Nisaa (4:65)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَا وَرَبِّكَ لَا يُؤْمِنُونَ حَتَّىٰ يُحَكِّمُوكَ فِيمَا شَجَرَ بَيْنَهُمْ ثُمَّ لَا يَجِدُوا۟ فِىٓ أَنفُسِهِمْ حَرَجًا مِّمَّا قَضَيْتَ وَيُسَلِّمُوا۟ تَسْلِيمًا

سو قسم ہے تیرے پروردگار کی! یہ مومن نہیں ہو سکتے، جب تک کہ تمام آپس کے اختلف میں آپ کو حاکم نہ مان لیں، پھر جو فیصلے آپ ان میں کر دیں ان سے اپنے دل میں اور کسی طرح کی تنگی اور ناخوشی نہ پائیں اور فرمانبرداری کے ساتھ قبول کر لیں

অতএব, তোমার পালনকর্তার কসম, সে লোক ঈমানদার হবে না, যতক্ষণ না তাদের মধ্যে সৃষ্ট বিবাদের ব্যাপারে তোমাকে ন্যায়বিচারক বলে মনে না করে। অতঃপর তোমার মীমাংসার ব্যাপারে নিজের মনে কোন রকম সংকীর্ণতা পাবে না এবং তা হৃষ্টচিত্তে কবুল করে নেবে।

BUT NO, BY YOUR LORD, THEY CAN HAVE NO FAITH, UNTIL THEY MAKE YOU (O MUHAMMAD SAW) JUDGE IN ALL DISPUTES BETWEEN THEM, AND FIND IN THEMSELVES NO RESISTANCE AGAINST YOUR

DECISIONS, AND ACCEPT (THEM) WITH FULL SUBMISSION.

तो तुम्हें तुम्हारे रब की कसम! ये ईमानवाले नहीं हो सकते जब तक कि अपने आपस के झगड़ो में ये तुमसे फ़ैसला न कराएँ। फिर जो फ़ैसला तुम कर दो, उसपर ये अपने दिलों में कोई तंगी न पाएँ और पूरी तरह मान ले

/4/65

◤❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

وَمَآ ءَاتَىٰكُمُ ٱلرَّسُولُ فَخُذُوهُ وَمَا نَهَىٰكُمْ عَنْهُ فَٱنتَهُوا;;; **রসূল তোমাদেরকে যা দেন, তা গ্রহণ কর এবং;;; WHATSOEVER THE MESSENGER (MUHAMMAD SAW) GIVES YOU, TAKE IT;;; تمہیں**

جو کچھ رسول دے لے لو، اور ;;; రసూలు,సఅస-గారు చేయమన్నవి చేయాలె...;;; रसूल जो कुछ तुम्हें दे उसे ले लो और ;;;

Al-Hashr (59:7)

ﷻ....

وَمَآ ءَاتَىٰكُمُ ٱلرَّسُولُ فَخُذُوهُ وَمَا نَهَىٰكُمْ عَنْهُ فَٱنتَهُوا۟ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ إِنَّ ٱللَّهَ شَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

اور تمہیں جو کچھ رسول دے لے لو، اور جس سے روکے ...... رک جاؤ اور أللہ تعالیٰ سے ڈرتے رہا کرو، یقیناً أللہ تعالیٰ سخت عذاب والا ہے

.... রসূল তোমাদেরকে যা দেন, তা গ্রহণ কর এবং যা নিষেধ করেন, তা থেকে বিরত থাক এবং আল্লাহALLAAHUﷻকে ভয় কর। নিশ্চয় আল্লাহﷻ কঠোর শাস্তিদাতা।

.... And whatsoever the Messenger (Muhammad SAW) gives you, take it, and whatsoever he forbids you, abstain (from it), and fear ALLAAHU. Verily, ALLAAHU is Severe in punishment.

... - रसूल जो कुछ तुम्हें दे उसे ले लो और जिस चीज़ से तुम्हें रोक दे उससे रुक जाओ, और अल्लाह का डर रखो। निश्चय ही अल्लाह की यातना बहुत कठोर है। -

/59/7

❖ IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

وَيَنْهَىٰ عَنِ ٱلْفَحْشَآءِ وَٱلْمُنكَرِ وَٱلْبَغْىِ ;;;

তিনি অশ্লীলতা, অসঙ্গত কাজ এবং অবাধ্যতা করতে বারণ করেন।;;;Allaahu swt enjoins Al-Adl ...and forbids

alfawahisha ,almunkar wal baghyi ;;;

ناشائستہ حرکتوں اور ظلم وزیادتی سے روکتا ہے

;;; సిగ్గు మాలిన పనులు,చెడ్డ,తిరగబడటం ;;;

अश्लीलता, बुराई और सरकशी से रोकता है।

An-Nahl (16:90)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱللَّهَ يَأْمُرُ بِٱلْعَدْلِ وَٱلْإِحْسَٰنِ وَإِيتَآئِ ذِى ٱلْقُرْبَىٰ وَيَنْهَىٰ عَنِ ٱلْفَحْشَآءِ وَٱلْمُنكَرِ وَٱلْبَغْىِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُونَ

اللہ تعالیٰ عدل کا، بھلئی کا اور قرابت داروں کے ساتھ سلوک کرنے کا حکم دیتا ہے اور بےحیائی کے کاموں، ناشائستہ حرکتوں اور ظلم وزیادتی سے روکتا ہے، وہ خود تمہیں نصیحتیں کر رہا ہے کہ تم نصیحت حاصل کرو

আল্লাহ ন্যায়পরায়ণতা, সদাচরণ এবং আত্নীয়-স্বজনকে দান করার আদেশ দেন এবং তিনি অশ্লীলতা, অসঙ্গত কাজ এবং অবাধ্যতা করতে বারণ করেন। তিনি তোমাদের উপদেশ দেন যাতে তোমরা স্মরণ রাখ।

Verily, Allaahu.swt enjoins Al-Adl (i.e. justice and worshipping none but Allaahu.swt Alone - Islamic Monotheism) and Al-Ihsan [i.e. to be patient in performing your duties to Allaahu.swt, totally for Allaahu.swt 's sake and in accordance with the Sunnah (legal ways) of the Prophet SAW in a perfect manner], and giving (help) to kith and kin (i.e. all that Allaahu.swt has ordered you to give them e.g., wealth, visiting, looking after them, or any other kind of help, etc.): and forbids Al-Fahsha' (i.e. all evil deeds, e.g. illegal sexual acts, disobedience of parents, polytheism, to tell lies, to give false witness, to kill a life without right, etc.), and Al-Munkar (i.e. all that is prohibited by

Islamic law: polytheism of every kind, disbelief and every kind of evil deeds, etc.), and Al-Baghy (i.e. all kinds of oppression), He admonishes you, that you may take heed.

निश्चय ही अल्लाहﷻ न्याय का और भलाई का और नातेदारों को (उनके हक़) देने का आदेश देता है और अश्लीलता, बुराई और सरकशी से रोकता है। वह तुम्हें नसीहत करता है, ताकि तुम ध्यान दो/16/90

▁▃▅▇█◤❖ IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

Aal-i-Imraan (3:104)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلْتَكُن مِّنكُمْ أُمَّةٌ يَدْعُونَ إِلَى ٱلْخَيْرِ وَيَأْمُرُونَ بِٱلْمَعْرُوفِ وَيَنْهَوْنَ عَنِ ٱلْمُنكَرِ وَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ

ٱلۡمُفۡلِحُونَ

تم میں سے ایک جماعت ایسی ہونی چاہئے جو بھلئی کی طرف بلئے اور نیک کاموں کا حکم کرے اور برے کاموں سے روکے، اور یہی لوگ فلح ونجات پانے والے ہیں

আর তোমাদের মধ্যে এমন একটা দল থাকা উচিত যারা আহবান জানাবে সৎকর্মের প্রতি, নির্দেশ দেবে ভাল কাজের এবং বারণ করবে অন্যায় কাজ থেকে, আর তারাই হলো সফলকাম।

Let there arise out of you a group of people inviting to all that is good (Islam), enjoining Al-Ma'ruf (i.e. Islamic Monotheism and all that Islam orders one to do) and forbidding Al-Munkar (polytheism and disbelief and all that Islam has forbidden). And it is they who are the

successful.

और तुम्हें एक ऐसे समुदाय का रूप धारण कर लेना चाहिए जो नेकी की ओर बुलाए और भलाई का आदेश दे और बुराई से रोके। यही सफलता प्राप्त करनेवाले लोग है

/3/104

▁▃▅█❖ IT’S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

◤

تَجْتَنِبُوا۟ كَبَآئِرَ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ;; যদি তোমরা সেসব বড় গোনাহ গুলো থেকে বেঁচে থাকতে পার ;; ;; بڑے گناہوں سے بچتے رہوگے ;; If you avoid the forbidden great sins ,you will .... ;; కబాఇరు దోషాలు ;; तुम उन बड़े गुनाहों से बचते रहो,

An-Nisaa (4:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِن تَجْتَنِبُوا۟ كَبَآئِرَ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ نُكَفِّرْ عَنكُمْ سَيِّـَٔاتِكُمْ وَنُدْخِلْكُم مُّدْخَلًا كَرِيمًا

اگر تم ان بڑے گناہوں سے بچتے رہوگے جن سے تم کو منع کیا جاتا ہے تو ہم تمہارے چھوٹے گناہ دور کر دیں گے اور عزت وبزرگی کی جگہ داخل کریں گے

যেগুলো সম্পর্কে তোমাদের নিষেধ করা হয়েছে যদি তোমরা সেসব বড় গোনাহ গুলো থেকে বেঁচে থাকতে পার। তবে আমি তোমাদের ক্রটি-বিচ্যুতিগুলো ক্ষমা করে দেব এবং সম্মান জনক স্থানে তোমাদের প্রবেশ করার।

If you avoid the great sins which you are forbidden to do, We shall remit from you your (small) sins, and admit you to a Noble Entrance (i.e. Paradise).

यदि तुम उन बड़े गुनाहों से बचते रहो, जिनसे तुम्हे रोका जा रहा है, तो हम तुम्हारी बुराइयों को तुमसे दूर कर देंगे और तुम्हें प्रतिष्ठित स्थान में प्रवेश कराएँगे

/4/31

●◈◉◇○

AlMaidah.(5:90)

إِنَّمَا ٱلْخَمْرُ وَٱلْمَيْسِرُ وَٱلْأَنصَابُ وَٱلْأَزْلَٰمُ رِجْسٌ مِّنْ عَمَلِ ٱلشَّيْطَٰنِ ;;; **মদ, জুয়া, প্রতিমা এবং ভাগ্য-নির্ধারক শরসমূহ এসব শয়তানের**

...;;;Intoxicants (all kinds of alcoholic drinks), gambling, Al-Ansab, and Al-Azlam (arrows for seeking luck

or decision) are... ;;; شراب اور جوا

اور تھان اور فال نکالنے کے پانسے کے

تیر، یہ سب گندی باتیں، شیطانی ;;; ;;;

शराब और जुआ और शिर्क(देवबँदता-बुतखाने) और पाँसे तो गन्दे शैतानी काम है। ;;;

Al-Maaida (5:90)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِنَّمَا ٱلْخَمْرُ وَٱلْمَيْسِرُ وَٱلْأَنصَابُ وَٱلْأَزْلَٰمُ رِجْسٌ مِّنْ عَمَلِ ٱلشَّيْطَٰنِ فَٱجْتَنِبُوهُ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ

اے ایمان والو! بات یہی ہے کہ شراب اور جوا اور تھان اور فال نکالنے کے پانسے کے تیر، یہ سب گندی باتیں، شیطانی کام ہیں ان سے بالکل الگ رہو تاکہ تم فلح یاب ہو

হে মুমিনগণ, এই যে মদ, জুয়া, প্রতিমা এবং ভাগ্য-নির্ধারক শরসমূহ এসব শয়তানের অপবিত্র কার্য বৈ তো নয়। অতএব, এগুলো থেকে বেঁচে থাক-যাতে তোমরা কল্যাণপ্রাপ্ত হও।

O you who believe! Intoxicants (all kinds of alcoholic drinks), gambling, Al-Ansab, and Al-Azlam (arrows for seeking luck or decision) are an abomination of Shaitan's (Satan) handiwork. So avoid (strictly all) that (abomination) in order that you may be successful.

ऐ ईमान लानेवालो! ये शराब और जुआ और देवबँदता(बुतखाने)और पाँसे तो गन्दे शैतानी काम है। अतः तुम इनसे अलग रहो, ताकि तुम सफल हो

/5/90

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

ٱجْتَنَبُوا۟ ٱلطَّٰغُوتَ أَن يَعْبُدُوهَا وَأَنَابُوٓا۟ ;;; যারা শয়তানী শক্তির পুজা-অর্চনা থেকে দূরে থাকে এবং আল্লাহ অভিমুখী হয়, ;; Those who avoid At-Taghut (false deities) by not worshipping them and turn to Allah in repentance, ;;;; طاغوت کی عبادت سے پرہیز کیا اور (ہمہ تن) أللہ تعالیٰ کی طرف متوجہ ;; మిధ్యాదైవాలను వదలి తౌబచేసుకోవటం ;;तागूत को छोडके अल्लाह की ओर रुजू हो ;;;;

Az-Zumar (39:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ ٱجْتَنَبُوا۟ ٱلطَّٰغُوتَ أَن يَعْبُدُوهَا وَأَنَابُوٓا۟

إِلَى ٱللَّهِ لَهُمُ ٱلْبُشْرَىٰ فَبَشِّرْ عِبَادِ

اور جن لوگوں نے طاغوت کی عبادت سے پرہیز کیا اور (ہمہ تن) اللہ تعالیٰ کی طرف متوجہ رہے وہ خوش خبری کے مستحق ہیں، میرے بندوں کو خوشخبری سنا دیجئے

যারা শয়তানী শক্তির পূজা-অর্চনা থেকে দূরে থাকে এবং আল্লাহ ﷻ অভিমুখী হয়, তাদের জন্যে রয়েছে সুসংবাদ। অতএব, সুসংবাদ দিন আমার বান্দাদেরকে।

Those who avoid At-Taghut (false deities) by not worshipping them and turn to ALLAAHU ﷻ in repentance, for them are glad tidings; so announce the good news to My slaves,

रहे वे लोग जो इससे बचे कि वे तागूत (बढ़े हुए फ़सादी) की बन्दगी करते है और अल्लाह ﷻ की ओर रुजू हुए, उनके लिए शुभ सूचना है।

/39/17

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING

ASH-SHURA (42:37)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ يَجْتَنِبُونَ كَبَٰٓئِرَ ٱلْإِثْمِ وَٱلْفَوَٰحِشَ وَإِذَا مَا غَضِبُواْ هُمْ يَغْفِرُونَ

اور کبیرہ گناہوں سے اور بے حیائیوں سے بچتے ہیں اور غصے کے وقت (بھی) معاف کردیتے ہیں

যারা বড় গোনাহ ও অশ্লীল কার্য থেকে বেঁচে থাকে এবং ক্রোধান্বিত হয়েও ক্ষমা করে,

AND THOSE WHO AVOID THE GREATER SINS, AND AL-FAWAHISH (ILLEGAL SEXUAL INTERCOURSE, ETC.), AND WHEN THEY ARE ANGRY, THEY FORGIVE

जो बड़े-बड़े गुनाहों और अश्लील कर्मों से बचते है और जब उन्हे (किसी पर) क्रोध आता है तो वे क्षमा कर देते हैं;

/42/37

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

وَلَا تَقْرَبُوا۟ ٱلزِّنَىٰٓ ۖ إِنَّهُۥ كَانَ فَٰحِشَةً وَسَآءَ سَبِيلًا

;;;ব্যভিচারের কাছেও যেয়ো না। নিশ্চয় এটা অশ্লীল কাজ ;;; come not near to the

unlawful sexual intercourse. Verily, it is a Fahishah ;;; زنا کے قریب بھی نہ پھٹکنا کیوں کہ وہ بڑی بےحیائی ہے ;;; లంజరికం-అద్దతిరుగుళ్ళు-గొప్పకబాఇరు నేరం-మసినుసిబసౌతార్- ;;; व्यभिचार के निकट न जाओ। वह एक अश्लील कर्म ;;;

Al-Israa (17:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَقْرَبُوا۟ ٱلزِّنَىٰٓ ۖ إِنَّهُۥ كَانَ فَٰحِشَةً وَسَآءَ سَبِيلًا

خبردار زنا کے قریب بھی نہ پھٹکنا کیوں کہ وہ بڑی بےحیائی ہے اور بہت ہی بری راہ ہے

আর ব্যভিচারের কাছেও যেয়ো না। নিশ্চয় এটা অশ্লীল কাজ এবং মন্দ পথ।

AND COME NOT NEAR TO THE UNLAWFUL SEXUAL INTERCOURSE. VERILY, IT IS A FAHISHAH [I.E. ANYTHING THAT TRANSGRESSES ITS LIMITS (A GREAT SIN)], AND AN EVIL WAY (THAT LEADS ONE TO HELL UNLESS ALLAAHU.SWT FORGIVES HIM).

और व्यभिचार के निकट न जाओ। वह एक अश्लील कर्म और बुरा मार्ग है

r/17/32

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

Al-An'aam (6:151)

قُلْ تَعَالَوْا۟ أَتْلُ مَا حَرَّمَ رَبُّكُمْ عَلَيْكُمْ أَلَّا تُشْرِكُوا۟

بِهِۦ شَيْـًٔا وَبِٱلْوَٰلِدَيْنِ إِحْسَٰنًا وَلَا تَقْتُلُوٓا۟ أَوْلَٰدَكُم مِّنْ إِمْلَٰقٍ نَّحْنُ نَرْزُقُكُمْ وَإِيَّاهُمْ وَلَا تَقْرَبُوا۟ ٱلْفَوَٰحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطَنَ وَلَا تَقْتُلُوا۟ ٱلنَّفْسَ ٱلَّتِى حَرَّمَ ٱللَّهُ إِلَّا بِٱلْحَقِّ ذَٰلِكُمْ وَصَّىٰكُم بِهِۦ لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ

آپ کہیے کہ آؤ میں تم کو وہ چیزیں پڑھ کر سناؤں جن (یعنی جن کی مخالفت) کو تمہارے رب نے تم پر حرام فرما دیا ہے، وہ یہ کہ أللہ کے ساتھ کسی چیز کو شریک مت ٹھہراؤ اور ماں باپ کے ساتھ احسان کرو اور اپنی اولاد کو افلس کے سبب قتل مت کرو۔ ہم تم کو اور ان کو رزق دیتے ہیں اور بے حیائی کے جتنے طریقے ہیں ان کے پاس بھی مت جاؤ خواہ علنیہ ہوں خواہ پوشیدہ، اور جس کا خون کرنا للہ تعالیٰ نے حرام کردیا ہے اس کو قتل مت کرو، ہاں مگر حق کے ساتھ ان کا تم کو تاکیدی حکم دیا ہے تاکہ تم سمجھو

আপনি বলুনঃ এস, আমি তোমাদেরকে ঐসব বিষয় পাঠ করে শুনাই, যেগুলো তোমাদের প্রতিপালক তোমাদের জন্যে হারাম করেছেন। তাএই যে, আল্লাহর সাথে কোন কিছুকে অংশীদার করো না, পিতা-মাতার সাথে সদয় ব্যবহার করো স্বীয় সন্তানদেরকে দারিদ্রে?480; কারণে হত্যা করো না, আমি তোমাদেরকে ও তাদেরকে আহার দেই, নির্লজ্জতার কাছেও যেয়ো না, প্রকাশ্য হোক কিংবা অপ্রকাশ্য, যাকে হত্যা করা আল্লাহﷻ হারাম করেছেন, তাকে হত্যা করো না; কিন্তু ন্যায়ভাবে। তোমাদেরকে এ নির্দেশ দিয়েছেন, যেন তোমরা বুঝ।

Say (O Muhammad SAW): "Come, I will recite what your Lord has prohibited you from: Join not anything in worship with Him; be good and dutiful to your parents; kill not your children because of poverty - We provide sustenance for you and for them; come not near to Al-Fawahish (shameful sins, illegal sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly, and kill not anyone whom ALLAAHUﷻ has forbidden, except for

a just cause (according to Islamic law). This He has commanded you that you may understand.

कह दो, "आओ, मैं तुम्हें सुनाऊँ कि तुम्हारे रब ने तुम्हारे ऊपर क्या पाबन्दियाँ लगाई है: यह कि किसी चीज़ को उसका साझीदार न ठहराओ और माँ-बाप के साथ सद्व्य वहार करो और निर्धनता के कारण अपनी सन्तान की हत्या न करो; हम तुम्हें भी रोज़ी देते है और उन्हें भी। और अश्लील बातों के निकट न जाओ, चाहे वे खुली हुई हों या छिपी हुई हो। और किसी जीव की, जिसे अल्लाहﷻ ने आदरणीय ठहराया है, हत्या न करो। यह और बात है कि हक़ के लिए ऐसा करना पड़े। ये बाते है, जिनकी ताकीद उसने तुम्हें की है, शायद कि तुम बुद्धि से काम लो।

/6/151

●◈◉◆◇⁘

IT،S ALLAAHU SWT. COMMANDING⁘

;;ٱلْمَحِيضِ;أَذًى هُوَ;;; হায়েয (ঋতু) সম্পর্কে। ;এটা

অশুচি;;;;MENSTRUATION IS AN ADHA (A HARMFUL THING);;;;،

حیض گندگی ہے;;;;బహిష్టు ఓ మైల-;దానికి దూరం మంచిది- పీచేకా కామ్ మనఅ;;;;मासिक-धर्म एक तकलीफ़ और गन्दगी की चीज़

AL-BAQARA (2:222)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَسْـَٔلُونَكَ عَنِ ٱلْمَحِيضِ قُلْ هُوَ أَذًى فَٱعْتَزِلُوا۟ ٱلنِّسَآءَ فِى ٱلْمَحِيضِ وَلَا تَقْرَبُوهُنَّ حَتَّىٰ يَطْهُرْنَ فَإِذَا تَطَهَّرْنَ فَأْتُوهُنَّ مِنْ حَيْثُ أَمَرَكُمُ ٱللَّهُ إِنَّ ٱللَّهَ يُحِبُّ ٱلتَّوَّٰبِينَ وَيُحِبُّ ٱلْمُتَطَهِّرِينَ

آپ سے حیض کے بارے میں سوال کرتے ہیں، کہہ دیجیئے کہ وہ گندگی ہے، حالت حیض میں عورتوں سے الگ رہو اور جب تک وہ پاک نہ ہوجائیں ان کے

قریب نہ جاؤ، ہاں جب وہ پاک ہوجائیں تو ان کے پاس جاؤ جہاں سے أللہ نے تمہیں اجازت دی ہے، أللہ توبہ کرنے والوں کو اور پاک رہنے والوں کو پسند فرماتا ہے

আর তোমার কাছে জিজ্ঞেস করে হায়েয (ঋতু) সম্পর্কে। বলে দাও, এটা অশুচি। কাজেই তোমরা হায়েয অবস্থায় স্ত্রীগমন থেকে বিরত থাক। তখন পর্যন্ত তাদের নিকটবর্তী হবে না, যতক্ষণ না তারা পবিত্র হয়ে যায়। যখন উত্তম রূপে পরিশুদ্ধ হয়ে যাবে, তখন গমন কর তাদের কাছে, যেভাবে আল্লাহ ﷻ তোমাদেরকে হুকুম দিয়েছেন। নিশ্চয়ই আল্লাহ ﷻ তওবাকারী এবং অপবিত্রতা থেকে যারা বেঁচে থাকে তাদেরকে পছন্দ করেন।

THEY ASK YOU CONCERNING MENSTRUATION. SAY: THAT IS AN ADHA (A HARMFUL THING FOR A HUSBAND TO HAVE A SEXUAL INTERCOURSE WITH HIS WIFE WHILE SHE IS HAVING HER MENSES), THEREFORE KEEP

AWAY FROM WOMEN DURING MENSES AND GO NOT UNTO THEM TILL THEY HAVE PURIFIED (FROM MENSES AND HAVE TAKEN A BATH). AND WHEN THEY HAVE PURIFIED THEMSELVES, THEN GO IN UNTO THEM AS ALLAH HAS ORDAINED FOR YOU (GO IN UNTO THEM IN ANY MANNER AS LONG AS IT IS IN THEIR VAGINA). TRULY, ALLAAHU.SWT, LOVES THOSE WHO TURN UNTO HIM IN REPENTANCE AND LOVES THOSE WHO PURIFY THEMSELVES (BY TAKING A BATH AND CLEANING AND WASHING THOROUGHLY THEIR PRIVATE PARTS, BODIES, FOR THEIR PRAYERS, ETC.).

मासिक-धर्म एक तकलीफ़ और गन्दगी की चीज़

और वे तुमसे मासिक-धर्म के विषय में पूछते है। कहो, "वह एक तकलीफ़ और गन्दगी की चीज़ है। अतः मासिक-धर्म के दिनों में स्त्रियों से अलग रहो और उनके पास न जाओ, जबतक कि वे पाक-साफ़ न हो जाएँ। फिर जब वे भली-भाँति पाक-साफ़ हो जाए, तो जिस प्रकार अल्लाहﷻ ने तुम्हें बताया है, उनके पास आओ। निस्संदेह अल्लाह बहुत तौबा करनेवालों को पसन्द करता है और वह उन्हें पसन्द करता है जो स्वच्छता को पसन्द

/2/222

●◈◉◆◇⁘

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING⁘

لَا تَقْرَبُوا۟ ٱلصَّلَوٰةَ وَأَنتُمْ سُكَٰرَىٰ;;; তোমরা যখন নেশাগ্রস্ত থাক, তখন সালাতের (~~নামাযের~~) ধারে-কাছেও যেওনা ;;; APPROACH NOT AS-SALAT (THE PRAYER) WHEN YOU ARE IN A DRUNKEN STATE UNTIL;;; ;; **تم نشے میں مست ہو نماز کے قریب بھی نہ جاؤ ;;;తాగినవిషాలో (~~నిమాజునమాజులు~~) సలాతులు చేయరాదు- నీల్లు బోసుకోనే వరకూ;; नशे की दशा में (~~नमाज़~~) सलात में व्यस्त न हो, ;;;**

AN-NISAA (4:43)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَقْرَبُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَأَنتُمْ سُكَٰرَىٰ حَتَّىٰ تَعْلَمُواْ مَا تَقُولُونَ وَلَا جُنُبًا إِلَّا عَابِرِى سَبِيلٍ حَتَّىٰ تَغْتَسِلُواْ وَإِن كُنتُم مَّرْضَىٰٓ أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ أَوْ جَآءَ أَحَدٌ مِّنكُم مِّنَ ٱلْغَآئِطِ أَوْ لَٰمَسْتُمُ ٱلنِّسَآءَ فَلَمْ تَجِدُواْ مَآءً فَتَيَمَّمُواْ صَعِيدًا طَيِّبًا فَٱمْسَحُواْ بِوُجُوهِكُمْ وَأَيْدِيكُمْ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ عَفُوًّا غَفُورًا

اے ایمان والو! جب تم نشے میں مست ہو نماز کے قریب بھی نہ جاؤ، جب تک کہ اپنی بات کو سمجھنے نہ لگو اور جنابت کی حالت میں جب تک کہ غسل نہ کر لو، ہاں اگر راہ چلتے گزر جانے والے ہو تو اور بات ہے اور اگر تم بیمار ہو یا سفر میں ہو یا تم میں سے کوئی قضائے حاجت سے آیا ہو یا تم نے عورتوں سے مباشرت کی ہو اور تمہیں پانی نہ ملے تو پاک مٹی کا قصد کرو اور اپنے منھ اور اپنے ہاتھ مل لو۔ بے شک ألله تعالیٰ معاف کرنے والا، بخشنے والا ہے

হে ঈমাণদারগণ! তোমরা যখন নেশাগ্রস্ত থাক, তখন সালাতের ~~নামাযের~~ ধারে-কাছেও যেওনা, যতক্ষণ না বুঝতে সক্ষম হও যা কিছু তোমরা বলছ, আর (নামাযের কাছে যেও না) ফরয গোসলের আবস্থায়ও যতক্ষণ না গোসল করে নাও। কিন্তু মুসাফির অবস্থার কথা স্বতন্ত্র আর যদি তোমরা অসুস্থ হয়ে থাক কিংবা সফরে থাক অথবা তোমাদের মধ্য থেকে কেউ যদি প্রস্রাব-পায়খানা থেকে এসে থাকে কিংবা নারী গমন করে থাকে, কিন্তু পরে যদি পানিপ্রাপ্তি সম্ভব না হয়, তবে পাক-পবিত্র মাটির দ্বারা তায়াম্মুম করে নাও-তাতে মুখমন্ডল ও হাতকে ঘষে নাও। নিশ্চয়ই আল্লাহﷻ তা’আলা ক্ষমাশীল।

O YOU WHO BELIEVE! APPROACH NOT AS-SALAT (THE PRAYER) WHEN YOU ARE IN A DRUNKEN STATE UNTIL YOU KNOW (THE MEANING) OF WHAT YOU UTTER, NOR WHEN YOU ARE IN A STATE OF JANABA, (I.E. IN A STATE OF SEXUAL IMPURITY AND HAVE NOT YET TAKEN A BATH) EXCEPT WHEN TRAVELLING ON THE ROAD (WITHOUT ENOUGH WATER, OR JUST PASSING THROUGH A MOSQUE), TILL YOU WASH YOUR WHOLE BODY. AND IF YOU ARE ILL, OR ON A JOURNEY, OR ONE OF YOU COMES AFTER ANSWERING THE CALL OF

NATURE, OR YOU HAVE BEEN IN CONTACT WITH WOMEN (BY SEXUAL RELATIONS) AND YOU FIND NO WATER, PERFORM TAYAMMUM WITH CLEAN EARTH AND RUB THEREWITH YOUR FACES AND HANDS (TAYAMMUM). TRULY, ALLAAH IS EVER OFT-PARDONING, OFT-FORGIVING.

ऐ ईमान लानेवालो! नशे की दशा में ~~नमाज़~~ सलात में व्यस्त न हो, जब तक कि तुम यह न जानने लगो कि तुम क्या कह रहे हो। और इसी प्रकार नापाकी की दशा में भी (सलात ~~नमाज़~~ में व्यस्त न हो), जब तक कि तुम स्नान न कर लो, सिवाय इसके कि तुम सफ़र में हो। और यदि तुम बीमार हो या सफ़र में हो, या तुममें से कोई शौच करके आए या तुमने स्त्रियों को हाथ लगाया हो, फिर तुम्हें पानी न मिले, तो पाक मिट्टी से काम लो और उसपर हाथ मारकर अपने चहरे और हाथों पर मलो। निस्संदेह अल्लाह नर्मी से काम लेनेवाला, अत्यन्त क्षमाशील है

/4/43

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

وَٱعْتَصِمُوا۟ بِحَبْلِ ٱللَّهِ جَمِيعًا وَلَا تَفَرَّقُوا۟ ;;; তোমরা সকলে আল্লাহর ﷻ রজ্জুকে সুদৃঢ় হস্তে ধারণ কর; পরস্পর বিচ্ছিন্ন হয়ো না।;;;And hold fast, all of you together, to the Rope of Allah ﷻ (i.e. this Quran), and be not divided among yourselves;;;

تعالیٰ کی رسی کو سب مل کر مضبوط تھام لو اور پھوٹ نہ ڈالو;;;;- ఇస్లాం-హబల్-తాటిని గట్టిగపట్టుకొంటేనే జన్నతు సాధ్యం.-డేగబందు-బుజ్రోగ్-రొబొందలలా విడిపోరాదు- **;;;;सब मिलकर अल्लाह ﷻ की रस्सी को मज़बूती से पकड़ लो और विभेद में न पड़ो। ;;;**

Aal-i-Imraan (3:103)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱعْتَصِمُوا۟ بِحَبْلِ ٱللَّهِ جَمِيعًا وَلَا تَفَرَّقُوا۟
وَٱذْكُرُوا۟ نِعْمَتَ ٱللَّهِ عَلَيْكُمْ إِذْ كُنتُمْ أَعْدَآءً فَأَلَّفَ

بَيْنَ قُلُوبِكُمْ فَأَصْبَحْتُم بِنِعْمَتِهِۦٓ إِخْوَٰنًا وَكُنتُمْ عَلَىٰ شَفَا حُفْرَةٍ مِّنَ ٱلنَّارِ فَأَنقَذَكُم مِّنْهَا كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمْ ءَايَٰتِهِۦ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ

أللہ تعالیٰ کی رسی کو سب مل کر مضبوط تھام لو اور پھوٹ نہ ڈالو، اور أللہ تعالیٰ کی اس وقت کی نعمت کو یاد کرو جب تم ایک دوسرے کے دشمن تھے، تو اس نے تمہارے دلوں میں الفت ڈال دی، پس تم اس کی مہربانی سے بھائی بھائی ہوگئے، اور تم آگ کے گڑھے کے کنارے پہنچ چکے تھے تو اس نے تمہیں بچا لیا۔ أللہ تعالیٰ اسی طرح تمہارے لئے اپنی نشانیاں بیان کرتا ہے تاکہ تم ہدایت پاؤ

আর তোমরা সকলে আল্লাহর ﷻ রজ্জুকে সুদৃঢ় হস্তে ধারণ কর; পরস্পর বিচ্ছিন্ন হয়ো না। আর তোমরা সে নেয়ামতের কথা স্মরণ কর, যা আল্লাহ ﷻ তোমাদিগকে দান করেছেন।

তোমরা পরস্পর শত্রু ছিলে। অতঃপর আল্লাহ তোমাদের মনে সম্প্রীতি দান করেছেন। ফলে, এখন তোমরা তাঁর অনুগ্রহের কারণে পরস্পর ভাই ভাই হয়েছ। তোমরা এক অগ্নিকুন্ডের পাড়ে অবস্থান করছিলে। অতঃপর তা থেকে তিনি তোমাদেরকে মুক্তি দিয়েছেন। এভাবেই আল্লাহ নিজের নিদর্শনসমুহ প্রকাশ করেন, যাতে তোমরা হেদায়েত প্রাপ্ত হতে পার।

And hold fast, all of you together, to the Rope of Allaah swt- (i.e. this Quran), and be not divided among yourselves, and remember swt-Allaah's Favour on you, for you were enemies one to another but He joined your hearts together, so that, by His Grace, you became brethren (in Islamic Faith), and you were on the brink of a pit of Fire, and He saved you from it. Thus Allaah swt makes His Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.,) clear to you, that you may be guided.

और सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मज़बूती से पकड़ लो और विभेद में न पड़ो। और अल्लाह की उस कृपा को याद करो जो तुमपर हुई। जब तुम आपस में एक-दूसरे के शत्रु थे तो उसने तुम्हारे दिलों को परस्पर जोड़ दिया और तुम उसकी कृपा से भाई-भाई बन गए। तुम आग के एक गड्ढे के किनारे खड़े थे, तो अल्लाह ने उससे तुम्हें बचा लिया। इस प्रकार अल्लाह तुम्हारे लिए अपनी आयते खोल-खोलकर बयान करता है, ताकि तुम मार्ग पा लो

/3/103

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Aal-i-Imraan (3:105)

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّذِينَ تَفَرَّقُوا۟ وَٱخْتَلَفُوا۟ مِنۢ بَعْدِ مَا

جَآءَهُمُ ٱلْبَيِّنَٰتُ وَأُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ

تم ان لوگوں کی طرح نہ ہو جانا جنہوں نے اپنے پاس روشن دلیلیں آ جانے کے بعد بھی تفرقہ ڈالا، اور اختلف کیا، انہیں لوگوں کے لئے بڑا عذاب ہے

আর তাদের মত হয়ো না, যারা বিচ্ছিন্ন হয়ে গেছে এবং নিদর্শন সমূহ আসার পরও বিরোধিতা করতে শুরু করেছে- তাদের জন্যে রয়েছে ভয়ঙ্কর আযাব।

And be not as those who divided and differed among themselves after the clear proofs had come to them. It is they for whom there is an awful torment.

तुम उन लोगों की तरह न हो जाना जो विभेद में पड़ गए, और इसके पश्चात कि उनके पास खुली निशानियाँ आ चुकी थी, वे विभेद में पड़ गए। ये वही लोग है, जिनके लिए बड़ी (घोर) यातना है। (यह यातना उस दिन होगी)/3/105

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖la tafarraqoo

Ar-Room (30:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

مِنَ ٱلَّذِينَ فَرَّقُواْ دِينَهُمْ وَكَانُواْ شِيَعًا كُلُّ حِزْبٍۭ بِمَا لَدَيْهِمْ فَرِحُونَ

ان لوگوں میں سے جنہوں نے اپنے دین کو ٹکڑے ٹکڑے کر دیا اور خود بھی گروہ گروہ ہوگئے ہر

گروہ اس چیز پر جو اس کے پاس ہے مگن ہے

যারা তাদের ধর্মে বিভেদ সৃষ্টি করেছে এবং অনেক দলে বিভক্ত হয়ে পড়েছে। প্রত্যেক দলই নিজ নিজ মতবাদ নিয়ে উল্লসিত।

Of those who split up their religion (i.e. who left the true Islamic Monotheism), and became sects, [i.e. they invented new things in the religion (Bid'ah), and followed their vain desires], each sect rejoicing in that which is with it.

उन लोगों में से जिन्होंने अपनी दीन (धर्म) को टुकड़े-टुकड़े कर डाला और गिरोहों में बँट गए। हर गिरोह के पास जो कुछ है, उसी में मग्न है

/30/32

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

فَٱسْتَمْسِكْ بِٱلَّذِىٓ أُوحِىَ إِلَيْكَ;;;আপনার প্রতি যে ওহী নাযিল করা হয়, القرءانতা দৃঢ়ভাবে অবলম্বন করুন। ;;; hold you (O Muhammad SAW) fast to that /AlQuraanu/ which is inspired in you. ;;; مضبوط تھامے رہیں قرءان کو;;;'కుర్ఆనును లైఫ్ లైనుగా జేసుకోవలెనని దైవాజ్ఞ ఆయెనే- ఇంక బుజ్-రౌగుల-దరగాతురగాల అవసరమేంటో? ;;; ;उस चीज/القرءان को मज़बूती से थामे रहो जिसकी तुम्हारी ओर प्रकाशना की गई;;;

Az-Zukhruf (43:43)

فَٱسْتَمْسِكْ بِٱلَّذِىٓ أُوحِىَ إِلَيْكَ إِنَّكَ عَلَىٰ صِرَٰطٍ

مُسْتَقِيمٍ

پس جو وحی آپ کی طرف کی گئی ہے اسے مضبوط تھامے رہیں بیشک آپ راہ راست پر ہیں

অতএব, আপনার প্রতি যে ওহী নাযিল করা হয়, তা দৃঢ়ভাবে অবলম্বন করুন। নিঃসন্দেহে আপনি সরল পথে রয়েছেন।

So hold you (O Muhammad SAW) fast to that which is inspired in you. Verily, you are on a Straight Path.

अतः तुम उस चीज़ को मज़बूती से थामे रहो जिसकी तुम्हारी ओर प्रकाशना की गई। निश्चय ही तु सीधे मार्ग पर हो

/43/43

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Luqman (31:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن يُسْلِمْ وَجْهَهُۥٓ إِلَى ٱللَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ فَقَدِ ٱسْتَمْسَكَ بِٱلْعُرْوَةِ ٱلْوُثْقَىٰ ۗ وَإِلَى ٱللَّهِ عَٰقِبَةُ ٱلْأُمُورِ

اور جو (شخص) اپنے آپ کو أللہ کے تابع کردے اور ہو بھی وہ نیکو کار یقیناً اس نے مضبوط کڑا تھام لیا، تمام کاموں کا انجام أللہ کی طرف ہے

যে ব্যক্তি সৎকর্মপরায়ণ হয়ে স্বীয় মুখমন্ডলকে আল্লাহ্‌ অভিমূখী করে, সে এক মজবুত হাতল ধারণ করে, সকল কর্মের পরিণাম আল্লাহর দিকে।

And whosoever submits his face (himself) to Allaahu.swt. [i.e. (follows Allaahu.swt.'s Religion of Islamic Monotheism), worships Allaahu.swt. (Alone) with sincere Faith in the (1) Oneness of His Lordship, (2) Oneness of His worship, and (3) Oneness of His Names and Qualities], while he is a Muhsin (good-doer i.e. performs good deeds totally for Allaahu.swt.'s sake without any show-off or to gain praise or fame etc. and does them in accordance with the Sunnah of Allaahu.swt.'s Messenger Muhammad SAW), then he has grasped the most trustworthy hand-hold [La ilaha ill-Allaahu.swt. (none has the right to be worshipped but Allaahu.swt.)]. And to Allaahu.swt. return all matters for decision.

जो कोई आज्ञाकारिता के साथ अपना रुख़ अल्लाहﷻ की ओर करे, और वह उत्तमकर भी हो तो उसने मज़बूत सहारा थाम लिया। सारे

मामलों की परिणति अल्लाहﷻ ही की ओर है

/31/22

ITʾS ALLAAHU SWT. COMMANDING

Saad (38:39)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

هَٰذَا عَطَاؤُنَا فَامْنُنْ أَوْ أَمْسِكْ بِغَيْرِ حِسَابٍ

یہ ہے ہمارا عطیہ اب تو احسان کر یا روک رکھ، کچھ حساب نہیں

এগুলো আমার অনুগ্রহ, অতএব, এগুলো কাউকে দাও অথবা

নিজে রেখে দাও-এর কোন হিসেব দিতে হবে না।

[Allaahu. swt said to Sulaiman (Solomon)]:

"This is Our gift, so spend you or withhold, no account will be asked."

"यह हमारी बेहिसाब देन है। अब एहसान करो या रोको।"

/38/39

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

فَلَا تَضْرِبُوا۟ لِلَّهِ ٱلْأَمْثَالَ;;; আল্লাহর কোন সদৃশ সাব্যস্ত করো না, ;;;;So put not forward similitudes for Allaahu.swt;;;

پس أللہ تعالیٰ کے لیے مثالیں مت بناؤ;;;;

సాటిలేని మేటి-రబ్బుల్ ఆలమీన్-వారికి పోలికలుకల్పించకు ;;;;अल्लाह ﷻ के लिए मिसालें न घड़ो।;;;;

. An-Nahl (16:74)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَا تَضْرِبُوا۟ لِلَّهِ ٱلْأَمْثَالَ إِنَّ ٱللَّهَ يَعْلَمُ وَأَنتُمْ لَا تَعْلَمُونَ

پس ألله تعالیٰ کے لیے مثالیں مت بناؤ

ألله تعالیٰ خوب جانتا ہے اور تم نہیں جانتے

অতএব, আল্লাহর ﷻ কোন সদৃশ সাব্যস্ত করো না, নিশ্চয় আল্লাহ জানেন এবং তোমরা জান না।

So put not forward similitudes for Allaahu.swt. (as there is nothing similar to Him, nor He resembles anything). Truly! Allaahu.swt. knows and you know not.

अतः अल्लाह के लिए मिसालें न घडो। जानता अल्लाह है, तुम नहीं जानते

/16/74

❖❃❖❃❖❃❖❃❖◊❖❃❖❃❖❃❖❃❖

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

لَيْسَ كَمِثْلِهِ شَيْءٌ ;;; কোন কিছুই আল্লাহর অনুরূপ নয়। ;;;There is nothing like unto Allaahu.swt.;;;اس جیسی کوئی چیز نہیں ;;; అల్లాకు సాటి-దీటి- సదృస్యం;ఏమీ-వుండవు-;; उस अल्लाह.के सदृश कोई चीज़

नहीं। ;;; Ash-Shura (42:11)

فَاطِرُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ جَعَلَ لَكُم مِّنْ أَنفُسِكُمْ أَزْوَٰجًا وَمِنَ ٱلْأَنْعَٰمِ أَزْوَٰجًا يَذْرَؤُكُمْ فِيهِ لَيْسَ كَمِثْلِهِۦ شَىْءٌ وَهُوَ ٱلسَّمِيعُ ٱلْبَصِيرُ

وہ آسمانوں اور زمین کا پیدا کرنے والا ہے اس نے تمہارے لیے تمہاری جنس کے جوڑے بنادیئے ہیں اور چوپایوں کے جوڑے بنائے ہیں تمہیں وہ اس میں پھیلا

رہا ہے اس جیسی کوئی چیز نہیں وہ سننے اور دیکھنے والا ہے

তিনি নভোমন্ডল ও ভূমন্ডলের স্রষ্টা। তিনি তোমাদের মধ্য থেকে তোমাদের জন্যে যুগল সৃষ্টি করেছেন এবং চতুস্পদ জন্তুদের মধ্য থেকে জোড়া সৃষ্টি করেছেন। এভাবে তিনি

তোমাদের বংশ বিস্তার করেন। কোন কিছুই আল্লাহর অনুরূপ নয়। তিনি সব শুনেন, সব দেখেন।

The Creator of the heavens and the earth. He has made for you mates from yourselves, and for the cattle (also) mates. By this means He creates you (in the wombs). There is nothing like unto Him, and He is the All-Hearer, the All-Seer.

वह आकाशों और धरती का पैदा करनेवाला है। उसने तुम्हारे लिए तुम्हारी अपनी सहजाति से जोड़े बनाए और चौपायों के जोड़े भी। फैला रहा है वह तुमको अपने में। उसके सदृश कोई चीज़ नहीं। वही सबकुछ सुनता, देखता है

/42/11

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Az-Zukhruf (43:58)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُوٓا۟ ءَأَـٰلِهَتُنَا خَيْرٌ أَمْ هُوَ ۚ مَا ضَرَبُوهُ لَكَ إِلَّا جَدَلًۢا ۚ بَلْ هُمْ قَوْمٌ خَصِمُونَ

اور انہوں نے کہا کہ ہمارے معبود اچھے ہیں یا وه؟ تجھ سے ان کا یہ کہنا محض جھگڑے کی غرض سے ہے، بلکہ یہ لوگ ہیں ہی جھگڑالو

এবং বলল, আমাদের উপাস্যরা শ্রেষ্ঠ, না সে? তারা আপনার সামনে যে উদাহরণ উপস্থাপন করে তা কেবল বিতর্কের জন্যেই করে। বস্তুতঃ তারা হল এক বিতর্ককারী সম্প্রদায়।

And say: "Are our aliha (gods) better or is he ['Iesa (Jesus)]?" They quoted not the above example except for argument. Nay! But they are a quarrelsome people.

[(See VV. 21:97-101) - The Quran.]

और कहने लगे, "क्या हमारे उपास्य अच्छे नहीं या वह (मसीह)?" उन्होंने यह बात तुमसे केवल झगड़ने के लिए कही, बल्कि वे तो है ही झगड़ालू लोग

/43/58

❖❉❖❖❉❖❖❉❖❖❉❖

❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

وَقُل لِّلْمُؤْمِنَٰتِ يَغْضُضْنَ مِنْ أَبْصَٰرِهِنَّ وَيَحْفَظْنَ فُرُوجَهُنَّ وَلَا يُبْدِينَ زِينَتَهُنَّ ;;; ঈমানদার নারীদেরকে বলুন, তারা যেন তাদের দৃষ্টিকে নত রাখে এবং তাদের যৌন অঙ্গের হেফাযত করে।

তারা যেন যা সাধারণতঃ প্রকাশমান, তা ছাড়া তাদের সৌন্দর্য প্রদর্শন না করে এবং;;; tell the believing women to lower their gaze (from looking at forbidden things), and protect their private parts (from illegal sexual acts, etc.) and not to show off their adornment ;;;; مسلمان عورتوں سے کہو کہ وہ بھی اپنی نگاہیں نیچی رکھیں اور اپنی عصمت میں فرق نہ آنے دیں اور اپنی زینت کو ظاہر نہ کریں ;;; ముస్లిమః స్త్రీ తనచూపులను వాల్చుకోవలె-మర్మాయవాలను కప్పుకోవలె-సింగారాలను దాచుకోవలె- -(నీ సిగ్గే సింగారమే ఓ లలనా;);;; مؤمنةस्त्रियों से कह दो कि वे भी अपनी निगाहें बचाकर रखें और अपने गुप्तांगों की रक्षा करें। और अपने शृंगार प्रकट न करें,;;;

An-Noor (24:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقُل لِّلْمُؤْمِنَٰتِ يَغْضُضْنَ مِنْ أَبْصَٰرِهِنَّ وَيَحْفَظْنَ فُرُوجَهُنَّ وَلَا يُبْدِينَ زِينَتَهُنَّ إِلَّا مَا ظَهَرَ مِنْهَا

وَلۡيَضۡرِبۡنَ بِخُمُرِهِنَّ عَلَىٰ جُيُوبِهِنَّ وَلَا يُبۡدِينَ زِينَتَهُنَّ إِلَّا لِبُعُولَتِهِنَّ أَوۡ ءَابَآئِهِنَّ أَوۡ ءَابَآءِ بُعُولَتِهِنَّ أَوۡ أَبۡنَآئِهِنَّ أَوۡ أَبۡنَآءِ بُعُولَتِهِنَّ أَوۡ إِخۡوَٰنِهِنَّ أَوۡ بَنِيٓ إِخۡوَٰنِهِنَّ أَوۡ بَنِيٓ أَخَوَٰتِهِنَّ أَوۡ نِسَآئِهِنَّ أَوۡ مَا مَلَكَتۡ أَيۡمَٰنُهُنَّ أَوِ ٱلتَّٰبِعِينَ غَيۡرِ أُوْلِي ٱلۡإِرۡبَةِ مِنَ ٱلرِّجَالِ أَوِ ٱلطِّفۡلِ ٱلَّذِينَ لَمۡ يَظۡهَرُواْ عَلَىٰ عَوۡرَٰتِ ٱلنِّسَآءِ وَلَا يَضۡرِبۡنَ بِأَرۡجُلِهِنَّ لِيُعۡلَمَ مَا يُخۡفِينَ مِن زِينَتِهِنَّ وَتُوبُوٓاْ إِلَى ٱللَّهِ جَمِيعًا أَيُّهَ ٱلۡمُؤۡمِنُونَ لَعَلَّكُمۡ تُفۡلِحُونَ

مسلمان عورتوں سے کہو کہ وہ بھی اپنی نگاہیں نیچی رکھیں اور اپنی عصمت میں فرق نہ آنے دیں اور اپنی زینت کو ظاہر نہ کریں، سوائے اس کے جو ظاہر ہے اور اپنے گریبانوں پر اپنی اوڑھنیاں ڈالے رہیں، اور اپنی آرائش کو کسی کے سامنے ظاہر نہ کریں، سوائے اپنے خاوندوں کے یا اپنے والد کے یا اپنے خسر کے یا اپنے لڑکوں کے یا اپنے خاوند کے لڑکوں کے یا اپنے بھائیوں کے

یا اپنے بھتیجوں کے یا اپنے بھانجوں کے یا اپنے میل جول کی عورتوں کے یا غلموں کے یا ایسے نوکر چاکر مردوں کے جو شہوت والے نہ ہوں یا ایسے بچوں کے جو عورتوں کے پردے کی باتوں سے مطلع نہیں۔ اور اس طرح زور زور سے پاؤں مار کر نہ چلیں کہ ان کی پوشیدہ زینت معلوم ہوجائے، اے مسلمانو! تم سب کے سب أللہ کی جناب میں توبہ کرو تاکہ تم نجات پاؤ

ঈমানদার নারীদেরকে বলুন, তারা যেন তাদের দৃষ্টিকে নত রাখে এবং তাদের যৌন অঙ্গের হেফাযত করে। তারা যেন যা সাধারণতঃ প্রকাশমান, তা ছাড়া তাদের সৌন্দর্য প্রদর্শন না করে এবং তারা যেন তাদের মাথার ওড়না বক্ষ দেশে ফেলে রাখে এবং তারা যেন তাদের স্বামী, পিতা, শ্বশুর, পুত্র, স্বামীর পুত্র, ভ্রাতা, ভ্রাতুস্পুত্র, ভগ্নিপুত্র, স্ত্রীলোক অধিকারভুক্ত বাঁদী, যৌনকামনামুক্ত পুরুষ, ও বালক, যারা নারীদের গোপন অঙ্গ সম্পর্কে অজ্ঞ, তাদের ব্যতীত কারো আছে তাদের সৌন্দর্য প্রকাশ না করে, তারা যেন তাদের গোপন সাজ-সজ্জা প্রকাশ

করার জন্য জোরে পদচারণা না করে। মুমিনগণ, তোমরা সবাই আল্লাহর ﷻ সামনে তওবা কর, যাতে তোমরা সফলকাম হও।

And tell the believing women to lower their gaze (from looking at forbidden things), and protect their private parts (from illegal sexual acts, etc.) and not to show off their adornment except only that which is apparent (like palms of hands or one eye or both eyes for necessity to see the way, or outer dress like veil, gloves, head-cover, apron, etc.), and to draw their veils all over Juyubihinna (i.e. their bodies, faces, necks and bosoms, etc.) and not to reveal their adornment except to their husbands, their fathers, their husband's fathers, their sons, their husband's sons, their brothers or their brother's sons, or their sister's sons, or their (Muslim) women (i.e. their sisters in Islam), or the (female) slaves whom their right hands possess, or old male servants who lack vigour, or small children who have no sense of the shame of sex.

And let them not stamp their feet so as to reveal what they hide of their adornment. And all of you beg Allaahu,swt, to forgive you all, O believers, that you may be successful.

और ~~ईमानवाली~~ مؤمنةस्त्रियों से कह दो कि वे भी अपनी निगाहें बचाकर रखें और अपने गुप्तांगों की रक्षा करें। और अपने शृंगार प्रकट न करें, सिवाय उसके जो उनमें खुला रहता है। और अपने सीनों (वक्षस्थल) पर अपने दुपट्टे डाल रहें और अपना शृंगार किसी पर ज़ाहिर न करें सिवाय अपने पतियों के या अपने बापों के या अपने पतियों के बापों के या अपने बेटों के या अपने पतियों के बेटों के या अपने भाइयों के या अपने भतीजों के या अपने भांजों के या मेल-जोल की स्त्रियों के या जो उनकी अपनी मिल्कियत में हो उनके, या उन अधीनस्थ पुरुषों के जो उस अवस्था को पार कर चुके हों जिससें स्त्री की ज़रूरत होती है, या उन बच्चों के जो स्त्रियों के परदे की बातों से परिचित न हों। और स्त्रियाँ अपने पाँव धरती पर मारकर न चलें कि अपना जो शृंगार छिपा रखा हो, वह मालूम हो जाए। ऐ ईमानवालो! तुम सब मिलकर अल्लाह से तौबा

करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो

/24/31

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

تُؤْتُوا۟ ٱلسُّفَهَآءَ أَمْوَٰلَكُمُ ٱلَّتِى جَعَلَ ٱللَّهُ لَكُمْ قِيَٰمًا

و ;;; অর্বাচীনদের তা থেকে তাদেরকে খাওয়াও, পরাও এবং তাদেরকে সান্তনার বানী শোনাও। ;;; feed and clothe the imbeciles(under your Care)with their wealth, and speak to them words of kindness and justice. ;; کم عقل لوگوں کو کھلاؤ ، پہناؤ، اوڑھاؤ;; ، ;;;;پلاؤ ،نీ కేర్ లోవున్న imbecile మొద్దులకు తినిపించు,తాగించు-చల్లగ బలుకు-;;; बेसमझ लोगों को खिलाते और पहनाते रहो और ;;;

An-Nisaa (4:5)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تُؤْتُوا۟ ٱلسُّفَهَآءَ أَمْوَٰلَكُمُ ٱلَّتِى جَعَلَ ٱللَّهُ لَكُمْ قِيَٰمًا وَٱرْزُقُوهُمْ فِيهَا وَٱكْسُوهُمْ وَقُولُوا۟ لَهُمْ قَوْلًا مَّعْرُوفًا

بے عقل لوگوں کو اپنا مال نہ دے دو جس مال کو اللہ تعالیٰ نے تمہاری گزران کے قائم رکھنے کا ذریعہ بنایا ہے، ہاں انہیں اس مال سے کھلاؤ

پلاؤ، پہناؤ، اوڑھاؤ اور انہیں معقولیت سے نرم بات کہو

আর যে সম্পদকে আল্লাহﷻ তোমাদের জীবন-যাত্রার অবলম্বন করেছেন, তা অর্বাচীনদের হাতে তুলে দিও না। বরং তা থেকে তাদেরকে খাওয়াও, পরাও এবং তাদেরকে সান্তনার বানী শোনাও।

And give not unto the foolish your property which

***Allaahu.swt.* has made a means of support for you, but feed and clothe them therewith, and speak to them words of kindness and justice.**

और अपने माल, जिसे अल्लाह ने तुम्हारे लिए जीवन-यापन का साधन बनाया है, बेसमझ लोगों को न दो। उन्हें उसमें से खिलाते और पहनाते रहो और उनसे भली बात कहो

4/5

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

AL-BAQARA (2:233)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلْوَٰلِدَٰتُ يُرْضِعْنَ أَوْلَٰدَهُنَّ حَوْلَيْنِ كَامِلَيْنِ لِمَنْ

أَرَادَ أَن يُتِمَّ ٱلرَّضَاعَةَ وَعَلَى ٱلْمَوْلُودِ لَهُۥ رِزْقُهُنَّ وَكِسْوَتُهُنَّ بِٱلْمَعْرُوفِ لَا تُكَلَّفُ نَفْسٌ إِلَّا وُسْعَهَا لَا تُضَآرَّ وَٰلِدَةٌۢ بِوَلَدِهَا وَلَا مَوْلُودٌ لَّهُۥ بِوَلَدِهِۦ وَعَلَى ٱلْوَارِثِ مِثْلُ ذَٰلِكَ فَإِنْ أَرَادَا فِصَالًا عَن تَرَاضٍ مِّنْهُمَا وَتَشَاوُرٍ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا وَإِنْ أَرَدتُّمْ أَن تَسْتَرْضِعُوٓا۟ أَوْلَٰدَكُمْ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِذَا سَلَّمْتُم مَّآ ءَاتَيْتُم بِٱلْمَعْرُوفِ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَٱعْلَمُوٓا۟ أَنَّ ٱللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ

مائیں اپنی اولاد کو دو سال کامل دودھ پلائیں جن کا ارادہ دودھ پلانے کی مدت بالکل پوری کرنے کا ہو اور جن کے بچے ہیں ان کے ذمہ ان کا روٹی کپڑا ہے جو مطابق دستور کے ہو۔ ہر شخص اتنی ہی تکلیف دیا جاتا ہے جتنی اس کی طاقت ہو۔ ماں کو اس کے بچہ کی وجہ سے یا باپ کو اس کی اولادکی وجہ سے کوئی ضرر نہ پہنچایا جائے۔ وارث پر بھی اسی جیسی ذمہ داری ہے، پھر اگر دونوں (یعنی ماں باپ) اپنی

رضامندی اور باہمی مشورے سے دودھ چھڑانا چاہیں تو دونوں پر کچھ گناہ نہیں اور اگر تمہارا ارادہ اپنی اولاد کو دودھ پلوانے کا ہو تو بھی تم پر کوئی گناہ نہیں جب کہ تم ان کو مطابق دستور کے جو دینا ہو وہ ان کے حوالے کردو، اور اللہ تعالیٰ سے ڈرتے رہو اور جانتے رہو کہ اللہ تعالیٰ تمہارے اعمال کی دیکھ بھال کر رہا ہے

আর সন্তানবতী নারীরা তাদের সন্তানদেরকে পূর্ন দু'বছর দুধ খাওয়াবে, যদি দুধ খাওয়াবার পূর্ণ মেয়াদ সমাপ্ত করতে চায়। আর সন্তানের অধিকারী অর্থাৎ, পিতার উপর হলো সে সমস্ত নারীর খোর-পোষের দায়িত্ব প্রচলিত নিয়ম অনুযায়ী। কাউকে তার সামর্থাতিরিক্ত চাপের সম্মুখীন করা হয় না। আর মাকে তার সন্তানের জন্য ক্ষতিগ্রস্ত করা যাবে না। এবং যার সন্তান তাকেও তার সন্তানের কারণে ক্ষতির সম্মুখীন করা যাবে না। আর ওয়ারিসদের উপরও দায়িত্ব এই। তারপর যদি পিতা-মাতা ইচ্ছা করে, তাহলে দু'বছরের ভিতরেই নিজেদের পারস্পরিক পরামর্শক্রমে দুধ ছাড়িয়ে দিতে পারে,

তাতে তাদের কোন পাপ নেই, আর যদি তোমরা কোন ধাত্রীর দ্বারা নিজের সন্তানদেরকে দুধ খাওয়াতে চাও, তাহলে যদি তোমরা সাব্যস্তকৃত প্রচলিত বিনিময় দিয়ে দাও তাতেও কোন পাপ নেই। আর আল্লাহﷻকে ভয় কর এবং জেনে রেখো যে, আল্লাহﷻ তোমাদের যাবতীয় কাজ অত্যন্ত ভাল করেই দেখেন।

THE MOTHERS SHALL GIVE SUCK TO THEIR CHILDREN FOR TWO WHOLE YEARS, (THAT IS) FOR THOSE (PARENTS) WHO DESIRE TO COMPLETE THE TERM OF SUCKLING, BUT THE FATHER OF THE CHILD SHALL BEAR THE COST OF THE MOTHER'S FOOD AND CLOTHING ON A REASONABLE BASIS. NO PERSON SHALL HAVE A BURDEN LAID ON HIM GREATER THAN HE CAN BEAR. NO MOTHER SHALL BE TREATED UNFAIRLY ON ACCOUNT OF HER CHILD, NOR FATHER ON ACCOUNT OF HIS CHILD. AND ON THE (FATHER'S) HEIR IS INCUMBENT THE LIKE OF THAT (WHICH WAS INCUMBENT ON THE FATHER). IF THEY BOTH DECIDE

ON WEANING, BY MUTUAL CONSENT, AND AFTER DUE CONSULTATION, THERE IS NO SIN ON THEM. AND IF YOU DECIDE ON A FOSTER SUCKLING-MOTHER FOR YOUR CHILDREN, THERE IS NO SIN ON YOU, PROVIDED YOU PAY (THE MOTHER) WHAT YOU AGREED (TO GIVE HER) ON REASONABLE BASIS. AND FEAR Allaahu.swt. AND KNOW THAT Allaahu.swt. IS ALL-SEER OF WHAT YOU DO.

और जो कोई पूरी अवधि तक (बच्चे को) दूध पिलवाना चाहे, तो माएँ अपने बच्चों को पूरे दो वर्ष तक दूध पिलाएँ। और वह जिसका बच्चा है, सामान्य नियम के अनुसार उनके खाने और उनके कपड़े का ज़िम्मेदार है। किसी पर बस उसकी अपनी समाई भर ही ज़िम्मेदारी है, न तो कोई माँ अपने बच्चे के कारण (बच्चे के बाप को) नुक़सान पहुँचाए और न बाप अपने बच्चे के कारण (बच्चे की माँ को) नुक़सान पहुँचाए। और इसी प्रकार की ज़िम्मेदारी उसके वारिस पर भी आती है। फिर यदि दोनों पारस्परिक स्वेच्छा और परामर्श से दूध छुड़ाना चाहें तो उनपर कोई गुनाह नहीं। और यदि तुम अपनी संतान को किसी अन्य स्त्री से दूध पिलवाना चाहो तो इसमें भी तुम

पर कोई गुनाह नहीं, जबकि तुमने जो कुछ बदले में देने का वादा किया हो, सामान्य नियम के अनुसार उसे चुका दो। और अल्लाहﷻ का डर रखो और भली-भाँति जान लो कि जो कुछ तुम करते हो, अल्लाहﷻ उसे देख रहा है....2/233

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Hajj (22:28)

﷽

لِّيَشْهَدُوا۟ مَنَٰفِعَ لَهُمْ وَيَذْكُرُوا۟ ٱسْمَ ٱللَّهِ فِىٓ أَيَّامٍ مَّعْلُومَٰتٍ عَلَىٰ مَا رَزَقَهُم مِّنۢ بَهِيمَةِ ٱلْأَنْعَٰمِ فَكُلُوا۟ مِنْهَا وَأَطْعِمُوا۟ ٱلْبَآئِسَ ٱلْفَقِيرَ

اپنے فائدے حاصل کرنے کو آجائیں اور ان مقررہ دنوں میں اللہ کا نام یاد کریں اور چوپایوں پر

جو پالتو ہیں۔ پس تم آپ بھی کھاؤ اور بھوکے فقیروں کو بھی کھ

ؤ

যাতে তারা তাদের কল্যাণের স্থান পর্যন্ত পৌছে এবং নির্দিষ্ট দিনগুলোতে আল্লাহর নাম স্মরণ করে তাঁর দেয়া চতুস্পদ জন্তু যবেহ করার সময়। অতঃপর তোমরা তা থেকে আহার কর এবং দুঃস্থ-অভাবগ্রস্থকে আহার করাও।

That they may witness things that are of benefit to them (i.e. reward of Hajj in the Hereafter, and also some worldly gain from trade, etc.), and mention the Name of Allaahu.swt. on appointed days (i.e. 10th, 11th, 12th, and 13th day of Dhul-Hijjah), over the beast of cattle that He has provided for them (for sacrifice) (at the time of their slaughtering by saying: Bismillah, WAllahu-Akbar, Allahumma Minka wa Ilaik). Then eat thereof and feed

therewith the poor who have a very hard time.

ताकि वे उन लाभों को देखें जो वहाँ उनके लिए रखे गए है। और कुछ ज्ञात और निश्चित दिनों में उन चौपाए अर्थात मवेशियों पर अल्लाह का नाम लें, जो उसने उन्हें दिए है। फिर उसमें से स्वयं भी खाओ और तंगहाल मुहताज को भी खिलाओ।"

/22/28

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

—

Ad-Dhuhaa (93:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

;;;فَأَمَّا ٱلْيَتِيمَ فَلَا تَقْهَرْ

;;;সুতরাং আপনি এতীমের প্রতি কঠোর হবেন

ना;;;;Therefore, treat not the orphan with oppression,;;;

پس یتیم پر تو بھی سختی نہ کیا کر ;;;

అనాధ-యతీములకు యాతనలుబెట్టకు-

;;;अत: जो अनाथ हो उसे मत दबाना,;;;

/93/9

❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

walaa tanhar

Ad-Dhuhaa (93:10)

﷽

وَأَمَّا ٱلسَّآئِلَ فَلَا تَنْهَرْ

اور نہ سوال کرنے والے کو ڈانٹ ڈپٹ

সওয়ালকারীকে ধমক দেবেন না।

And repulse not the beggar;

యాచక-సాఇలులను(అడుక్కతినే బిచ్చ-బెగారీ-పిచ్చుకుంటలను) తరిమేయకు,

और जो माँगता हो उसे न झिझकना,

/93/10

Ad-Dhuhaa (93:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَمَّا بِنِعْمَةِ رَبِّكَ فَحَدِّثْ

اور اپنے رب کی نعمتوں کو بیان کرتا رہ

এবং আপনার পালনকর্তার নেয়ামতের কথা প্রকাশ করুন।

And proclaim the Grace of your Lord (i.e. the Prophethood and all other Graces).

రబ్బుల్ఆలమీన నీకిచ్చిన వరాల-సరంజామాలకు షుక్రు-Thanks-చెప్పు

और जो तुम्हें रब की अनुकम्पा है, उसे बयान करते रहो

93/11

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

■

وَأَطِيعُوا۟ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ;;;তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহ ও রসুলের,;;OBEY ALLAH AND THE

أللہ اور اس کے رسول کی MESSENGER ;;; فرمانبرداری کرو ;;అల్లాహు-తఆలా వారికీ, మరియు రసూలు-సఅస- గారికీ మాత్రమే లోబడివుండు;-ఇతరాలకు సుతరామూ....దూరం; और अल्लाहﷻ और रसूल के आज्ञाकारी बनो,;;;

AAL-I-IMRAAN (3:132)

﷽

وَأَطِيعُوا۟ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

اور أللہ اور اس کے رسول کی فرمانبرداری کرو تاکہ تم پر رحم کیا جائے

আর তোমরা আনুগত্য কর আল্লাহﷻ ও রসূলের, যাতে তোমাদের উপর রহমত করা হয়।

AND OBEY ALLAAHU.ﷻSWT. AND THE MESSENGER (MUHAMMAD SAW) THAT YOU MAY OBTAIN MERCY.

और अल्लाहﷻ और रसूल के आज्ञाकारी बनो, ताकि तुमपर दया की जाए

/3/132

✾✯✾✯✾✯✾

❖

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

AL-ANFAAL (8:46)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَطِيعُواْ ٱللَّهَ وَرَسُولَهُۥ وَلَا تَنَٰزَعُواْ فَتَفْشَلُواْ وَتَذْهَبَ

رِيحُكُمْ وَٱصْبِرُوٓاْ إِنَّ ٱللَّهَ مَعَ ٱلصَّٰبِرِينَ

اور أللہ کی اور اس کے رسول کی فرماں برداری کرتے رہو، آپس میں اختلاف نہ کرو ورنہ بزدل ہو جاؤ گے اور تمہاری ہوا اکھڑ جائے گی اور صبر و سہارا رکھو، یقیناً أللہ تعالیٰ صبر کرنے والوں کے ساتھ ہے

আর আল্লাহ তা'আলার নির্দেশ মান্য কর এবং তাঁর রসূলের। তাছাড়া তোমরা পরস্পরে বিবাদে লিপ্ত হইও না। যদি তা কর, তবে তোমরা কাপুরুষ হয়ে পড়বে এবং তোমাদের প্রভাব চলে যাবে। আর তোমরা ধৈর্য্যধারণ কর। নিশ্চয়ই আল্লাহ তা'আলা রয়েছেন ধৈর্য্যশীলদের সাথে।

AND OBEY ALLAAHU.SWT. AND HIS MESSENGER, AND DO NOT DISPUTE (WITH ONE ANOTHER) LEST YOU LOSE COURAGE AND YOUR STRENGTH DEPART, AND BE PATIENT. SURELY, ALLAAHU.SWT. IS WITH

THOSE WHO ARE AS-SABIRIN (THE PATIENT ONES, ETC.).

और अल्लाह और उसके रसूल की आज्ञा मानो और आपस में न झगड़ो, अन्यथा हिम्मत हार बैठोगे और तुम्हारी हवा उखड़ जाएगी। और धैर्य से काम लो। निश्चय ही, अल्लाह धैर्यवानों के साथ है

/R/8/46

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

TAAWANOO+ BIRR

AL-MAAIDA (5:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تُحِلُّوا۟ شَعَٰٓئِرَ ٱللَّهِ وَلَا ٱلشَّهْرَ ٱلْحَرَامَ وَلَا ٱلْهَدْىَ وَلَا ٱلْقَلَٰٓئِدَ وَلَآ ءَآمِّينَ ٱلْبَيْتَ ٱلْحَرَامَ يَبْتَغُونَ فَضْلًا مِّن

رَّبِّهِمْ وَرِضْوَٰنًا وَإِذَا حَلَلْتُمْ فَٱصْطَادُوا۟ وَلَا يَجْرِمَنَّكُمْ شَنَـَٔانُ قَوْمٍ أَن صَدُّوكُمْ عَنِ ٱلْمَسْجِدِ ٱلْحَرَامِ أَن تَعْتَدُوا۟ وَتَعَاوَنُوا۟ عَلَى ٱلْبِرِّ وَٱلتَّقْوَىٰ وَلَا تَعَاوَنُوا۟ عَلَى ٱلْإِثْمِ وَٱلْعُدْوَٰنِ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ إِنَّ ٱللَّهَ شَدِيدُ ٱلْعِقَابِ

اے ایمان والو! نہ کرو نہ حرمتی بے کی شعائر کے تعالیٰ اللہ ادب والے مہینوں کی نہ حرم میں قربان ہونے والے اور پٹے پہنائے گئے جانوروں کی جو کعبہ کو جا رہے ہوں اور نہ ان لوگوں کی جو بیت اللہ کے قصد سے اپنے رب تعالیٰ کے فضل اور اس کی رضاجوئی کی نیت سے جا رہے ہوں، ہاں جب تم احرام اتار ڈالو تو شکار کھیل سکتے ہو، جن لوگوں نے تمہیں مسجد حرام سے روکا تھا ان کی دشمنی تمہیں اس بات پر آمادہ نہ کرے کہ تم حد سے گزر جاؤ، نیکی اور پرہیزگاری میں ایک دوسرے کی امداد کرتے رہو اور گناہ اور ظلم و زیادتی میں مدد نہ کرو، اور اللتعالیٰ سے ڈرتے رہو، بےشک اللہ تعالیٰ سخت سزا دینے والا ہے

হে মুমিনগণ! হালাল মনে করো না আল্লাহর নিদর্শনসমূহ এবং সম্মানিত মাসসমূহকে এবং হরমে কুরবানীর জন্যে নির্দিষ্ট জন্তুকে এবং ঐসব জন্তুকে, যাদের গলায় কন্ঠাভরণ রয়েছে এবং ঐসব লোককে যারা সম্মানিত গৃহ অভিমুখে যাচ্ছে, যারা স্বীয় পালনকর্তার অনুগ্রহ ও সন্তুষ্টি কামনা করে। যখন তোমরা এহরাম থেকে বের হয়ে আস, তখন শিকার কর। যারা পবিত্র মসজিদ থেকে তোমাদেরকে বাধা প্রদান করেছিল, সেই সম্প্রদায়ের শুত্রুতা যেন তোমাদেরকে সীমালঙ্ঘনে প্ররোচিত না করে। সৎকর্ম ও খোদাভীতিতে একে অন্যের সাহায্য কর। পাপ ও সীমালঙ্ঘনের ব্যাপারে একে অন্যের সহায়তা করো না। আল্লাহকে ভয় কর। নিশ্চয় আল্লাহ তা'আলা কঠোর শাস্তিদাতা।

O YOU WHO BELIEVE! VIOLATE NOT THE SANCTITY OF THE SYMBOLS OF ALLAAHU.ﷻSWT, NOR OF THE SACRED MONTH, NOR OF THE ANIMALS BROUGHT FOR SACRIFICE, NOR THE GARLANDED PEOPLE OR

ANIMALS, ETC. [MARKED BY THE GARLANDS ON THEIR NECKS MADE FROM THE OUTER PART OF THE TREE-STEMS (OF MAKKAH) FOR THEIR SECURITY], NOR THE PEOPLE COMING TO THE SACRED HOUSE (MAKKAH), SEEKING THE BOUNTY AND GOOD PLEASURE OF THEIR LORD. BUT WHEN YOU FINISH THE IHRAM (OF HAJJ OR 'UMRAH), YOU MAY HUNT, AND LET NOT THE HATRED OF SOME PEOPLE IN (ONCE) STOPPING YOU FROM AL-MASJID-AL-HARAM (AT MAKKAH) LEAD YOU TO TRANSGRESSION (AND HOSTILITY ON YOUR PART). HELP YOU ONE ANOTHER IN AL-BIRR AND AT-TAQWA (VIRTUE, RIGHTEOUSNESS AND PIETY); BUT DO NOT HELP ONE ANOTHER IN SIN AND TRANSGRESSION. AND FEAR ALLAAHU.ﷻSWT. VERILY, ALLAAHU.ﷻSWT IS SEVERE IN PUNISHMENT.

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाहﷻ की निशानियों का अनादर न

करो; न आदर के महीनों का, न क़ुरबानी के जानवरों का और न जानवरों का जिनका गरदनों में पट्टे पड़े हो और न उन लोगों का जो अपने रब के अनुग्रह और उसकी प्रसन्नता की चाह में प्रतिष्ठित गृह (काबा) को जाते हो। और जब इहराम की दशा से बाहर हो जाओ तो शिकार करो। और ऐसा न हो कि एक गिरोह की शत्रुता, जिसने तुम्हारे लिए प्रतिष्ठित घर का रास्ता बन्द कर दिया था, तुम्हें इस बात पर उभार दे कि तुम ज़्यादती करने लगो। हक़ अदा करने और ईश-भय के काम में तुम एक-दूसरे का सहयोग करो और हक़ मारने और ज़्यादती के काम में एक-दूसरे का सहयोग न करो। अल्लाह ﷻ का डर रखो; निश्चय ही अल्लाह ﷻ बड़ा कठोर दंड देनेवाला है

/5/2

❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

WAATASIMOO

ٱلَّذِينَ تَابُوا۟ وَأَصْلَحُوا۟ وَٱعْتَصَمُوا۟ بِٱللَّهِ وَأَخْلَصُوا۟

دِينَهُمْ لِلَّٰهِ;;; যারা তওবা করে নিয়েছে, নিজেদের অবস্থার সংস্কার করেছে এবং আল্লাহর ﷻ পথকে সুদৃঢ়ভাবে আঁকড়ে ধরে ;;;WHO REPENT (FROM HYPOCRISY), DO RIGHTEOUS GOOD DEEDS, HOLD FAST TO ALLAAHU.ﷻSWT., AND PURIFY THEIR RELIGION FOR ALLAAHU.ﷻSWT;;;; جو توبہ کر لیں اور اصلح کر لیں اور أللہ

تعالیٰ پر کامل یقین رکھیں اور خالص أللہ ہی کے لئے دینداری کریں ;;; యెవరైతే తౌబః చేసుకొని - సరిదిద్దుకొని-ఖాలిసు అల్లాహు.తఆలా వారి ఇబాదతు చేస్తారో- ;;;जिन्होंने तौबा कर ली और अपने को सुधार लिया और अल्लाहﷻ को मज़बूती से पकड़ लिया और अपने दीन (धर्म) में अल्लाहﷻ ही के हो रहे।

AN-NISAA (4:146)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَّا ٱلَّذِينَ تَابُوا۟ وَأَصْلَحُوا۟ وَٱعْتَصَمُوا۟ بِٱللَّهِ وَأَخْلَصُوا۟

دِينَهُمْ لِلَّهِ فَأُوْلَٰٓئِكَ مَعَ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَسَوْفَ يُؤْتِ ٱللَّهُ ٱلْمُؤْمِنِينَ أَجْرًا عَظِيمًا

ہاں جو توبہ کر لیں اور اصلح کر لیں اور أﷲ

تعالیٰ پر کامل یقین رکھیں اور خالص أﷲ ہی کے لئے

أﷲ تعالیٰ ،دینداری کریں تو یہ لوگ مومنوں کے ساتھ ہیں

مومنوں کو بہت بڑا اجر دے گا

অবশ্য যারা তওবা করে নিয়েছে, নিজেদের অবস্থার সংস্কার করেছে এবং আল্লাহর ﷻ পথকে সুদৃঢ়ভাবে আঁকড়ে ধরে আল্লাহর ﷻ ফরমাবরদার হয়েছে, তারা থাকবে মুসলমানদেরই সাথে। বস্তুতঃ আল্লাহ ﷻ শীঘ্রই ঈমানদারগণকে মহাপূণ্য দান করবেন।

EXCEPT THOSE WHO REPENT (FROM HYPOCRISY), DO RIGHTEOUS GOOD DEEDS, HOLD FAST TO

ALLAAHU.SWT., AND PURIFY THEIR RELIGION FOR ALLAAHU.SWT (BY WORSHIPPING NONE BUT ALLAAHU.SWT, AND DO GOOD FOR ALLAH'S SAKE ONLY, NOT TO SHOW-OFF), THEN THEY WILL BE WITH THE BELIEVERS. AND ALLAAHU.SWT WILL GRANT TO THE BELIEVERS A GREAT REWARD.

उन लोगों की बात और है जिन्होंने तौबा कर ली और अपने को सुधार लिया और अल्लाह को मज़बूती से पकड़ लिया और अपने दीन (धर्म) में अल्लाह ही के हो रहे। ऐसे लोग ईमानवालों के साथ है और अल्लाह ईमानवालों को शीघ्र ही बड़ा प्रतिदान प्रदान करेगा

4/146

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

ANEEBOO

AZ-ZUMAR (39:54)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَنِيبُوٓاْ إِلَىٰ رَبِّكُمْ وَأَسْلِمُواْ لَهُۥ مِن قَبْلِ أَن يَأْتِيَكُمُ ٱلْعَذَابُ ثُمَّ لَا تُنصَرُونَ

تم (سب) اپنے پروردگار کی طرف جھک پڑو اور اس کی حکم برداری کیے جاؤ اس سے قبل کہ تمہارے پاس عذاب آ جائے اور پھر تمہاری مدد نہ کی جائے

তোমরা তোমাদের পালনকর্তার ﷻ অভিমুখী হও এবং তাঁর আজ্ঞাবহ হও তোমাদের কাছে আযাব আসার পূর্বে। এরপর তোমরা সাহায্যপ্রাপ্ত হবে না;

"AND TURN IN REPENTANCE AND IN OBEDIENCE WITH

TRUE FAITH (ISLAMIC MONOTHEISM) TO YOUR LORD ALLAAHU. SWT, AND SUBMIT TO HIM, (IN ISLAM), BEFORE THE TORMENT COMES UPON YOU, THEN YOU WILL NOT BE HELPED.

रुजू हो अपने रब की ओर और उसके आज्ञाकारी बन जाओ, इससे पहले कि तुमपर यातना आ जाए। फिर तुम्हारी सहायता न की जाएगी

/39/54

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

WASTAGHFIROO

وَٱلَّذِينَ إِذَا فَعَلُوا۟ فَٰحِشَةً أَوْ ظَلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ ذَكَرُوا۟ ٱللَّهَ فَٱسْتَغْفَرُوا۟ لِذُنُوبِهِمْ;;;;**তারা কখনও কোন অশ্লীল কাজ করে ফেললে কিংবা কোন মন্দ কাজে জড়িত হয়ে**

নিজের উপর জুলুম করে ফেললে আল্লাহকে স্মরণ করে এবং ;;; WHEN THEY HAVE COMMITTED FAHISHAH (ILLEGAL SEXUAL INTERCOURSE ETC.) OR WRONGED THEMSELVES WITH EVIL, REMEMBER ALLAAHUﷻ.SWT. AND ASK FORGIVENESS FOR THEIR SINS;;;;; جب ان سے کوئی ناشائستہ کام ہو جائے یا کوئی گناہ کر بیٹھیں تو فوراً أللہ کا ذکر اور اپنے گناہوں کے لئے استغفار کرتے ہیں;;;;యెవరైతే తానుజేసిన అశ్లీల-జులుం-ఇత్యాది దుర్మార్గ, దౌర్జన్యాలకు తౌబః చేసుకొంటాడో- ;;;;जब वे कोई खुला गुनाह कर बैठते है या अपने आप पर जुल्म करते है तौ तत्काल अल्लाहﷻ उन्हें याद आ जाता है और वे अपने गुनाहों की क्षमा चाहने लगते हैं ;;;;

AAL-I-IMRAAN (3:135)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ إِذَا فَعَلُوا۟ فَٰحِشَةً أَوْ ظَلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ ذَكَرُوا۟ ٱللَّهَ فَٱسْتَغْفَرُوا۟ لِذُنُوبِهِمْ وَمَن يَغْفِرُ ٱلذُّنُوبَ إِلَّا ٱللَّهُ وَلَمْ يُصِرُّوا۟ عَلَىٰ مَا فَعَلُوا۟ وَهُمْ يَعْلَمُونَ

جب ان سے کوئی ناشائستہ کام ہو جائے یا کوئی گناہ کر بیٹھیں تو فوراً أللہ کا ذکر اور اپنے گناہوں کے لئے استغفار کرتے ہیں، فیالواقع تعالیٰ کے سوا اور کون گناہوں کو بخش سکتا ہے؟ اور وہ لوگ باوجود علم کے کسی برے کام پر اڑ نہیں جاتے

তারা কখনও কোন অশ্লীল কাজ করে ফেললে কিংবা কোন মন্দ কাজে জড়িত হয়ে নিজের উপর জুলুম করে ফেললে আল্লাহﷻকে স্মরণ করে এবং নিজের পাপের জন্য ক্ষমা প্রার্থনা করে। আল্লাহﷻ ছাড়া আর কে পাপ ক্ষমা করবেন? তারা নিজের কৃতকর্মের জন্য হঠকারিতা প্রদর্শন করে না এবং জেনে-শুনে তাই করতে থাকে না।

AND THOSE WHO, WHEN THEY HAVE COMMITTED FAHISHAH (ILLEGAL SEXUAL INTERCOURSE ETC.) OR WRONGED THEMSELVES WITH EVIL, REMEMBER ALLAAHUﷻ.SWT. AND ASK FORGIVENESS FOR THEIR SINS; - AND NONE CAN

FORGIVE SINS BUT ALLAAHU.SWT - AND DO NOT PERSIST IN WHAT (WRONG) THEY HAVE DONE, WHILE THEY KNOW.

और जिनका हाल यह है कि जब वे कोई खुला गुनाह कर बैठते है या अपने आप पर ज़ुल्म करते है तौ तत्काल अल्लाह उन्हें याद आ जाता है और वे अपने गुनाहों की क्षमा चाहने लगते हैं - और अल्लाह के अतिरिक्त कौन है, जो गुनाहों को क्षमा कर सके? और जानते-बूझते वे अपने किए पर अड़े नहीं रहते

/3/135

✱⁘✱⁘✱⁘✱⁘✱⁘✱⁘

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING⁘

HUD (11:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَنِ ٱسْتَغْفِرُوا۟ رَبَّكُمْ ثُمَّ تُوبُوٓا۟ إِلَيْهِ يُمَتِّعْكُم

مَّتَٰعًا حَسَنًا إِلَىٰٓ أَجَلٍ مُّسَمًّى وَيُؤْتِ كُلَّ ذِى فَضْلٍ فَضْلَهُۥ وَإِن تَوَلَّوْا۟ فَإِنِّىٓ أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ كَبِيرٍ

اور یہ کہ تم لوگ اپنے گناہ اپنے رب سے معاف کراؤ پھر اسی کی طرف متوجہ رہو، وہ تم کو وقت مقرر تک اچھا سامان (زندگی) دے گا اور ہر زیادہ عمل کرنے والے کو زیادہ ثواب دے گا۔ اور اگر تم لوگ اعراض کرتے رہے تو مجھ کو تمہارے لیے ایک بڑے دن کے عذاب کا اندیشہ ہے

আর তোমরা নিজেদের পালনকর্তা সমীপে ক্ষমা প্রার্থনা কর। অনন্তর তাঁরই প্রতি মনোনিবেশ কর। তাহলে তিনি তোমাদেরকে নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত উৎকৃষ্ট জীবনোপকরণ দান করবেন এবং অধিক আমলকারীকে বেশী করে দেবেন আর যদি তোমরা বিমুখ হতে থাক, তবে আমি তোমাদের উপর এক মহা দিবসের আযাবের আশঙ্কা করছি।

AND (COMMANDING YOU): "SEEK THE FORGIVENESS OF YOUR LORD, AND TURN TO HIM IN REPENTANCE, THAT HE MAY GRANT YOU GOOD ENJOYMENT, FOR A TERM APPOINTED, AND BESTOW HIS ABOUNDING GRACE TO EVERY OWNER OF GRACE (I.E. THE ONE WHO HELPS AND SERVES NEEDY AND DESERVING, PHYSICALLY AND WITH HIS WEALTH, AND EVEN WITH GOOD WORDS). BUT IF YOU TURN AWAY, THEN I FEAR FOR YOU THE TORMENT OF A GREAT DAY (I.E. THE DAY OF RESURRECTION).

और यह हुक्मु है कि "अपने रब से क्षमा माँगो, फिर उसकी ओर पलट आओ। वह तुम्हें एक निश्चित अवधि तक सुखोपभोग की उत्तम सामग्री प्रदान करेगा। और बढ़-बढ़कर कर्म करनेवालों पर वह तदधिक अपना अनुग्रह करेगा, किन्तु यदि तुम मुँह फेरते हो तो निश्चय ही मुझे तुम्हारे विषय में एक बड़े दिन की यातना का भय है

/11/3

❖

IT،S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

WAJTANABOO

AN-NISAA (4:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِن تَجْتَنِبُواْ كَبَآئِرَ مَا تُنْهَوْنَ عَنْهُ نُكَفِّرْ عَنكُمْ سَيِّـَٔاتِكُمْ وَنُدْخِلْكُم مُّدْخَلًا كَرِيمًا

اگر تم ان بڑے گناہوں سے بچتے رہوگے جن سے تم کو منع کیا جاتا ہے تو ہم تمہارے چھوٹے گناہ دور کر دیں گے اور عزت وبزرگی کی جگہ داخل کریں گے

যেগুলো সম্পর্কে তোমাদের নিষেধ করা হয়েছে যদি তোমরা সেসব বড় গোনাহ গুলো থেকে বেঁচে থাকতে পার। তবে আমি তোমাদের ত্রুটি-বিচ্যুতিগুলো ক্ষমা করে দেব এবং সম্মান জনক স্থানে তোমাদের প্রবেশ করার।

IF YOU AVOID THE GREAT SINS WHICH YOU ARE FORBIDDEN TO DO, WE SHALL REMIT FROM YOU YOUR (SMALL) SINS, AND ADMIT YOU TO A NOBLE ENTRANCE (I.E. PARADISE).

यदि तुम उन बड़े गुनाहों से बचते रहो, जिनसे तुम्हे रोका जा रहा है, तो हम तुम्हारी बुराइयों को तुमसे दूर कर देंगे और तुम्हें प्रतिष्ठित स्थान में प्रवेश कराएँगे

/4/31

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

WAS'ALOO

AL-AHZAAB (33:8)

ﷻ

لِّيَسْـَٔلَ ٱلصَّٰدِقِينَ عَن صِدْقِهِمْ وَأَعَدَّ لِلْكَٰفِرِينَ عَذَابًا أَلِيمًا

تاکہ اللہ تعالیٰ سچوں سے ان کی سچائی کے بارے میں دریافت فرمائے، اور کافروں کے لئے ہم نے المناک عذاب تیار کر رکھے ہیں

সত্যবাদীদেরকে তাদের সত্যবাদিতা সম্পর্কে জিজ্ঞাসা করার জন্য। তিনি কাফেরদের জন্য যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি প্রস্তুত রেখেছেন।

THAT HE MAY ASK THE TRUTHFULS (ALLAAHU'S MESSENGERS AND HIS PROPHETS) ABOUT THEIR TRUTH (I.E. THE CONVEYANCE OF ALLAH'S MESSAGE THAT WHICH THEY WERE CHARGED WITH). AND HE HAS PREPARED FOR THE DISBELIEVERS A PAINFUL TORMENT (HELL-FIRE).

ताकि वह सच्चे लोगों से उनकी सच्चाई के बारे में पूछे। और इनकार करनेवालों के लिए तो उसने दुखद यातना तैयार कर रखी है

33/8

YUNUS (10:94)

فَإِن كُنتَ فِي شَكٍّ مِّمَّآ أَنزَلْنَآ إِلَيْكَ فَسْـَٔلِ ٱلَّذِينَ يَقْرَءُونَ ٱلْكِتَٰبَ مِن قَبْلِكَ لَقَدْ جَآءَكَ ٱلْحَقُّ مِن رَّبِّكَ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ ٱلْمُمْتَرِينَ

پھر اگر آپ اس کی طرف سے شک میں ہوں جس کو ہم نے آپ کے پاس بھیجا ہے تو آپ ان لوگوں سے پوچھ دیکھیے جو آپ سے پہلی کتابوں کو پڑھتے ہیں۔ بیشک آپ کے پاس آپ کے رب کی طرف سے سچی کتاب آئی ہے۔ آپ ہرگز شک کرنے والوں میں سے نہ ہوں

সুতরাং তুমি যদি সে বস্তু সম্পর্কে কোন সন্দেহের সম্মুখীন হয়ে থাক যা তোমার প্রতি আমি নাযিল করেছি, তবে তাদেরকে জিজ্ঞেস করো যারা তোমার পূর্ব থেকে কিতাব পাঠ করছে। এতে কোন সন্দেহ নেই যে, তোমার পরওয়ারদেগারের নিকট থেকে তোমার নিকট সত্য বিষয় এসেছে। কাজেই তুমি কস্মিনকালেও সন্দেহকারী হয়ো না।

SO IF YOU (O MUHAMMAD SAW) ARE IN DOUBT CONCERNING THAT WHICH WE HAVE REVEALED UNTO

YOU, [I.E. THAT YOUR NAME IS WRITTEN IN THE TAURAT (TORAH) AND THE INJEEL (GOSPEL)] THEN ASK THOSE WHO ARE READING THE BOOK [THE TAURAT (TORAH) AND THE INJEEL (GOSPEL)] BEFORE YOU. VERILY, THE TRUTH HAS COME TO YOU FROM YOUR LORD. SO BE NOT OF THOSE WHO DOUBT (IT).

अतः यदि तुम्हें उस चीज़ के बारे में कोई संदेह हो, जो हमने तुम्हारी ओर अवतरित की है, तो उनसे पूछ लो जो तुमसे पहले से किताब पढ़ रहे है। तुम्हारे पास तो तुम्हारे रब की ओर से सत्य आ चुका। अतः तुम कदापि सन्देह करनेवाले न हो

/10/94

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

WAATI

فَـَٔاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ;;;**আত্মীয়-স্বজনকে তাদের প্রাপ্য দিন এবং মিসকীন ও মুসাফিরদেরও। ;;; GIVE TO THE KINDRED HIS DUE, AND TO AL-MISKIN (THE POOR) AND TO THE WAYFARER.;;; پس قرابت دار کو مسکین کو مسافر کو ہر ایک کو اس کا حق دیجئے ;;;;దగ్గరి చుట్టాలకూ ,మిస్కీనులకూ-బాటసారులకూ ఇవ్వాల్సింది అప్పజెప్పవలేనే!;;; नातेदार को उसका हक़ दो और मुहताज और मुसाफ़िर को भी।;;;**

AR-ROOM (30:38)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَـَٔاتِ ذَا ٱلْقُرْبَىٰ حَقَّهُۥ وَٱلْمِسْكِينَ وَٱبْنَ ٱلسَّبِيلِ ذَٰلِكَ خَيْرٌ لِّلَّذِينَ يُرِيدُونَ وَجْهَ ٱللَّهِ وَأُو۟لَـٰٓئِكَ هُمُ ٱلْمُفْلِحُونَ

پس قرابت دار کو مسکین کو مسافر کو ہر ایک کو اس کا حق دیجئے، یہ ان کے لئے بہتر ہے جو أللہ تعالیٰ کا منھ دیکھنا چاہتے ہوں، ایسے ہی لوگ نجات پانے والے ہیں

আত্নীয়-স্বজনকে তাদের প্রাপ্য দিন এবং মিসকীন ও মুসাফিরদেরও। এটা তাদের জন্যে উত্তম, যারা আল্লাহ ﷻর সন্তুষ্টি কামনা করে। তারাই সফলকাম।

SO GIVE TO THE KINDRED HIS DUE, AND TO AL-MISKIN (THE POOR) AND TO THE WAYFARER. THAT IS BEST FOR THOSE WHO SEEK **ALLAAHU** ﷻ'S COUNTENANCE, AND IT IS THEY WHO WILL BE SUCCESSFUL.

अतः नातेदार को उसका हक़ दो और मुहताज और मुसाफ़िर को भी। यह अच्छा है उनके लिए जो अल्लाह ﷻ की प्रसन्नता के इच्छुक हों और वही

सफल है

/30/38

❍ ❖ ✾ ❄ ❍ ❖ ✾ ❄ ❍❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

ٱلَّذِينَ لَا يُؤْتُونَ ٱلزَّكَوٰةَ;;; যারা যাকাত দেয় না এবং পরকালকে অস্বীকার করে। ;;; THOSE WHO GIVE NOT THE ZAKAT ;;;;; جو زکوٰۃ نہیں دیتے ;; జకాతు -చెల్లించని వాడు ఆఖిరతును నమ్మలేదు--;;जो ज़कात नहीं देते और वही है जो आख़िरत का इनकार करते;;;

FUSSILAT (41:7)

﷽

ٱلَّذِينَ لَا يُؤْتُونَ ٱلزَّكَوٰةَ وَهُم بِٱلْـَٔاخِرَةِ هُمْ كَـٰفِرُونَ

جو زکوٰۃ نہیں دیتے اورآخرت کے بھی منکر ہی رہتے ہیں

যারা যাকাত দেয় না এবং পরকালকে অস্বীকার করে।

THOSE WHO GIVE NOT THE ZAKAT AND THEY ARE DISBELIEVERS IN THE HEREAFTER.

जो ज़कात नहीं देते और वही है जो आख़िरत का इनकार करते है। -

/41/7

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

—

فَٱحْكُم بَيْنَهُم بِمَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَآءَهُمْ

আল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন, তদনুযায়ী ফয়সালা করুন;;;JUDGE BETWEEN PEOPLE BY ALQURAAN ONLY;;; أللہ کی اتاری ہوئی کتاب کے ساتھ حکم کیجیئے;;;;; అన్ని నిర్ణయాలూ:- జడ్జిమెంట్లూ కుర్ఆను ప్రకారమే! ;;;तुम मामलों में वही फ़ैसला करना जो अल्लाहﷻ ने उतारा ;;;;

AL-MAAIDA (5:48)

ﷺ

وَأَنزَلْنَآ إِلَيْكَ ٱلْكِتَٰبَ بِٱلْحَقِّ مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ مِنَ ٱلْكِتَٰبِ وَمُهَيْمِنًا عَلَيْهِ فَٱحْكُم بَيْنَهُم بِمَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَلَا تَتَّبِعْ أَهْوَآءَهُمْ عَمَّا جَآءَكَ مِنَ ٱلْحَقِّ لِكُلٍّ جَعَلْنَا مِنكُمْ شِرْعَةً وَمِنْهَاجًا وَلَوْ شَآءَ ٱللَّهُ لَجَعَلَكُمْ أُمَّةً وَٰحِدَةً وَلَٰكِن لِّيَبْلُوَكُمْ فِى مَآ ءَاتَىٰكُمْ فَٱسْتَبِقُوا۟ ٱلْخَيْرَٰتِ إِلَى ٱللَّهِ مَرْجِعُكُمْ جَمِيعًا فَيُنَبِّئُكُم بِمَا كُنتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ

اور ہم نے آپ کی طرف حق کے ساتھ یہ کتاب نازل

فرمائی ہے جو اپنے سے اگلی کتابوں کی تصدیق کرنے
اس لئے آپ ان کے والی ہے اور ان کی محافظ ہے۔
آپس کے معاملت میں اسی أللہ کی اتاری ہوئی کتاب کے
ساتھ حکم کیجیئے، اس حق سے ہٹ کر ان کی خواہشوں
کے پیچھے نہ جائیے تم میں سے ہر ایک کے لئے ہم نے ایک
دستور اور راہ مقرر کردی ہے۔ اگر منظور مولیٰ ہوتا تو تم
سب کو ایک ہی امت بنا دیتا، لیکن اس کی چاہت ہے کہ
جو تمہیں دیا ہے اس میں تمہیں آزمائے، تم نیکیوں کی
طرف جلدی کرو، تم سب کا رجوع أللہ ہی کی طرف ہے،
پھر وہ تمہیں ہر وہ چیز بتا دے گا جس میں تم اختلف
کرتے رہتے ہو

আমিﷻ আপনার প্রতি অবতীর্ণ করেছি সত্যগ্রন্থ, যা
পূর্ববতী গ্রন্থ সমূহের সত্যায়নকারী এবং সেগুলোর
বিষয়বস্তুর রক্ষণাবেক্ষণকারী। অতএব, আপনি তাদের
পারস্পারিক ব্যাপারাদিতে আল্লাহﷻ যা অবতীর্ণ
করেছেন, তদনুযায়ী ফয়সালা করুন এবং আপনার কাছে
যে সৎপথ এসেছে, তা ছেড়ে তাদের প্রবৃত্তির অনুসরণ

করবেন না। আমি ﷻতোমাদের প্রত্যেককে একটি আইন ও পথ দিয়েছি। যদি আল্লাহﷻ চাইতেন, তবে তোমাদের সবাইকে এক উম্মত করে দিতেন, কিন্তু এরূপ করেননি- যাতে তোমাদেরকে যে ধর্ম দিয়েছেন, তাতে তোমাদের পরীক্ষা নেন। অতএব, দৌড়ে কল্যাণকর বিষয়াদি অর্জন কর। তোমাদের সবাইকে আল্লাহﷻর কাছে প্রত্যাবর্তন করতে হবে। অতঃপর তিনি অবহিত করবেন সে বিষয়, যাতে তোমরা মতবিরোধ করতে।

AND WE **ALLAAHU**ﷻ HAVE SENT DOWN TO YOU (O MUHAMMAD SAW) THE BOOK (THIS QURAN) IN TRUTH, CONFIRMING THE SCRIPTURE THAT CAME BEFORE IT AND MOHAYMINAN (TRUSTWORTHY IN HIGHNESS AND A WITNESS) OVER IT (OLD SCRIPTURES). SO JUDGE BETWEEN THEM BY WHAT **ALLAAHU**ﷻ HAS REVEALED, AND FOLLOW NOT THEIR VAIN DESIRES, DIVERGING AWAY FROM THE TRUTH THAT HAS COME TO YOU. TO EACH AMONG YOU, WE HAVE PRESCRIBED

A LAW AND A CLEAR WAY. IF **ALLAAHU** WILLED, HE WOULD HAVE MADE YOU ONE NATION, BUT THAT (HE) MAY TEST YOU IN WHAT HE HAS GIVEN YOU; SO STRIVE AS IN A RACE IN GOOD DEEDS. THE RETURN OF YOU (ALL) IS TO **ALLAAHU**; THEN HE WILL INFORM YOU ABOUT THAT IN WHICH YOU USED TO DIFFER.

और हमने तुम्हारी ओर यह किताब हक़ के साथ उतारी है, जो उस किताब की पुष्टि करती है जो उसके पहले से मौजूद है और उसकी संरक्षक है। अतः लोगों के बीच तुम मामलों में वही फ़ैसला करना जो अल्लाह ने उतारा है और जो सत्य तुम्हारे पास आ चुका है उसे छोड़कर उनकी इच्छाओं का पालन न करना। हमने तुममें से प्रत्येक के लिए एक ही घाट (शरीअत) और एक ही मार्ग निश्चित किया है। यदि अल्लाह चाहता तो तुम सबको एक समुदाय बना देता। परन्तु जो कुछ उसने तुम्हें दिया है, उसमें वह तुम्हारी परीक्षा करना चाहता है। अतः भलाई के कामों में एक-दूसरे से आगे बढ़ो। तुम सबको

अल्लाहﷻ ही की ओर लौटना है। फिर वह तुम्हें बता देगा, जिसमें तुम विभेद करते रहे हो

/5/48

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING

◤

AL-ISRAA (17:35)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَوْفُوا۟ ٱلْكَيْلَ إِذَا كِلْتُمْ وَزِنُوا۟ بِٱلْقِسْطَاسِ ٱلْمُسْتَقِيمِ ذَٰلِكَ خَيْرٌ وَأَحْسَنُ تَأْوِيلًا

اور جب ناپنے لگو تو بھر پور پیمانے سے ناپو اور سیدھی ترازو سے تولا کرو۔ یہی بہتر ہے اور انجام کے لحاظ سے بھی بہت اچھا ہے

মেপে দেয়ার সময় পূর্ণ মাপে দেবে এবং সঠিক দাঁড়িপালায় ওজন করবে। এটা উত্তম; এর পরিণাম শুভ।

AND GIVE FULL MEASURE WHEN YOU MEASURE, AND WEIGH WITH A BALANCE THAT IS STRAIGHT. THAT IS GOOD (ADVANTAGEOUS) AND BETTER IN THE END.

और जब नापकर दो तो, नाप पूरी रखो। और ठीक तराज़ू से तौलो, यही उत्तम और परिणाम की दृष्टि से भी अधिक अच्छा है

/17/35

KEILOO

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

ASH-SHU'ARAA (26:181)

أَوْفُوا۟ ٱلْكَيْلَ وَلَا تَكُونُوا۟ مِنَ ٱلْمُخْسِرِينَ

ناپ پورا بھرا کرو کم دینے والوں میں شمولیت نہ کرو

মাপ পূর্ণ কর এবং যারা পরিমাপে কম দেয়, তাদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না।

"GIVE FULL MEASURE, AND CAUSE NO LOSS (TO OTHERS).

तुम पूरा-पूरा पैमाना भरो और घाटा न दो

26/181

IRHAM

AL-MUMINOON (23:118)

وَقُل رَّبِّ ٱغْفِرْ وَٱرْحَمْ وَأَنتَ خَيْرُ ٱلرَّٰحِمِينَ

اور کہو کہ اے میرے رب! تو بخش اور رحم کر اور تو سب مہربانوں سے بہتر مہربانی کرنے والا ہے

বলুনঃ হে আমার পালনকর্তা, ক্ষমা করুন ও রহম করুন। রহমকারীদের মধ্যে আপনি শ্রেষ্ট রহমকারী।

AND SAY (O MUHAMMAD SAW): "MY LORD! FORGIVE AND HAVE MERCY, FOR YOU ARE THE BEST OF THOSE WHO SHOW MERCY!"

और कहो, "मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और दया कर। तू तो सबसे अच्छा दया करनेवाला है।"

/23/118

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

ISTAJEEBOO-42/47

AL-BAQARA (2:186)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

وَإِذَا سَأَلَكَ عِبَادِي عَنِّي فَإِنِّي قَرِيبٌ أُجِيبُ

دَعْوَةَ ٱلدَّاعِ إِذَا دَعَانِ فَلْيَسْتَجِيبُوا۟ لِي

وَلْيُؤْمِنُوا۟ بِي لَعَلَّهُمْ يَرْشُدُونَ

جب میرے بندے میرے بارے میں آپ سے سوال
کریں تو آپ کہہ دیں کہ میں بہت ہی قریب
ہوں ہر پکارنے والے کی پکار کو جب کبھی وہ
مجھے پکارے، قبول کرتا ہوں اس لئے لوگوں کو
بھی چاہئے کہ وہ میری بات مان لیا کریں اور
مجھ پر ایمان رکھیں، یہی ان کی بھلائی کا
باعث ہے

আর আমার বান্দারা যখন তোমার কাছে জিজ্ঞেস করে
আমার ব্যাপারে বস্তুতঃ আমি রয়েছি সন্নিকটে। যারা

প্রার্থনা করে, তাদের প্রার্থনা কবুল করে নেই, যখন আমার কাছে প্রার্থনা করে। কাজেই আমার হুকুম মান্য করা এবং আমার প্রতি নিঃসংশয়ে বিশ্বাস করা তাদের একান্ত কর্তব্য। যাতে তারা সৎপথে আসতে পারে।

AND WHEN MY SLAVES ASK YOU (O MUHAMMAD SAW) CONCERNING ME, THEN (ANSWER THEM), I AM INDEED NEAR (TO THEM BY MY KNOWLEDGE). I RESPOND TO THE INVOCATIONS OF THE SUPPLICANT WHEN HE CALLS ON ME (WITHOUT ANY MEDIATOR OR INTERCESSOR). SO LET THEM OBEY ME AND BELIEVE IN ME, SO THAT THEY MAY BE LED ARIGHT.

और जब तुमसे मेरे बन्दे मेरे सम्बन्ध में पूछें, तो मैं तो निकट ही हूँ, पुकार का उत्तर देता हूँ, जब वह मुझे पुकारता है, तो उन्हें चाहिए कि वे मेरा हुक्म मानें और मुझपर ईमान रखें, ताकि वे सीधा मार्ग पा लें

/2/186

✽◊✽◊✽◊✽◊✽⁘

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING⁘

ٱسْتَجِيبُواْ لِرَبِّكُم;;;' তোমাদের পালনকর্তার আদেশ মান্য কর।;;;' ANSWER THE CALL OF YOUR LORD ;;;اپنے رب کا حکم مان لو;;;'

అల్లాహుతఆలా ఇచ్చిన పిలుపును అందుకో;;'अपने रब की बात मान लो;;;'

ASH-SHURA (42:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱسْتَجِيبُواْ لِرَبِّكُم مِّن قَبْلِ أَن يَأْتِيَ يَوْمٌ لَّا مَرَدَّ لَهُۥ مِنَ ٱللَّهِ مَا لَكُم مِّن مَّلْجَإٍ يَوْمَئِذٍ وَمَا لَكُم مِّن نَّكِيرٍ

اپنے رب کا حکم مان لو اس سے پہلے کہ اللہ

کی جانب سے وہ دن آجائے جس کا ہٹ جانا
ناممکن ہے، تمہیں اس روز نہ تو کوئی پناہ کی
جگہ ملے گی نہ چھپ کر انجان بن جانے کی

আল্লাহঅপने रब की बात मान लो তা’আলার পক্ষ থেকে অবশ্যম্ভাবী দিবস আসার পুর্বে তোমরা তোমাদের পালনকর্তার **আদেশ মান্য কর।** সেদিন তোমাদের কোন আশ্রয়স্থল থাকবে না এবং তা নিরোধকারী কেউ থাকবে না।

ANSWER THE CALL OF YOUR LORD**ALLAAH SWT** (I.E. ACCEPT THE ISLAMIC MONOTHEISM, O MANKIND, AND JINNS) BEFORE THERE COMES FROM **ALLAAH SWT**A DAY WHICH CANNOT BE AVERTED. YOU WILL HAVE NO REFUGE ON THAT DAY NOR THERE WILL BE FOR YOU ANY DENYING (OF YOUR CRIMES AS THEY ARE ALL RECORDED IN THE BOOK OF YOUR

DEEDS).

अपने रब की बात मान लो इससे पहले कि अल्लाह की ओर से वह दिन आ जाए जो पलटने का नहीं। उस दिन तुम्हारे लिए न कोई शरण-स्थल होगा और न तुम किसी चीज़ को रद्द कर सकोगे

/42/47

✱◊✱◊✱◊✱◊✱⁘

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING⁘

AL-ANFAAL (8:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱسْتَجِيبُوا۟ لِلَّهِ وَلِلرَّسُولِ إِذَا دَعَاكُمْ لِمَا يُحْيِيكُمْ وَٱعْلَمُوٓا۟ أَنَّ ٱللَّهَ يَحُولُ بَيْنَ ٱلْمَرْءِ وَقَلْبِهِۦ وَأَنَّهُۥٓ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ

اے ایمان والو! تم أللہ اور رسول کے کہنے کو بجا لاؤ، جب کہ رسول تم کو تمہاری زندگی بخش چیز کی طرف بلتے ہوں اور جان رکھو کہ أللہ تعالیٰ آدمی کے اور اس کے قلب کے درمیان آڑ بن جایا کرتا ہے اور بلشبہ تم سب کو أللہ ہی کے پاس جمع ہونا ہے

হে ঈমানদারগণ, আল্লাহ ও তাঁর রসূলের নির্দেশ মান্য কর, যখন তোমাদের সে কাজের প্রতি আহবান করা হয়, যাতে রয়েছে তোমাদের জীবন। জেনে রেখো, আল্লাহ মানুষের এবং তার অন্তরের মাঝে অন্তরায় হয়ে যান। বস্তুতঃ তোমরা সবাই তাঁরই নিকট সমবেত হবে।

O YOU WHO BELIEVE! ANSWER ALLAAH SWT (BY OBEYING HIM) AND (HIS) MESSENGER WHEN HE (SAW) CALLS YOU TO THAT WHICH WILL GIVE YOU LIFE, AND KNOW THAT ALLAAH SWT COMES IN BETWEEN A

PERSON AND HIS HEART (I.E. HE PREVENTS AN EVIL PERSON TO DECIDE ANYTHING). AND VERILY TO HIM YOU SHALL (ALL) BE GATHERED.

ऐ ईमान लानेवाले! अल्लाहﷻ और रसूल की बात मानो, जब वह तुम्हें उस चीज़ की ओर बुलाए जो तुम्हें जीवन प्रदान करनेवाली है, और जान रखो कि अल्लाहﷻ आदमी और उसके दिल के बीच आड़े आ जाता है और यह कि वही है जिसकी ओर (पलटकर) तुम एकत्र होग.....े/8/24

✾◊✾◊✾◊✾◊✾⁘

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

AR-RA'D (13:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

لِلَّذِينَ ٱسْتَجَابُوا۟ لِرَبِّهِمُ ٱلْحُسْنَىٰ ۚ وَٱلَّذِينَ لَمْ يَسْتَجِيبُوا۟ لَهُۥ لَوْ أَنَّ لَهُم مَّا فِى ٱلْأَرْضِ

جَمِيعًا وَمِثْلَهُۥ مَعَهُۥ لَٱفْتَدَوْا۟ بِهِۦٓ ۚ أُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ
سُوٓءُ ٱلْحِسَابِ وَمَأْوَىٰهُمْ جَهَنَّمُ ۖ وَبِئْسَ ٱلْمِهَادُ

جن لوگوں نے اپنے رب کے حکم کی بجا آوری کی ان کے لئے بھلائی ہے اور جن لوگوں نے اس کی حکم برداری نہ کی اگر ان کے لئے زمین میں جو کچھ ہے سب کچھ ہو اور اسی کے ساتھ ویسا ہی اور بھی ہو تو وہ سب کچھ اپنے بدلے میں دے دیں۔ یہی ہیں جن کے لئے برا حساب ہے اور جن کا ٹھکانہ جہنم ہے جو بہت بری جگہ ہے

যারা পালনকর্তার আদেশ পালন করে, তাদের জন্য উত্তম প্রতিদান রয়েছে এবং যারা আদেশ পালন করে না, যদি তাদের কাছে জগতের সবকিছু থাকে এবং তার সাথে তার সমপরিমাণ আরও থাকে, তবে সবই নিজেদের মুক্তিপণ স্বরূপ দিয়ে দেবে। তাদের জন্যে রয়েছে কঠোর হিসাব। তাদের আবাস হবে জাহান্নাম। সেটা কতইনা নিকৃষ্ট

অবস্থান।

FOR THOSE WHO ANSWERED THEIR LORD'S CALL [BELIEVED IN THE ONENESS OF ALLAAH SWT AND FOLLOWED HIS MESSENGER MUHAMMAD SAW I.E. ISLAMIC MONOTHEISM] IS AL-HUSNA (I.E. PARADISE). BUT THOSE WHO ANSWERED NOT HIS CALL (DISBELIEVED IN THE ONENESS OF ALLAAH SWT AND FOLLOWED NOT HIS MESSENGER MUHAMMAD SAW), IF THEY HAD ALL THAT IS IN THE EARTH TOGETHER WITH ITS LIKE, THEY WOULD OFFER IT IN ORDER TO SAVE THEMSELVES (FROM THE TORMENT, IT WILL BE IN VAIN). FOR THEM THERE WILL BE THE TERRIBLE RECKONING. THEIR DWELLING PLACE WILL BE HELL; - AND WORST INDEED IS THAT PLACE FOR REST.

जिन लोगों ने अपने रब का आमंत्रण स्वीकार कर लिया, उनके लिए अच्छा पुरस्कार है। रहे वे लोग जिन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया यदि उनके पास वह सब कुछ हो जो धरती में हैं, बल्कि उसके साथ उतना और भी हो तो अपनी मुक्ति के लिए वे सब दे डालें। वही हैं, जिनका बुरा हिसाब होगा। उनका ठिकाना जहन्नम है और वह अत्यन्त बुरा विश्राम-स्थल है

/13/18

✱◊✱◊✱◊✱◊✱

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدۡعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ عِبَادٌ أَمۡثَالُكُمۡ;;; **আল্লাহকে বাদ দিয়ে তোমরা যাদেরকে ডাক, তারা সবাই তোমাদের মতই বান্দা।;;;;THOSE WHOM YOU CALL UPON BESIDES ALLAH ARE SLAVES LIKE YOU;;; తురగాదరగా-డివోటీలకు కనువిప్పు-యెంతయేడ్చినా-యెంతయాడ్చినా ఇతరములు యేమీ రాల్చలేవు- ;;;तुम अल्लाह को छोड़कर**

जिन्हें पुकारते हो वे तो तुम्हारे ही जैसे बन्दे है,

AL-A'RAAF (7:194)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ عِبَادٌ أَمْثَالُكُمْ فَٱدْعُوهُمْ فَلْيَسْتَجِيبُوا۟ لَكُمْ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

واقعی تم أللہ کو چھوڑ کر جن کی عبادت
کرتے ہو وہ بھی تم ہی جیسے بندے ہیں
سو تم ان کو پکارو پھر ان کو چاہئے کہ
تمہارا کہنا کر دیں اگر تم سچے ہو

আল্লাহﷻকে বাদ দিয়ে তোমরা যাদেরকে ডাক, তারা সবাই তোমাদের মতই বান্দা। অতএব, তোমরা

যাদেরকে ডাক, তখন তাদের পক্ষেও তো তোমাদের সে ডাক কবুল করা উচিত যদি তোমরা সত্যবাদী হয়ে থাক?

VERILY, THOSE WHOM YOU CALL UPON BESIDES ALLAAH SWT ARE SLAVES LIKE YOU. SO CALL UPON THEM AND LET THEM ANSWER YOU IF YOU ARE TRUTHFUL.

तुम अल्लाह को छोड़कर जिन्हें पुकारते हो वे तो तुम्हारे ही जैसे बन्दे है, अतः पुकार लो उनको, यदि तुम सच्चे हो, तो उन्हें चाहिए कि वे तुम्हें उत्तर दे!

/7/194

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

నిటారుగ నిలబేట్టబడినవీ/అడ్డంగా

పడుకోబెట్టబడినవీ-----కదలలేవు-మెదలలేవు-పెదవివిప్పిపలకలేవు-ఈగెనుగుడకతోలలేవే!దోమనూ కలిగించలేవు-

AL-HAJJ (22:73)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ضُرِبَ مَثَلٌ فَٱسْتَمِعُوا۟ لَهُۥٓ ۚ إِنَّ ٱلَّذِينَ تَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ لَن يَخْلُقُوا۟ ذُبَابًا وَلَوِ ٱجْتَمَعُوا۟ لَهُۥ ۖ وَإِن يَسْلُبْهُمُ ٱلذُّبَابُ شَيْـًٔا لَّا يَسْتَنقِذُوهُ مِنْهُ ۚ ضَعُفَ ٱلطَّالِبُ وَٱلْمَطْلُوبُ

لوگو! ایک مثال بیان کی جا رہی ہے، ذرا کان لگا کر سن لو! اللہ کے سوا جن جن کو تم پکارتے رہے ہو وہ ایک مکھی بھی تو پیدا نہیں کر سکتے، گو سارے کے سارے ہی جمع ہو جائیں، بلکہ اگر مکھی ان سے کوئی چیز لے بھاگے تو یہ تو اسے بھی اس سے چھین نہیں سکتے، بڑا بودا ہے طلب کرنے والا اور بڑا بودا ہے وہ جس سے طلب کیا جا رہا ہے

হে লোক সকল! একটি উপমা বর্ণনা করা হলো, অতএব তোমরা তা মনোযোগ দিয়ে শোন; তোমরা আল্লাহর পরিবর্তে যাদের পূজা কর, তারা কখনও একটি মাছি সৃষ্টি করতে পারবে না, যদিও তারা সকলে একত্রিত হয়। আর মাছি যদি তাদের কাছ থেকে কোন কিছু ছিনিয়ে নেয়, তবে তারা তার কাছ থেকে তা উদ্ধার করতে পারবে না, প্রার্থনাকারী ও যার কাছে প্রার্থনা করা হয়, উভয়েই শক্তিহীন।

O MANKIND! A SIMILITUDE HAS BEEN COINED, SO LISTEN TO IT (CAREFULLY): VERILY! THOSE ON WHOM YOU CALL BESIDES ALLAH, CANNOT CREATE (EVEN) A FLY, EVEN THOUGH THEY COMBINE TOGETHER FOR THE PURPOSE. AND IF THE FLY SNATCHED AWAY A THING FROM THEM, THEY WOULD HAVE NO POWER TO RELEASE IT

FROM THE FLY. SO WEAK ARE (BOTH) THE SEEKER AND THE SOUGHT.

ऐ लोगों! एक मिसाल पेश की जाती है। उसे ध्यान से सुनो, अल्लाह से हटकर तुम जिन्हें पुकारते हो वे एक मक्खी भी पैदा नहीं कर सकते। यद्यपि इसके लिए वे सब इकट्ठे हो जाएँ और यदि मक्खी उनसे कोई चीज़ छीन ले जाए तो उससे वे उसको छुड़ा भी नहीं सकते। बेबस और असहाय रहा चाहनेवाला भी (उपासक) और उसका अभीष्ट (उपास्य) भी

/22/73

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

فَٱسْتَمْسِكْ بِالقرءان ;; **যে ওহী নাযিল করা**

হয়, তা দৃঢ়ভাবে অবলম্বন করুন ;;;FASTAMSIK.;HOLD YOU FAST TO ALQURAANU. مضبوط تھامے رہیں ;;;అల్' కుర్ఆను ను గట్టిగా హస్తగ్రహణం చేయవలే;;;; आल'कुर्आन को मज़बूती से थामे रहो ;;;;

AZ-ZUKHRUF (43:43)

ﷺ

فَٱسْتَمْسِكْ بِٱلَّذِىٓ أُوحِىَ إِلَيْكَ إِنَّكَ عَلَىٰ صِرَٰطٍ مُّسْتَقِيمٍ

پس جو وحی آپ کی طرف کی گئی ہے اسے مضبوط تھامے رہیں بیشک آپ راہ راست پر ہیں

অতএব, আপনার প্রতি যে ওহী নাযিল করা হয়, তা দৃঢ়ভাবে অবলম্বন করুন। নিঃসন্দেহে আপনি সরল পথে রয়েছেন।

SO HOLD YOU (O MUHAMMAD SAW) FAST TO THAT WHICH IS INSPIRED IN YOU. VERILY, YOU ARE ON A STRAIGHT PATH.

अतः तुम उस चीज़ को मज़बूती से थामे रहो जिसकी तुम्हारी ओर प्रकाशना की गई। निश्चय ही तु सीधे मार्ग पर हो

/43/43

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-BAQARA (2:41)

وَءَامِنُوا۟ بِمَآ أَنزَلْتُ مُصَدِّقًا لِّمَا مَعَكُمْ وَلَا تَكُونُوٓا۟ أَوَّلَ كَافِرٍۭ بِهِۦ ۖ وَلَا تَشْتَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِى ثَمَنًا قَلِيلًا وَإِيَّٰىَ فَٱتَّقُونِ

اور اس کتاب پر ایمان لاؤ...

جو میں نے تمہاری کتابوں کی تصدیق میں نازل فرمائی ہے اور اس کے ساتھ تم ہی پہلے کافر نہ بنو اور میری آیتوں کو تھوڑی تھوڑی قیمت پر نہ فروخت کرو اور صرف مجھ ہی سے ڈرو

আর তোমরা সে গ্রন্থের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন কর, যা আমি অবতীর্ণ করেছি সত্যবক্তা হিসেবে তোমাদের কাছে। বস্তুতঃ তোমরা তার প্রাথমিক অস্বীকারকারী হয়ো না আর আমার আয়াতের অল্প মূল্য দিও না। এবং আমার (আযাব) থেকে বাঁচ।

AND BELIEVE IN WHAT I HAVE SENT DOWN (THIS QURAN), CONFIRMING THAT WHICH IS WITH YOU, [THE TAURAT (TORAH) AND THE INJEEL (GOSPEL)], AND BE NOT THE FIRST TO DISBELIEVE THEREIN, AND BUY NOT WITH MY VERSES [THE TAURAT (TORAH) AND THE INJEEL (GOSPEL)] A SMALL PRICE (I.E. GETTING A SMALL GAIN BY SELLING MY VERSES), AND FEAR ME AND ME ALONE. (TAFSIR AT-TABARI, VOL. I, PAGE 253).

और ईमान लाओ उस चीज़ पर जो मैंने उतारी है, जो उसकी पुष्टि में है, जो तुम्हारे पास है, और सबसे पहले तुम ही उसके इनकार करनेवाले न बनो। और मेरी आयतों को थोड़ा मूल्य प्राप्त करने का साधन न बनाओ, मुझसे ही तुम डरो

/R/2/41

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

ٱتَّقُواْ ٱللَّهَ;;; আল্লাহ তা'আলাকে ভয় কর ;;; STAY AFRAID OF ALLAH;;; اللہ تعالیٰ سے ڈرو ;;; అల్లాహు దొరతనానికి దాసోహం లొంగివంగిబతుకు ;;;अल्लाह का डर रखो;;;

AT-TAWBA (9:119)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱتَّقُواْ ٱللَّهَ وَكُونُواْ مَعَ ٱلصَّٰدِقِينَ

اللہ تعالیٰ سے ڈرو اور سچوں کے !اے ایمان والو ساتھ رہو

হে ঈমানদারগণ, আল্লাহকে ভয় কর এবং সত্যবাদীদের সাথে থাক।

O YOU WHO BELIEVE! BE AFRAID OF **ALLAAH SWT**, AND BE WITH THOSE WHO ARE TRUE (IN WORDS AND DEEDS).

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखों और सच्चे लोगों के साथ हो जाओ

9/119

◇◆◇◇◆◇◇◆◇

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-HASHR (59:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱتَّقُواْ ٱللَّهَ وَلۡتَنظُرۡ نَفۡسٞ مَّا قَدَّمَتۡ لِغَدٖۖ وَٱتَّقُواْ ٱللَّهَۚ إِنَّ ٱللَّهَ خَبِيرُۢ بِمَا

تَعْمَلُونَ

اے ایمان والو

إللہ سے ڈرتے رہو اور ہر شخص دیکھ (بھال) لے کہ کل (قیامت) کے واسطے اس نے (اعمال کا) کیا (ذخیرہ) بھیجا ہے۔ اور (ہر وقت) أللہ سے ڈرتے رہو۔ أللہ تمہارے سب اعمال سے باخبر ہے

মুমিনগণ, তোমরা আল্লাহ তা'আলাকে ভয় কর। প্রত্যেক ব্যক্তির উচিত, আগামী কালের জন্যে সে কি প্রেরণ করে, তা চিন্তা করা।

আল্লাহ তা'আলাকে ভয় করতে থাক। তোমরা যা কর, আল্লাহ তা'আলা সে সম্পর্কে খবর রাখেন।

O YOU WHO BELIEVE! FEAR **ALLAAH SWT** AND KEEP

YOUR DUTY TO HIM. AND LET EVERY PERSON LOOK TO WHAT HE HAS SENT FORTH FOR THE MORROW, AND FEAR **ALLAAH SWT**. VERILY, **ALLAAH SWT** IS ALL-AWARE OF WHAT YOU DO.

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो। और प्रत्येक व्यक्ति को यह देखना चाहिए कि उसने कल के लिए क्या भेजा है। और अल्लाह का डर रखो। जो कुछ भी तुम करते हो निश्चय ही अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है

/59/18

YAUMAAN TASHQASHU FEEHI L ABSAARU

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

IBRAHIM (14:42)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَحْسَبَنَّ ٱللَّهَ غَٰفِلًا عَمَّا يَعْمَلُ ٱلظَّٰلِمُونَ إِنَّمَا يُؤَخِّرُهُمْ لِيَوْمٍ تَشْخَصُ فِيهِ ٱلْأَبْصَٰرُ

ناانصافوں کے اعمال سے ألله کو غافل نہ سمجھ وہ تو انہیں اس دن تک مہلت دیے ہوئے ہے جس دن آنکھیں پھٹی کی پھٹی رہ جائیں گی

জালেমরা যা করে, সে সম্পর্কে আল্লাহﷻকে কখনও বেখবর মনে করো না তাদেরকে তো ঐ দিন পর্যন্ত অবকাশ দিয়ে রেখেছেন, যেদিন চক্ষুসমূহ বিস্ফোরিত হবে।

CONSIDER NOT THAT ALLAAH SWT IS UNAWARE OF THAT WHICH THE ZALIMUN (POLYTHEISTS, WRONG-DOERS, ETC.) DO, BUT HE GIVES THEM RESPITE UP TO A DAY WHEN THE EYES WILL STARE IN HORROR.

अब ये अत्याचारी जो कुछ कर रहे है, उससे अल्लाह को असावधान न समझो। वह तो इन्हें बस उस दिन तक के लिए टाल रहा है जबकि आँखे फटी की फटी रह जाएँगी,

/14/42

-1--NAAR

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

AAL-I-IMRAAN (3:131)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱتَّقُواْ ٱلنَّارَ ٱلَّتِىٓ أُعِدَّتْ لِلْكَٰفِرِينَ

اور اس آگ سے ڈرو جو کافروں کے لئے تیار کی گئی ہے

এবং তোমরা সে আগুন থেকে বেঁচে থাক, যা কাফেরদের জন্য প্রস্তুত করা হয়েছে।

AND FEAR THE FIRE, WHICH IS PREPARED FOR THE DISBELIEVERS.

और उस आग से बचो जो इनकार करनेवालों के लिए तैयार है

3/131

BALLIGOOO

❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

AL-JINN (72:28)

ﷲ

لِّيَعْلَمَ أَن قَدْ أَبْلَغُوا۟ رِسَٰلَٰتِ رَبِّهِمْ وَأَحَاطَ بِمَا لَدَيْهِمْ وَأَحْصَىٰ كُلَّ شَىْءٍ عَدَدًۢا

تاکہ ان کے اپنے رب کے پیغام پہنچا دینے کا علم ہو جائے
أللہ تعالیٰ نے ان کے آس پاس (کی تمام چیزوں) کا احاطہ
کر رکھا ہے اور ہر چیز کی گنتی شمار کر رکھا ہے

যাতে আল্লাহ তা'আলা জেনে নেন যে, রসূলগণ তাঁদের পালনকর্তার পয়গাম পৌছিয়েছেন কি না। রসূলগণের

কাছে যা আছে, তা তাঁর জ্ঞান-গোচর। তিনি সবকিছুর সংখ্যার হিসাব রাখেন।

[HE (ALLAAHU.SWT.)

PROTECTS THEM (THE MESSENGERS)], TILL HE SEES THAT THEY (THE MESSENGERS) HAVE CONVEYED THE MESSAGES OF THEIR LORD (**ALLAAHSWT**). AND HE (**ALLAAHSWT**) SURROUNDS ALL THAT WHICH IS WITH THEM, AND HE (**ALLAAHSWT**) KEEPS COUNT OF ALL THINGS (I.E. HE KNOWS THE EXACT NUMBER OF EVERYTHING).

ताकि वह यक़ीनी बना दे कि उन्होंने अपने रब के सन्देश पहुँचा दिए और जो कुछ उनके पास है उसे वह घेरे हुए है और हर चीज़ को उसने गिन रखा है।"

/72/28

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

بَلِّغْ مَآ أُنزِلَ إِلَيْكَ مِن رَّبِّكَ ;;;পৌছে দিন আপনার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে আপনার প্রতি যা অবতীর্ণ হয়েছে;;;PROCLAIM (THE MESSAGE) WHICH HAS BEEN SENT ;;; رب کی جانب سے نازل کیا گیا ہے پہنچا دیجیئے۔;;; అల్'కుర్ఆను సందేశాన్ని జనాలకు అందించటమే మిస్లిముల భాద్యత; వుత్తిగ నెత్తిన కుచ్చుకుల్లాయిలతో తిరిగితే యేం వెలగబెట్టినట్లో!;; तुम्हारे रब की ओर से तुम पर जो कुछ उतारा गया है, उसे पहुँचा दो।;;;

AL-MAAIDA (5:67)

﷽

يَٰٓأَيُّهَا ٱلرَّسُولُ بَلِّغْ مَآ أُنزِلَ إِلَيْكَ مِن رَّبِّكَ وَإِن لَّمْ تَفْعَلْ فَمَا بَلَّغْتَ رِسَالَتَهُۥ وَٱللَّهُ يَعْصِمُكَ مِنَ ٱلنَّاسِ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَهْدِى ٱلْقَوْمَ ٱلْكَٰفِرِينَ

اے رسول جو کچھ بھی آپ کی طرف آپ کے رب کی جانب سے نازل کیا گیا ہے پہنچا دیجیئے۔ اگر آپ نے ایسا نہ کیا تو آپ نے أللہ کی رسالت ادا نہیں کی، اور آپ کو أللہ تعالیٰ لوگوں سے بچا لے گا بےشک أللہ تعالیٰ کافر لوگوں کو ہدایت نہیں دیتا

হে রসূল, পৌঁছে দিন আপনার প্রতিপালকের পক্ষ থেকে আপনার প্রতি যা অবতীর্ণ হয়েছে। আর যদি আপনি এরূপ না করেন, তবে আপনি তাঁর পয়গাম কিছুই পৌঁছালেন না। আল্লাহ আপনাকে মানুষের কাছ থেকে রক্ষা করবেন। নিশ্চয় আল্লাহ কাফেরদেরকে পথ প্রদর্শন করেন না।

O MESSENGER (MUHAMMAD SAW)! PROCLAIM (THE MESSAGE) WHICH HAS BEEN SENT DOWN TO YOU FROM YOUR LORD. AND IF YOU DO NOT, THEN YOU HAVE NOT CONVEYED HIS MESSAGE. ALLAH WILL PROTECT YOU FROM MANKIND. VERILY, ALLAH GUIDES NOT THE PEOPLE WHO DISBELIEVE.

ऐ रसूल! तुम्हारे रब की ओर से तुम पर जो कुछ उतारा गया है, उसे पहुँचा दो। यदि ऐसा न किया तो तुमने उसका सन्देश नहीं पहुँचाया। अल्लाह तुम्हें लोगों (की बुराइयों) से बचाएगा। निश्चय ही अल्लाह इनकार करनेवाले लोगों को मार्ग नहीं दिखाता

/5/67

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

AR-RA'D (13:40)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِن مَّا نُرِيَنَّكَ بَعْضَ ٱلَّذِى نَعِدُهُمْ أَوْ نَتَوَفَّيَنَّكَ فَإِنَّمَا عَلَيْكَ ٱلْبَلَٰغُ وَعَلَيْنَا ٱلْحِسَابُ

ان سے کیے ہوئے وعدوں میں سے کوئی اگر ہم آپ کو دکھا

دیں یا آپ کو ہم فوت کر لیں تو آپ پر تو صرف پہنچا دینا ہی ہے۔ حساب تو ہمارے ذمہ ہی ہے

আমি তাদের সাথে যে ওয়াদা করেছি, তার কোন একটি যদি আপনাকে দেখিয়ে দেই কিংবা আপনাকে উঠিয়ে নেই, তাতে কি আপনার দায়িত্ব তো পৌছে দেয়া এবং আমার দায়িত্ব হিসাব নেয়া।

WHETHER WE SHOW YOU (O MUHAMMAD SAW) PART OF WHAT WE HAVE PROMISED THEM OR CAUSE YOU TO DIE, YOUR DUTY IS ONLY TO CONVEY (THE MESSAGE) AND ON US IS THE RECKONING.

हम जो वादा उनसे कर रहे है चाहे उसमें से कुछ हम तुम्हें दिखा दें, या तुम्हें उठा लें। तुम्हारा दायित्व तो बस सन्देश का पहुँचा देना ही है, हिसाब लेना तो हमारे ज़िम्मे है

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

فَذَكِّرْ بِٱلْقُرْءَانِ;;; আপনি তাদের উপর জোরজবরকারী নন। অতএব, যে আমার শাস্তিকে ভয় করে, ;;;BUT WARN BY THE QURAN,;;; تو آپ قرآن کے ذریعے انہیں سمجھاتے رہیں ;;; నువ్వుమటుకు అల్'కుర్ఆను తోనే తబ్లీగు చేయ్! బుజ్-రౌగులకతలు గుడక సెప్పక;;; तुम क़ुरआन के द्वारा उसे नसीहत करो ;;;;

QAAF (50:45)

بسم الله الرحمن الرحيم

نَّحْنُ أَعْلَمُ بِمَا يَقُولُونَ وَمَآ أَنتَ عَلَيْهِم بِجَبَّارٍ فَذَكِّرْ بِٱلْقُرْءَانِ مَن يَخَافُ وَعِيدِ

یہ جو کچھ کہہ رہے ہیں ہم بخوبی جانتے ہیں اور آپ ان پر جبر کرنے والے نہیں، تو آپ قرآن کے ذریعے انہیں سمجھاتے رہیں جو میرے وعید (ڈرانے کے وعدوں) سے ڈرتے ہیں

তারা যা বলে, তা আমি সম্যক অবগত আছি। আপনি তাদের উপর জোরজবরকারী নন। অতএব, যে আমার শাস্তিকে ভয় করে, তাকে কোরআনের মাধ্যমে উপদেশ দান করুন।

WE KNOW OF BEST WHAT THEY SAY; AND YOU (O MUHAMMAD SAW) ARE NOT A TYRANT OVER THEM (TO FORCE THEM TO BELIEF). BUT WARN BY THE QURAN, HIM WHO FEARS MY THREAT.

हम जानते है जो कुछ वे कहते है, तुम उनपर कोई ज़बरदस्ती

करनेवाले तो हो नहीं। अतः तुम क़ुरआन के द्वारा उसे नसीहत करो जो हमारी चेतावनी से डरे

/50/45

❖

IT҆S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

AL-MUDDATHTHIR (74:2)

﷽

قُمْ فَأَنذِرْ

کھڑا ہوجا اور آگاہ کردے

উঠুন, সতর্ক করুন,

ARISE AND WARN!

उठो, और सावधान करने में लग जाओ

/74/2

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

سَابِقُوٓاْ إِلَىٰ مَغْفِرَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ وَجَنَّةٍ;;; তোমরা অগ্রে ধাবিত হও তোমাদের পালনকর্তার ক্ষমা ও সেই জান্নাতের দিকে ;;; RACE TOWARDS FORGIVENESS FROM YOUR LORD (ALLAAHU,SWT), AND PARADISE;;;; دوڑو اپنے رب کی مغفرت کی طرف اور اس جنت کی طرف ;;;TOP GEAR స్పీడుతో వేగిరపడాలే! ---

అల్లాహుసుబహానవైపు+---జన్నతువేపు ...(నాను గుడక అమలుచేయని మొరుగుడుకుక్కన్-.ONLY) ;; अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर अग्रसर होने में एक-दूसरे से बाज़ी ;;;

AL-HADID (57:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

سَابِقُوٓا۟ إِلَىٰ مَغْفِرَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ وَجَنَّةٍ عَرْضُهَا كَعَرْضِ ٱلسَّمَآءِ وَٱلْأَرْضِ أُعِدَّتْ لِلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ بِٱللَّهِ وَرُسُلِهِۦ ذَٰلِكَ فَضْلُ ٱللَّهِ يُؤْتِيهِ مَن يَشَآءُ وَٱللَّهُ ذُو ٱلْفَضْلِ ٱلْعَظِيمِ

(آؤ)

دوڑو اپنے رب کی مغفرت کی طرف اور اس جنت کی طرف جس کی وسعت آسمان وزمین کی وسعت کے برابر ہے یہ ان کے لیے بنائی ہے جو أللہ پر اور اس کے رسولوں پر ایمان رکھتے ہیں۔ یہ أللہ کا فضل ہے جسے چاہے دے اور أللہ بڑے فضل والا ہے

তোমরা অগ্রে ধাবিত হও তোমাদের পালনকর্তার ক্ষমা ও সেই জান্নাতের দিকে, যা আকাশ ও পৃথিবীর মত প্রশস্ত। এটা প্রস্তুত করা হয়েছে আল্লাহ ও তাঁর রসূলগণের প্রতি বিশ্বাসস্থাপনকারীদের জন্যে। এটা আল্লাহর কৃপা, তিনি যাকে ইচ্ছা, এটা দান করেন। আল্লাহ মহান কৃপার অধিকারী।

{DASHINGLY}...

RACE ONE WITH ANOTHER IN HASTENING TOWARDS FORGIVENESS FROM YOUR LORD (ALLAH), AND TOWARDS PARADISE, THE WIDTH WHEREOF IS AS THE WIDTH OF HEAVEN AND EARTH, PREPARED FOR THOSE WHO BELIEVE IN ALLAH AND HIS MESSENGERS. THAT IS THE GRACE OF ALLAH WHICH HE BESTOWS ON WHOM HE PLEASES. AND ALLAAHU.SWT IS THE OWNER OF GREAT BOUNTY.

अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर अग्रसर होने में एक-दूसरे से बाज़ी ले जाओ, जिसका विस्तार आकाश और धरती के विस्तार जैसा है, जो उन लोगों के लिए तैयार की गई है जो अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान लाए हों। यह अल्लाह का उदार अनुग्रह है, जिसे चाहता है प्रदान करता है। अल्लाह बड़े उदार अनुग्रह का मालिक है

/57/21

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

AL-HADID (57:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَءَامِنُوا۟ بِرَسُولِهِۦ يُؤْتِكُمْ كِفْلَيْنِ مِن رَّحْمَتِهِۦ وَيَجْعَل لَّكُمْ نُورًا تَمْشُونَ بِهِۦ وَيَغْفِرْ لَكُمْ وَٱللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

أللہ سے ڈرتے رہا کرو !اے وہ لوگو جو ایمان لائے ہو اور اس کے رسول پر ایمان لاؤ أللہ تمہیں اپنی رحمت کا دوہرا حصہ دے گا اور تمہیں نور دے گا جس کی روشنی میں تم چلو پھرو گے اور تمہارے گناہ بھی أللہ بخشنے والا مہربان ہے ،معاف فرمادے گا

মুমিনগণ, তোমরা আল্লাহকে ভয় কর এবং তাঁর রসূলের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন কর। তিনি নিজে অনুগ্রহের দ্বিগুণ অংশ তোমাদেরকে দিবেন, তোমাদেরকে দিবেন জ্যোতি, যার সাহায্যে তোমরা চলবে এবং তোমাদেরকে ক্ষমা করবেন। আল্লাহ ক্ষমাশীল, দয়াময়।

O YOU WHO BELIEVE [IN MUSA (MOSES) (I.E. JEWS) AND 'IESA (JESUS) (I.E. CHRISTIANS)]! FEAR ALLAH, AND BELIEVE TOO IN HIS MESSENGER (MUHAMMAD SAW), HE WILL GIVE YOU A DOUBLE PORTION OF HIS

MERCY, AND HE WILL GIVE YOU A LIGHT BY WHICH YOU SHALL WALK (STRAIGHT), AND HE WILL FORGIVE YOU. AND <u>ALLAAHU.SWT</u> IS OFT-FORGIVING, MOST MERCIFUL.

ऐ लोगों, जो ईमान लाए हो! अल्लाह का डर रखो और उसके रसूल पर ईमान लाओ। वह तुम्हें अपनी दयालुता का दोहरा हिस्सा प्रदान करेगा और तुम्हारे लिए एक प्रकाश कर देगा, जिसमें तुम चलोगे और तुम्हें क्षमा कर देगा। अल्लाह बड़ा क्षमाशील, अत्यन्त दयावान है

57/28

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

Aal-i-Imraan (3:175)

إِنَّمَا ذَٰلِكُمُ ٱلشَّيْطَٰنُ يُخَوِّفُ أَوْلِيَآءَهُۥ فَلَا تَخَافُوهُمْ وَخَافُونِ إِن كُنتُم مُّؤْمِنِينَ

یہ خبر دینے والا صرف شیطان ہی ہے جو اپنے دوستوں سے ڈراتا ہے تم ان کافروں سے نہ ڈرو اور میرا خوف رکھو، اگر تم مومن ہو

এরা যে রয়েছে, এরাই হলে শয়তান, এরা নিজেদের বন্ধুদের ব্যাপারে ভীতি প্রদর্শন করে। সুতরাং তোমরা তাদের ভয় করো না। আর তোমরা যদি ঈমানদার হয়ে থাক, তবে আমাকে ভয় কর।

It is only Shaitan (Satan) that suggests to you the fear of his Auliya' [supporters and friends

(polytheists, disbelievers in the Oneness of Allaahu. swt and in His Messenger, Muhammad SAW)], so fear them not,

but fear Me, [Allaahu. swt]if you are (true) believers.

वह तो शैतान है जो अपने मित्रों को डराता है। अतः तुम उनसे न डरो, बल्कि मुझी से डरो, यदि तुम ईमानवाले हो

3/175

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

❖

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING❖

Aal-i-Imraan (3:196)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا يَغُرَّنَّكَ تَقَلُّبُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ فِى ٱلْبِلَٰدِ

تجھے کافروں کا شہروں میں چلنا پھرنا فریب میں نہ ڈال دے،

নগরীতে কাফেরদের চাল-চলন যেন তোমাদিগকে ধোঁকা না দেয়।

Let not the care free lifestyle (and affluence) of the disbelievers throughout the land deceive you.

बस्तियों में इनकार करनेवालों की चलत-फिरत तुम्हें किसी धोखे में न डाले

/3/196

❖

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING❖

Aal-i-Imraan (3:200)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱصْبِرُواْ وَصَابِرُواْ وَرَابِطُواْ وَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ

اے ایمان والو! تم ثابت قدم رہو اور ایک دوسرے کو تھامے رکھو اور جہاد کے لئے تیار رہو اور اللہ تعالیٰ سے ڈرتے رہو تاکہ تم مراد کو پہنچو

হে ঈমানদানগণ! ধৈর্য্য ধারণ কর এবং মোকাবেলায় দৃঢ়তা অবলম্বন কর। আর আল্লাহকে ভয় করতে থাক

যাতে তোমরা তোমাদের উদ্দেশ্য লাভে সমর্থ হতে পার।

O you who believe! Endure and be more patient (than your enemy), and guard your territory by stationing army units permanently at the places from where the enemy can attack you, and fear Allaahu.ﷻswt, so that you may be successful.

ऐ ईमान लानेवालो! धैर्य से काम लो और (मुक़ाबले में) बढ़-चढ़कर धैर्य दिखाओ और जुटे और डटे रहो और अल्लाह से डरते रहो, ताकि तुम सफल हो सको

/3/200

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

AS-SAFF (61:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَىٰ تِجَٰرَةٍ تُنجِيكُم مِّنْ عَذَابٍ أَلِيمٍ

اے ایمان والو! کیا میں تمہیں وہ تجارت بتلا دوں جو تمہیں درد ناک عذاب سے بچا لے؟

মুমিনগণ, আমি কি তোমাদেরকে এমন এক বানিজ্যের সন্ধান দিব, যা তোমাদেরকে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি থেকে মুক্তি দেবে?

ALLAAHU. ﷻ SWT

O YOU WHO BELIEVE! SHALL I GUIDE YOU TO A COMMERCE THAT WILL SAVE YOU FROM A PAINFUL TORMENT.

ऐ ईमान लानेवालो! क्या मैं तुम्हें एक ऐसा व्यापार बताऊँ जो तुम्हें दुखद

यातना से बचा ले?...... /61/10

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

AS-SAFF (61:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

تُؤْمِنُونَ بِٱللَّهِ وَرَسُولِهِۦ وَتُجَٰهِدُونَ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ بِأَمْوَٰلِكُمْ وَأَنفُسِكُمْ ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنتُمْ تَعْلَمُونَ

ألله تعالیٰ پر اور اس کے رسول پر ایمان لاؤ اور ألله

کی راہ میں اپنے مال اور اپنی جانوں سے جہاد

کرو۔ یہ تمہارے لیے بہتر ہے اگر تم میں علم ہو

তা এই যে, তোমরা আল্লাহ ও তাঁর রসূলের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করবে এবং আল্লাহর পথে নিজেদের ধন-সম্পদ ও জীবনপণ করে জেহাদ করবে। এটাই তোমাদের জন্যে উত্তম; যদি তোমরা বোঝ।

THAT YOU BELIEVE IN **ALLAAHU.SWT** AND HIS MESSENGER (MUHAMMAD SAW), AND THAT YOU STRIVE HARD AND FIGHT IN THE CAUSE OF **ALLAAHU.SWT** WITH YOUR WEALTH AND YOUR LIVES, THAT WILL BE BETTER FOR YOU, IF YOU BUT KNOW!

तुम्हें ईमान लाना है अल्लाह और उसके रसूल पर, और जिहाद करना है अल्लाह के मार्ग में अपने मालों और अपनी जानों से। यही तुम्हारे लिए उत्तम है, यदि तुम जानो

/61/11

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

AS-SAFF (61:12)

ﷲ

يَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ وَيُدْخِلْكُمْ جَنَّٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ وَمَسَٰكِنَ طَيِّبَةً فِى جَنَّٰتِ عَدْنٍ ذَٰلِكَ ٱلْفَوْزُ ٱلْعَظِيمُ

أللہ تعالیٰ تمہارے گناہ معاف فرما دے گا اور تمہیں ان جنتوں میں پہنچائے گا جن کے نیچے نہریں جاری ہوں گی اور صاف ستھرے گھروں میں جو جنت عدن میں ہوں گے، یہ بہت بڑی کامیابی ہے

তিনি তোমাদের পাপরাশি ক্ষমা করবেন এবং এমন জান্নাতে দাখিল করবেন, যার পাদদেশে নদী প্রবাহিত এবং বসবাসের জান্নাতে উত্তম বাসগৃহে। এটা মহাসাফল্য।

(IF YOU DO SO) HE WILL FORGIVE YOU YOUR SINS, AND ADMIT YOU INTO GARDENS UNDER WHICH RIVERS FLOW, AND PLEASANT DWELLING IN GARDENS OF 'ADN - ETERNITY ['ADN (EDN) PARADISE], THAT IS INDEED THE GREAT SUCCESS.

वह तुम्हारे गुनाहों को क्षमा कर देगा और तुम्हें ऐसे बागों में दाखिल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी और उन अच्छे घरों में भी जो सदाबहार बाग़ों में होंगे। यही बड़ी सफलता है

/61/12

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

AS-SAFF (61:13)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأُخْرَىٰ تُحِبُّونَهَا نَصْرٌ مِّنَ ٱللَّهِ وَفَتْحٌ قَرِيبٌ وَبَشِّرِ ٱلْمُؤْمِنِينَ

اور تمہیں ایک دوسری (نعمت) بھی دے گا جسے تم چاہتے ہو وہ أللہ کی مدد اور جلد فتح یابی ہے، ایمان والوں کو خوشخبری دے دو

এবং আরও একটি অনুগ্রহ দিবেন, যা তোমরা পছন্দ কর। আল্লাহর পক্ষ থেকে সাহায্য এবং আসন্ন বিজয়। মুমিনদেরকে এর সুসংবাদ দান করুন।

AND ALSO (HE WILL GIVE YOU) ANOTHER (BLESSING) WHICH YOU LOVE, HELP FROM **ALLAAHU.SWT** (AGAINST YOUR ENEMIES) AND A NEAR VICTORY. AND GIVE GLAD TIDINGS (O MUHAMMAD SAW) TO THE BELIEVERS.

और दूसरी चीज़ भी जो तुम्हें प्रिय है (प्रदान करेगा), "अल्लाह की ओर से सहायता और निकट प्राप्त होनेवाली विजय," ईमानवालों को शुभसूचना दे दो!

/61/13

◯2-JAAHEDOO

✪◊✪◊✪◊✪◊✪

IT῾S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

AL-HAJJ (22:78)

﷽

وَجَٰهِدُواْ فِي ٱللَّهِ حَقَّ جِهَادِهِۦ هُوَ ٱجۡتَبَىٰكُمۡ وَمَا جَعَلَ عَلَيۡكُمۡ فِي ٱلدِّينِ مِنۡ حَرَجٖ مِّلَّةَ أَبِيكُمۡ إِبۡرَٰهِيمَ هُوَ سَمَّىٰكُمُ ٱلۡمُسۡلِمِينَ مِن قَبۡلُ وَفِي هَٰذَا لِيَكُونَ ٱلرَّسُولُ شَهِيدًا عَلَيۡكُمۡ وَتَكُونُواْ شُهَدَآءَ عَلَى ٱلنَّاسِۚ فَأَقِيمُواْ ٱلصَّلَوٰةَ وَءَاتُواْ ٱلزَّكَوٰةَ وَٱعۡتَصِمُواْ بِٱللَّهِ هُوَ مَوۡلَىٰكُمۡۖ فَنِعۡمَ

ٱلْمَوْلَىٰ وَنِعْمَ ٱلنَّصِيرُ

اور أللہ کی راہ میں ویسا ہی جہاد کرو جیسا جہاد کا حق ہے۔ اسی نے تمہیں برگزیدہ بنایا ہے اور تم پر دین کے بارے میں کوئی تنگی نہیں ڈالی، دین اپنے باپ ابراہیم (علیہ السلام) کا قائم رکھو، اسی أللہ نے تمہارا نام مسلمان رکھا ہے۔ اس قرآن سے پہلے اور اس میں بھی تاکہ پیغمبر تم پر گواہ ہو جائے اور تم تمام لوگوں کے گواہ بن جاؤ۔ پس تمہیں چاہئے کہ نمازیں قائم رکھو اور زکوٰۃ ادا کرتے رہو اور أللہ کو مضبوط تھام لو، وہی تمہارا ولی اور مالک ہے۔ پس کیا ہی اچھا مالک ہے اور کتنا ہی بہتر مددگار ہے

তোমরা আল্লাহর জন্যে শ্রম স্বীকার কর যেভাবে শ্রম স্বীকার করা উচিত। তিনি তোমাদেরকে পছন্দ করেছেন এবং ধর্মের ব্যাপারে তোমাদের উপর কোন সংকীর্ণতা রাখেননি। তোমরা তোমাদের পিতা

ইব্রাহীমের ধর্মে কায়েম থাক। তিনিই তোমাদের নাম মুসলমান রেখেছেন পূর্বেও এবং এই কোরআনেও, যাতে রসূল তোমাদের জন্যে সাক্ষ্যদাতা এবং তোমরা সাক্ষ্যদাতা হও মানবমন্ডলির জন্যে। সুতরাং তোমরা নামায কায়েম কর, যাকাত দাও এবং আল্লাহকে শক্তভাবে ধারণ কর। তিনিই তোমাদের মালিক। অতএব তিনি কত উত্তম মালিক এবং কত উত্তম সাহায্যকারী।

AND STRIVE HARD IN ALLAAHU.SWT 'S CAUSE AS YOU OUGHT TO STRIVE (WITH SINCERITY AND WITH ALL YOUR EFFORTS THAT HIS NAME SHOULD BE SUPERIOR). HE HAS CHOSEN YOU (TO CONVEY HIS MESSAGE OF ISLAMIC MONOTHEISM TO MANKIND BY INVITING THEM TO HIS RELIGION, ISLAM), AND HAS NOT LAID UPON YOU IN RELIGION ANY HARDSHIP, IT IS THE RELIGION OF YOUR FATHER IBRAHIM (ABRAHAM) (ISLAMIC MONOTHEISM). IT IS HE (ALLAAHU.SWT) WHO HAS NAMED YOU MUSLIMS BOTH BEFORE AND IN THIS (THE QURAN),

THAT THE MESSENGER (MUHAMMAD SAW) MAY BE A WITNESS OVER YOU AND YOU BE WITNESSES OVER MANKIND! SO PERFORM AS-SALAT (IQAMAT-AS-SALAT), GIVE ZAKAT AND HOLD FAST TO ALLAH [I.E. HAVE CONFIDENCE IN ALLAAHU.SWT, AND DEPEND UPON HIM IN ALL YOUR AFFAIRS] HE IS YOUR MAULA (PATRON, LORD, ETC.), WHAT AN EXCELLENT MAULA (PATRON, LORD, ETC.) AND WHAT AN EXCELLENT HELPER!

और परस्पर मिलकर जिहाद करो अल्लाह के मार्ग में, जैसा कि जिहाद का हक़ है। उसने तुम्हें चुन लिया है - और धर्म के मामले में तुमपर कोई तंगी और कठिनाई नहीं रखी। तुम्हारे बाप इबराहीम के पंथ को तुम्हारे लिए पसन्द किया। उसने इससे पहले तुम्हारा नाम मुस्लिम (आज्ञाकारी) रखा था और इस ध्येय से - ताकि रसूल तुमपर गवाह हो और तुम लोगों पर गवाह हो। अतः नमाज़ का आयोजन करो और ज़कात दो और अल्लाह को मज़बूती से पकड़े रहो। वही तुम्हारा संरक्षक है। तो क्या ही अच्छा संरक्षक है और क्या ही अच्छा सहायक!

/22/78

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

3-SAAREOOO

AAL-I-IMRAAN (3:133)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَسَارِعُوٓا۟ إِلَىٰ مَغْفِرَةٍ مِّن رَّبِّكُمْ وَجَنَّةٍ عَرْضُهَا ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ أُعِدَّتْ لِلْمُتَّقِينَ

اور اپنے رب کی بخشش کی طرف اور اس جنت کی طرف دوڑو جس کا عرض آسمانوں اور زمین کے برابر ہے، جو پرہیزگاروں کے لئے تیار کی گئی ہے

তোমরা তোমাদের পালনকর্তার ক্ষমা এবং জান্নাতের দিকে ছুটে যাও যার সীমানা হচ্ছে আসমান ও যমীন, যা তৈরী করা হয়েছে পরহেযগারদের জন্য।

AND MARCH FORTH IN THE WAY (WHICH LEADS TO) FORGIVENESS FROM YOUR LORDﷻ, AND FOR PARADISE AS WIDE AS ARE THE HEAVENS AND THE EARTH, PREPARED FOR AL-MUTTAQUN

(THE PIOUS - SEE V. 2:2).

और अपने रब की क्षमा और उस जन्नत की ओर बढ़ो, जिसका विस्तार आकाशों और धरती जैसा है। वह उन लोगों के लिए तैयार है जो डर रखते है

/3/133

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

4-QU

AT-TAHRIM (66:6)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ قُوٓا۟ أَنفُسَكُمْ وَأَهْلِيكُمْ نَارًا وَقُودُهَا ٱلنَّاسُ وَٱلْحِجَارَةُ عَلَيْهَا مَلَٰٓئِكَةٌ غِلَاظٌ شِدَادٌ لَّا يَعْصُونَ ٱللَّهَ مَآ أَمَرَهُمْ وَيَفْعَلُونَ مَا يُؤْمَرُونَ

اے ایمان والو! تم اپنے آپ کو اور اپنے گھر والوں کو اس آگ سے بچاؤ جس کا ایندھن انسان ہیں اور پتھر جس پر سخت دل مضبوط فرشتے مقرر ہیں جنہیں أللہ تعالیٰ دیتا ہے اس کی نافرمانی نہیں جو حکم کرتے بلکہ جو حکم دیا جائے بجا لاتے ہیں

মুমিনগণ, তোমরা নিজেদেরকে এবং তোমাদের পরিবার-পরিজনকে সেই অগ্নি থেকে রক্ষা কর, যার ইন্ধন হবে মানুষ ও প্রস্তর, যাতে নিয়োজিত আছে পাষাণ হৃদয়, কঠোরস্বভাব ফেরেশতাগণ। তারা আল্লাহ তা'আলা যা আদেশ করেন, তা অমান্য করে না এবং যা করতে আদেশ করা হয়, তাই করে।

O YOU WHO BELIEVE! WARD OFF FROM YOURSELVES AND YOUR FAMILIES A FIRE (HELL) WHOSE FUEL IS MEN AND STONES, OVER WHICH ARE (APPOINTED) ANGELS STERN (AND) SEVERE, WHO DISOBEY NOT, (FROM EXECUTING) THE COMMANDS THEY RECEIVE FROM ALLAH, BUT DO THAT WHICH THEY ARE COMMANDED.

ऐ ईमान लानेवालो! अपने आपको और अपने घरवालों को उस आग से बचाओ जिसका ईधन मनुष्य और पत्थर होंगे, जिसपर कठोर स्वभाव के ऐसे बलशाली फ़रिश्ते नियुक्त होंगे जो अल्लाह की अवज्ञा उसमें नहीं करेंगे जो

आदेश भी वह उन्हें देगा, और वे वही करेंगे जिसका उन्हें आदेश दिया

जाएगा/66/6

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

AL-AHZAAB (33:1)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّبِيُّ ٱتَّقِ ٱللَّهَ وَلَا تُطِعِ ٱلْكَٰفِرِينَ وَٱلْمُنَٰفِقِينَ إِنَّ ٱللَّهَ كَانَ عَلِيمًا حَكِيمًا

اے نبی

أللہ تعالیٰ سے ڈرتے رہنا اور کافروں اور منافقوں کی باتوں میں نہ آجانا

أللہ تعالیٰ بڑے علم والا اور بڑی حکمت والا ہے ،

হে নবী! আল্লাহকে ভয় করুন এবং কাফের ও কপট বিশ্বাসীদের কথা মানবেন না। নিশ্চয় আল্লাহ সর্বজ্ঞ, প্রজ্ঞাময়।

O PROPHET (MUHAMMAD SAW)! KEEP YOUR DUTY TO ALLAAHU.SWT., AND OBEY NOT THE DISBELIEVERS AND THE HYPOCRITES (I.E., DO NOT FOLLOW THEIR ADVICES). VERILY! ALLAAHU.SWT. IS EVER ALLKNOWER, ALLWISE.

ऐ नबी! अल्लाह का डर रखना और इनकार करनेवालों और कपटाचारियों का कहना न मानना। वास्तब में अल्लाह सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है

/33/1

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

AAL-I-IMRAAN (3:102)

ﷻ

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱتَّقُواْ ٱللَّهَ حَقَّ تُقَاتِهِۦ وَلَا تَمُوتُنَّ إِلَّا وَأَنتُم مُّسۡلِمُونَ

اے ایمان والو!

أللہ تعالیٰ سے اتنا ڈرو جتنا اس سے ڈرنا چاہئیے اور دیکھو مرتے دم تک مسلمان ہی رہنا

হে ঈমানদারগণ! আল্লাহকে যেমন ভয় করা উচিৎ ঠিক তেমনিভাবে ভয় করতে থাক। এবং অবশ্যই মুসলমান না হয়ে মৃত্যুবরণ করো না।

O YOU WHO BELIEVE! FEAR ALLAAHU.ﷻSWT.

(BY DOING ALL THAT HE HAS ORDERED AND BY ABSTAINING FROM ALL THAT HE HAS FORBIDDEN) AS HE SHOULD BE FEARED. [OBEY HIM, BE THANKFUL TO HIM, AND REMEMBER HIM ALWAYS], AND DIE NOT EXCEPT IN A STATE OF ISLAM (AS MUSLIMS) WITH COMPLETE SUBMISSION TO ALLAAHU. SWT..

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो, जैसाकि उसका डर रखने का हक़ है। और तुम्हारी मृत्यु बस इस दशा में आए कि तुम मुस्लिम (आज्ञाकारी) हो

3/102

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

NOOH (71:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَنِ ٱعْبُدُوا۟ ٱللَّهَ وَٱتَّقُوهُ وَأَطِيعُونِ

کہ تم أللہ کی عبادت کرو اور اسی سے ڈرو اور میرا کہا مانو

এ বিষয়ে যে, তোমরা আল্লাহ তা'আলার এবাদত কর, তাঁকে ভয় কর এবং আমার আনুগত্য কর।

"THAT YOU SHOULD WORSHIP

ALLAAHU SWT. (ALONE),

BE DUTIFUL TO HIM, AND OBEY ME,

कि अल्लाह की बन्दगी करो और उसका डर रखो और मेरी आज्ञा मानो।-

/71/3

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

AL-HASHR (59:18)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ وَلْتَنظُرْ نَفْسٌ مَّا قَدَّمَتْ لِغَدٍ وَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ إِنَّ ٱللَّهَ خَبِيرٌۢ بِمَا تَعْمَلُونَ

اے ایمان والو! أللہ سے ڈرتے رہو اور ہر شخص دیکھ لے کہ کل (قیامت) کے واسطے اس نے (اعمال) (بھال کا) کیا (ذخیرہ) بھیجا ہے۔ اور (ہر وقت) أللہ سے ڈرتے رہو۔ أللہ تمہارے سب اعمال سے باخبر ہے

মুমিনগণ, তোমরা আল্লাহ তা'আলাকে ভয় কর। প্রত্যেক ব্যক্তির উচিত,

আগামী কালের জন্যে সে কি প্রেরণ করে, তা চিন্তা করা। আল্লাহ তা' আলাকে ভয় করতে থাক। তোমরা যা কর, আল্লাহ তা'আলা সে সম্পর্কে খবর রাখেন।

O YOU WHO BELIEVE! FEAR <u>ALLAAHU SWT</u> AND KEEP YOUR DUTY TO HIM. AND LET EVERY PERSON LOOK TO WHAT HE HAS SENT FORTH FOR THE MORROW, AND FEAR <u>ALLAAHU SWT</u>. VERILY, <u>ALLAAHU SWT</u> IS ALL-AWARE OF WHAT YOU DO.

ऐ ईमान लानेवालो! अल्लाह का डर रखो। और प्रत्येक व्यक्ति को यह देखना चाहिए कि उसने कल के लिए क्या भेजा है। और अल्लाह का डर रखो। जो कुछ भी तुम करते हो निश्चय ही अल्लाह उसकी पूरी ख़बर रखता है

/59/18

✻

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

AZ-ZUMAR (39:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ يَٰعِبَادِ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ ٱتَّقُوا۟ رَبَّكُمْ لِلَّذِينَ أَحْسَنُوا۟ فِى هَٰذِهِ ٱلدُّنْيَا حَسَنَةٌ وَأَرْضُ ٱللَّهِ وَٰسِعَةٌ إِنَّمَا يُوَفَّى ٱلصَّٰبِرُونَ أَجْرَهُم بِغَيْرِ حِسَابٍ

کہہ دو کہ اے میرے ایمان والے بندو! اپنے رب سے ڈرتے رہو، جو اس دنیا میں نیکی کرتے ہیں ان کے لئے نیک بدلہ ہے اور اللہ تعالیٰ کی زمین بہت کشادہ ہے صبر کرنے والوں ہی کو ان کا پورا پورا بےشمار اجر دیا جاتا ہے

বলুন, হে আমার বিশ্বাসী বান্দাগণ! তোমরা তোমাদের পালনকর্তাকে ভয় কর। যারা এ দুনিয়াতে সৎকাজ করে, তাদের জন্যে রয়েছে পুণ্য। আল্লাহর পৃথিবী প্রশস্ত। যারা সবরকারী, তারাই তাদের পুরস্কার পায় অগণিত।

SAY (O MUHAMMAD SAW): "O MY SLAVES WHO BELIEVE (IN THE ONENESS OF **ALLAAHUﷻ SWT** ISLAMIC MONOTHEISM), BE AFRAID OF YOUR LORD (ALLAAHU.ﷻSWT) AND KEEP YOUR DUTY TO HIM. GOOD IS (THE REWARD) FOR THOSE WHO DO GOOD IN THIS WORLD, AND **ALLAAHUﷻ SWT**'S EARTH IS SPACIOUS (SO IF YOU CANNOT WORSHIP **ALLAAHUﷻ SWT** AT A PLACE, THEN GO TO ANOTHER)! ONLY THOSE WHO ARE PATIENT SHALL RECEIVE THEIR REWARDS IN FULL, WITHOUT RECKONING."

कह दो कि "ऐ मेरे बन्दो, जो ईमान लाए हो! अपने रब का डर रखो। जिन लोगों ने अच्छा कर दिखाया उनके लिए इस संसार में अच्छाई है, और अल्लाह की धरती विस्तृत है। जमे रहनेवालों को तो उनका बदला बेहिसाब मिलकर रहेगा।"

39/10

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

✽

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-BAQARA (2:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱتَّقُواْ يَوْمًا لَّا تَجْزِى نَفْسٌ عَن نَّفْسٍ شَيْـًٔا وَلَا يُقْبَلُ مِنْهَا شَفَٰعَةٌ وَلَا يُؤْخَذُ مِنْهَا عَدْلٌ وَلَا هُمْ يُنصَرُونَ

اس دن سے ڈرتے رہو جب کوئی کسی کو نفع نہ دے

سکے گا اور نہ ہی اس کی بابت کوئی سفارش قبول ہوگی اور نہ کوئی بدلہ اس کے عوض لیا جائے گا اور نہ وہ مدد کئے جائیں گے

আর সে দিনের ভয় কর, যখন কেউ কারও সামান্য উপকারে আসবে না এবং তার পক্ষে কোন সুপারিশও কবুল হবে না; কারও কাছ থেকে ক্ষতিপূরণও নেয়া হবে না এবং তারা কোন রকম সাহায্যও পাবে না।

AND FEAR A DAY (OF JUDGEMENT) WHEN A PERSON SHALL NOT AVAIL ANOTHER, NOR WILL INTERCESSION BE ACCEPTED FROM HIM NOR WILL COMPENSATION BE TAKEN FROM HIM NOR WILL THEY BE HELPED.

और डरो उस दिन से जब न कोई किसी भी ओर से कुछ तावान भरेगा और न किसी की ओर से कोई सिफ़ारिश ही क़बूल की जाएगी और न

किसी की ओर से कोई फ़िद्या (अर्थदंड) लिया जाएगा और न वे सहायता ही पा सकेंगे।

/2/48

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

✽

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

AAL-I-IMRAAN (3:131)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱتَّقُوا۟ ٱلنَّارَ ٱلَّتِىٓ أُعِدَّتْ لِلْكَٰفِرِينَ

اور اس آگ سے ڈرو جو کافروں کے لئے تیار کی گئی ہے

এবং তোমরা সে আগুন থেকে বেঁচে থাক, যা কাফেরদের জন্য প্রস্তুত

করা হয়েছে।

AND FEAR THE FIRE, WHICH IS PREPARED FOR THE DISBELIEVERS.

और उस आग से बचो जो इनकार करनेवालों के लिए तैयार है

/3/131

6-WARKAUOOO

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

AL-HAJJ (22:77)

﷽

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ ٱرْكَعُواْ وَٱسْجُدُواْ وَٱعْبُدُواْ
رَبَّكُمْ وَٱفْعَلُواْ ٱلْخَيْرَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ

اے ایمان والو! رکوع سجدہ کرتے رہو اور اپنے
~~پروردگار()~~

رب کی عبادت میں لگے رہو اور نیک کام کرتے رہو
تاکہ تم کامیاب ہو جاؤ

হে মুমিনগণ! তোমরা রুকু কর, সেজদা কর, তোমাদের পালনকর্তার এবাদত কর এবং সৎকাজ সম্পাদন কর, যাতে তোমরা সফলকাম হতে পার।

O YOU WHO BELIEVE! BOW DOWN, AND PROSTRATE

YOURSELVES, AND WORSHIP YOUR LORDﷻ AND DO GOOD THAT YOU MAY BE SUCCESSFUL.

ऐ ईमान लानेवालो! झुको और सजदा करो और अपने रब की बन्दगी करो और भलाई करो, ताकि तुम्हें सफलता प्राप्त हो

/22/77

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

✻

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

AL-BAQARA (2:43)

ﷻ

وَأَقِيمُوا۟ ٱلصَّلَوٰةَ وَءَاتُوا۟ ٱلزَّكَوٰةَ وَٱرْكَعُوا۟ مَعَ ٱلرَّٰكِعِينَ

اور نمازوں کو قائم کرو اور زکوٰۃ دو اور رکوع کرنے والوں کے ساتھ رکوع

کرو

আর ٱلصَّلَوٰةَ ~~নামায~~ কায়েম কর, যাকাত দান কর এবং নামাযে অবনত হও তাদের সাথে, যারা অবনত হয়।

AND PERFORM ٱلصَّلَوٰةَ AS-SALAT (IQAMAT-AS-SALAT), AND GIVE ZAKAT, AND IRKA' (I.E. BOW DOWN OR SUBMIT YOURSELVES WITH OBEDIENCE TO ALLAAHU SWT.) ALONG WITH AR-RAKI'UN.

और ٱلصَّلَوٰةَ ~~नमाज़~~ क़ायम करो और ज़कात दो और (मेरे समक्ष) झुकनेवालों के साथ झुको

/2/43

7-SABBIH

✽

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

TAA-HAA (20:130)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَٱصْبِرْ عَلَىٰ مَا يَقُولُونَ وَسَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوعِ ٱلشَّمْسِ وَقَبْلَ غُرُوبِهَا وَمِنْ ءَانَآئِ ٱلَّيْلِ فَسَبِّحْ وَأَطْرَافَ ٱلنَّهَارِ لَعَلَّكَ تَرْضَىٰ

پس ان کی باتوں پر صبر کر اور اپنے پروردگار کی تسبیح اور تعریف بیان کرتا رہ، سورج نکلنے سے پہلے اور اس کے ڈوبنے سے پہلے، رات کے مختلف وقتوں میں بھی اور دن کے حصوں میں بھی تسبیح کرتا رہ، بہت ممکن ہے کہ تو راضی ہو جائے

সুতরাং এরা যা বলে সে বিষয়ে ধৈর্য্য ধারণ করুন এবং আপনার পালনকর্তার প্রশংসা পবিত্রতা ও মহিমা ঘোষনা করুন সূর্যোদয়ের পূর্বে, সূর্যাস্তের পূর্বে এবং পবিত্রতা ও মহিমা ঘোষনা করুন রাত্রির কিছু অংশ ও দিবাভাগে, সম্ভবতঃ তাতে আপনি সন্তুষ্ট হবেন।

SO BEAR PATIENTLY (O MUHAMMAD SAW) WHAT THEY SAY, AND GLORIFY THE PRAISES OF YOUR LORD BEFORE THE RISING OF THE SUN, AND BEFORE ITS SETTING, AND DURING SOME OF THE HOURS OF THE NIGHT, AND AT THE SIDES OF THE DAY (AN INDICATION FOR THE FIVE COMPULSORY CONGREGATIONAL PRAYERS), THAT YOU MAY BECOME PLEASED WITH THE REWARD WHICH ALLAH SHALL GIVE YOU.

अतः जो कुछ वे कहते है उसपर धैर्य से काम लो और अपने रब का गुणगान करो, सूर्योदय से पहले और उसके डूबने से पहले, और रात की

घड़ियों में भी तसबीह करो, और दिन के किनारों पर भी, ताकि तुम राज़ी हो जाओ

/20/130

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AT-TUR (52:49)

وَمِنَ ٱلَّيْلِ فَسَبِّحْهُ وَإِدْبَٰرَ ٱلنُّجُومِ

اور رات کو بھی اس کی تسبیح پڑھ اور ستاروں کے ڈوبتے وقت بھی

এবং রাত্রির কিছু অংশে এবং তারকা অস্তমিত হওয়ার সময় তাঁর

পবিত্রতা ঘোষণা করুন।

AND IN THE NIGHT TIME, ALSO GLORIFY HIS PRAISES,

AND AT THE SETTING OF THE STARS.

रात की कुछ घड़ियों में भी उसकी तसबीह करो, और सितारों के पीठ फेरने के समय (प्रातःकाल) भी

/52/49

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

QAAF (50:40)

﷽

وَمِنَ ٱلَّيْلِ فَسَبِّحْهُ وَأَدْبَٰرَ ٱلسُّجُودِ

اور رات کے وقت بھی تسبیح کریں اور نماز کے بعد بھی

রাত্রির কিছু অংশে তাঁর পবিত্রতা ঘোষণা করুন এবং নামাযের পশ্চাতেও।

AND DURING A PART OF THE NIGHT (ALSO), GLORIFY HIS PRAISES (I.E. MAGHRIB AND 'ISHA PRAYERS), AND (SO LIKEWISE) AFTER THE PRAYERS [AS-SUNNAH, NAWAFIL OPTIONAL AND ADDITIONAL PRAYERS, AND ALSO GLORIFY, PRAISE AND MAGNIFY ALLAH - SUBHAN ALLAH, ALHAMDU LILLAH, ALLAHU-AKBAR].

और रात की घड़ियों में फिर उसकी तसबीह करो और सजदों के पश्चात भी

/50/40

✽✶✽✶✽✶✽✶✽

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-ALAQ (96:1)

بسم الله الرحمن الرحيم

اقْرَأْ بِاسْمِ رَبِّكَ الَّذِي خَلَقَ

پڑھ اپنے رب کے نام سے جس نے پیدا کیا

পাঠ করুন আপনার পালনকর্তার নামে যিনি সৃষ্টি করেছেন

READ! IN THE NAME OF YOUR LORD, WHO HAS CREATED (ALL THAT EXISTS),

पढ़ो, अपने रब के नाम के साथ जिसने पैदा किया,

/96/1

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

AL-MUZZAMMIL (73:4)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَوْ زِدْ عَلَيْهِ وَرَتِّلِ ٱلْقُرْءَانَ تَرْتِيلًا

یا اس پر بڑھا دے اور قرآن کو ٹھہر ٹھہر کر (صاف) پڑھا کر

অথবা তদপেক্ষা বেশী এবং কোরআন আবৃত্তি করুন সুবিন্যস্ত ভাবে ও স্পষ্টভাবে।

OR A LITTLE MORE; AND RECITE THE QURAN (ALOUD) IN A SLOW, (PLEASANT TONE AND) STYLE.

या उससे कुछ थोड़ा कम कर लो या उससे कुछ अधिक बढ़ा लो और क़ुरआन को भली-भाँति ठहर-ठहरकर पढ़ो। -

/73/4

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

AL-ISRAA (17:78)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَقِمِ ٱلصَّلَوٰةَ لِدُلُوكِ ٱلشَّمْسِ إِلَىٰ غَسَقِ ٱلَّيْلِ وَقُرْءَانَ ٱلْفَجْرِ إِنَّ قُرْءَانَ ٱلْفَجْرِ كَانَ مَشْهُودًا

ألصلاة

~~نماز~~()

ألصلاۃ کو قائم کریں آفتاب کے ڈھلنے سے لے کر رات کی تاریکی تک اور فجر کا قرآن پڑھنا بھی یقیناً فجر کے وقت کا قرآن پڑھنا حاضر کیا گیا ہے

সূর্য ঢলে পড়ার সময় থেকে রাত্রির অন্ধকার পর্যন্ত ألصلاة(~~নামায~~) কায়েম করুন এবং ফজরের কোরআন পাঠও। নিশ্চয় ফজরের কোরআন পাঠ মুখোমুখি হয়।

PERFORM AS-SALAT (IQAMAT-AS-SALAT) FROM MID-DAY TILL THE DARKNESS OF THE NIGHT (I.E. THE

ZUHR, 'ASR, MAGHRIB, AND 'ISHA' PRAYERS), AND RECITE THE QURAN IN THE EARLY DAWN (I.E. THE MORNING PRAYER). VERILY, THE RECITATION OF THE QURAN IN THE EARLY DAWN IS EVER WITNESSED (ATTENDED BY THE ANGELS IN CHARGE OF MANKIND OF THE DAY AND THE NIGHT).

~~(नमाज़)~~ ألصلاة स्सलात--क़ायम करो सूर्य के ढलने से लेकर रात के छा जाने तक और फ़ज्र (प्रभात) के क़ुरआन (अर्थात फ़ज्र की नमाज़ः के पाबन्द रहो। निश्चय ही फ़ज्र का क़ुरआन पढ़ना हुज़ूरी की चीज़ है

/17/78

AL-ISRAA (17:106)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقُرْءَانًا فَرَقْنَٰهُ لِتَقْرَأَهُۥ عَلَى ٱلنَّاسِ عَلَىٰ مُكْثٍ وَنَزَّلْنَٰهُ تَنزِيلًا

قرآن کو ہم نے تھوڑا تھوڑا کرکے اس لئے اتارا ہے کہ آپ اسے بہ مہلت
لوگوں کو سنائیں اور ہم نے خود بھی اسے بتدریج نازل فرمایا

আমিﷻ কোরআনকে যতিচিহ্ন সহ পৃথক পৃথকভাবে পাঠের উপযোগী করেছি, যাতে আপনি একে লোকদের কাছে ধীরে ধীরে পাঠ করেন এবং আমি ﷻএকে যথাযথ ভাবে অবতীর্ণ করেছি।

AND (IT IS) A QURAN WHICH WE HAVE DIVIDED (INTO PARTS), IN ORDER THAT YOU MIGHT RECITE IT TO MEN AT INTERVALS. AND WE HAVE REVEALED IT BY STAGES. (IN 23 YEARS).

और क़ुरआन को हमनेﷻ थोड़ा-थोड़ा करके इसलिए अवतरित किया, ताकि तुम ठहर-ठहरकर उसे लोगो को

सुनाओ, और हमने ﷻ उसे उत्तम रीति से क्रमशः उतारा है

17/106

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

الصلوات علي النبي -8

AL-AHZAAB (33:56)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱللَّهَ وَمَلَٰٓئِكَتَهُۥ يُصَلُّونَ عَلَى ٱلنَّبِيِّ ۚ يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ صَلُّوا۟ عَلَيْهِ وَسَلِّمُوا۟ تَسْلِيمًا

أللہ تعالیٰ اور اس کے فرشتے اس نبی پر رحمت بھیجتے ہیں۔ اے ایمان والو! تم (بھی) ان پر درود

بھیجو اور خوب سلاؔم (بھی) بھیجتے رہا کرو

আল্লাহ ও তাঁর ফেরেশতাগণ নবীর প্রতি রহমত প্রেরণ করেন। হে মুমিনগণ! তোমরা নবীর জন্যে রহমতের তরে দোয়া কর এবং তাঁর প্রতি সালাম প্রেরণ কর।

ALLAAHU.SWT. SENDS HIS SALAT (GRACES, HONOURS, BLESSINGS, MERCY, ETC.) ON THE PROPHET (MUHAMMAD SAW) AND ALSO HIS ANGELS TOO (ASK ALLAAHU.SWT TO BLESS AND FORGIVE HIM). O YOU WHO BELIEVE! SEND YOUR SALAT ON (ASK ALLAAHU.SWT TO BLESS) HIM (MUHAMMAD SAW), AND (YOU SHOULD) GREET (SALUTE) HIM WITH THE ISLAMIC WAY OF GREETING (SALUTATION I.E. ASSALAMU 'ALAIKUM).

निस्संदेह अल्लाह और उसके फ़रिश्ते नबी पर रहमत भेजते है। ऐ ईमान लानेवालो, तुम भी उसपर रहमत भेजो और ख़ूब सलाम भेजो

/33/56

Oh ! Tyrant Islamophobic Oppressors of Muslims anywhere on the face of this wide Eretz.........

FEAR ALMIGHTY ALLAAHU. SWT.........AND Beware of the Undefendable Ever Engulfing Divine Wrath ......

◆◆◆◆◆

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Burooj (85:10)

﷽

إِنَّ ٱلَّذِينَ فَتَنُوا۟ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا۟

فَلَهُمْ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَلَهُمْ عَذَابُ ٱلْحَرِيقِ

যারা মুমিন পুরুষ ও নারীকে নিপীড়ন করেছে, অতঃপর তওবা করেনি, তাদের জন্যে আছে জাহান্নামের শাস্তি, আর আছে দহন যন্ত্রণা,

Verily, those who put into trial the believing men and believing women (by torturing them and burning them), and then do not turn in repentance, (to Allaahuﷻ.swt), will have the torment of Hell, and they will have the punishment of the burning Fire.

जिन लोगों ने ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को सताया और आज़माईश में डाला, फिर तौबा न की, निश्चय ही उनके लिए जहन्नम की यातना है और उनके लिए जलने की यातना है

بیشک جن لوگوں نے مسلمان مردوں اور عورتوں کو ستایا پھر توبہ (بھی) نہ کی تو ان کے لئے جہنم کا عذاب ہے اور جلنے کا عذاب ہے

/85/10

◈◆◈◆◈

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Hud (11:90)

وَٱسْتَغْفِرُواْ رَبَّكُمْ ثُمَّ تُوبُوٓاْ إِلَيْهِ إِنَّ رَبِّى رَحِيمٌ وَدُودٌ

আর তোমাদের পালনকর্তার কাছে মার্জনা চাও এবং তাঁরই পানে ফিরে

এসো নিশ্চয়ই আমার পরওয়ারদেগার খুবই মেহেরবান অতিস্নেহময়।

"And ask forgiveness of your Lord and turn unto Him in repentance. Verily, my Lord is Most Merciful, Most Loving."

अपने रब से क्षमा माँगो और फिर उसकी ओर पलट आओ। मेरा रब तो बड़ा दयावन्त, बहुत प्रेम करनेवाला हैं।"

تم اپنے رب سے استغفار کرو اور اس کی طرف توبہ کرو، یقین مانو کہ میرا رب بڑی مہربانی والا اور بہت محبت کرنے والا ہے

11/90

◈◆◈◆◈

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Ar-Room (30:43)

فَأَقِمْ وَجْهَكَ لِلدِّينِ ٱلْقَيِّمِ مِن قَبْلِ أَن يَأْتِىَ يَوْمٌ

لَا مَرَدَّ لَهُۥ مِنَ ٱللَّهِ يَوْمَئِذٍ يَصَّدَّعُونَ

যে দিবস আল্লাহর পক্ষ থেকে প্রত্যাহূত হবার নয়, সেই দিবসের পূর্বে আপনি সরল ধর্মে নিজেকে প্রতিষ্ঠিত করুন। সেদিন মানুষ বিভক্ত হয়ে পড়বে।

So set you (O Muhammad SAW) your face to (the obedience of Allah, your Lord) the straight and right religion (Islamic Monotheism), before there comes from Allah a Day which none can avert it. On that Day men shall be divided [(in two groups), a group in Paradise and a group in Hell].

अतः तुम अपना रुख़ सीधे व ठीक धर्म की ओर जमा दो, इससे पहले कि अल्लाह की ओर से वह दिन आ जाए जिसके लिए वापसी नहीं। उस दिन लोग अलग-अलग हो जाएँगे

پس آپ اپنا رخ اس سچے اور سیدھے دین کی طرف ہی رکھیں قبل اس کے کہ وه دن آجائے جس کا ٹل جانا اللہ تعالیٰ کی طرف سے ہے ہی نہیں، اس دن سب متفرق ہو جائیں گے

/30/43

◆◆◆◆◆

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Furqaan (25:65)

وَٱلَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا ٱصْرِفْ عَنَّا عَذَابَ جَهَنَّمَ إِنَّ عَذَابَهَا كَانَ غَرَامًا

এবং যারা বলে, হে আমার পালনকর্তা, আমাদের কাছথেকে জাহান্নামের শাস্তি হটিয়ে দাও। নিশ্চয় এর শাস্তি নিশ্চিত বিনাশ;

And those who say: "Our Lord! Avert from us the torment of Hell. Verily! Its torment is ever an inseparable, permanent punishment."

जो कहते है कि "ऐ हमारे रब! जहन्नम की यातना को हमसे हटा दे।" निश्चय ही उनकी यातना चिमटकर रहनेवाली है

اور جو یہ دعا کرتے ہیں کہ اے ہمارے پروردگار! ہم سے

دوزخ کا عذاب پرے ہی پرے رکھ، کیونکہ اس کا عذاب

چمٹ جانے والا ہے

/25/65

p

రసూలుల్లాహ్.స.అ.స.-కా'ఫ్ఫతల్-లిన్నాసి-టోటల్-హోల్ మొత్తంగ సరిపడతారు సమస్త మానవాళికీ!

ఆయనే స.అ.స.-- బషీరు- నజీ'రు- దాఈ ఇలా రబ్బిహీ, సిరాజు-మునీరు-షాఫీ, పైగా రహమతుల్లిల్ఆలమీన-ఆయనచేతినీళ్ళు తాగాలనుకొనే వాళ్ళు షిర్కు-బిద్ఆత్,ఖురా'ఫాతు-ముష్రిరికొ,మునాఫి'క మూకలకు బహుదూరంలో వుండాలే!!!

లేనిచో షి'ఫాఅతు దొరకదు !!!

ఆతర్వాత ఆదౌర్భాగ్యున్ని ఆదుకొనగల బండితుండ్లూ, ముర్షదులూ,ఆమిలులూ,షాఫీలూ, ఖైర్ఖవాలూ, గౌసులూ,దాతాలూ,ముష్కిలు ఖుషాలూ,దస్తుగీరులూ,యెవడూ వుండటాని వీలులేదే!!!!

ఇగ వేరే గురువులు - ముర్షదులు, మతిభ్రమణకులూ, వగైరాలు అనవసరం!!!

- నబీలూ రసూలులూ వినిపించలేని ముర్దాలు నా కోరికలను తీర్చగలవా? ఇంతకు మించిన గొంతెమకోరిక వేరే వుందా?

ఆయన-స.అ.స.- చల్తా ఫి'రతా నమూనా హై 'కుర్ఆన్'కా!

యేమి తక్కువాయెనని బొందలగడ్డలకు పోతున్నాను!!

ఇటూ అటూ ఇల్తఫాతు చేస్తున్నాను!!!

నేన్జేసే సలాతులూ, నేనిచ్చే కుర్బానీ,

నాబతుకూ, నాసావూ-నాసర్వస్వం అల్లాహు.జల్లజలాలహూ వారికే-అని నమ్మాలి!అలా బతకాలే!

ఇన్న సలాతీ వ నుసుకీ వ మహ్యాయ,వ మమాతీ లిల్లాహి రబ్బిల్ ఆలమీన" Al-An'aam (6:162)

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

بسم الله الرحمن الرحيم

قُلْ إِنَّ صَلَاتِى وَنُسُكِى وَمَحْيَاىَ وَمَمَاتِى لِلَّهِ رَبِّ ٱلْعَٰلَمِينَ

कहो, "मेरी صَلَاتِى (~~नमाज़~~) और मेरी क़ुरबानी और मेरा जीना और मेरा मरना सब अल्लाह جَلَّ جَلَالُهُ के लिए है, जो सारे संसार का रब है-???आई बात समझमे???

Say: "Truly, my صَلَاتِى and my service of sacrifice, my life and my death, are (all) for Allaahu جَلَّ جَلَالُهُ.swt,, the Cherisher of the Worlds:

আপনি বলুনঃ আমার صَلَاتِى (~~নামায~~), আমার কোরবাণী এবং আমার জীবন ও মরন বিশ্ব-প্রতিপালক আল্লাহ جَلَّ جَلَالُهُ রই জন্যে।

/6/162 ------- बुझते पारचो ???कीगो???

- అని గుర్తించుకోవాలే!!!

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

Commands of Allaahu.swt.

True Muslims---

قَدْ أَفْلَحَ ٱلْمُؤْمِنُونَ

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمده) اخلق پر ہے

Commands of Allaahu.swt.

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:1)

قَدْ أَفْلَحَ ٱلْمُؤْمِنُونَ

Al-Muminoon (23:1)

یقیناً ایمان والوں نے فلاح حاصل کرلی

মুমিনগণ সফলকাম হয়ে গেছে,

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

The believers must (eventually) win through,-

सफल हो गए ईमानवाले,

◯۞◯۞◯۞◯

IT’S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING⁘

Al-Muminoon (23:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ هُمْ فِى صَلَاتِهِمْ خَٰشِعُونَ

Al-Muminoon (23:2)

جو اپنی صلاۃ (نماز نا رے بابا نا)

میں خشوع کرتے ہیں

যারা নিজেদের সলা:-মলাত: (নামাযে) বিনয়-নম্র;

Those who humble themselves in their prayers;

जो अपनी सला:(नमाज) में विनम्रता अपनाते है;

◯۞◯۞◯۞◯

Al-Qalam (68:4)﷽

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

※

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Muminoon (23:3)

﷽

وَٱلَّذِينَ هُمْ عَنِ ٱللَّغْوِ مُعْرِضُونَ

جو لغویات سے منھ موڑ لیتے ہیں

যারা অনর্থক কথা-বার্তায় নির্লিপ্ত,

Who avoid vain talk;

और जो फ़ुजूल-व्यर्थ बातों से पहलू बचाते है;

/23/3

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

※

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Qalam (68:3)﷽

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

Al-Muminoon (23:4)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَٱلَّذِينَ هُمْ لِلزَّكَوٰةِ فَٰعِلُونَ

جو زکوٰة ادا کرنے والے ہیں

যারা যাকাত দান করে থাকে

Who are active in deeds of charity;

और जो ज़कात अदा करते है;

/23/4

◯۞◯۞◯۞◯

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:5)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَٱلَّذِينَ هُمْ لِفُرُوجِهِمْ حَٰفِظُونَ

جو اپنی شرمگاہوں کی حفاظت کرنے والے ہیں

এবং যারা নিজেদের যৌনাঙ্গকে সংযত রাখে।

Who abstain from fornicatory sex,

और जो अपने गुप्तांगों की रक्षा करते है-

/23/5

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:6)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

إِلَّا عَلَىٰٓ أَزْوَٰجِهِمْ أَوْ مَا مَلَكَتْ أَيْمَٰنُهُمْ فَإِنَّهُمْ غَيْرُ مَلُومِينَ

بجز اپنی بیویوں اور ملکیت کی لونڈیوں کے یقیناً یہ ملامتیوں میں سے نہیں ہیں.....

তবে তাদের স্ত্রী ও মালিকানাভুক্ত দাসীদের ক্ষেত্রে সংযত না রাখলে তারা তিরস্কৃত হবে না।

Except with those joined to them in the marriage bond, or (the captives) whom their right hands possess,- for (in their case) they are free from blame,

सिवाय इस सूरत के कि अपनी पत्नि यों या लौंडियों के पास जाएँ कि इसपर वे निन्दनीय नहीं है

/23/6

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَمَنِ ٱبْتَغَىٰ وَرَآءَ ذَٰلِكَ فَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْعَادُونَ

جو اس کے سوا کچھ اور چاہیں وہی حد سے تجاوز

Al-Qalam (68:4)ﷺ

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

کرجانے والے ہیں

অতঃপর কেউ এদেরকে ছাড়া অন্যকে কামনা করলে তারা

সীমালংঘনকারী হবে।

But those whose desires exceed those limits are transgressors;-

परन्तु जो कोई इसके अतिरिक्त कुछ और चाहे तो ऐसे ही लोग सीमा उल्लंघन

करनेवाले है।-

/23/7

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

◯۞◯۞◯۞◯

❃

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

Al-Muminoon (23:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ هُمْ لِأَمَٰنَٰتِهِمْ وَعَهْدِهِمْ رَٰعُونَ

جو اپنی امانتوں اور وعدے کی حفاظت کرنے والے ہیں

Al-Qalam (68:3)ﷺ

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

এবং যারা আমানত ও অঙ্গীকার সম্পর্কে হুশিয়ার থাকে।

Those who faithfully observe their trusts and their covenants;

और जो अपनी अमानतों और अपनी प्रतिज्ञा का ध्यान रखते है;

/23/8

Commands of Allaahu.swt.

◯۞◯۞◯۞◯

❇

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ هُمْ عَلَىٰ صَلَوَٰتِهِمْ يُحَافِظُونَ

جو اپنی صلوٰت

(~~نمازوں~~)kaahekaa?nimaaz??

کی نگہبانی کرتے ہیں

এবং যারা তাদের মলাত: ~~(নামাযে)~~

~~(নামাযসমূ)~~ হের খবর রাখে।

And who (strictly) guard their prayers;-

और जो अपनी सलातों ~~(नमाज)~~

~~नमाज़ों~~ की रक्षा करते हैं;

/23/9

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

◯۞◯۞◯۞◯

ITُS ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

Al-Muminoon (23:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

أُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْوَٰرِثُونَ

یہی وارث ہیں

তারাই উত্তরাধিকার লাভ করবে।

These will be the heirs,

वही वारिस होने वाले है

/23/10

◯۞◯۞◯۞◯

※

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Muminoon (23:11)

ٱلَّذِينَ يَرِثُونَ ٱلْفِرْدَوْسَ هُمْ فِيهَا خَٰلِدُونَ

جو فردوس کے وارث ہوں گے جہاں وہ ہمیشہ رہیں گے

তারা শীতল ছায়াময় উদ্যানের উত্তরাধিকার লাভ করবে। তারা তাতে চিরকাল থাকবে।

Who will inherit Paradise: they will dwell therein (for ever).

जो फ़िरदौस की विरासत पाएँगे। वे उसमें सदैव रहेंगे

/23/11

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

-----রহমান-এর বান্দা---

Ibaadur-Rahmaani

The Servants of (Allaah ﷻ)

عباد الرحمان

रहमान के (प्रिय) बन्दें -----

Commands of Allaahu.swt. ﷻ

IT'S ALLAAHU ﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:63)

وَعِبَادُ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلَّذِينَ يَمْشُونَ عَلَى ٱلْأَرْضِ هَوْنًا وَإِذَا خَاطَبَهُمُ ٱلْجَٰهِلُونَ قَالُوا۟ سَلَٰمًا

Al-Furqaan (25:63)

رحمٰن کے (سچے) بندے وہ ہیں جو زمین پر فروتنی کے ساتھ چلتے ہیں اور جب بے علم لوگ ان سے باتیں کرنے لگتے ہیں تو وہ کہہ دیتے ہیں کہ سلام ہے

রহমান-এর বান্দা তারাই, যারা পৃথিবীতে নম্রভাবে চলাফেরা করে এবং তাদের সাথে যখন মুর্খরা কথা বলতে থাকে, তখন তারা বলে, সালাম।

And the servants of (Allaahu .swt,) Most Gracious are those who walk on the earth in humility, and when the ignorant address them, they say, "Peace!";

रहमान के (प्रिय) बन्दें वहीं है जो धरती पर नम्रतापूर्वक चलते है और जब जाहिल उनके मुँह आएँ तो कह देते है, "तुमको सलाम!"

25/63

✻ ✻ ✻ ✻ ✻

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

❄

IT͐S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

Al-Furqaan (25:64)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ يَبِيتُونَ لِرَبِّهِمْ سُجَّدًا وَقِيَٰمًا

Al-Furqaan (25:64)

اور جو اپنے رب کے سامنے سجدے اور قیام کرتے ہوئے راتیں گزار دیتے ہیں

এবং যারা রাত্রি যাপন করে পালনকর্তার উদ্দেশ্যে সেজদাবনত হয়ে ও দন্ডায়মান হয়ে;

Those who spend the night in adoration of their Lord Allaahuﷻ.swt,prostrate and standing;

जो अपने रब के आगे सजदे में और खड़े रातें गुज़ारते है;

25/64;

✻ ✻ ✻ ✻ ✻

Commands of Allaahu.swt.

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:65)

وَٱلَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا ٱصْرِفْ عَنَّا عَذَابَ جَهَنَّمَ إِنَّ عَذَابَهَا كَانَ غَرَامًا

Al-Furqaan (25:65)

اور جو یہ دعا کرتے ہیں کہ اے ہمارے ربّ !~~پروردگار~~!

ہم سے دوزخ جھنم

کا عذاب پرے ہی پرے رکھ، کیونکہ اس کا عذاب

چمٹ جانے والا ہے

এবং যারা বলে, হে আমার পালনকর্তা, আমাদের কাছথেকে জাহান্নামের শাস্তি হটিয়ে দাও। নিশ্চয় এর শাস্তি নিশ্চিত বিনাশ;

Those who say, "Our Lord!Allaahu.swt, avert from us the Wrath of Hell, for its Wrath is indeed an affliction grievous,-

जो कहते है कि "ऐ हमारे रब! जहन्नम की यातना को हमसे हटा दे।" निश्चय ही उनकी यातना चिमटकर रहनेवाली है

/25/65

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

✽

IT's ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:66)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّهَا سَآءَتْ مُسْتَقَرًّا وَمُقَامًا

Al-Furqaan (25:66)

بے شک وہ ٹھہرنے اور رہنے کے لحاظ سے بدترین جگہ ہے

বসবাস ও অবস্থানস্থল হিসেবে তা কত নিকৃষ্ট জায়গা।

"Evil indeed is it as an abode, and as a place to rest in";

निश्चय ही वह जगह ठहरने की दृष्टि! से भी बुरी है और स्थान की दृष्टि से भी

25/66;

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

✻

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING❖

Al-Furqaan (25:67)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ إِذَآ أَنفَقُوا۟ لَمْ يُسْرِفُوا۟ وَلَمْ يَقْتُرُوا۟ وَكَانَ بَيْنَ ذَٰلِكَ قَوَامًا

Al-Furqaan (25:67)

اور جو خرچ کرتے وقت بھی نہ تو اسراف کرتے ہیں نہ بخیلی، بلکہ ان دونوں کے درمیان معتدل طریقے پر خرچ کرتے ہیں

এবং তারা যখন ব্যয় করে, তখন অযথা ব্যয় করে না কৃপণতাও করে না এবং তাদের পন্থা হয় এতদুভয়ের মধ্যবর্তী।

Those who, when they spend, are not extravagant and not

niggardly, but hold a just (balance) between those (extremes);

जो ख़र्च करते है तो न अपव्यय करते है और न ही तंगी से काम लेते है,

बल्कि वे इनके बीच मध्यमार्ग पर रहते है

/25/67;

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Commands of Allaahu.swt.

✽

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:68)

وَٱلَّذِينَ لَا يَدْعُونَ مَعَ ٱللَّهِ إِلَٰهًا ءَاخَرَ وَلَا يَقْتُلُونَ ٱلنَّفْسَ ٱلَّتِي حَرَّمَ ٱللَّهُ إِلَّا بِٱلْحَقِّ وَلَا يَزْنُونَ وَمَن يَفْعَلْ ذَٰلِكَ يَلْقَ أَثَامًا

Al-Furqaan (25:68)

اور

أللہ کے ساتھ کسی دوسرے معبود کو نہیں پکارتے اور کسی ایسے شخص کو

جسے قتل کرنا أللہ تعالیٰ نے منع کردیا ہو وہ بجز حق کے قتل نہیں کرتے،

نہ وہ زنا کے مرتکب ہوتے ہیں اور جو کوئی یہ کام کرے وہ اپنے اوپر سخت وبال لائے گا

এবং যারা আল্লাহর ﷻ সাথে অন্য উপাস্যের এবাদত করে না, আল্লাহ ﷻ যার হত্যা অবৈধ করেছেন, সঙ্গত কারণ ব্যতীত তাকে হত্যা করে না এবং ব্যভিচার করে না। যারা একাজ করে, তারা শাস্তির সম্মুখীন হবে।

Those who invoke not, with Allaahu.swt, any other god, nor slay such life as Allaahu.swt, has made sacred except for just cause, nor commit fornication; - and any that does this (not only) meets punishment.

जो अल्लाह ﷻ के साथ किसी दूसरे इष्ट-पूज्य को नहीं पुकारते और न नाहक़ किसी जीव को जिस (के क़त्ल) को अल्लाह ﷻ ने हराम किया है, क़त्ल करते है। और न वे व्यभिचार करते है - जो कोई यह काम करे तो वह गुनाह के वबाल से दोचार होगा

/25/68.

✤ ✤ ✤ ✤ ✤

Commands of Allaahu.swt. ﷻ

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:69)

يُضَٰعَفْ لَهُ ٱلْعَذَابُ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ وَيَخْلُدْ فِيهِۦ مُهَانًا

Al-Furqaan (25:69)

اسے قیامت کے دن دوہرا عذاب کیا جائے گا اور وہ ذلت و خواری کے ساتھ ہمیشہ اسی میں رہے گا

কেয়ামতের দিন তাদের শাস্তি দ্বিগুন হবে এবং তথায় লাঞ্ছিত অবস্থায় চিরকাল বসবাস করবে।

(But) the Penalty on the Day of Judgment will be doubled to him, and he will dwell therein in ignominy,-

क़ियामत के दिन उसकी यातना बढ़ती चली जाएगी॥ और वह उसी में अपमानित होकर स्थायी रूप से पड़ा रहेगा

/25/69-

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:70)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَّا مَن تَابَ وَءَامَنَ وَعَمِلَ عَمَلًا صَٰلِحًا فَأُوْلَٰٓئِكَ يُبَدِّلُ ٱللَّهُ سَيِّـَٔاتِهِمْ حَسَنَٰتٍ وَكَانَ ٱللَّهُ غَفُورًا رَّحِيمًا

सिवाय उसके जो पलट आया और ईमान लाया और अच्छा कर्म किया, तो ऐसे लोगों की

Al-Furqaan (25:70)

سوائے ان لوگوں کے جو توبہ کریں اور ایمان لائیں اور نیک کام کریں، ایسے

،لوگوں کے گناہوں کو أﷲ تعالیٰ نیکیوں سے بدل دیتا ہے

أﷲ

بخشنے والا مہربانی کرنے والا ہے

কিন্তু যারা তওবা করে বিশ্বাস স্থাপন করে এবং সৎকর্ম করে, আল্লাহﷻ

তাদের গোনাহকে পুন্য দ্বারা পরিবর্তত করে এবং দেবেন। আল্লাহﷻ

ক্ষমাশীল, পরম দয়ালু।

Unless he repents, believes, and works righteous deeds, for

Allaahu.swt. will change the evil of such persons into good,

and Allaahu.swt. is Oft-Forgiving, Most Merciful,

सिवाय उसके जो पलट आया और ईमान लाया और अच्छा कर्म किया, तो ऐसे लोगों की बुराइयों को अल्लाह भलाइयों से बदल देगा। और अल्लाह है भी अत्यन्त क्षमाशील, दयावान

/25/70

✱ ✱ ✱ ✱ ✱

Commands of Allaahu.swt.

✱

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَن تَابَ وَعَمِلَ صَٰلِحًا فَإِنَّهُۥ يَتُوبُ إِلَى ٱللَّهِ مَتَابًا

Al-Furqaan (25:71)

اور جو شخص توبہ کرے اور نیک عمل کرے وہ تو أللہ تعالیٰ کی طرف سچا رجوع کرتا ہے (حقیقتاً)

যে তওবা করে ও সৎকর্ম করে, সে ফিরে আসার স্থান আল্লাহর দিকে ফিরে আসে।

And whoever repents and does good has truly turned to **Allaahu.swt** with an (acceptable) conversion;-

और जिसने तौबा की और अच्छा कर्म किया, तो निश्चय ही वह अल्लाह की ओर पलटता है, जैसा कि पलटने का हक़ है

/25/71-

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

✽

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING⁘

Al-Furqaan (25:72)

ﷺ

وَٱلَّذِينَ لَا يَشْهَدُونَ ٱلزُّورَ وَإِذَا مَرُّوا۟ بِٱللَّغْوِ مَرُّوا۟ كِرَامًا

Al-Furqaan (25:72)

اور جو لوگ جھوٹی گواہی نہیں دیتے اور جب کسی لغو چیز پر ان کا گزر ہوتا ہے تو شرافت سے گزر جاتے ہیں

এবং যারা মিথ্যা কাজে যোগদান করে না এবং যখন অসার ক্রিয়াকর্মের সম্মুখীন হয়, তখন মান রক্ষার্থে ভদ্রভাবে চলে যায়।

Those who witness no falsehood, and, if they pass by futility, they pass by it with honourable (avoidance);

जो किसी झूठ और असत्य में सम्मिलित नहीं होते और जब किसी व्यर्थ के कामों के पास से गुज़रते है, तो श्रेष्ठतापूर्वक गुज़र जाते है,

/25/72

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Commands of Allaahu.swt.

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Furqaan (25:73)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ إِذَا ذُكِّرُوا۟ بِـَٔايَٰتِ رَبِّهِمْ لَمْ يَخِرُّوا۟ عَلَيْهَا صُمًّا وَعُمْيَانًا

Al-Furqaan (25:73)

اور جب انہیں ان کے رب کے کلاّم کی آیتیں سنائی جاتی ہیں تو وہ اندھے بہرے ہو کر ان پر نہیں گرتے۔

এবং যাদেরকে তাদের পালনকর্তার আয়াতসমূহ বোঝানো হলে তাতে অন্ধ ও বধির সদৃশ আচরণ করে না।

Those who, when they are admonished with the Signs of their Lord, droop not down at them as if they were deaf or blind;

जो ऐसे हैं कि जब उनके रब की आयतों के द्वारा उन्हें याददिहानी कराई जाती है तो उन (आयतों) पर वे अंधे और बहरे होकर नहीं गिरते।

25/73

✱ ✱ ✱ ✱ ✱

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

✱

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING∴

Al-Qalam (68:4)ﷺ

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

Al-Furqaan (25:74)

ﷺ

وَٱلَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا هَبْ لَنَا مِنْ أَزْوَٰجِنَا وَذُرِّيَّٰتِنَا قُرَّةَ أَعْيُنٍ وَٱجْعَلْنَا لِلْمُتَّقِينَ إِمَامًا

Al-Furqaan (25:74)

اور یہ دعا کرتے ہیں کہ اے ربّي ~~پروردگار~~

تو ہمیں ہماری بیویوں اور اولاد سے آنکھوں کی !

ٹھنڈک عطا فرما اور ہمیں پرہیزگاروں کا پیشوا بنا

এবং যারা বলে, হে আমাদের পালনকর্তা, আমাদের স্ত্রীদের পক্ষ থেকে এবং আমাদের সন্তানের পক্ষ থেকে আমাদের জন্যে চোখের শীতলতা দান কর এবং আমাদেরকে মুত্তাকীদের জন্যে আদর্শস্বরূপ কর।

And those who pray, "Our Lord! Grant unto us wives and offspring who will be the comfort of our eyes, and give us (the grace) to lead the righteous."

और जो कहते है, "ऐ हमारे रब! हमें हमारी अपनी पत्नियों और हमारी संतान से आँखों की ठंडक प्रदान कर और हमें डर रखनेवालों का नायक बना दे।"

25/74 ."

✽ ✽ ✽ ✽ ✽

Al-Qalam (68:3)ﷺ

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

IT'S ALLAAHUﷻ SWT. COMMANDING:

Al-Furqaan (25:75)

﷽

أُو۟لَٰٓئِكَ يُجْزَوْنَ ٱلْغُرْفَةَ بِمَا صَبَرُوا۟ وَيُلَقَّوْنَ فِيهَا تَحِيَّةً وَسَلَٰمًا

Al-Furqaan (25:75)

یہی وہ لوگ ہیں جنہیں ان کے صبر کے بدلے جنت کے بلند و بالاخانے دیئے جائیں گے جہاں انہیں دعا سلام پہنچایا جائے گا

তাদেরকে তাদের সবরের প্রতিদানে জান্নাতে কক্ষ দেয়া হবে এবং তাদেরকে তথায় দোয়া ও সালাম সহকারে অভ্যর্থনা করা হবে।

Those are the ones who will be rewarded with the highest place in heaven, because of their patient constancy: therein shall they be met with salutations and peace,

यही वे लोग है जिन्हें, इसके बदले में कि वे जमे रहे, उच्च भवन प्राप्त होगा,

Al-Qalam (68:4)ﷺ

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

तथा ज़िन्दाबाद और सलाम से उनका वहाँ स्वागत होगा

✱ ✱ ✱ ✱ ✱

Commands of Allaahu.swt.ﷻ

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Furqaan (25:76)

خَٰلِدِينَ فِيهَا حَسُنَتْ مُسْتَقَرًّا وَمُقَامًا

Al-Furqaan (25:76)

اس میں یہ ہمیشہ رہیں گے، وہ بہت ہی اچھی جگہ اور عمدہ مقام ہے

তথায় তারা চিরকাল বসবাস করবে। অবস্থানস্থল ও বাসস্থান হিসেবে তা কত উত্তম।

Dwelling therein;- how beautiful an abode and place of rest!

वहाँ वे सदैव रहेंगे। बहुत ही अच्छी है वह ठहरने की जगह और स्थान;...../25/76

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

Betray not Allaahuجل جلاله.swt and His Messengerصلى الله عليه وسلم, nor betray knowingly your Amanat

Al-Anfaal (8:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تَخُونُوا۟ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ

وَتَخُونُوٓا۟ أَمَٰنَٰتِكُمْ وَأَنتُمْ تَعْلَمُونَ

اے ایمان والو! تم ألله اور رسول (کے حقوق) میں جانتے ہوئے خیانت مت کرو اور اپنی قابل حفاظت چیزوں میں خیانت مت کرو

হে ঈমানদারগণ, খেয়ানত করোনা আল্লাহﷻর সাথে ও রসূলেﷺর সাথে এবং খেয়ানত করো না নিজেদের পারস্পরিক আমানতে জেনে-শুনে।

O you who believe! Betray not Allaahuﷻ.swt and His Messengerﷺ, nor betray knowingly your Amanat (things entrusted to you, and all the duties which

Allaahuﷻ.swt has ordained for you).

ऐ ईमान लानेवालो! जानते-बुझते तुम अल्लाहﷻ और उसके रसूलﷺ के साथ विश्वासघात न करना और न अपनी अमानतों में ख़ियानत करना

/8/27

Exchage not with My Verses for a paltry price (i.e. getting a small gain by selling My Verses)

Al-Baqara (2:41)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَءَامِنُوا۟ بِمَآ أَنزَلْتُ مُصَدِّقًا لِّمَا مَعَكُمْ وَلَا تَكُونُوٓا۟ أَوَّلَ كَافِرٍۭ بِهِۦ ۖ وَلَا تَشْتَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِى

ثَمَنًا قَلِيلًا وَإِيَّٰيَ فَٱتَّقُونِ

اور اس کتاب پر ایمان ؤ جو میں نے تمہاری کتابوں کی تصدیق میں نازل فرمائی ہے اور اس کے ساتھ تم ہی پہلے کافر نہ بنو اور میری آیتوں کو تھوڑی قیمت پر نہ فروخت کرو اور صرف مجھ ہی سے ڈرو

আর তোমরা সে গ্রন্থের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন কর, যা আমি অবতীর্ণ করেছি সত্যবক্তা হিসেবে তোমাদের কাছে। বস্তুতঃ তোমরা তার প্রাথমিক অস্বীকারকারী হয়ো না আর আমার আয়াতের অল্প মূল্য দিও না। এবং আমার (আযাব) থেকে বাঁচ।

And believe in what I have sent down (this

Quran), confirming that which is with you, [the Taurat (Torah) and the Injeel (Gospel)], and be not the first to disbelieve therein, and buy not with My Verses [the Taurat (Torah) and the Injeel (Gospel)] a small price (i.e. getting a small gain by selling My Verses), and fear Me and Me Alone. (Tafsir At-Tabari, Vol. I, Page 253).

और ईमान लाओ उस चीज़ पर जो मैंने उतारी है, जो उसकी पुष्टि में है, जो तुम्हारे पास है, और सबसे पहले तुम ही उसके इनकार करनेवाले न बनो। और मेरी आयतों को थोड़ा मूल्य प्राप्त करने का साधन न बनाओ, मुझसे ही तुम डरो

/2/41

Be not as those [(72-groups)],who divided and differed among themselves after the clear proofs had come to them

Aal-i-Imraan (3:105)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّذِينَ تَفَرَّقُوا۟ وَٱخْتَلَفُوا۟ مِنۢ بَعْدِ مَا جَآءَهُمُ ٱلْبَيِّنَٰتُ وَأُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ

تم ان لوگوں کی طرح نہ ہو جانا جنہوں نے اپنے پاس روشن دلیلیں آ جانے کے بعد بھی تفرقہ ڈالا، اور اختلاف کیا، انہیں لوگوں کے لئے بڑا عذاب ہے

আর তাদের মত হয়ো না, যারা বিচ্ছিন্ন হয়ে গেছে এবং নিদর্শন সমূহ আসার পরও

বিরোধিতা করতে শুরু করেছে-তাদের জন্যে রয়েছে ভয়ঙ্কর আযাব।

And be not as those who divided and differed among themselves after the clear proofs had come to them. It is they for whom there is an awful torment.

तुम उन लोगों की तरह न हो जाना जो विभेद में पड़ गए, और इसके पश्चात कि उनके पास खुली निशानियाँ आ चुकी थी, वे विभेद में पड़ गए। ये वही लोग है, जिनके लिए बड़ी (घोर) यातना है। (यह यातना उस दिन होगी)

/3/105

Be Always Turning in repentance to Allaahuﷻ.swt (only), and be afraid and dutiful to Allaahuﷻ.swt(only),; and perform As-Salat...

not namaaz-which is the misnomer

Ar-Room (30:31)

ﷻ

مُنِيبِينَ إِلَيْهِ وَٱتَّقُوهُ وَأَقِيمُوا۟ ٱلصَّلَوٰةَ وَلَا تَكُونُوا۟ مِنَ ٱلْمُشْرِكِينَ

(!لوگو)

أللہ تعالیٰ کی طرف رجوع ہو کر اس سے ڈرتے رہو اور نماز کو قائم رکھو اور مشرکین میں سے نہ ہو جاؤ

সবাই তাঁর অভিমুখী হও এবং ভয় কর, ٱلصَّلَوٰةَ (~~নামায~~) কায়েম কর এবং মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না।

(Always) Turning in repentance to Him (only), and be afraid and dutiful to Him; and perform As-Salat (Iqamat-as-Salat) and be not of Al-Mushrikun (the disbelievers in the Oneness of Allaahu ﷻ.swt , polytheists, idolaters, etc.).

उसकी ओर रुजू करनेवाले (प्रवृत्त होनेवाले) रहो। और उसका डर रखो औरٱلصَّلَوٰةَ (~~नमाज़~~) का आयोजन करो और (अल्लाहﷻ का) साझी ठहरानेवालों में से न होना,

/30/31

And be not like those who forgot Allaahu.swt

Al-Hashr (59:19)

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّذِينَ نَسُوا۟ ٱللَّهَ فَأَنسَىٰهُمْ أَنفُسَهُمْ أُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْفَٰسِقُونَ

اور تم ان لوگوں کی طرح مت ہو جانا جنہوں نے أللہ (کے احکام) کو بھ دیا تو أللہ نے بھی انہیں اپنی جانوں سے غافل کر دیا، اور ایسے ہی لوگ نافرمان (فاسق) ہوتے ہیں

তোমরা তাদের মত হয়ো না, যারা আল্লাহ

তা'আলাকে ভুলে গেছে। ফলে আল্লাহﷻ তা' আলা তাদেরকে আত্ন বিস্মৃত করে দিয়েছেন। তারাই অবাধ্য।

And be not like those who forgot Allaahuﷻ.swt (i.e. became disobedient to Allaahuﷻ.swt) and He caused them to forget their ownselves, (let them to forget to do righteous deeds). Those are the Fasiqun (rebellious, disobedient to Allaahu.ﷻswt).

और उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने अल्लाहﷻ को भुला दिया। तो उसनेﷻ भी ऐसा किया कि वे स्वयं अपने आपको भूल बैठे। वही अवज्ञाकारी है

/59/19

And be not like those who say: "We have heard," but they hear not.

Al-Anfaal (8:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّذِينَ قَالُوا۟ سَمِعْنَا وَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ

اور تم ان لوگوں کی طرح مت ہونا جو دعویٰ تو کرتے ہیں کہ ہم نے سن لیا حالانکہ وہ سنتے نہیں (سناتے کچھ)

আর তাদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না, যারা বলে যে, আমরা শুনেছি, অথচ তারা শোনেনা।

And be not like those who say: "We have heard," but they hear not.

और उन लोगों की तरह न हो जाना जिन्होंने कहा था, "हमने सुना" हालाँकि वे सुनते नहीं

/8/21

And be not like those who come out of their homes boastfully and to be seen of men, and hinder (men) from the Path of

Allaahu ﷻ .swt

Al-Anfaal (8:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّذِينَ خَرَجُوا۟ مِن دِيَٰرِهِم بَطَرًا وَرِئَآءَ ٱلنَّاسِ وَيَصُدُّونَ عَن سَبِيلِ ٱللَّهِ ۚ وَٱللَّهُ بِمَا يَعْمَلُونَ مُحِيطٌ

ان لوگوں جیسے نہ بنو جو اتراتے ہوئے اور لوگوں میں خود نمائی کرتے ہوئے اپنے گھروں سے چلے اور اللہ کی راہ سے روکتے تھے، جو کچھ وہ کر رہے ہیں اللہ اسے گھیر لینے والا ہے

আর তাদের মত হয়ে যেয়ো না, যারা বেরিয়েছে নিজেদের অবস্থান থেকে গর্বিতভাবে এবং লোকদেরকে দেখাবার উদ্দেশে। আর আল্লাহﷻর পথে তারা বাধা দান করত। বস্তুতঃ আল্লাহﷻর আয়ত্বে রয়েছে সে সমস্ত বিষয় যা তারা করে।

And be not like those who come out of their homes boastfully and to be seen of men, and hinder (men) from the Path of Allaahu ﷻ.swt . and Allaahu ﷻ.swt is Muhitun (encircling and thoroughly comprehending) all that they do.

और उन लोगों की तरह न हो जाना जो अपने घरों से इतराते और लोगों को दिखाते निकले थे और वे अल्लाहﷻ के मार्ग से रोकते है, हालाँकि जो कुछ वे करते है, अल्लाहﷻ उसे अपने घेरे में लिए हुए है

/8/47

And be not like her who undoes the

thread which she has spun after it has become strong, by taking your oaths a means of deception among yourselves,

An-Nahl (16:92)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَكُونُوا۟ كَٱلَّتِى نَقَضَتْ غَزْلَهَا مِنۢ بَعْدِ قُوَّةٍ أَنكَٰثًا تَتَّخِذُونَ أَيْمَٰنَكُمْ دَخَلًۢا بَيْنَكُمْ أَن تَكُونَ أُمَّةٌ هِىَ أَرْبَىٰ مِنْ أُمَّةٍ ۚ إِنَّمَا يَبْلُوكُمُ ٱللَّهُ بِهِۦ ۚ وَلَيُبَيِّنَنَّ لَكُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ مَا كُنتُمْ فِيهِ تَخْتَلِفُونَ

اور اس عورت کی طرح نہ ہو جاؤ جس نے اپنا سوت مضبوط کاتنے کے بعد ٹکڑے ٹکڑے کرکے توڑ ڈالا، کہ تم اپنی قسموں کو آپس کے مکر کا

باعث ٹھراؤ، اس لیے کہ ایک گروہ دوسرے گروہ سے بڑھا چڑھا ہوجائے۔ بات صرف یہی ہے کہ اس عہد سے أللہ تمہیں آزما رہا ہے۔ یقیناً أللہ تعالیٰ تمہارے لیے قیامت کے دن ہر اس چیز کو کھول کر بیان کر دے گا جس میں تم اختلاف کر رہے تھے

তোমরা ঐ মহিলার মত হয়ো না, যে পরিশ্রমের পর কাটা সূতা টুকরো টুকরো করে ছিড়ে ফেলে, তোমরা নিজেদের কসমসমূহকে পারস্পরিক প্রবঞ্চনার বাহানা রূপে গ্রহণ কর এজন্যে যে, অন্য দল অপেক্ষা এক দল অধিক ক্ষমতাবান হয়ে যায়। এতদ্বারা তো আল্লাহﷻ শুধু তোমাদের পরীক্ষা করেন। আল্লাহﷻ অবশ্যই কিয়ামতের দিন প্রকাশ করে দেবেন, যে বিষয়ে তোমরা কলহ করতে।

And be not like her who undoes the thread which she has spun after it has become strong, by taking your oaths a means of deception among yourselves, lest a nation may be more numerous than another nation. Allaahu.ﷻswt only tests you by this [i.e. who obeys Allaahu.ﷻswt and fulfills Allaahu.ﷻswt's Covenant and who disobeys Allaahu.ﷻswt and breaks Allaahu.ﷻswt's Covenant]. And on the Day of Resurrection, He will certainly make clear to you that wherein you used to differ [i.e. a believer confesses and believes in the Oneness of Allaahu.ﷻswt. and in the Prophethood of Prophet Muhammad SAW which the disbeliever denies it and that was their difference amongst them in the life of this world].

तुम उस स्त्री की भाँति न हो जाओ जिसने अपना सूत मेहनत से कातने के पश्चात टुकड़-टुकड़े करके रख दिया। तुम अपनी क़समों को परस्पर हस्तक्षेप करने का बहाना बनाने लगो इस ध्येय से कहीं ऐसा न हो कि एक गिरोह दूसरे गिरोह से बढ़ जाए। बात केवल यह है कि अल्लाह ﷻ इस प्रतिज्ञा के द्वारा तुम्हारी परीक्षा लेता है और जिस बात में तुम विभेद करते हो उसकी वास्तविकता तो वह क़ियामत के दिन अवश्य ही तुम पर खोल देगा

/16/92

మేమే పోటుమొనగాళ్ళం-అంతా మాదగ్గరికేరావాలె!

మాయెంగిలిథూకు-సర్వరోగనివారణి-బోటల్సులో నీళ్ళు తీసికొనిరండి-మేము

పడ్కే ఫుకాయిస్తాము-మీకష్టాలన్నీ పటాపంచలైయెగిరిపోతాయి-

Appointment for meeting /shadi/etc

fees

కవిచౌడబ్బ-,".రూకిచ్చిన "

గండిపేటపొట్టకోటలతో **బండితబజ్జల** దొండియేట-

క్యా యే సృఛ హో---పఁడిత: పుత్ర: శ్రుఁఠహ ?----బండితసుతులు సుండలా?

గడచిన ఆ సత్యకాలంలో దైవచింతగలిగిన మంచి పండితులు కొవ్వూ కండా

బొజ్జా పెరగకుండా జాగ్రత్తపడేవాళ్ళు.

దైవభీతితో గజగజ వణికేవారు-తక్కు తిండి,తీర్థం-తక్కువ నిద్ర- అతియెక్కువ

దైవదాస్యం చేసేవారు-భొగలాలసవిలాసాలకు కోసులదూరంగ వుండేవారు...

శాయశక్తులా ప్రయాసపడి చెడ్డనుఆపేవాళ్ళు-అవసరంఐతే

తాకత్తునుపయోగించైనా సరే/

మంచిని అన్నిరకాలా సర్వదా పెంపొందించేవాళ్ళు ..మానవత్వం ,మమత,

సేవాభావం,నమ్రత,చిరుమందహాసం మొగాలపై చిద్విలాసంతో ,తొణికిసలాడేవి.

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING

Al-Maaida (5:44)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّآ أَنزَلْنَا ٱلتَّوْرَىٰةَ فِيهَا هُدًى وَنُورٌ يَحْكُمُ بِهَا ٱلنَّبِيُّونَ ٱلَّذِينَ أَسْلَمُوا۟ لِلَّذِينَ هَادُوا۟ وَٱلرَّبَّٰنِيُّونَ وَٱلْأَحْبَارُ بِمَا ٱسْتُحْفِظُوا۟ مِن كِتَٰبِ ٱللَّهِ وَكَانُوا۟ عَلَيْهِ شُهَدَآءَ فَلَا تَخْشَوُا۟ ٱلنَّاسَ وَٱخْشَوْنِ وَلَا تَشْتَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِى ثَمَنًا قَلِيلًا وَمَن لَّمْ يَحْكُم بِمَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ فَأُو۟لَٰٓئِكَ هُمُ ٱلْكَٰفِرُونَ

निस्संदेह हमने तौरात उतारी, जिसमें मार्गदर्शन और प्रकाश था। नबी जो आज्ञाकारी थे, उसको यहूदियों के लिए अनिवार्य ठहराते थे कि वे उसका पालन करें और इसी प्रकार अल्लाहवाले और शास्त्रवेत्ता भी। क्योंकि उन्हें अल्लाह की किताब की सुरक्षा का आदेश दिया गया था और वे उसके संरक्षक थे। तो तुम

लोगों से न डरो, बल्कि मुझ ही से डरो और मेरी आयतों के बदले थोड़ा मूल्य प्राप्त न करना। जो लोग उस विधान के अनुसार फ़ैसला न करें, जिसे अल्लाह ने उतारा है, तो ऐसे ही लोग विधर्मी है

আমি তওরাত অবর্তীর্ন করেছি। এতে হেদায়াত ও আলো রয়েছে। আল্লাহর আজ্ঞাবহ পয়গম্বর, দরবেশ ও আলেমরা এর মাধ্যমে ইহুদীদেরকে ফয়সালা দিতেন। কেননা, তাদেরকে এ খোদায়ী গ্রন্থের দেখাশোনা করার নির্দেশ দেয়া হয়েছিল এবং তাঁরা এর রক্ষণাবেক্ষণে নিযুক্ত ছিলেন। অতএব, তোমরা মানুষকে ভয় করো না এবং আমাকে ভয় কর এবং আমার আয়াত সমুহের বিনিময়ে স্বল্পমূল্যে গ্রহণ করো না, যেসব লোক আল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন, তদনুযায়ী ফায়সালা করে না, তারাই কাফের।

ہم نے تورات نازل فرمائی ہے جس میں ہدایت ونور ہے، یہودیوں میں اسی تورات کے ساتھ أللہ تعالیٰ کے ماننے والے انبیا (علیہم السلام) اور اہل أللہ اور علما فیصلے کرتے تھے کیونکہ انہیں أللہ کی اس کتاب کی حفاظت کا حکم دیا گیا تھا۔ اور وہ اس پر اقراری گواہ تھے اب تمہیں چاہیئے کہ لوگوں سے نہ ڈرو اور صرف میرا ڈر رکھو، میری آیتوں کو تھوڑے تھوڑے مول پر نہ بیچو، جو لوگ أللہ کی اتاری ہوئی وحی کے ساتھ فیصلے نہ کریں وہ (پورے اور پختہ) کافر ہیں

It was We who revealed the law (to Moses): therein was guidance and light. By its standard have been judged the Jews, by the prophets who bowed (as in Islam) to Allaahu.swt,'s will, by the rabbis and the doctors of law: for to them was entrusted the protection of Allaahu.swt,'s book, and they were witnesses thereto: therefore fear not men, but fear me, and sell not my signs for a miserable price. If any do fail to judge by (the light of) what Allaahu.swt, hath revealed, they are (no better than) Unbelievers.

......5/44

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

రానురాను రాజుగారి గుఱ్ఱం గాడిదైనట్టు .....

....యే మందూ-మాకులకూ కొఱగాని యేదో హినీ వినీ టినీ -కరోనా మరోనా రోనా sironose-virose-viroid-మాయదారిరోగం సోకిందో ..యేమోగాని అంతా తారుమారే!

నానాటికి తీసికట్టు నానంబట్టూ అన్నట్లే యవ్వారం-నాకు గుడక సమఝ్

ఐతాలేద్!

పండితులు మొద్దుబారి -ఒజ్జబొజ్జతిండిపోతుబీమన్న బండితుండ్లుగ మారారా!

ముందు [[గాడిదపైన గరీబు-ఖుర్రముపైన నవాబు]] అనే రోజులలోగూడ,

రివాయతీపండితులు రెండుకాళ్ళ నటరాజసర్వీసు నడకతో నడిచి

గసాబుసాఇనాసరే యెండనక-వాననక-వచ్చి వైజు అడ్వైజు తో సంఘ

సంస్కారం జేసేవారు-తృణం-పణం-కాంచానం-కనకం-ఇత్యాది సమర్పణలను

గైకొనేదే లేదు-వెరసి దైవప్రీతికొసంమాత్రమే సంఘసేవ-మానవసేవా జేసేవాళ్ళు-

వాళ్ళ నడతలో good samaritanship ద్యోతకం అయ్యేది-వాళ్ళకు నీ-నా-

తన-అపనా-పరాయా-అస్మ-తస్మ-ఫీలింగులు లేకుండే-

ఇబ్బుడైతై "మోడరన్ స్మార్ట్ఫోన్ స్పోర్టింగ్ యంగ్-ఓల్డు " ఒజ్జబొజ్జల

సంఘటనలు-.

మొదటిది- యెక్కువగా యూట్యూబులో వూటలూరించే-లాలసరంజిత

అథోతడివీడియోలనే దర్సిస్తారట-అలా కన్నుల-వీనుల -యింకా యేమేమో

విందులు జేస్కొంటారట---

రేండోది పెద్దపేద్ద బిరియానీ హోటల్సులో ముప్పూటలా వేళకు ఠంచనుగా

గుడుగుడుమోటరు గుఱ్ఱాలపై మెరుపులు ఝుళిపిస్తూ దిగివస్తారట-పాపీ పేట్

కీపూజా కేలియే-

మూడోది వుద్దరగా దేవునిపేరుతో డబ్బు-దస్కాలూ దండుకొంటున్నారట-వాళ్ళ

తరఫున చందాలు వసూలుజేసే అందచందాలచంద్రకోమరులకు 40%/50%

ముట్టజెప్పి మిగిలిన"క్రౌడ్ ఫండెడ్ ఫండు"ను మనీలాండరింగు గావించి

తమసొంతపేర్లతో రియల్ఎస్టేట్ గా మార్చుకొంటున్నారట

ఒజ్జబొజ్జ-బండితులు.:-ఒకప్పుడు మాజీలో సైకిలుదర్రాజ లేని

ఒజ్జబొజ్జబండితవర్యులూ పెద్దపేద్ద 39/40-ల-కారాల బండ్లు-గాడీలు- లో

చక్కర్లు కొడుతున్నారట-జాహిలు-గాఫిలు జనాలకు కల్లిబొల్లి కబుర్లుజెప్పి

నీతులు వల్లిస్తారట-చెప్పేది సిరిరంగనీతులట:--దూరేది దొమ్మారగుడిసెలట-

సేకరించినచందా-క్రౌడ్-క్లౌట్-ఫండులతో ఐష్-ఆరాము-హరాముగా రోల్-

మాడల్సుగ తమ జిందగీలు తీర్చిదిద్దుకుంటారట

-మూడుపూళా-ఆరుకాయలా- ?

సంపదలు చేకూరగా సరసాలకేం కొదవవుండదట-!

ఒకటికిరెండు ఫోర్ వ్హీలర్సు బండ్లతోబాటు పెండలాల సంఖ్య గూడ ఇదాఫ

ఔతాదట-సొంతూర్లో ఓ ఆడదైతే -ఆమెకు ఆస్తులు వేరేనట-ఇబ్బుడుండే వూర్లో

రెండో/మూడో/నాలుగో కాపురం అట-ఇక్కడా ఆస్తుల సంఖ్య పెరుగుతూనే

వుండే-

[[[యెద్దుగా పుడితే దున్నిదున్ని -తిరగదున్నుతూనేసావాలట-

మరిమగోడో-యేంజేయాల-వీళ్లనుజూస్తే అర్దమోద్ధి యిసయం-తెగ-తెగించి-

అమీకీ'డెప్తులోకి గోతాల్ --?"][ఉండవలెను నరునకొక్కటి -ముండైనన్ -

ముత్తైదైనన్-ముసిలిదైనన్-]]]-

ఈసత్యాన్ని ఒజ్జబొజ్జ బండితులు సిన్నబ్బుడేసదువుకున్నరట-ఇబ్బుడు

ప్రాక్టికల్సు అమలుజేయాల్సిన అవకాశం ((బై హుక్ or క్రూక్)) - దొరక

బుచ్చుకొన్నారట-

బలే చాన్సులే! అవకాశాన్ని జారవిడుసుకొనేషమూర్ఖులమా-?

తమ ఉదార కుక్కకక్కుర్తిస్వభావాలను ప్రదర్సిస్తూ చిత్తకార్తిజాగిలాలలా

unknown depths లోకి దూసుకపోతున్నారట-

اگے بھی جانے نا تو

پیچھے بھی جانے نا تو

یھی کرلے آرجوا پوری

యెక్కువగా వేడుకోళ్ళు జేయాల్సిన ముకద్దసుమహీన -పస్తుల నెలలో-

దైవాజ్నలనుకాలరాసి -ఇబాదతులను గాలికి వదిలేసి ,సిగ్గూ యెగ్గూ గోడకు

లగ్గాయించి చేతిలోరసీదు బుక్కులుబట్టుకొని అతార రాజ్యాలు

దేశదిమ్మరిఖరబసివిలా తిరుగుతున్నారట సావుపేలాలేరుకొనే ఈ బొజ్జబజ్జ

బండితులు-

[[[ఏక్-మహీనా-ఫిర్నా-గ్యార-మహినే-బైర్-కో ఖానా-కతే-]]]

జాహిలు జనాలు గొప్పగ చేతులు విదిలిస్తారు-మామూలుదినాలలో కూడ

[[యెంగిలిచేత్తోకాకిని గూడ అదిలించని పాసిపండ్లపీనాసిపుంగవుడైన-నేనూ-

సాలేసాల్ పస్తులనెలలోమటుకు- బొజ్జబజ్జలకు చేయ్యి ధారాళంజేసి విదిలించి

మరియాద జేస్తా,]]

ఇగ డబ్బు-దౌలతులుండే డౌలుదౌలతురాయుళ్ళ సంగతి చెప్పాల్సిన

పనిలేద్-

విపరీతంగ రాలుస్తారు పైసలను-

()()()()()()()()()()

బొజ్జఒజ్జలు ముందొక రొట్టె-రెట్ట ముక్క వుద్దరగ అడుక్కుంటారట-మల్ల

దేవునిపేరుతో జనాలనుండి

(ghee)నెయ్యి గుంజుతారట-

పెండ్లి దేవాజ్ఞల ప్రకారం సింపుల్ గజరపాలని పబ్లికు్క నొక్కి వక్కాణిస్తారట-

కట్నం-కానుకలూ-డబ్బుదస్కాలూ హరాము అనంటారట-మళ్ళ తమమాటలను

మరిచిపోయి వేస్టుగజరిగే లగ్గాలలో హాజరుఐ- బిరియానీలు ఖుబానీకా

మిఠాయిను రసవత్తరంగ సేవించి వరున్ని దీవించి service charges + tips

బఖ్షిషు తో బాటు సమేటాయించిన Cash+kind సమేతంగ

పారిపొతున్నారట-ఇదేం పద్ధతో - బండితుండ్ల యవ్వారం అంతుబట్టక-

అర్థంజేసుకోలేక ఓ ముసిలి భగోడా ఘోడా బోకుడుబుడ్డా అసచర్యంతో తన

వేలునే కొరుకొన్నాట-

అసలు యిసయం యేంటంటే ఆయెదవసన్నాసిరకం ముసిలిమాను"ఓఫ్" కు

"ధనమూల-మిదం-జగత్"-"న బాప్ బడా న మయ్యా -సబ్సే బడా రుపయ్యా

భయ్యా!"-Money makes everything-అనే సామెతలు తెలియవట-

బండితుండ్ల సఈ-కోషిషు-పడిగాపులన్నీ ముఫ్తు పైసలకోసమే-

బొందలగుంతకాడ నక్కలలా-బొక్కల(bones)కాడ కుక్కలలా -వాల్ల సూపులూ

యెదుటోడిజేబుపైనే-టక్కరి మక్కరి మాటలతో యేమారినయెదుటోడిని బోల్తా

గొట్టించి"హాథ్ కీ సఫాయీ-"హథేలీహస్తలాఘవంతో గ్రహించి

ఆనందించుటయేతమజీవనపరమాధి-అట-

"యీల్ల ఆకతాయి ఆగడాలకు ఆటకట్టు యెబ్బుడో" అని ఆ ముసిలిమాను

బోకుడు....ఆవేదనబడుతుండె-

ఒజ్జ-బండితుండ్లు ఆధునిక పెట్రోలుతాగేగుఱ్ఱదర్రాజ-లపై ఆఘమేఘాలమీద

వచ్చి తొందరగా తంతు-గావించి వచ్చినరీతినే అయిపులేకుండ

అదృశ్యమైపోతుండిరి-ఐతే పొయేముందు"బందులిఫాఫ"(ఆ సీల్డు కవర్ లో

ముందుగ ఫిక్సు చేసుకొన్న ఫీజుపైసలుంటాయ్+++-లంచంలేనిదే

మంచమెక్కను అనే పద్ధతిలో పరిగెడుతున్నారు-)తప్పకగైకొంటారు-

انہیں ان کے عابد وعالم جھوٹ باتوں کے کہنے اور حرام چیزوں کے کھانے سے کیوں نہیں روکتے، بےشک برا کام ہے جو یہ کر رہے ہیں

ఇస్లాహ చేయాల్సింది పోయి- ఉల్టా-డిప్లొమాసీ , ఝూఠ్,హేరాఫేరీ,

ఎప్పటికెయ్యదిప్రస్తుతమప్పటికామాట-వీళ్ళ సక్సెసుఫుల్ modus operandi-

కి బునియాదీ బేసిక్ వుసూలట-ఎటు దిరిగి డబ్బులు రాలుతూ వుండాలట-

వీళ్ళముందు కేటుగాళ్ళుconmenలూ దిగదుడుపే నట-బలాదూరేనట-

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

An-Nahl (16:116)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَقُولُوا۟ لِمَا تَصِفُ أَلْسِنَتُكُمُ ٱلْكَذِبَ هَٰذَا حَلَٰلٌ وَهَٰذَا حَرَامٌ لِّتَفْتَرُوا۟ عَلَى ٱللَّهِ ٱلْكَذِبَ إِنَّ ٱلَّذِينَ يَفْتَرُونَ عَلَى ٱللَّهِ ٱلْكَذِبَ لَا يُفْلِحُونَ

और अपनी ज़बानों के बयान किए हुए झूठ के आधार पर यह न कहा करो," यह हलाल है और यह हराम है," ताकि इस तरह अल्लाह पर झूठ आरोपित करो। जो लोग अल्लाह से सम्बद्ध करके झूठ घड़ते है, वे कदापि सफल होनेवाले नहीं

তোমাদের মুখ থেকে সাধারনতঃ যেসব মিথ্যা বের হয়ে আসে তেমনি করে তোমরা আল্লাহর বিরুদ্ধে মিথ্যা অপবাদ আরোপ করে বল না যে, এটা হালাল এবং ওটা হারাম। নিশ্চয় যারা আল্লাহর বিরুদ্ধে মিথ্যা আরোপ করে, তাদের মঙ্গল হবে না।

کسی چیز کو اپنی زبان سے جھوٹ موٹ نہ کہہ دیا کرو کہ یہ حلل ہے اور یہ حرام ہے کہ أللہ پر جھوٹ بہتان باندھ لو، سمجھ

لو کہ أللہ تعالیٰ پر بہتان بازی کرنے والے کامیابی سے محروم ہی رہتے ہیں

But say not - for any false thing that your tongues may put forth,- "This is lawful, and this is forbidden," so as to ascribe false things to Allaahu.swt,. For those who ascribe false things to Allaahu.swt,, will never prosper.

/16/116

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

Al-Maaida (5:63)

لَوْلَا يَنْهَىٰهُمُ ٱلرَّبَّٰنِيُّونَ وَٱلْأَحْبَارُ عَن قَوْلِهِمُ ٱلْإِثْمَ وَأَكْلِهِمُ ٱلسُّحْتَ لَبِئْسَ مَا كَانُوا۟ يَصْنَعُونَ

उनके सन्त और धर्मज्ञाता उन्हें गुनाह की बात बकने और हराम खाने से क्यों नहीं रोकते? निश्चय ही बहुत बुरा है जो काम वे कर रहे है

দরবেশ ও আলেমরা কেন তাদেরকে পাপ কথা বলতে এবং হারাম ভক্ষণ করতে নিষেধ করে না? তারা খুবই মন্দ কাজ করছে।

انہیں ان کے عابد وعالم جھوٹ باتوں کے کہنے اور حرام چیزوں کے کھانے سے کیوں نہیں روکتے، بےشک برا کام ہے جو یہ کر رہے ہیں

Why do not the rabbis and the doctors of Law forbid them from their (habit of) uttering sinful words and eating things forbidden? Evil indeed are their works.

......5/63

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

At-Tawba (9:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱتَّخَذُوٓا۟ أَحْبَارَهُمْ وَرُهْبَٰنَهُمْ أَرْبَابًا مِّن دُونِ ٱللَّهِ وَٱلْمَسِيحَ ٱبْنَ مَرْيَمَ وَمَآ أُمِرُوٓا۟ إِلَّا لِيَعْبُدُوٓا۟ إِلَٰهًا وَٰحِدًا لَّآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ سُبْحَٰنَهُۥ عَمَّا يُشْرِكُونَ

उन्होंने अल्लाह से हटकर अपने धर्मज्ञाताओं और संसार-त्यागी संतों और मरयम के बेटे ईसा को अपने रब बना लिए है - हालाँकि उन्हें इसके सिवा और कोई आदेश नहीं दिया गया था कि अकेले इष्ट-पूज्य की वे बन्दगी करें, जिसक सिवा कोई और पूज्य नहीं। उसकी महिमा के प्रतिकूल है वह शिर्क जो ये लोग करते है। -

তারা তাদের পন্ডিত ও সংসার-বিরাগীদিগকে তাদের পালনকর্তারূপে গ্রহণ করেছে আল্লাহ ব্যতীত এবং মরিয়মের পুত্রকেও। অথচ তারা আদিষ্ট ছিল একমাত্র মাবুদের এবাদতের জন্য। তিনি ছাড়া কোন মাবুদ নেই, তারা তাঁর শরীক সাব্যস্ত করে, তার থেকে তিনি পবিত্র।

ان لوگوں نے أللہ کو چھوڑ کر اپنے عالموں اور درویشوں کو رب بنایا ہے اور مریم کے بیٹے مسیح کو حالانکہ انہیں صرف ایک اکیلے أللہ
ہی کی عبادت کا حکم دیا گیا تھا جس کے سوا کوئی معبود نہیں وہ پاک ہے ان کے شریک مقرر کرنے سے

They take their priests and their anchorites to be their lords in derogation of Allaahu ﷻ.swt, and (they take as their Lord) Christ the son of Mary; yet they were commanded to worship but

One Allaahu.swt,: there is no god but He. Praise and glory to Him: (Far is He) from having the partners they associate (with Him).

.......9/31

IT'S ALLAAHU SWT. COMMANDING:

At-Tawba (9:34)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِنَّ كَثِيرًا مِّنَ ٱلْأَحْبَارِ وَٱلرُّهْبَانِ لَيَأْكُلُونَ أَمْوَٰلَ ٱلنَّاسِ بِٱلْبَٰطِلِ وَيَصُدُّونَ عَن سَبِيلِ ٱللَّهِ وَٱلَّذِينَ يَكْنِزُونَ ٱلذَّهَبَ وَٱلْفِضَّةَ وَلَا يُنفِقُونَهَا فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ فَبَشِّرْهُم بِعَذَابٍ أَلِيمٍ

ऐ ईमान लानेवालो! अवश्य ही बहुत-से धर्मज्ञाता और संसार-त्यागी संत ऐसे है जो लोगो को माल नाहक़ खाते है और अल्लाह के मार्ग से रोकते है, और जो लोग सोना और चाँदी एकत्र करके रखते है और उन्हें अल्लाह के मार्ग में ख़र्च नहीं करते, उन्हें दुखद यातना की शुभ-सूचना

दे दो

হে ঈমানদারগণ! পন্ডিত ও সংসারবিরাগীদের অনেকে লোকদের মালামাল অন্যায়ভাবে ভোগ করে চলছে এবং আল্লাহর পথ থেকে লোকদের নিবৃত রাখছে। আর যারা স্বর্ণ ও রূপা জমা করে রাখে এবং তা ব্যয় করে না আল্লাহর পথে, তাদের কঠোর আযাবের সুসংবাদ শুনিয়ে দিন।

اے ایمان والو! اکثر علما اور عابد، لوگوں کا مال ناحق کھا جاتے ہیں اور أللہ کی راہ سے روک دیتے ہیں اور جو لوگ سونے چاندی کا خزانہ رکھتے ہیں اور
أللہ کی راہ میں خرچ نہیں کرتے، انہیں دردناک عذاب کی خبر پہنچا دیجئے

O ye who believe! there are indeed many among the priests and anchorites, who in Falsehood devour the substance of men and hinder (them) from the way of Allaahu ﷻ.swt,. And there are those who bury gold and silver and spend it not in the way of Allaahu ﷻ.swt,: announce unto them a most grievous penalty------9/34

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

మంచిطیباتవి తింటే మంచి నడవడిక కలుగునని దేవ వువాచ-
వేరేవి తింటే షైతానుగా మారిపోగలడు మనిసి- ఇగ మఁచి చెడ్డల తారతమ్యం obscure కాగలదట-evilకూడ good-best -అనిపిస్తాదట-
"తినగతినగ వేము తీయనాయే"-అన్నటుల హరాము-హలాలు-అనే డిఫరెన్సు మొద్దుబారిన మష్కిష్తాన్ని stimulate చేయలేవు-మనసూ నియ్యతులూ గట్టిపడిపోయే-రోజా వల్లెవేసే దైవవాక్కుర ప్రభావం ఆ బండితుండుపై కానరాదు-కానీ అవే నీతివాక్యాలను ఉద్యోగపరంగా అందరికీ రోజా వల్లిస్తాడు-- జుమ్మ-ఫ్రైడే రోజు యేదో రొటీన్-గా యెక్కువమోతాదులో Radio Noise of Mareka లా తన సౌండు బైట్సు-డెసిబల్సు పెంచి బకబకాయిస్తాడు- సిరిరంగనీతులు నోట్లో వున్నాయి గానీ హృదయాంతరాలలోకి దిగలే-అట్లాదిగకుండా జాగ్రత్త పడ......-
కావాల్సింది ధన్-దౌలత్-YT-videos-+++فواحشة
కమ్యూనికేషన్ లకు మామూలు ఫోనుసాలదా! స్మార్టుఫోనెందుకో?అశ్లీల లీలావీడియోల కోసమా? మరేంటో! ....కతలుచెబుతాడు-కలుషిత బండితవర్యుడు-
""గొడ్డుచస్తే యజమానికినష్టం-""షాద్మానీ-మన్మానీ-తలాకు-మలాకు-బులాకు-వీటితో జనాలకు నష్టంగానీ యిల్లకు లాబమే-
"మనిసిజస్తేమాకేలాభం"-అంటూ శవాలపై పేలాలేరుకోనే వాడికి చిత్తశుద్ధి-చిత్తడి-సుద్ధి కలుగునా?

ఆవు యెక్కడ జతకట్టినా నోప్రాబలమ్- నా గాటిలో ఈనితే సాలు-పాలకంకుల దాసరి రాలినకాడికి రాలనీ అంటాడట-ఆ దాసరే ఐడియల్-గొప్పనమూనా అట-

పోనీ దేవున్ని గురించి సరిగ్గా చెబుతున్నాడా-అంటే!

అదేంలేదు!-తౌహీదుగురించి సప్పుడుచేయరే-దైవవాక్కులను మించి సచ్చిన బుజ్రోగుబురుగుల మాటలకే high value-యిస్తాడీ బండితుండు-బుజ్రోగుల బొందలగడ్డలకు బోయి సూసిరా అంటాడు!యేంజూసేదాడ-సూరబ్బ గుంతనా ..యెందుకో? యెదవ! సచ్చినోడునాకేం సాయంజేయగలడో ?

దైవవాక్కులను పక్కకు నెట్టి/ తారుమారుజేసి/దాచేసి/మార్చేసి/వదిలేసి.....

ఇంకేం- తౌహీదు --వల్లకాడు-?

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

dtp by jiddujaahilu with Technical help from Appalaroju सैनडिया

Al-Qalam (68:3)بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلاق پر ہے

More reading ......

archive.org.telugu books లో

అల్లాహు.సుబహానహూ వ తఆలా వారి-అనుగ్రహసహకారాలతోనే ఇన్ని

ఫైల్సు తయారుచేయగలితిమి!

(1) హువల్లాహుల్లజీ లాఇలాహ ఇల్లా హూ//

"వ మా 'కదరుల్లాహ హ'క్క 'కదరిహీ-//

(2)"కబాయిరు-గొప్పనేరాలు ".//

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...Folio

(40) तवक्कुल

(41) Velo -islamica-Hijab-spanish

(42) Voile Islamique-Hijab-french

(43)

++++++more books in the offing

from

Khatija zulfeqar and Kareeminnissa

jiddujaahelu-జిడ్డుజాహిలు

DulkiflAli-జుల్ఫికార్అలీ

+*+*+*+*+*

General books

(1) Godmen,Fakirs....//

(2) CKD-కిడ్నీజబ్బు-//

(3) కనక శునక జాగిలాలూ సునకాలూ. //

(4) సామెతలు //

(5) సన్యాసులు-యెదవసన్నాసులు //

అల్లాహు.సుబహానహూ వ తఆలా అనుగ్రహిస్తే+ మలికుల్ మోతు

రాకుండవుంటే రాబోయేవి-ఇంకా యెన్నో చేయాలనిమా తపన...

.....in process....

షిర్కు-అతిగొప్పఘోరాతిఅఘోరం-

3కోట్లా/30 కోట్లా/ 1టా

ఫిలిస్తీన్-అక్సా

వసీలః

మునాఫికుడు

ముష్రికుడు

శిశినపటేలుడు

కాఫిరుడు

ముఖ్సిరు-ముతఖ్ఫిఫుడు

3దేవీలు 4బీవీలు తీన్మార్తల్లాకులు- ఏకైక పటేలుపోట్టేలు

రాబందులొస్తున్నాయ్ -మీ జకాతుకోడిపిల్లలను బద్రంజేసుకోండోయ్-

గండిదొండిపేటలలో వొజ్జబోజ్జ బండితులు-

మిథ్ ఆఫ్ నానాగడ్డి శాఖాహారం

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے

dtp by jiddujaahilu with Technical help from Appalrajoسیندھیا

Al-Qalam (68:3)

وَإِنَّ لَكَ لَأَجْرًا غَيْرَ مَمْنُونٍ

আপনার জন্যে অবশ্যই রয়েছে অশেষ পুরস্কার।...Nay, verily for thee is a Reward unfailing:

निश्चय ही तुम्हारे लिए ऐसा प्रतिदान है जिसका क्रम कभी टूटनेवाला नहीं...

Al-Qalam (68:4)

وَإِنَّكَ لَعَلَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ

আপনি অবশ্যই মহান চরিত্রের অধিকারী।...And thou (standest) on an exalted standard of character.....निस्संदेह तुम एक महान नैतिकता के शिखर पर हो

اور بیشک تو بہت بڑے (عمدہ) اخلق پر ہے